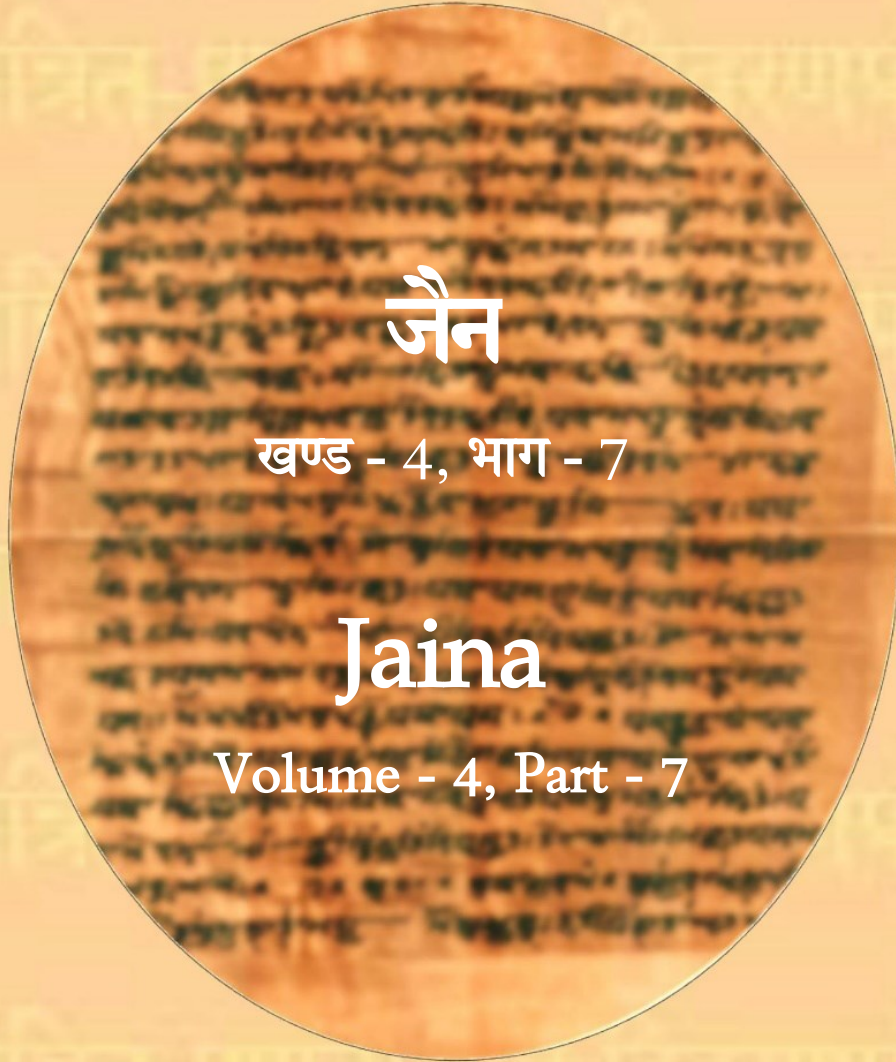


सूक्ष्मचित्रित-पाण्डुलिपि-विवरणपञ्जिका
Descriptive Catalogue of Microfilmed Manuscripts



जैन

खण्ड - 4, भाग - 7

Jaina

Volume - 4, Part - 7



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

नई दिल्ली

सूक्ष्मचित्रित-पाण्डुलिपि-विवरणपञ्जिका

जैन

खण्ड - 4, भाग - 7

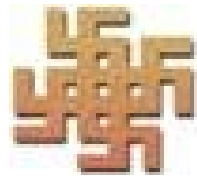
सम्पादक

प्रो० (डॉ०) रमेश चन्द्र गौड़

डॉ० कीर्तिकान्त शर्मा

डॉ० दीपराज गुप्ता

श्री भरत सिंह राणा



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

नई दिल्ली

सम्पादन सहयोगी

डॉ० नवीन कुमार

परियोजना सहयोगी

डॉ० पौलोमी दाशगुप्ता

परियोजना सहायक

© सर्वाधिकार सुरक्षित – इस प्रकाशन का कोई भी अंश प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशित करना निषिद्ध है।

२०२३ खण्ड – ४ (भाग – ७)

मूल्य –

ई-मुद्रक – मेसर्स मीवान इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड
नई दिल्ली

प्रकाशक

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

जनपथ बिल्डिंग, जनपथ मार्ग, नई दिल्ली-११०००१

Descriptive Catalogue of Microfilmed Manuscripts

Jaina

Volume - 4, Part - 7

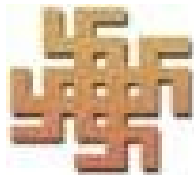
Editors

Prof. (Dr.) Ramesh C. Gaur

Dr. Kirtikant Sharma

Dr. D. R. Gupta

Shri B. S. Rana



INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

NEW DELHI

Editorial Assistants

Dr. Naveen Kumar

Project Associate

Dr. Poulomee Dasgupta

Project Assistant

© All RIGHTS RESERVED No part of the publication may be reproduced in any form or by any means, without written permission of the publisher.

2023 Vol. - 4 (Part - 7)

Price:

E-printed by : M/s Mivaan Infotech Pvt. Ltd

New Delhi

Published by

INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

Janpath Building, Janpath Road, New Delhi – 110001

विषयानुक्रमणी

1. प्राक्कथन (Forword)	i
2. आमुख (Introduction)	ii-xii
3. संकेताक्षर (Abbreviations)	xiii-xiv
4. जैन (JAINA)	1 - 259
5. शीर्षक सूची (Title Index)	260 - 279
6. लेखक/व्याख्याकार सूची (Author/Commentator Index).....	280 - 286

प्राकथन

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि 'आगम-तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र' की सूक्ष्मचित्रित मात्रिकाओं की विवरण पञ्जिकाओं के पश्चात् 'दर्शन-गीता-भक्ति-जैन' की विवरण पञ्जिकाओं का ई-प्रकाशन आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। दर्शन शब्द का अर्थ है 'दृश्यते अनेनेति दर्शनम्' वस्तुतः सत्य का अवलोकन करना दर्शन कहलाता है। आप पुरुषों ने कहा है-

“सिद्धान्तभूतो वेदानामर्थो येन प्रदर्श्यते ।

तद्दर्शनमितिप्रोक्तं सर्वशास्त्रविचक्षणः ।।”

अर्थात् समस्त विश्व-व्यवस्था का आधार आत्मा स्वरूप हैं। मानव-जीवन का चरम लक्ष्य ही इस आत्मा का दर्शन हैं और इस उद्देश्यपूर्ति के लिये प्रस्तुत शास्त्र को ही दर्शनशास्त्र कहते हैं।

भारतीय दर्शन की उत्पत्ति आध्यात्मिक असंतोष से हुई है। यहाँ के दार्शनिकों ने संसार को दुःखमय माना है। भारतीय दार्शनिक संप्रदायों में वेदों की प्रामाणिकता के प्रति आस्था और अनास्था के आधार पर दर्शन के दो भेद हैं आस्तिक और नास्तिक। जन साधारण की दृष्टि से ईश्वर में विश्वास रखने वाला आस्तिक और ईश्वर में आस्था न रखने के कारण नास्तिक कहलाता है। प्राचीन दृष्टिकोण से वेद द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों को प्रामाणिक तथा सत्य मानने वाला आस्तिक है, उसके विपरीत वेद विरोधी व उसमें श्रद्धा न रखने वाले को नास्तिक कहते हैं (नास्तिको वेदनिन्दकः)।

अज्ञान ही मनुष्य के समस्त दुःखों, क्लेशों का कारण हैं। दर्शन का उद्देश्य मनुष्य को दुःख से, अज्ञान से, मुक्त कराना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 'दर्शन-गीता-भक्ति-जैन' की विवरण पञ्जिकाओं के प्रकाशन का कार्य सभी विद्वत् समुदाय के लिए प्रासंगिक एवं उपयोगी सिद्ध होगा ऐसी कामना करता हूँ ।

डॉ० सच्चिदानन्द जोशी

सदस्य सचिव

आमुख

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के संदर्भ पुस्तकालय में अनेक हस्तलेखागारों से संगृहीत सूक्ष्मचित्रित संस्कृत आदि प्राच्य भाषाओं की लगभग तीन लाख पाण्डुलिपियों की विवरण पत्रिका के सम्पादन का कार्य निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। इन पाण्डुलिपियों की विवरण पत्रिका के प्रथम खंड 'वेद' के चार भाग (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद्) तथा द्वितीय खण्ड षड् वेदाङ्गों (शिक्षा, व्याकरण, छन्द, ज्योतिष, निरक्त और कल्प) का भी (भाग 1-13) ई-बुक माध्यम से तथा तृतीय खण्ड 'आगम-तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र' का भी (भाग 1-5) ई-बुक रूप में प्रकाशित हो चुका है। अब आप सभी विद्वद् समुदाय के सम्मुख 'दर्शन-भक्ति-गीता-जैन' की विवरण पत्रिकाओं का ई-प्रकाशन प्रस्तुत किया जा रहा है। दर्शन शब्द की निष्पत्ति 'दृश्' धातु से हुई है जिसका तात्पर्य है -'देखना' अर्थात् दर्शन साक्षात् ज्ञान की प्राप्ति का एक माध्यम है। संक्षेप में कहें तो दर्शन निष्पक्ष, बौद्धिक एवं सर्वांगीण ज्ञान की प्राप्ति का तार्किक प्रयास है। भारतीय दर्शन के अनुसार जीवन का प्रत्येक क्षण दुखत्रय (आध्यात्मिक, आधिभौतिक और आधिदैविक) की स्थिति के कारण व्यथित रहता है। इन्हीं दुखों की निवृत्ति की जिज्ञासा एवं चिंतन-मनन ने भारतीय दर्शन को जन्म दिया। भारतीय दर्शनशास्त्र दो श्रेणियों में विभक्त हैं- वैदिक अर्थात् आस्तिक और अवैदिक अर्थात् नास्तिक। भारतीय दार्शनिक विचारधारा में आस्तिक दर्शन वह है जो आत्मतत्त्व के समर्थन में वेद सम्बद्ध तर्कों का आश्रय लेता है। इसके विपरित नास्तिक दर्शन जो अपनी विचार पद्धति में वेद विरोधी तर्कों को भी स्थान देता है।

आस्तिक दर्शन 6 हैं- सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, मीमांसा। इन 6 के समूह को षड्दर्शन कहते हैं। बौद्ध, जैन व चार्वाक ये तीन **नास्तिक दर्शन** कहे जाते हैं क्योंकि ये वेद में विश्वास नहीं रखते।

सांख्य दर्शन : भारतीय दर्शन में सांख्य सबसे प्राचीन है। इस दर्शन के सिद्धान्त कई उपनिषदों में प्राप्त होते हैं। कपिलमुनि इस दर्शन के प्रवर्तक हैं। सांख्य शब्द संख्या शब्द से उत्पन्न है क्योंकि यह दर्शन 24 या 25 तत्त्वों का प्रतिपादन करता है। महाभारत में सांख्य दर्शन के एक मत के अनुसार तत्त्वों की संख्या 24 है -

**संख्या प्रकुर्वते चैवं प्रकृतिञ्च प्रचक्षते ।
तत्त्वानि च चतुर्विंशत् तेन सांख्यं प्रकीर्तितम् ।**

ईश्वरकृष्ण अपने सांख्यकारिका ग्रन्थ में 25 तत्त्वों को स्वीकर करते हैं - **पाँच कर्मेन्द्रियाँ** (हस्त, पाद, वाणी, मलद्वार तथा जननेन्द्रियाँ) **पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ** (नेत्र, जिह्वा, नासिका, त्वचा और श्रोत्र) **पाँच तन्मात्राएँ** (रूप, रस, गंध, स्पर्श तथा शब्द) **पाँच महाभूत** (पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश) पुरुष, प्रकृति, महद् या बुद्धि, अहंकार तथा मन। इस प्रकार 25 तत्त्वों की सहायता से संसार का निर्माण होता है।

सांख्य दर्शन के सत्कार्यवाद, प्रकृति, पुरुष, तत्त्व, आदि कुछ महत्त्वपूर्ण सिद्धान्त हैं सत्कार्यवाद सांख्य दर्शन का मूलभूत और सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण सिद्धान्त है। इसके अनुसार कार्य कारण में अव्यक्त रूप से हमेशा ही विद्यमान रहता है। कारण सामग्री द्वारा वह अव्यक्त रूप से व्यक्त रूप में आता है। सत्कार्यवाद के दो भेद हैं-परिणामवाद और विवर्तवाद। परिणामवाद से तात्पर्य है कि कारण वास्तविक रूप में कार्य में परिवर्तित हो जाता है जैसे तिल तेल में, दूध दही में रूपान्तरित होता है। विवर्तवाद के अनुसार परिवर्तन वास्तविक न होकर आभास मात्र होता है जैसे- रस्सी में सर्प का आभास होना। वस्तुतः विवर्तवाद अद्वैत वेदान्त की मान्यता है।

योग : योग सनातन की प्राचीन सम्पत्ति है। ऋषियों की ज्ञान उत्पत्ति का कारण योग ही माना जा सकता है। योग के अभ्यास से ही मनुष्य अनेक प्रकार की सिद्धियाँ भी प्राप्त कर सकता है। योग शब्द का उल्लेख ऋग्वेद, शतपथ ब्राह्मण और बृहदारण्यकोपनिषद् में प्राप्त होता है। वेद में इस शब्द का प्रयोग घोड़े को वश में करने के अर्थ में हुआ है परन्तु बाद में लाक्षणिक रूप में इसका अर्थ मन और इन्द्रियों को वश में करने के अर्थ में ले लिया गया। महर्षि पाणिनि के अनुसार इस शब्द की व्युत्पत्ति युज् समाधौ या युजिर् योगे से हुई है। वर्तमान में इसका प्रयोग आत्मसंयम द्वारा चित्तवृत्तियों का निरोध करने में है। **“योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।”**

योग दर्शन के आचार्य पतञ्जलि थे। यह दर्शन कपिल मुनि के सांख्य दर्शन से कुछ मिलता-जुलता है। महाभारत में इन दर्शनों को एक-दूसरे का पूरक माना है। सांख्य दर्शन सिद्धान्त (Theory) का प्रतिपादन करता है तो योगदर्शन व्यवहारिक (Practical)। योगदर्शन के अनुसार इस संसार में दुःख ही दुःख हैं। उस दुःख से मुक्ति योग द्वारा हो सकती है परन्तु मोक्ष प्राप्ति के लिए योग परमावश्यक है। योग दर्शन ईश्वर में निर्विवाद आस्था रखने के कारण 25 तत्त्वों को स्वीकार करता है। इसे सेश्वर सांख्य भी कहते हैं।

महर्षि पतञ्जलि द्वारा प्रतिपादित योग के आठ अंग हैं-

1. **यम :** सत्य, अहिंसा, अस्तेय अर्थात् चोरी ना करना, ब्रह्मचर्य अर्थात् विषय वासनाओं से दूर रहना तथा अपरिग्रह अर्थात् लालच ना करना। ये पाँच प्रकार के यम हैं जो शरीर को सबल और शक्तिशाली बनाते हैं क्योंकि सबल मन के लिए सबल शरीर की आवश्यकता होती है।
2. **नियम :** ये भी पाँच हैं- शौच (शारीरिक पवित्रता), संतोष, तप (कठिन व्रत का पालन करना), स्वाध्याय तथा ईश्वर प्रणिधान।
3. **आसन :** योग के सभी आसनों में बैठने का ढंग सबसे महत्त्वपूर्ण है। इनकी संख्या 84 है।
4. **प्राणायाम :** प्राणायाम का अर्थ है श्वास को वश में करना। पूरक, कुम्भक और रेचक प्राणायाम की तीन महत्त्वपूर्ण अवस्थाएँ हैं।
5. **प्रत्याहार :** प्रत्याहार का अर्थ है इन्द्रियों को वश में करना। बाह्य विषयों से इन्द्रियों और मन को विमुख करना प्रत्याहार कहलाता है।

6. **धारणा** : मन को एक विशेष स्थान या वस्तु पर स्थिर करने की क्रिया को धारणा कहते हैं।
7. **ध्यान** : जब धारण द्वारा मन को किसी भी वस्तु पर एकाग्र करके उस वस्तु पर लगातार मनन और चिन्तन किया जाता है, तो उसे ध्यान कहते हैं।
8. **समाधि** : यह योग का अन्तिम सोपान है। जब ध्यान ध्येय वस्तु के आवेश से मानों अपने स्वरूप में शून्य हो जाता है और ध्येय वस्तु के आकार को ही ग्रहण कर लेता है – “तदाकाराकारितचित्तवृत्तिः” तो समाधि का उदय होता है।

न्याय : न्यायदर्शन के प्रवर्तक गौतम मुनि हैं। न्याय शब्द ‘नी’ धातु से निष्पन्न है। न्याय शब्द का अर्थ है – “नियमेन ईयते” अर्थात् जिसकी सहायता से किसी निश्चित सिद्धान्त पर पहुंचा जा सके उसे न्याय कहते हैं। कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में इसे आन्वीक्षिका विद्या के नाम से पुकारा है।

नैयायिकों के लिए वेद प्रमाण हैं। इस दर्शन की विशेषता यह है कि यह सभी बातें तर्क और विश्लेषण की सहायता से प्रमाणित करता है। न्याय दर्शन की दो धाराएँ हैं – प्राचीन न्याय और नव्यन्याय। प्राचीन का आरम्भ गौतम के न्यायसूत्रों से माना जाता है। प्रमा अर्थात् ज्ञान को प्राप्त करने के लिए न्याय 16 पदार्थों को स्वीकार करता है- प्रमाण, प्रमेय, संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा, हेत्वाभास, छल, जाति तथा निग्रह स्थान। नव्यन्याय का उदय 12 वीं शताब्दी में गंगेश उपाध्याय द्वारा रचित ‘तत्त्वचिन्तामणि’ से हुआ। इसमें न्यायदर्शन द्वारा सम्मत चार प्रमाणों – प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान तथा शब्द के अङ्ग प्रत्यङ्ग का सूक्ष्म दृष्टि से विवेचन किया गया है। नव्यन्याय के अनुयायी वैशेषिक दर्शन के द्वारा स्वीकृत 7 पदार्थों को ही मानते हैं। ईसा से लगभग चतुर्थ शताब्दी पूर्व गौतम ने न्याय सूत्रों की रचना की। इन सूत्रों पर सबसे प्रसिद्ध और प्रामाणिक वात्स्यायन का भाष्य है।

वैशेषिक : इस दर्शन के जन्मदाता कणाद मुनि हैं। कुछ लोग इसे औलूक्य दर्शन के नाम से जानते हैं, क्योंकि इस दर्शन के उद्भावक मुनि का नाम उलूक था, परन्तु भोजन के कुछ कण पर ही निर्वाह करने के कारण उन्हें कणाद कहा जाने लगा। इस दर्शन की मुख्य विशेषता यह है कि परमाणु नित्य हैं और इन्हीं से संसार की उत्पत्ति होती है। इसी विशेषता के कारण यह वैशेषिक दर्शन कहलाया।

इस दर्शन के अनुसार पदार्थ सात हैं- द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय और अभाव। सम्पूर्ण संसार को इनमें से किसी न किसी श्रेणी के अंतर्गत रखा जा सकता है। कणाद मुनि ने छह पदार्थों का उल्लेख किया है। अभाव को बाद में जोड़ दिया गया। पदार्थ की व्युत्पत्ति पद और अर्थ से हुई है। जिस पद का कुछ अर्थ हो वह पदार्थ है। संसार की सभी वस्तुओं को हम किसी न किसी नाम से पुकारते हैं अथवा इनका कुछ न कुछ अर्थ निकलता है। अतः वे सभी वस्तुएँ पदार्थ हैं। इस दर्शन का साहित्य अपेक्षाकृत कम है। 300 ई.पू. के लगभग कणाद मुनि ने वैशेषिक सूत्र लिखे। प्रशस्तपाद ने इन सूत्रों पर धर्म सङ्ग्रह नामक भाष्य लिखा जो वैशेषिक दर्शन के लिए अमूल्य उपहार हैं।

वेदान्त : इस दर्शन को उत्तर मीमांसा और ब्रह्म मीमांसा भी कहते हैं। वेदान्त दर्शन भारतीय अध्यात्मशास्त्र का मुकुटमणि समझा जाता है। वेदान्त का अर्थ है – वेदों का अंतिम भाग। वस्तुतः उपनिषद् वेदों के अंतिम भाग है। अतः इन्हें वेदान्त के नाम से अभिहित किया जाता है। परन्तु उपनिषद् अनेक हैं और कई स्थानों पर इनके सिद्धान्तों में भी भिन्नता दृष्टिगोचर होती है। वेदान्त दर्शन के मुख्य आधार बादरायण के ब्रह्मसूत्र हैं। बादरायण ने इनकी रचना सभी उपनिषदों के मतों में एकता स्थापित करने के उद्देश्य से की। किन्तु ये सूत्र दार्शनिक दृष्टिकोण से इतने संक्षिप्त हैं कि किसी भी भाष्य के बिना इनका अर्थ स्पष्ट नहीं होता। यही कारण है कि इन सूत्रों के व्याख्याकारों ने विभिन्न प्रकार से व्याख्या की। फलस्वरूप कुछ नये सम्प्रदाय बन गये, जिनमें से चार सम्प्रदाय निम्नलिखित हैं—

1. **अद्वैत** : वेदान्त के इस मत के प्रवर्तक जगद्गुरु शङ्कराचार्य हैं। इस मत के अनुसार ब्रह्म ही एक मात्र सत्य है। जगत् की सत्ता मिथ्या है। ब्रह्म एवं जीव एक है पर अज्ञान के कारण अलग-अलग दिखाई देते हैं। “**ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः**” यही संक्षेप में अद्वैतवाद का सिद्धान्त है।
2. **द्वैतवाद** : वेदान्त के इस मत का प्रवर्तक का नाम मध्वाचार्य है। उनके अनुसार जीव और ब्रह्म दो हैं। इन दोनों में कभी भी एकता नहीं हो सकती। अतः इसे द्वैतमत के नाम से जाना गया है।
3. **शुद्धाद्वैत** : वल्लभाचार्य इस मत के प्रवर्तक हैं। इनके अनुसार ब्रह्म सगुण भी है और निर्गुण भी। यह संसार का कारण है। जीवात्मा और ब्रह्म में अन्तर ब्रह्म की इच्छा से है, माया या अज्ञान के कारण नहीं। अतः इनका मत शुद्धाद्वैत के नाम से जाना जाता है।
4. **विशिष्टाद्वैतवाद** : इस मत के प्रवर्तक रामानुजाचार्य हैं। उनकी दृष्टि में ईश्वर सब गुणों से युक्त है। ब्रह्म सगुण ही होता है। निर्गुण ब्रह्म नहीं होता। जीव और जगत् ईश्वर के ही दो रूप हैं। यह मत जीव तथा जगत् रूप विशेषणों से युक्त है, अतः इस मत को विशिष्टाद्वैत का नाम दिया गया है। सर्वप्रथम बादरायण ने ब्रह्मसूत्र लिखे। इन सूत्रों पर शङ्कर ने अपना भाष्य लिखा। ये ब्रह्म सूत्र और इन पर लिखा हुआ शङ्कर भाष्य ही वेदान्त दर्शन की आधारशिला है। वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन का मुकुटमणि है। उसके बारे में यह कहना उचित है कि—

“**तावद् गर्जन्ति शास्त्राणि जम्बूका विपिने यथा ।**

न गर्जति महाशक्तिः यावद् वेदान्तकेसरी ।।”

मीमांसा : यह दर्शन धर्म की प्रकृति और परम तत्त्व ब्रह्म दोनों का ही वर्णन करता है। यह दर्शन पूर्व मीमांसा और उत्तर मीमांसा दो भागों में विभक्त है। पूर्व मीमांसा का संबंध कर्मकाण्ड से है और उत्तर मीमांसा का झुकाव ज्ञानकाण्ड की ओर रहता है। मीमांसा दर्शन के अनुसार वेद का प्राकट्य स्वयं

ब्रह्मा द्वारा माना जाता है। अतः वेदों की प्रामाणिकता पर किसी प्रकार का संदेह करना अज्ञानता है। उनके अनुसार वेद मनुष्य को कोई ना कोई कर्म करने के लिए प्रेरित करते हैं। मीमांसक कर्म को ही सबसे प्रधान मानते हैं। इसी कारण पूर्व मीमांसा को कर्म मीमांसा भी कहा जाता है। मीमांसा दर्शन के आधार जैमिनी सूत्र हैं। यद्यपि जैमिनी को ईश्वरवादी सिद्धान्तों के आचार्य के रूप में स्वीकार किया गया है, तथापि पूर्व मीमांसा में ईश्वर का महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त नहीं होता।

इसके विपरित उत्तर मीमांसा अथवा वेदान्त दर्शन उपनिषदों के ब्रह्म तथा अद्वैतवाद का प्रतिपादन उचित रूप से करता है। प्रमा अथवा वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने के साधनों को प्रमाण कहते हैं। जैमिनी के अनुसार प्रत्यक्ष, अनुमान और शब्द ये तीन प्रकार के प्रमाण हैं। प्रभाकर ने इसमें उपमान और अर्थापत्ति जोड़ दिए। तत्पश्चात् कुमारिल भट्ट ने अनुपलब्धि नामक छटा प्रमाण और जोड़ दिया। इस प्रकार मीमांसा दर्शन छह प्रमाण मानता है। इस दर्शन का मूल ग्रन्थ **मीमांसासूत्र** हैं।

नास्तिक दर्शन : भारतीय दर्शन पर वेद का प्रभाव दो प्रकार से पडा है। कुछ वेद को मानते हैं और कुछ वेद को नहीं मानते। इन्हीं वैदिक संस्कृति के विरुद्ध जो प्रतिक्रियाएँ हुई उनमें चार्वाक, बौद्ध तथा जैन आदि नास्तिक दर्शनों की उत्पत्ति हुई। ये सभी वेद को प्रमाण नहीं मानते थे।

चार्वाक : अवैदिक दर्शनों में प्रथम चार्वाक का नाम लिया जाता है। यह एक भौतिकवादी दर्शन है। इस दर्शन के अनुसार जड़ तत्त्व या भौतिक तत्त्व की ही अन्तिम सत्ता है। यह मात्र प्रत्यक्ष को ही प्रमाण मानता है तथा पारलौकिक सत्ताओं को यह सिद्धान्त स्वीकार नहीं करता है। सर्वदर्शनसङ्ग्रह में चार्वाक के मत से सुख ही इस जीवन का प्रधान लक्ष्य है। स्त्री, पुत्र और अपने कुटुम्बियों से मिलने तथा उनके द्वारा दिये जाने वाले सुख ही सुख कहलाते हैं। उनका आलिङ्गन करना ही पुरुषार्थ है, संसार में खाना-पीना और सुख से रहना चाहिए। इस दर्शन में कहा गया है कि-

यावज्जीवेत् सुखं जीवेद् ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत् ।

भस्मीभूतस्य देहस्य पुनरागमनं कुतः ॥

बौद्ध : बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध थे। वे बचपन में सिद्धार्थ कहलाते थे। जरा-मरण के दृश्यों को देखने से उनके मन में यह विश्वास पैदा हुआ कि संसार में केवल दुःख ही दुःख है। अतः दुःख से मुक्ति पाने के लिए इन्होंने संन्यास ग्रहण किया। अनेक वर्षों की अखण्ड साधना के परिणाम स्वरूप ये बोधि(पूर्ण ज्ञान) प्राप्त बुद्ध कहलाये। महात्मा बुद्ध ने भी अपने धर्म का प्रचार मौखिक रूप से ही किया। इनके उपदेशों का सङ्ग्रह जिन ग्रन्थों में हैं वे त्रिपिटक कहे जाते हैं। त्रिपिटकों के अन्तर्गत विनयपिटक, सुत्तपिटक तथा अभिधम्मपिटक हैं। विनयपिटक में सदाचार के नियमों का, सुत्तपिटक में दृष्टान्तों के साथ उपदेशों का, तथा अभिधम्मपिटक में दार्शनिक विषयों का विवेचन हुआ है। कालान्तर में महात्मा बुद्ध के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक बढ़ गई और वे वैभाषिक, सौत्रान्तिक, योगाचार और माध्यमिक आदि चार सम्प्रदायों में विभक्त हो गये।

जैन : महावीर स्वामी द्वारा प्रतिपादित जैन दर्शन नास्तिक दर्शनों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैन आचार संहिता तो विश्वदर्शन साहित्य की अमूल्य निधि है। जैन मत के प्रवर्तक तीर्थंकर कहलाते हैं। ऋषभदेव इस परम्परा के प्रथम तीर्थंकर माने जाते हैं तथा महावीर 24वें एवं अन्तिम तीर्थंकर के रूप में समादृत हैं। वे गौतम बुद्ध के समसामयिक थे। तीर्थंकरों को जिन भी कहते हैं क्योंकि इन्होंने राग-द्वेष को जीतकर निर्वाण प्राप्त किया है। जैनों के दो सम्प्रदाय प्राप्त होते हैं – श्वेताम्बर तथा दिगम्बर। इन दोनों सम्प्रदायों में मूल सिद्धान्तों में भेद नहीं है बल्कि उनका भेद आचार-विचार सम्बन्धी कुछ गौण बातों को लेकर है। तीर्थंकरों के अनुसार बन्धन मुक्ति हेतु तीन उपायों की आवश्यकता है - 1. सम्यक् दर्शन अर्थात् जैन महात्माओं के उपदेशों के प्रति श्रद्धा का भाव, 2. सम्यक् ज्ञान अर्थात् उनके उपदेशों का यथार्थ बोध, 3. सम्यक् चरित्र अर्थात् नैतिक नियमों के अनुकूल आचरण। इस दर्शन में सात तत्त्व माने गये हैं— जीव, अजीव, आस्रव, बन्ध, संवर, निर्जर तथा मोक्ष। जैन दर्शन का ध्येय है – आध्यात्मिक अनुभव।

गीता : महाभारत के युद्ध आरम्भ होने से पहले भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया वह श्रीमद्भगवद्गीता नाम से प्रसिद्ध है। यह महर्षि वेदव्यास कृत महाभारत ग्रन्थ के भीष्मपर्व का अङ्ग है। भारतीय परम्परा के अनुसार गीता का स्थान वही है जो उपनिषद् और धर्मसूत्रों का है। उपनिषदों को गौ(गाय) और गीता को उसका दुग्ध कहा गया है। इसका तात्पर्य यह है कि उपनिषदों की जो अध्यात्म विद्या थी, उसको गीता सर्वांश स्वीकार करती है। गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं। प्रथम अध्याय का नाम **अर्जुनविषादयोग** है। यह गीता के उपदेश का विलक्षण नाटकीय रंगमंच प्रस्तुत करता है जिसमें श्रोता और वक्ता दोनों ही कुतूहल शान्ति के लिए नहीं वरन् जीवन की प्रगाढ़ समस्या के समाधान के लिए प्रवृत्त होते हैं। द्वितीय अध्याय **सांख्ययोग** है। इसमें जीवन की दो प्राचीन परम्पराओं का तर्कों द्वारा वर्णन आया है। **कर्मयोग** नामक तीसरे अध्याय में अर्जुन ने सांख्य और योग के विषय में प्रश्न किया है। **ज्ञान-कर्म-संन्यास योग** नामक चतुर्थ अध्याय में बताया गया है कि ज्ञान प्राप्त करके कर्म करते हुए भी कर्मसंन्यास का फल किस उपाय से प्राप्त किया जा सकता है। यहीं गीता का प्रसिद्ध आश्वासन है जब-जब धर्म की हानि होती है तब-तब मनुष्य के बीच में भगवान का अवतार होता है, अर्थात् भगवान की शक्ति विशेष रूप से मूर्त होती है-

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे ॥

इसी प्रकार पञ्चम अध्याय कर्मसंन्यास योग, षष्ठ अध्याय आत्मसंयम योग, सप्तम अध्याय ज्ञान-विज्ञान योग, अष्टम अध्याय ब्रह्म योग, नवम अध्याय राजगुह्य योग, दशम अध्याय विभूति योग, एकादश अध्याय विश्वरूपदर्शन योग नाम से प्रसिद्ध है। द्वादश अध्याय भक्ति योग, त्रयोदश अध्याय क्षेत्र और

क्षेत्रज विचार, चतुर्थदश अध्याय गुणत्रय विभाग योग, पञ्चदश अध्याय पुरुषोत्तम योग, षोडश अध्याय में देवासुर संपत्ति का विभाग तथा सप्तदश अध्याय में श्रद्धात्रय विभाग योग बताया गया है। गीता का अन्तिम अष्टादश अध्याय मोक्ष संन्यास योग है। इसमें गीता के समस्त उपदेशों का सार एवं उपसंहार है। गीता का प्रारम्भ धर्म शब्द से होता है। धर्म का अर्थ है धारण करने वाला अथवा जिसे धारण किया गया है। धारण करने वाला जो है उसे आत्मा कहा गया है और जिसे धारण किया है वह प्रकृति है। आत्मा इस संसार का बीज अर्थात् पिता है और प्रकृति गर्भधारण करने वाली माता है। गीता पर शङ्कराचार्य, रामानुज, श्रीधर स्वामी तथा बालगंगाधर तिलक आदि मनीषियों के अनेक भाष्य प्राप्त होते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता के अतिरिक्त रामगीता, अर्जुन गीता, ब्रह्म गीता, शिव गीता तथा गर्भ गीता आदि अनेक गीता प्राप्त होती हैं।

भक्ति : भक्ति शब्द की व्युत्पत्ति 'भज्' सेवायाम् धातु में 'क्तिन्' प्रत्यय के योग से हुई है, जिसका अर्थ 'सेवा करना' या 'भजना' है, अर्थात् श्रद्धा और प्रेमपूर्वक इष्ट देवता के प्रति आसक्ति। महर्षि वेदव्यास ने पूजा में अनुराग को भक्ति कहा है। भक्ति ही ईश्वर की उपासना, आराधना पूजा तथा सेवा आदि के मूल में स्थित प्रेरक भाव है और भक्ति के विधान ही धर्मों की सृष्टि के कारण बनते हैं। इसी कारण विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का प्रचलन होता है। भारत भूमि अनादिकाल से ही विचारकों, चिन्तन-मनन करने वाले मनीषियों तथा जिज्ञासु-दार्शनिकों को जन्म देती रही है। साहित्य ग्रन्थों के अनुसार दक्षिण में आलवार सन्तों ने भक्ति का सूत्रपात किया था। इसके बाद कुछ आचार्यों ने इस कार्य को आगे बढ़ाया। इन आचार्यों में रामानुजाचार्य प्रमुख थे। इन्होंने दक्षिण से अपनी भक्तिधारा को उत्तर में फैलाया। इस भक्तिधारा के प्रवाह में वल्लभाचार्य, मध्व, निम्बार्क, चैतन्य जैसे संतो ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। साधना पद्धतियों की विभिन्नता के फलस्वरूप भक्ति के दो रूप प्रचलित हुए - 1. निर्गुण भक्ति, 2. सगुण भक्ति।

निर्गुण भक्ति : निर्गुण भक्तिधारा के अनुसार ईश्वर निराकार, निर्गुण, सर्वव्यापी तथा सर्वशक्तिमान है। इनके अनुसार मिथ्याज्ञान ही माया है और इसी से सांसारिक संबंध पैदा होते हैं। निर्गुण संतो ने शङ्कर के अद्वैतवाद को स्वीकार करते हुए जीव को ब्रह्म का अंश माना। सांसारिक बन्धनों से मुक्ति के लिए वे वैराग्य को भी महत्व देते हैं।

सगुण भक्ति : सगुण भक्ति मार्ग में ईश्वर अवतारी पुरुष है। वही कृष्ण, विष्णु, राम, शिव आदि विविध रूपों में आता है। पूजा- अर्चना से उसे पाया जा सकता है। इन्होंने नवधा भक्ति को विशेष महत्व दिया है।

वेदों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों तथा षड्वर्षियों के इस देश में बहुत से दर्शनाचार्यों की दीर्घ परम्परा विद्यमान रही है। समय-समय पर ये दर्शन, इनकी व्याख्याएँ तथा मनीषियों द्वारा किए गए विवेचन-विश्लेषण भारत ही नहीं समग्र संसार को सन्मार्ग दिखाते रहे हैं।

पाण्डुलिपि विवरण (Manuscripts Data)

1	रौल सं० (Roll No.)	12	लिपि (Script)
2	रिकार्ड सं० (Record No.)	13	आधार (Material)
3	मातृका सं० (Mss. No.)	14	पूर्णापूर्ण विवेक (comp/Inc.)
4	शीर्षक हिन्दी (Title Hindi)	15	आरम्भ (Beginning)
5	शीर्षक अंग्रेजी (Title English)	16	समाप्ति (Ending)
6	लेखक/टीकाकार(Author/Commentator)	17	पुष्पिका (Colophon)
7	पत्र सं० (Folios)	18	लिपिकाल (Scribe/Date)
8	पृष्ठ में पंक्ति (Line in Page)	19	विवरण (Contents)
9	पंक्ति में वर्ण (Word in Line)	20	सूक्ष्मचित्रणस्थान(MFL Centre)
10	आकार (ल+चौ) Size (L+W)	21	मूलमातृका स्थान (Original Mss. Location)
11	भाषा (languages)		

उपर्युक्त पाण्डुलिपि विवरण के अनुसार प्रत्येक पाण्डुलिपि के विस्तृत विवरण का प्रारूप (Sample of Manuscripts Data) इस प्रकार है-

Roll No.	BIR17	(BI686)	Record No.
		Acc. No. 27/1895-1902	Original Mss. No.
Hindi Title	केनोपनिषद्दीपिका		
English Title	Kenopaniṣaddīpikā		
Author/Comm.	Sankaracarya		
Folios, line, Words	14 Folios, 19-10, W 30-32, 11 1/2x5		Size
Language/Script/ Material /Comp /Incompl	Sanskrit, Devanāgarī, Paper, complete श्री गणेशाय नमः ॥ केनोपनिषद् व्याकरिष्ये पदाध्वना ॥ रम्या तलवकाराणां शाखायामात्मबोधिनी ॥ प्रकर्षेण पुनरुत्थाय न शून्यत्वेनावस्थां करोति। प्रति तिष्ठति ॥ व्याख्यातं ॥ पदाभ्यास उपनिषत्समाह्वयर्थः। श्री। इति परमहंसपरिव्राजकाचार्यनन्दात्मजपूज्यपादशिष्य श्रीशंकरानन्दभगवतः कृतौ तलवकारोपनिषत्तीपिकायां नवमोऽध्यायः ॥ शके १६०५ रत्नाक्षिनाम संवत्सरे ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे मन्दवासरे गोदातीरे नाभिक्षेत्रे सोमेश्वरदेव- सन्निधौ संजयग्रामे इदं पुस्तकं समाप्तम् ॥		Beginning
Colophon/Scribe Date/Year			Ending
	9 Chapter		Contents
Microfilming Institute & Place	MFL, IGNC, New Delhi, BORI, PUNE		Original Mss. Holder & Place

3 लाख पाण्डुलिपियों के सूक्ष्मचित्रण (Microfilm of Manuscripts) जो हमारे केन्द्र (IGNCA) में शोध अध्येताओं के अध्ययन के लिए एक स्थान पर उपलब्ध हुए हैं, इनमें अन्य अनेक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ भी हैं। इसका श्रेय निम्नलिखित हस्तलेखागारों (Manuscripts Libraries) को जाता है। जिनके हम अत्यन्त आभारी हैं।

१. अद्वैताश्रम मायावती, पिथोरागढ़, उत्तर प्रदेश
२. आनन्दाश्रम संस्था, पुणे, महाराष्ट्र
३. एशियाटिक सोसाइटी, मुम्बई
४. अटोम्बा रिसर्च सेंटर, इम्फाल
५. भारत कला भवन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
६. भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इन्स्टिट्यूट, पुणे
७. भारत इतिहास संशोधक मण्डल, पुणे
८. मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई
९. डॉ० यू० वी० स्वामिनाथन् अय्यर पुस्तकालय, चेन्नै
१०. राजकीय प्राच्य हस्तलेख ग्रन्थालय, चेन्नै
११. गुरु संगोलसेम कालिदमन सिंह संग्रह, इम्फाल
१२. हिजाम रमानी सिंह संग्रह, इम्फाल
१३. जुमा मस्जिद ऑफ मुम्बई ट्रस्ट, मुम्बई
१४. कामरूप अनुसन्धान समिति, गुवाहाटी
१५. केलाडि संग्रहालय एवं ऐतिहासिक शोध संस्थान, केलाडि
१६. खुदा बक्श ओरियण्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना
१७. लालभाई दलपत भाई प्राच्यविद्या संस्थान, अहमदाबाद
१८. महाराजा सवाई मानसिंह - २ संग्रहालय, जयपुर, राजस्थान
१९. मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी एवं फारसी शोध संस्थान, टोंक, राजस्थान
२०. मणिपुर राज्य अभिलेखागार, इम्फाल
२१. मणिपुर राज्य कला अकादेमी, इम्फाल
२२. मणिपुर राज्य संग्रहालय, इम्फाल
२३. मुतुआ संग्रहालय, इम्फाल
२४. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर
२५. नतुम संगीत अकादेमी, इम्फाल
२६. प्राच्य शोध संस्थान एवं हस्तलेख ग्रन्थालय, तिरुवनन्तपुरम्
२७. प्राच्य शोध संस्थान, मैसूर
२८. प्यूपिल्स संग्रहालय, ककचिंग, इम्फाल

२९. पं० चन्द्रसिंह स्मारक पुस्तकालय, इम्फाल
३०. पं० धीनचन्द्रसिंह स्मारक पुस्तकालय, इम्फाल
३१. पद्मश्री एन० खेलचन्द्र सिंह संग्रह, इम्फाल
३२. राजस्थान प्राच्य शोध प्रतिष्ठान, अलवर
३३. राजस्थान प्राच्य शोध प्रतिष्ठान, जोधपुर
३४. राजस्थान प्राच्य शोध प्रतिष्ठान, उदयपुर
३५. रामकृष्ण मिशन, चेन्नै
३६. रामपुर राजा लाइब्रेरी, रामपुर
३७. साहित्य संस्था राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
३८. शंकरमठ, कांचीपुरम्
३९. राज्य संग्रहालय, अलवर, राजस्थान
४०. सरस्वती भवन पुस्तकालय, वाराणसी
४१. सिन्धिया प्राच्य शोध संस्थान, उज्जैन
४२. श्रीचैतन्य शोध संस्थान, कलकत्ता
४३. श्रीरणवीर संस्कृत शोध संस्थान, जम्मू
४४. श्रीजगद्गुरु मूरुसाविर मठ, हुबली, कर्नाटक
४५. श्रीराम वर्मा राजकीय संस्कृत कॉलेज, त्रिपुनीतुरा
४६. तंजावूर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावूर
४७. वैदिक संशोधन मण्डल, पुणे
४८. वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन
४९. युम्माम धनराजसिंह संग्रह, इम्फाल
५०. उत्तराखण्ड संस्कृत अकादेमी, हरिद्वार
५१. शंकरन् नम्पूतिरि स्मारक ग्रन्थशाला, कोनिप्पोयेर, त्रिशूर, केरल
५२. वैद्यमठम् वलिय नारायण नम्पूतिरि दक्षिणा मूर्ति ट्रस्ट, त्रिथला, पालक्काड, केरल

केन्द्र में उपलब्ध पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपि प्राप्त करने की विधि –

१. उपर्युक्त ग्रन्थालयों में से जहाँ की वह पाण्डुलिपि है उसका अनुमति पत्र प्रस्तुत करना।
२. केन्द्र की विवरण सूची से उस मातृका का पूर्ण विवरण प्रस्तुत कराना।
३. छाया प्रति (Printout) प्राप्त करने के लिए 10 रुपये प्रतिपृष्ठ के अनुसार अग्रिम धनराशि उपलब्ध कराना। सुक्ष्मचित्रित प्रति (Digital Copy) प्राप्त करने के लिए 30 रुपये प्रतिपृष्ठ के अनुसार अग्रिम धनराशि उपलब्ध कराना।

इस प्रकार मूल संस्था से अनुमति प्राप्त कर आप निदेशक (पुस्तकालय एवं सूचना), इन्दिरा गान्धी राष्ट्रीय कला केन्द्र, जनपथ बिल्डिंग, जनपथ मार्ग, नई दिल्ली - 110001 से किसी भी मातृका की प्रति प्राप्त करने के लिए Email ID-gaur@ignca.nic.in, rcgaur66@gmail.com पर सम्पर्क कर सकते हैं। अनुमति मिलने पर ही प्रतिलिपि देना हमारी विवशता है। जन हित में यदि मूल संस्थाएँ और सरकारें चाहें तो अनुमति की छूट प्रदान कर सकती हैं। जिससे सभी शोध अध्येता सुविधा पूर्वक पाण्डुलिपियाँ प्राप्त कर उनका सदुपयोग कर सकेंगे। यदि मूल संस्थाएँ उदार भावनाएँ प्रस्तुत करतीं हैं तो यह पाण्डुलिपियों के कल्याण एवं सदुपयोग के लिए अत्युत्तम अवसर होगा। वस्तुतः पाण्डुलिपियों का कोई कॉपी राइट नहीं है। क्योंकि इनके मूल रचनाकार तो सहस्रों वर्ष पूर्व ऊर्ध्वगति को प्राप्त हो गये। अब तो प्रायः प्रतिलिपियाँ ही उपलब्ध हैं। यदि कोई मूल प्रति है भी तो उसके मूल लेखक नहीं हैं तथा उसे 60 वर्ष से भी अधिक समय व्यतीत हो चुका है। इसलिए कॉपी राइट का कोई प्रश्न ही नहीं होता है। अतः उन सभी संस्थाओं से हमारा विशेष विनम्र निवेदन है कि वे उदारता का परिचय देते हुए उन्मुक्त हृदय से शोध अध्येताओं को पाण्डुलिपियों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराने के लिए अनुमति प्रदान कर सहयोग करें।

इस प्रकाशन कार्य के लिए हम संस्था के सदस्य सचिव डॉ० सच्चिदानन्द जोशी जी का हृदय से साभार कृतज्ञता प्रकट करते हैं। जो पाण्डुलिपि सम्बन्धी कार्य करने के लिए हमें सर्वदा प्रेरित एवं प्रोत्साहित करते रहते हैं। इसके साथ-साथ चित्रांकन इकाई, प्रलेखन इकाई, सन्दर्भ ग्रन्थालय, प्रकाशन विभाग, लेखाविभाग एवं प्रशासन विभाग के सभी आत्मीय सहकर्मियों सहयोगियों के अत्यधिक कृतज्ञ हैं जिन्होंने किसी भी प्रकार का सहयोग किया है। अतः इस प्रकाशन कार्य की सफलता का श्रेय हमारे इन सभी सहयोगियों को जाता है जिनके अथक प्रयास से यह कार्य इस स्वरूप में सम्भव हो सका।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारे इस लघु प्रयास से सभी शोधअध्येता या अनुसन्धित्सु लाभान्वित होंगे और उन्हें पाण्डुलिपियों के अन्वेषण में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं होगी। इतने प्रयास के पश्चात् भी अनवधानवशात् अनेक त्रुटियाँ हो सकती हैं। एतदर्थ हम क्षमा प्रार्थी हैं। यदि आप सभी का सहयोग रहेगा तो आगामि संस्करण में सुधार करने का प्रयास किया जायेगा।

गच्छतः स्वलनं कापि भवत्येव प्रमादतः ।

हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥

मुख्य संपादक

Abbreviations

	Name of Institutions	Class Code	Acc. Code
1.	Advaita Ashram Mayavati, Pithoragarh	AM	AMR
2.	Anand Ashram Samsthan, Pune	AP	APR
3.	Arabic & Persian Research Instt., Tonk	AI	AIR
4.	Asiatic Society, Mumbai	AS	ASR
5.	Atombabu Research Centre, Imphal	AC	ACR
6.	Banaras Hindu University, Varanasi	BH	BHR
7.	Bhandarkar Oriental Research Instt., Pune	BI	BIR
8.	Bharat Itihas Samsodhak Mandal, Pune	BM	BMR
9.	Bombay University, Mumbai	BU	BUR
10.	Dhinachandra Singh Memorial Mss. Library, Imphal	DL	DLR
11.	Dr. U.V. Swaminatha Iyer Library, Chennai	UL	ULR
12.	Govt. Museum, Alwar	GM	GMR
13.	Govt. Oriental Mss. Library & Research Centre, Chennai	GL	GLR
14.	Guru Sangolsem Kalidaman Singh Collection, Imphal	SC	SCR
15.	Hijam Romani Singh Collection, Imphal	HC	HCR
16.	Juma Masjid Of Bombay Trust, Mumbai	JT	JTR
17.	Kamrupa Anusandhan Samiti, Guwahati	KS	KSR
18.	Kanippayur Library, Kerala	KK	KKR
19.	Keladi Museum, Keladi	KM	KMR
20.	Khuda Bakhsh Oriental Public Library, Patna	KL	KLR
21.	L.D.Instt. of Indology, Ahmedabad	LI	LIR
22.	Maharaja Sawai Man Singh-II Museum, Jaipur	MS	MSR
23.	Manipur State Archives, Imphal	MA	MAR
24.	Manipur State Kala Academy, Imphal	MK	MKR
25.	Manipur State Museum, Imphal	MI	MIR
26.	Mutua Museum, Imphal	MM	MMR
27.	Nagpur University, Nagpur	NU	NUR
28.	Natuam Sangeeta Academy, Imphal	NA	NAR
29.	Oriental Research Instt. & Manuscripts Library, Thiruvananthapuram	OL	OLR
30.	Oriental Research Instt., Mysore	OI	OIR
31.	People's Museum, Kakching, Imphal	PM	PMR
32.	Pt. Chandra Singh Memorial Library, Imphal	CL	CLR
33.	Pt. N. Khelchandra Singh Collection, Imphal	NC	NCR

34.	Rajasthan Oriental Research Instt., Alwar	RI	RIR
35.	Rajasthan Oriental Research Instt., Jodhpur	RR	RRR
36.	Rajasthan Oriental Research Instt., Udaipur	RO	ROR
37.	Rama Krishan Mission, Chennai	RM	RMR
38.	Rampur Raza Library, Rampur	RL	RLR
39.	Sahitya Sanstha Rajasthan Vidyapeeth, Udaipur	SV	SVR
40.	Sankara Mutt, Kancheepuram	SM	SMR
41.	Saraswati Bhawan Library, Varanasi	SB	SBR
42.	Scindhia Oriental Research Instt., Ujjain	SI	SIR
43.	Shri Chaitanya Research Instt., Calcutta	CI	CIR
44.	Shri Ranbir Sanskrit Research Instt., Jammu	RS	RSR
45.	Sree Jagadguru Mooru Savira Math, Hubli	JM	JMR
46.	Sri Rama Verma Govt. Sanskrit College, Tripunithura	RC	RCR
47.	Thanjavur Maharaja Sarfoji Saraswati Mahal Library, Thanjavur	TL	TLR
48.	Uttarakhand Sanskrit Academy, Haridwar	UA	UAR
49.	Vaidika Samsodhana Mandala, Pune	VM	VMR
50.	Vaidyamadham Valiya Narayanan Namboodiri Dakshinamoorthy Trust	VT	VTR
51.	Vrindaban Research Instt., Vrindaban	VI	VIR
52.	Yumnam Dhananjoi Singh Collection, Imphal	YC	YCR

जैन

JAINA

- 1 **BIR819** **BI7360**
Acc. No. 575(4)/1895-98
उपसर्गहरस्तोत्र
Upasargaharastotra
2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, उवसर्गहरं, एह संथुय जिणचंद इति
श्री उपसर्गहरः, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 2 **BIR819** **BI7364**
Acc. No. 1241(9)/1891-95
उपसर्गहरस्तोत्र
Upasargaharastotra
Folios 53b-61b, Paper, Prakrit,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 3 **BIR819** **BI7382**
Acc. No. 77(?) /1880-81
उत्तरीकरणसूत्र
Uttarīkaraṇasūtra
124a Folio, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, तस्सुत्तरीकरणेणं।
पायच्छि(च्छि)त्तीकरणेणं। विसोहीकरणेणं।
विसल्लीकरणेणं। पावाणं कम्माणं। निरघायणद्वाए
द्वा(ठा)मि काउस्सग्गं।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 4 **BIR819** **BI7383**
Acc. No. 1220(9)/1884-87
उत्तरीकरणसूत्र
Uttarīkaraṇasūtra
189a Folio, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Folio 189a
तस्सुत्तरी etc. upto ठामि काउस्सग्गं।
practically as in no. 795, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 5 **BIR819** **BI7384**
Acc. No. 1106(12)/1891-95
- 6 **BIR819** **BI7385**
Acc. No. 1269(3)/1887-91
उत्तरीकरणसूत्र
Uttarīkaraṇasūtra
2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 2b त्त(त)स्सुत्तरीकरणेणं
etc. upto ठामिकाउस(स्स)ग्गं as in no. 795.
This is followed by छः॥, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 7 **BIR819** **BI7386**
Acc. No. 1270(13)/1887-91
उत्तरीकरणसूत्र
Uttarīkaraṇasūtra
3b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 3b तस्सुत्तरीकरणेणं etc.
upto ठामि काउस(स्स)ग्गं। as in no. 795,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 8 **BIR819** **BI7387**
Acc. No. 1220(10)/1884-87
कायोत्सर्गसूत्र
Kāyotsargasūtra
189a Folio, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Folio 189a
अन्नत्थूससिण्णं। नीससिण्णं। खासिण्णं। छीण्णं
जंभाइण्णं। उड्डुण्णं। वायनिसग्गेणं। भमलिए
पित्तमुच्छाए। etc., Folio 189a हुज्ज मे
काउस(स्स)ग्गो। जाव अरह.ताणं। भगवंताणं
नमोकरेणं न प्प(पा)रेमि ताव कायं।
ठाणेणं। मा(मो)णेणं। ज्ञाणेणं। अप्पाणं
वोसिरामि॥, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 9 **BIR819** **BI7388**
 Acc. No. 1106(13)/1891-95
कायोत्सर्गसूत्र
Kāyotsargasūtra
 2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
 Complete, Folio 2b अन्नत्थ ऊससिण्णं etc.
 as in no. 800, Folio 2b हुज्ज मे
 काउस(स्स)ग्गो etc. upto अप्पाणं वोसिरामि छः
 practically as in no. 800, MFL, New
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 10 **BIR819** **BI7389**
 Acc. No. 1270(14)/1887-91
कायोत्सर्गसूत्र
Kāyotsargasūtra
 3b Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
 Complete, Folio 3b अन्नत्थूससिण्णं etc. as
 in no. 800, Folio 3b हुज्ज मे काउस(स्स)ग्गं।
 etc. upto अप्पाणं वोसिरामि।। as in no. 800,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 11 **BIR819** **BI7390**
 Acc. No. 1269(4)/1887-91
कायोत्सर्गसूत्र
Kāyotsargasūtra
 2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
 Complete, Folio 1b अन्नत्थ (ऊ)ससिण्णं
 etc. as no. 801, Folio 1b होज्ज मे
 काउस(स्स)ग्गो etc. upto अप्पाणं वोसिरामि।।,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 12 **BIR819** **BI7391**
 Acc. No. 1269(8)/1887-91
कायोत्सर्गसूत्र
Kāyotsargasūtra
 2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
 Complete, Folio 2a अन्नत्थूससिण्णं नी. खा.
 छी. जं. उ. वा. भ. पित्तमुच्छाए 4 सु. सु. एव 5
- काउस्सग्गो 6 जाव. न पारेम। 7 ताव. वोसिरामि।।,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 13 **BIR819** **BI7392**
 Acc. No. 1270(17)/1887-91
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
 Folios 4a-4b, Paper, Prakrit,
 Devanāgarī, Complete, Folio 4a-4b
 अन्नत्थूससिण्णमित्यादि।।, MFL, New
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 14 **BIR819** **BI7393**
 Acc. No. 1220(24)/1884-87
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
 190a Folio, Paper, Prakrit,
 Devanāgarī, Complete, Folio 190a
 अन्नत्थूससिण्णमित्यादि।।, MFL, New
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 15 **BIR819** **BI7394**
 Acc. No. 1270(23)/1887-91
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
 5a Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
 Complete, Folio 5a अन्नत्थूससिण्णं।
 नीससिण्णमित्यादि।।, MFL, New Delhi,
 IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 16 **BIR819** **BI7395**
 Acc. No. 77(?)/1880-81
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
 124a Folio, Paper, Prakrit,
 Devanāgarī, Complete, अन्नत्थूससिण्णं
 इत्यादि।।, MFL, New Delhi, IGNC,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune

- 17 **BIR819** **BI7396**
Acc. No. 1269(15)/1887-91
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
2a Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 2b अन्नत्थू इत्यादि।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 18 **BIR819** **BI7397**
Acc. No. 1106(16)1891-95
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
3a Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 3a अन्नत्थ ऊससिणं
इत्यादि।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 19 **BIR819** **BI7398**
Acc. No. 1106(22)1891-95
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
3b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 3b अन्नत्थ ऊस इत्यादि.,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 20 **BIR819** **BI7399**
Acc. No. 1220(19)/1884-87
कायोत्सर्गसूत्रप्रतीक
Kāyotsargasūtrapratika
189b Folio, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Folio 189b
अन्नत्थूससिणमित्यादि। छ।।, MFL, New
- 21 **BIR819** **BI7425**
Acc. No. 77(?)/1880-81
सिद्धस्तव
Siddhastava
Folios 123b-124a, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, सिद्धाणं बुद्धाणं
etc. as in no. 835, चत्तारि अट्ट etc. upto
मम दिसंतु।। as in no. 835, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 22 **BIR819** **BI7426**
Acc. No. 690/1892-95
चैत्यवन्दनसूत्र
Caityavandanāsūtra
7 Folios; L 11, W 40, 10 x 4 3/4, Paper,
Prakrit, Devanāgarī, Complete, चत्तारि
मंगलं। अरिहंता मंगलं। सिद्धा मंगलं। साहु
मंगलं।।, पंचमहव्यजुत्तो।
पंचविहायारपालणसमत्थो।। पंचसमई (?ओ)
तिगुत्तो। छत्तीसगुणे(णो) गुरु (रू) मज्झ।।, इति
श्रीचैत्यवन्दपांचपदनवकार
समाप्तः।। श्रीः।। छ।। श्रीः।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 23 **BIR819** **BI7439**
Acc. No. 1220(31)/1884-87
वन्दनकसूत्र
Vandanakasūtra
190b Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Folio 190b
इच्छामि खमासमणं(णो) वंदिउं जावणिज्जाए etc.,
Folio 190b तस्स खमासमणौ(णो) पडिक्कमामि
निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि।।, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune

- 24 **BIR819** **BI7445**
Acc. No. 1220(32)/1884-87
दैवसिकालोचनासूत्र
Daivasikālocanāsūtra
190b Folios, Paper, Sanskrit, Prakṛta, Complete, Folio 190b इच्छाकारेण संदिसह भगवन् देवसियं आलोमि। इच्छं जो मे देवसिओ। अइ(ओ)रो कओ etc., Folio 190b बारस्त(स)विहस्स सावगधम्मस्स जं खंडियं जं विराहियू तस्स मिच्छा म दुक्कडं।।, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 25 **BIR819** **BI7446**
Acc. No. 1106(25)/1891-95
दैवसिकालोचनासूत्र
Daivasikālocanāsūtra
4a Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Folio 4a इच्छाकारेण संदिसह etc. as in no. 859, Folio 4a (बारसविहस्स सावगधम्मस्स) जं खंडियं etc. upto तस्स मिच्छामि दुक्कडं as in no. 859, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 26 **BIR819** **BI7447**
Acc. No. 1106(26)/1891-95
दैवसिकालोचनासूत्र
Daivasikālocanāsūtra
Folios 4a-4b, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Folio 4a इच्छाकारेण संदिसह etc, as in no. 859, Folio 4a बारसविहस्स etc. upto तस्स मिच्छा मि दुक्कडं as in no. 819, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 27 **BIR819** **BI7448**
Acc. No. 1269(23)/1887-91
दैवसिकालोचनासूत्र
Daivasikālocanāsūtra
2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Folio 2b इच्छाकारेण etc. as in
- no. 859, Folio 2b बारसविहस्स etc. upto मिच्छा मि दुक्कडं as in no. 859, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 28 **BIR819** **BI7449**
Acc. No. 1270(30)1887-91
दैवसिकालोचनासूत्र
Daivasikālocanāsūtra
Folios 7a-7b, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Folio 7a इच्छाकारेण etc as in no. 859, Folio 7b बारसविहस्स etc. upto मिच्छा मि दुक्कडं।।, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 29 **BIR819** **BI7450**
Acc. No. 1269(27)/1887-91
दैवसिकालोचनासूत्र
Daivasikālocanāsūtra
Folios 2b-3a, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Folio 2b-3a इच्छामि पजिक्कमिउं। जो मे देवसिओ अइयारो कओ काइओ इत्यादि प्राग्वत्।।, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 30 **BIR819** **BI7453**
Acc. No. 1220(34)/1884-87
गुरुक्षामणासूत्र
Guruṣāmaṇāsūtra
190b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Folio 190b इच्छाकारेण संदिसह भगवनि अब्भुट्ठिओ अहं अब्भितरंदवसियं खामेमि etc., Folio 190b जं किञ्चि मज्झ विणयपरिहीणं। सुहुमं वा बायरं वा। तुब्भे जाणह अहं न जाणामि तस्स मिच्छा मि दुक्कडं।, वंदनकसूत्रं समाप्तं।।, MFL, New Delhi, IGNCА, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 31 **BIR819** **BI7454**
Acc. No. 1270(32)/1887-91
गुरुक्षामणासूत्र
Guruksāmaṇāsūtra
7b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 7b इच्छाकारेण etc. as in
no. 867, Folio 7b जं किंचि मज्झ etc. upto
तस्स मिच्छा मि दुक्कडं ।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 32 **BIR819** **BI7455**
Acc. No. 1269(25)/1887-91
गुरुक्षामणासूत्र
Guruksāmaṇāsūtra
2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 2b इच्छाकारेण संदिसह as
in no. 867, Folio 2b जं किंचि मज्झ etc.
upto मिच्छा मि दुक्कडं ।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 33 **BIR819** **BI7456**
Acc. No. 1106(27)/1891-95
गुरुक्षामणासूत्र
Guruksāmaṇāsūtra
4b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 4b इच्छाकारेण संदिसह
etc. as in no. 867, Folio 4b जं किंचि मज्झ
etc. upto तस्य मिच्छा मि दुक्कडं 1 as in no.
867, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 34 **BIR819** **BI7457**
Acc. No. 1220(39)/1884-87
सामायिकसूत्र
Sāmāyikasūtra
Folios 191b-191b, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Folio 191a
- करेमि भंते सामाइयं। सावज्जं जोगं पच्चक्खामि जाव
नियमं पज्ज(ज्जु)वासामि दुविहं ति विहेणं। मणेणं
वायाए काएणं न करेमि। न कारवेमि। , Folio
191b तस्स भंते पडिक्कमामि। निंदामि गरहामि
अप्पाणं वोसिरामि।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 35 **BIR819** **BI7458**
Acc. No. 1106(28)/1891-95
सामायिकसूत्र
Sāmāyikasūtra
4b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 4b करेमि भंते सामाइयं
सव्वं सावज्जं जोगं पच्चक्खामि etc. as in no.
871, Folio 4b तस्य भंते etc. upto अप्पाणं
वोसिरामि as in no. 871, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 36 **BIR819** **BI7459**
Acc. No. 1269(26)/1887-91
सामायिकसूत्र
Sāmāyikasūtra
2b Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Folio 2b करेमि भंते etc. as in
no. 871, Folio 2b तस्स भंते etc upto
वोसिरामि।।as in no. 87, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 37 **BIR891** **BI8923**
Acc. No. 606/1892-95
अघटकुमारकथा
Aghaṭakumārakathā
6 Folios, 10 3/8 x 4 3/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 38 **BIR891** **BI8924** 42 **BIR891** **BI8936**
 Acc. No. 607/1892-95 Acc. No. 1579/1891-95
अजापुत्रकथा
Ajāputrakathā
 9 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 39 **BIR891** **BI8925** 43 **BIR891** **BI8938**
 Acc. No. 1571/1891-95 Acc. No. 1351/1891-95
अजापुत्रकथा
Ajāputrakathā
Dharmadevapaṇḍita
 13 Folios, 10 1/4 x 4 5/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1561, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 40 **BIR891** **BI8926** 44 **BIR891** **BI8943**
 Acc. No. 1570/1891-95 Acc. No. 1256/1884-87
अजापुत्रकथा
Ajāputrakathā
 30 Folios, 9 3/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 41 **BIR891** **BI8935** 45 **BIR891** **BI8944**
 Acc. No. 1578/1891-95 Acc. No. 573/1884-86
अमरदत्तमित्रानन्दचरित्र
Amaradattamitrānandacaritra
Siddhi Sūri
 14 Folios, Folio 12 missing, 9 5/8 x 4 1/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1606, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- अमरदत्तमित्रानन्दचरित्र**
Amaradattamitrānandacaritra
 25 Folios, 8 x 4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- अमरसेनवज्रसेननृपकथानक**
Amarasenavajrasenanrūpakathānaka
 6 Folios, 9 3/8 x 4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1658, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- अम्बडकथानक**
Ambaḍakathānaka
Amarasundarapaṇḍita
 36 Folios, 9 7/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- अम्बडकथानक**
Ambaḍakathānaka
Muniratna Sūri
 32 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 46 **BIR892** **BI8947**
Acc. No. 384(e)/1871-72
अम्बडचरित्र
Ambaḍacaritra
Folios 65a-87a, 10 1/4 x 4 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 47 **BIR892** **BI8948**
Acc. No. 1476/1887-91
अर्जुनमालाकारचरित्र
Arjunamālākāracaritra
Nayaraṅga
4 Folios, 9 7/8 x 4 3/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1621, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 48 **BIR892** **BI8951**
Acc. No. 351/1871-72
अष्टप्रकारिपूजाकथानक
Aṣṭaprakāripūjākathānaka
15 Folios, 10 3/8 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1475, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 49 **BIR892** **BI8952**
Acc. No. 1250/1886-92
अष्टप्रकारिपूजाकथानक
Aṣṭaprakāripūjākathānaka
17 Folios, 10 3/8 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 50 **BIR892** **BI8953**
Acc. No. 597(b)/1884-86
अष्टप्रकारिपूजाप्रकरण
Aṣṭaprakāripūjāprakaraṇa
Folios 3b-34b, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1618, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 51 **BIR892** **BI8954**
Acc. No. 1582/1891-95
अष्टप्रकारिपूजारास
Aṣṭaprakāripūjārāsa
Udayaratna
64 Folios, 10 x 4 3/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 52 **BIR892** **BI8960**
Acc. No. 332/1871-72
आनन्दश्रावकचरित्र
Ānandaśrāvakacaritra
Rṣi Keśava
9 Folios, 10 7/8 x 4 3/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1696, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 53 **BIR893** **BI8966**
Acc. No. 1176/1886-92
आनन्दादिश्रावकचरित
Ānandādiśrāvakacarita
13 Folios, 11 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 54 **BIR893** **BI8967**
Acc. No. 1261/1884-87
आमप्रबन्ध
Āmaprabandha
9 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 55 **BIR893** **BI8968**
Acc. No. 239/A/1882-83
आरामशोभाकथा
Ārāmaśobhākathā
3 Folios, 10 7/8 x 4 1/2, Paper,
Prakrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1997, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 56 **BIR893** **BI8969**
Acc. No. 852(b)/1892-95
आरामशोभाकथा
Ārāmaśobhākathā
Folios 10b-16b, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 57 **BIR893** **BI8970**
Acc. No. 626/1892-95
आरामशोभाकथा
Ārāmaśobhākathā
10 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper,
Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 58 **BIR893** **BI8971**
Acc. No. 162/1872-73
आरामशोभाकथा
Ārāmaśobhākathā
18 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper,
Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 59 **BIR893** **BI8972**
Acc. No. 1293/1887-91
आरामशोभाकथा
Ārāmaśobhākathā
- 60 **BIR893** **BI8976**
Acc. No. 823(c)/1892-95
आसनदानकथा
Āsanadānakathā
Folios 5a-6b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 61 **BIR893** **BI8977**
Acc. No. 1310(d)/1886-92
आसनदानकथा
Āsanadānakathā
Folios 5a-5b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 62 **BIR893** **BI8978**
Acc. No. 1345(c)/1891-95
इलातीपुत्रकथानक
lātīputrakathānaka
Folios 26a-26b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 63 **BIR893** **BI8981**
Acc. No. 1185/1886-92
उत्तमकुमारचरित
Uttamakumāracarita
Vinayacandra
36 Folios, 8 1/2 x 4 3/4, Paper,
Gujarati, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1752, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 64 **BIR893** **BI8982** 68 **BIR893** **BI8986**
 Acc. No. 1586/1891-95 Acc. No. 243/A 1882-83
उत्तमकुमारचरित **उत्तमचरित्रकुमारकथा**
Uttamakumāracarita **Uttamacaritrakumārakathā**
 43 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, 6 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper,
 Gujarati, Devanāgarī, Complete, Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1767, MFL, New Delhi, Saṁvat 1556, MFL, New Delhi,
 IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 65 **BIR893** **BI8983** 69 **BIR893** **BI8987**
 Acc. No. 244/A 1882-83 Acc. No. 1549/1891-95
उत्तमचरित्रकुमारकथा **उदाइनृपचरित्र**
Uttamacaritrakumārakathā **Udāinr̥pacaritra**
Jinakīrti **Ṛṣi Jayamala**
 7 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Gujarati, 3 Folios, 9 7/8 x 4 1/2, Paper,
 Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1533, Gujarati, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNC, MFL, New Delhi, IGNC,
 Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 66 **BIR893** **BI8984** 70 **BIR893** **BI8989**
 Acc. No. 1318/1891-95 Acc. No. 644/1892-95
उत्तमचरित्रकुमारकथा **उपमितिभवप्रपञ्चाकथा**
Uttamacaritrakumārakathā **Upamitibhavaprapañcākathā**
 10 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, **Siddha Ṛṣi**
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, 327 Folios, 10 x 4 3/8, Paper,
 MFL, New Delhi, IGNC, Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Bhandarkar Oriental Research MFL, New Delhi, IGNC,
 Institute, Pune Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 67 **BIR893** **BI8985** 71 **BIR894** **BI8990**
 Acc. No. 1294/1887-91 Acc. No. 68/1898-99
उत्तमचरित्रकुमारकथा **उपमितिभवप्रपञ्चाकथा**
Uttamacaritrakumārakathā **Upamitibhavaprapañcākathā**
Cārucandra
 5 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, 494 Folios, 9 5/8 x 4 1/4, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNC, MFL, New Delhi, IGNC,
 Bhandarkar Oriental Research Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune Institute, Pune

- 72 **BIR894** **BI8991**
Acc. No. 554/1895-98
उपमितिभवप्रपञ्चाकथासरोद्धार
Upamitibhavaprapañcākathāsāroddhāra
Devendra Sūri
Folios 51a-85b, 10 3/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 73 **BIR894** **BI8992**
Acc. No. 1107/1887-91
उपमितिभवप्रपञ्चाकथोद्धार
Upamitibhavaprapañcākathoddhāra
42 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 74 **BIR894** **BI8993**
Acc. No. 605(b)/1892-95
ऋषभजिनचरित्र
R̥ṣabhajinacaritra
Folios 14a-14b, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 75 **BIR894** **BI8995**
Acc. No. 1663/1891-95
ऋषिकथानक
R̥ṣikathānaka
Ṣadguruśiṣya
Folios 1a-2a, 9 3/4 x 4 1/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 76 **BIR894** **BI8996**
Acc. No. 697/1899-1995
ऋषिदत्तारव्यान
R̥ṣidattākhyāna
- Jayavanta Sūri**
24 Folios, 10 1/8 x 4 1/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Sainvat 1643, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 77 **BIR895** **BI8997**
Acc. No. 1207/1886-92
ऋषिदत्तारव्यान
R̥ṣidattākhyāna
32 Folios, 10 3/8 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 78 **BIR895** **BI8998**
Acc. No. 28/1877-78
ऋषिदत्तारव्यान
R̥ṣidattākhyāna
22 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 79 **BIR895** **BI8999**
Acc. No. 1589/1891-95
ऋषिदत्तारव्यान
R̥ṣidattākhyāna
29 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 80 **BIR895** **BI9000**
Acc. No. 582/1884-86
कथाकोश
Kathākośa
36 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 81 **BIR895** **BI9001**
Acc. No. 1323/1891-95
कथाकोश
Kathākośa
67 Folios, 10 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 82 **BIR895** **BI9002**
Acc. No. 1268/1884-87
कथाकोश
Kathākośa
17 Folios, 10 3/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 83 **BIR895** **BI9003**
Acc. No. 1322/1891-95
कथाकोश
Kathākośa
68 Folios, 9 7/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 84 **BIR895** **BI9004**
Acc. No. 1269/1884-87
कथाकोश
Kathākośa
55 Folios, 9 7/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 85 **BIR895** **BI9005**
Acc. No. 1266/1884-87
- 86 **BIR895** **BI9006**
Acc. No. 775/1895-1902
कथामहोदधि
Kathāmahodadhi
Somacandrapaṇḍita
30 Folios, 10 3/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1504, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 87 **BIR895** **BI9007**
Acc. No. 776/1895-1902
कथारत्नाकर
Kathāratnākara
Hemavijaya Gaṇi
72 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1657, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 88 **BIR895** **BI9008**
Acc. No. 1270/1884-87
कथारत्नाकर
Kathāratnākara
184 Folios, Folio 1-5, 123-152 missing, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

89	BIR896 Acc. No. 1216/1886-92	BI9009	93	BIR896 Acc. No. 1273/1884-87	BI9013
	कथारत्नाकर Kathāratnākara 130 Folios, 9 3/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha 34 Folios, 10 5/8 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1497, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
90	BIR896 Acc. No. 1326/1891-95	BI9010	94	BIR896 Acc. No. 335/1871-72	BI9014
	कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha 13 Folios, 10 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1741, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha 87 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
91	BIR896 Acc. No. 1298/1887-91	BI9011	95	BIR896 Acc. No. 1272/1884-87	BI9015
	कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha Rājaśekhara Sūri 61 Folios, 9 7/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha 3 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
92	BIR896 Acc. No. 21/1873-74	BI9012	96	BIR896 Acc. No. 1325/1891-95	BI9016
	कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha 38 Folios, 10 3/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			कथासङ्ग्रह Kathāsaṅgraha 6 Folios, 10 1/4 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	

- 97 **BIR896** **BI9017**
Acc. No. 1299/1887-91
कथोद्धार
Kathoddhāra
Dharmaśekhara Sūri
18 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 98 **BIR896** **BI9018**
Acc. No. 823(d)/1892-95
कथकरथकथा
Kathakarathakathā
Folios 6b-9a, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 99 **BIR896** **BI9019**
Acc. No. 1310(5)/1886-92
कथकरथकथानक
Kathakarathakathānaka
Folios 5b-6b, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 100 **BIR896** **BI9023**
Acc. No. 1407/1886-92
करकण्डुचरित्र
Karakaṇḍucaritra
54 Folios, 13 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 101 **BIR897** **BI9024**
Acc. No. 131(36)/1886-92
कलावतीकथा
Kalāvātikathā
Folios 36a-38b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 102 **BIR897** **BI9025**
Acc. No. 423/1882-83
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
12 Folios, 10 x 4 1/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1682, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 103 **BIR897** **BI9026**
Acc. No. 1592/1891-95
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
Samayasundara Gaṇi
15 Folios, 9 3/8 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1682, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 104 **BIR897** **BI9027**
Acc. No. 1228/1886-92
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
15 Folios, 9 1/2 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 105 **BIR897** **BI9028**
Acc. No. 251(b)/A 1882-83
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
Folios 61a-67a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 106 **BIR897** **BI9029**
Acc. No. 337/1871-72
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
9 Folios, 11 1/2 x 4 3/8; Ill., Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, 16th c., MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 107 **BIR897** **BI9030**
Acc. No. 373/1880-81
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
13 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, 16th c., MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 108 **BIR897** **BI9031**
Acc. No. 1229/1886-92
कालकाचार्यकथा
Kālakācāryakathā
3 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, 17th-18th c., MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 109 **BIR897** **BI9032**
Acc. No. 287(b)/A 1883-84
कालकाचार्यकथावचुरि
Kālakācāryakathāvacūri
Folios 43b-47a, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 110 **BIR897** **BI9033**
Acc. No. 710/1899-1915
- 111 **BIR897** **BI9034**
Acc. No. 240/1873-74
कीर्तिकल्लोलिनी
Kīrtikallolinī
Hemavijaya Gaṇi
5 Folios, 11 1/8 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1651, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 112 **BIR901** **BI9061**
Acc. No. 1342/1884-87
कुमारविहारशतक
Kumāravihāraśataka
Ramacandra Gaṇi
9 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 113 **BIR902** **BI9062**
Acc. No. 547/1884-86
कुमारविहारशतक
Kumāravihāraśataka
4 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 114 **BIR902** **BI9063**
Acc. No. 1313/1884-87
कुमारविहारशतक
Kumāravihāraśataka
5 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 115 **BIR902** **BI9064**
Acc. No. 318/1871-72
कुमारविहारशतक
Kumāravihāraśataka
5 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 116 **BIR902** **BI9065**
Acc. No. 823(a)/1892-95
कुरुचन्द्रमन्त्रिकथा
Kurucandramantrikathā
4 Folios, 9 7/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 117 **BIR902** **BI9066**
Acc. No. 1310(a)/1886-92
कुरुचन्द्रमन्त्रिकथा
Kurucandramantrikathā
Folios 3a-4b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 118 **BIR902** **BI9073**
Acc. No. 1310(W)/1886-92
कुलवालककथा
Kulavālakakathā
- Folios 24b-25b, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 119 **BIR902** **BI9074**
Acc. No. 1310(y)/1886-92
कृतपुण्यकथा
Kṛtapuṇyakathā
Folios 27b-28b, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 120 **BIR902** **BI9082**
Acc. No. 1329/1891-95
गङ्गदत्तकथानक
Gaṅgadattakathānaka
20 Folios, Folio 1 missing, 10 1/8 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, Śaṃvat 1682, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 121 **BIR902** **BI9083**
Acc. No. 713/1875-76
गजसिंहभूपचरित्र
Gajasimhabhūpacaritra
Nemikuñjara
26 Folios, 11 1/8 x 6, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Śaṃvat 15, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 122 **BIR902** **BI9084**
Acc. No. 278/1871-72
गजसिंहभूपचरित्र
Gajasimhabhūpacaritra
15 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 123 **BIR902** **BI9085**
Acc. No. 675/1892-95
गजसिंहभूपचरित्र
Gajasimhabhūpacaritra
15 Folios, 9 3/4 x 4 1/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 124 **BIR902** **BI9086**
Acc. No. 1598/1891-95
गजसिंहभूपचरित्र
Gajasimhabhūpacaritra
Mānavijaya
58 Folios, Folio 1 and 2 missing, 9 3/4 x 4 1/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1900, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 125 **BIR903** **BI9100**
Acc. No. 1310(31)/1886-92
गोधनकथा
Godhanakathā
Folios 32a-33a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 126 **BIR903** **BI9101**
Acc. No. 1310(19)/1886-92
गोपकथा
Gopakathā
Folios 20b-20a, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 127 **BIR903** **BI9104**
Acc. No. 790(b)/1892-95
चतुःप्रत्येकबुद्धचरित्र
- Catuḥpratyekabuddhacaritra**
Samayasundara
Folios 5b-7a, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 128 **BIR903** **BI9105**
Acc. No. 825(b)/1892-95
चतुर्दशस्वप्नविचार
Caturdaśasvapnavicāra
Folios 2a-3a, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 129 **BIR912** **BI9209**
Acc. No. 1310(8)/1886-92
ध्वजभुजङ्गकथा
Dhvajabhujāṅgakathā
Folios 7a-9a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 130 **BIR912** **BI9210**
Acc. No. 823(f)/1892-95
ध्वजभुजङ्गकथा
Dhvajabhujāṅgakathā
Folios 10b-14a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 131 **BIR913** **BI9215**
Acc. No. 1321(d)/1886-92
चण्डपिङ्गलकथा
Caṇḍapiṅgalakathā
Folios 13b-17b, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 132 **BIR913** **BI9216** 136 **BIR913** **BI9220**
 Acc. No. 160/1872-73 Acc. No. 1268/1886-92
चन्द्रधवलधर्मदत्तकथा
Candradhavaladharmadattakathā
 17 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1641, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 133 **BIR913** **BI9217** 137 **BIR914** **BI9222**
 Acc. No. 1321(c)/1886-92 Acc. No. 26/1898-99
जिनदासकथा
Jinadāsakathā
 Folios 10a-13b, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 134 **BIR913** **BI9218** 138 **BIR914** **BI9223**
 Acc. No. 823(9)/1892-95 Acc. No. 1315/1887-91
धनपतिकथा
Dhanapatikathā
 Folios 14a-14b, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 135 **BIR913** **BI9219** 139 **BIR914** **BI9224**
 Acc. No. 1270/1891-95 Acc. No. 1485/1887-91
धर्मपरीक्षाकथा
Dharmaparīkṣākathā
Rāmacandra
 13 Folios, Folio 12 missing, 11 3/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- धर्मपरीक्षाकथा**
Dharmaparīkṣākathā
Jñānasāgara
 14 Folios, 10 1/8 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Samvat 1725, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 140 **BIR914** **BI9225**
Acc. No. 1631/1891-95
नन्दिषेणरास
Nandiṣeṇarāsa
10 Folios, Folio 1 missing, 9 1/2 x 4 1/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Samvat 1725, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 141 **BIR914** **BI9226**
Acc. No. 309/1884-86
नन्दोपाख्यान
Nandopākhyāna
9 Folios, 9 3/8 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 142 **BIR914** **BI9227**
Acc. No. 729/1875-76
नन्दोपाख्यान
Nandopākhyāna
10 Folios, 11 x 5 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 143 **BIR914** **BI9228**
Acc. No. 1609(b)/1891-95
नमस्कारफल
Namaskāraphala
54b Folio, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 144 **BIR914** **BI9229**
Acc. No. 1316/1887-91
नमस्कारमन्त्रमाहात्म्य
Namaskāramantramāhātmya
8 Folios, 10 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New
- Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 145 **BIR914** **BI9230**
Acc. No. 298/1883-84
नमस्कारमाहात्म्य
Namaskāramāhātmya
Siddhasena Sūri
6 Folios, 10 3/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 146 **BIR914** **BI9231**
Acc. No. 1309/1887-91
नमस्कारमाहात्म्यकथा
Namaskāramāhātmyakathā
10 Folios, 9 7/8 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 147 **BIR914** **BI9236**
Acc. No. 1292/1884-87
नलकथा
Nalakathā
12 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 148 **BIR914** **BI9237**
Acc. No. 356/1871-72
नलकथानक
Nalakathānaka
11 Folios, 11 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 149 **BIR914** **BI9240**
Acc. No. 749/1899-1915
नलायनकुबेरपुराण
Nalāyanakuberapurāṇa
Māṇikyadeva
156 Folios, Folio 62 folios missing, 10 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1429, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 150 **BIR915** **BI9244**
Acc. No. 1310(32)/1886-92
नागिनीकथा
Nāginīkathā
33a Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 151 **BIR915** **BI9245**
Acc. No. 737/1892-95
नाभाकराजकथा
Nābhākarājakathā
Yalughugha Sūri
6 Folios, 10 3/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1464, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 152 **BIR916** **BI9259**
Acc. No. 611/1884-86
पद्मचरित्ररामायण
Padmacaritrarāmāyaṇa
Devavijaya
41 Folios, Folio 23-96 missing, 10 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 153 **BIR916** **BI9262**
Acc. No. 823(b)/1892-95
- पद्माकरकथा**
Padmākarakathā
Folios 4a-4b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 154 **BIR916** **BI9263**
Acc. No. 1310(3)/1886-92
पद्माकरकथा
Padmākarakathā
Folios 4b-5a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 155 **BIR916** **BI9266**
Acc. No. 1310(20)/1886-92
परिकथा
Parīkathā
Folios 21a-22b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 156 **BIR917** **BI9275**
Acc. No. 1201(a)/1887-91
पर्वतिथिविचार
Parvatithivicāra
Dayāvardhana
22 Folios, 11 1/8 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 157 **BIR918** **BI9278**
Acc. No. 765/1899-1915
पापबुद्धिमन्त्रिकथानक
Pāpabuddhimantrīkathānaka
6 Folios, 10 1/8 x 4 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1960, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 158 **BIR919** **BI9286** 162 **BIR922** **BI9314**
 Acc. No. 1345(b)/1891-95 Acc. No. 1108/1887-91
पालगोपालकथानक
Pālagopālakathānaka
Jinakīrti
 Folios 22a-22b,24a-26a, Folio 23
 missing, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 159 **BIR919** **BI9287** 163 **BIR922** **BI9315**
 Acc. No. 756/1892-95 Acc. No. 9/1869-90
पुण्यपालरास
Puṇyapālarāsa
Harajit
 18 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper,
 Gujarati, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1539, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 160 **BIR920** **BI9288** 164 **BIR923** **BI9316**
 Acc. No. 760/1892-95 Acc. No. 389/1880-81
पूजाष्टककथा
Pūjāṣṭhakakathā
 13 Folios, Folios 12-15 missing, 12
 1/8 x 4 1/2, Paper, Prakrit,
 Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat
 1481, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 161 **BIR920** **BI9297** 165 **BIR923** **BI9317**
 Acc. No. 1310(21)/1886-92 Acc. No. 364/1871-72
प्रदेशकथा
Pradeśakathā
 Folios 22a-23b, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- प्रियङ्करनृपकथा**
Priyaṅkaranr̥pakathā
Jinasūra
 49 Folios, 7 7/8 x 4, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- प्रियङ्करनृपकथा**
Priyaṅkaranr̥pakathā
 25 Folios, 9 7/8 x 4 3/8, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1823, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- प्रियङ्करनृपकथा**
Priyaṅkaranr̥pakathā
 28 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- प्रियङ्करनृपकथा**
Priyaṅkaranr̥pakathā
 31 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune

- 166 **BIR923** **BI9318**
Acc. No. 752/1875-76
प्रियङ्करनृपकथा
Priyaṅkaraṅpakathā
23 Folios, 10 1/4 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 167 **BIR923** **BI9319**
Acc. No. 384(c)/1871-72
प्रियङ्करनृपकथा
Priyaṅkaraṅpakathā
Folios 40a-63a, 10 1/4 x 4 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 168 **BIR923** **BI9320**
Acc. No. 1109/1887-91
प्रियङ्करनृपकथा
Priyaṅkaraṅpakathā
23 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 169 **BIR923** **BI9321**
Acc. No. 247/1882-83
प्रियङ्करनृपकथा
Priyaṅkaraṅpakathā
28 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 170 **BIR923** **BI9322**
Acc. No. 1326(a)/1886-92
प्रियङ्करनृपरास
Priyaṅkaraṅparāsa
Guṇavijaya
- 171 **BIR923** **BI9323**
Acc. No. 36/1877-78
प्रियङ्करनृपरास
Priyaṅkaraṅparāsa
Jñānamūrti
18 Folios, 9 7/8 x 4 3/8, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1696, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 172 **BIR923** **BI9328**
Acc. No. 165/1872-73
बप्पभट्टिसूरिकथा
Bappabhaṭṭisūrikathā
9 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 173 **BIR923** **BI9335**
Acc. No. 1310(17)/1886-92
बलिभद्रकथा
Balibhadrakathā
Folios 20a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 174 **BIR923** **BI9337**
Acc. No. 1116/1884-87
ब्रह्मदत्तकथानक
Brahmadattakathānaka
16 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1668, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 175 **BIR923** **BI9338** 179 **BIR925** **BI9367**
 Acc. No. 1326/1887-91 Acc. No. 793/1892-95
भक्तामरस्तोत्रमाहात्म्य
Bhaktāmarastotramāhātmya
Śubhaśīla
 25 Folios, 11 3/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1549, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 176 **BIR924** **BI9342** 180 **BIR925** **BI9368**
 Acc. No. 1310(13)/1886-92 Acc. No. 313/A 1882-83
भव्यकुटुम्बकथा
Bhavyakuṭumbakathā
 Folios 11b-12b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 177 **BIR924** **BI9344** 181 **BIR925** **BI9371**
 Acc. No. 1328/1887-91 Acc. No. 795/1892-95
भीमकुमारकथा
Bhīmakumārakathā
 7 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 178 **BIR924** **BI9355** 182 **BIR925** **BI9372**
 Acc. No. 790(a)/1892-95 Acc. No. 796/1892-95
मदनरेखाकथा
Madanarekhākathā
Vinaya
 5 Folios, 9 7/8 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1905, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- महाबलमलयसुन्दरीकथा**
Mahābalamalayasundarīkathā
Māṇikyasundara Sūri
 17 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1918, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- महाबलमलयसुन्दरीकथा**
Mahābalamalayasundarīkathā
 20 Folios, 11 5/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- महीपालकथा**
Mahīpālakathā
Vīradeva Gaṇi
 55 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- महीपालकथा**
Mahīpālakathā
 50 Folios, 9 7/8 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 183 **BIR925** **BI9375**
Acc. No. 623/1884-86
मित्रचतुष्कथा
Mitracatuṣkakathā
Munisundara Sūri
26 Folios, Folio 15 missing, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1484, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 184 **BIR926** **BI9376**
Acc. No. 279/1883-84
मित्रचतुष्कथा
Mitracatuṣkakathā
29 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 185 **BIR926** **BI9385**
Acc. No. 1310(17)/1886-92
मृगसुन्दरीकथानक
Mrgasundarīkathānaka
Folios 20a-20b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 186 **BIR926** **BI9393**
Acc. No. 614/1895-98
मृगावत्याख्यान
Mrgāvatyākhyāna
Sakalacandra
14 Folios, 10 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 187 **BIR926** **BI9395**
Acc. No. 1307(a)/1884-87
मेघनादकथा
Meghanādakathā
10 Folios, Folio 10 missing, 9 7/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 188 **BIR926** **BI9396**
Acc. No. 1121/1891-95
मेघमालाव्रताख्यानक
Meghamālāvratākhyānaka
6 Folios, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 189 **BIR926** **BI9397**
Acc. No. 827/1895-1902
मेरुत्रयोदशीकथा
Merutrayoḍaśīkathā
10 Folios, 10 3/4 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 190 **BIR926** **BI9398**
Acc. No. 800/1892-95
मेरुत्रयोदशीकथा
Merutrayoḍaśīkathā
13 Folios, 10 1/8 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 191 **BIR926** **BI9400**
Acc. No. 229/1871-72
मौनैकादशीमाहात्म्य
Maunaikādaśīmāhātmya
Ravisāgara
8 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1654, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 192 **BIR927** **BI9409** 196 **BIR927** **BI9418**
 Acc. No. 1333/1887-91 Acc. No. 1310/1884-87
रत्नचूडकथा **रत्नशेखररत्नवतीकथा**
Ratnacūḍakathā **Ratnaśekhhararatnavatikathā**
Jñānasāgara **Dayāvardhana**
 15 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, 7 Folios, 10 1/8 x 4 1/4, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 193 **BIR927** **BI9410** 197 **BIR927** **BI9422**
 Acc. No. 231/1902-1907 Acc. No. 1321(f)/1886-92
रत्नचूडकथा **राजसिंहकुमारकथा**
Ratnacūḍakathā **Rājasīṅhakumārakathā**
 11 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, 21a-31a, Paper, Sanskrit,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Gujarati, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 194 **BIR927** **BI9416** 198 **BIR928** **BI9428**
 Acc. No. 1309/1884-87 Acc. No. 309/1871-72
रत्नशेखरनृपकथा **रामायण**
Ratnaśekhharanṛpakathā **Rāmāyaṇa**
 17 Folios, 11 1/2 x 4 1/4, Paper, **Cāratadharmā Gaṇi**
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, 99 Folios, 9 1/2 x 4 7/8, Paper,
 Saṁvat 1553, MFL, New Delhi, Gujarati, Devanāgarī, Complete,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune Saṁvat 1791, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 195 **BIR927** **BI9417** 199 **BIR928** **BI9430**
 Acc. No. 1318/1886-92 Acc. No. 44/1877-78
रत्नशेखरनरपतिकथा **रूपसेनकथा**
Ratnaśekhharanarapatikathā **Rūpasenakathā**
Jinahaṛṣa **Jīna Sūri**
 21 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, 37 Folios, 9 5/8 x 4 3/8, Paper,
 Prakrit, Devanāgarī, Complete, Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1614, MFL, New Delhi, MFL, New Delhi, IGNCA,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune Bhandarkar Oriental Research
 Research Institute, Pune Institute, Pune

- 200 **BIR928** **BI9431**
Acc. No. 375/1871-72
रूपसेनकथा
Rūpasenakathā
45 Folios, Paper, Sanskrit, 205 **BIR929** **BI9436**
Acc. No. 1312/1884-87
रूपसेनकथा
Rūpasenakathā
26 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 201 **BIR928** **BI9432**
Acc. No. 336/1871-72
रूपसेनकथा
Rūpasenakathā
35 Folios, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, 206 **BIR929** **BI9437**
Acc. No. 823(e)/1892-96
रेवतीकथा
Revatīkathā
Folios 9a-10b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 202 **BIR928** **BI9433**
Acc. No. 48/1874-75
रूपसेनकथा
Rūpasenakathā
23 Folios, 10 1/8 x 4 1/8, Paper, 207 **BIR929** **BI9439**
Acc. No. 319/A 1882-83
रोहिण्यशोकचन्द्रकथा
Rohiṇyaśokacandrakathā
Kanakakuśala
7 Folios, 10 1/8 x 4 3/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Sāmvat 1657, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 203 **BIR928** **BI9434**
Acc. No. 318/A 1882-83
रूपसेनकथा
Rūpasenakathā
34 Folios, Paper, Sanskrit, 208 **BIR929** **BI9440**
Acc. No. 1334/1887-91
रौहिणेयकथा
Rauhiṇeyakathā
Upādhyāya Devamūrti
11 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 204 **BIR928** **BI9435**
Acc. No. 1311/1884-87
रूपसेनकथा
Rūpasenakathā
35 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Sāmvat 1683,

- 209 **BIR929** **BI9452**
Acc. No. 646/1875-76
ऋषिमण्डलस्तोत्र
R̥ṣimaṇḍalastotra
Folios 1a-7b, 8 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 210 **BIR929** **BI9453**
Acc. No. 273/1871-72
ऋषिमण्डलस्तोत्र
R̥ṣimaṇḍalastotra
4 Folios, 9 3/4 x 4 4/5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Sarṁvat 1901, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 211 **BIR929** **BI9454**
Acc. No. 146/1881-82
ऋषिमण्डलस्तोत्रविवरण
R̥ṣimaṇḍalastotravivarāṇa
Śubhavardhana Gaṇi
478 Folios, Folio 1 missing, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 212 **BIR930** **BI9455**
Acc. No. 925/1892-95
ऋषिमण्डलस्तोत्र
R̥ṣimaṇḍalastotra
Gautamasvāmin
Folios 153b-156b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 213 **BIR930** **BI9463**
Acc. No. 685(a)/1892-95
चतुष्पष्टियोगिनीमण्डलस्तुति
Catuṣṣaṣṭiyoginīmaṇḍalastuti
- Dharmanandana**
1 Folio, 10 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 214 **BIR931** **BI9464**
Acc. No. 685(b)/1892-95
चतुष्पष्टियोगिनीमन्त्रस्तोत्र
Catuṣṣaṣṭiyoginīmantrastotra
1a Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 215 **BIR931** **BI9465**
Acc. No. 685(c)/1892-95
चतुष्पष्टियोगिनीस्तुति
Catuṣṣaṣṭiyoginīstuti
Dharmanandana
1a Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 216 **BIR931** **BI9466**
Acc. No. 1270(43)/1887-91
देवकाब
Devakāba
Vilhakavi
Folios 17b-19a, Page 17 missing, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 217 **BIR931** **BI9467**
Acc. No. 69(b)/1898-99
नमस्कारगीता
Namaskāragītā
Padmarāja
7b Folio, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 218 **BIR931** **BI9468**
Acc. No. 1573(5)/1891-95
नवपदस्तुति
Navapadastuti
Devacandra
Folios 15a-16a, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 219 **BIR931** **BI9469**
Acc. No. 826(m)/1892-95
नाभेयजिनस्तुति
Nābheyajinastuti
Viśvasena
Folios 297b-298a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 220 **BIR931** **BI9470**
Acc. No. 826(e)/1892-95
नेमिनाथस्तुति
Nemināthastuti
Folios 295a-295b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 221 **BIR931** **BI9471**
Acc. No. 826(e)/1892-95
पञ्चकल्याणस्तुति
Pañcakalyāṇastuti
Folios 294b-295a, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 222 **BIR931** **BI9472**
Acc. No. 1106(89)/1891-95
पार्श्वजिनस्तुति
Pārśvajinastuti
Jinabhakta Sūri
Folios 44b-45a, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 223 **BIR931** **BI9473**
Acc. No. 826(f)/1892-95
पार्श्वनाथस्तुति
Pārśvanāthastuti
295b Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 224 **BIR931** **BI9474**
Acc. No. 350(f)/A 1882-83
भक्तामरस्तोत्र
Bhaktāmarastotra
Folios 3a-4b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 225 **BIR931** **BI9475**
Acc. No. 826(g)/1892-1895
भक्तामरस्तोत्र
Bhaktāmarastotra
Folios 295b-296a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 226 **BIR931** **BI9476**
Acc. No. 826(i)/1892-95
महावीरस्तुति
Mahāvīrastuti
296a Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 227 **BIR931** **BI9477**
Acc. No. 826(j)/1892-95
महावीरस्तुति
Mahāvīrastuti
Folios 296a-296b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 228 **BIR931** **BI9483**
Acc. No. 826(b)/1892-95
सर्वजिनस्तुति
Sarvajinastuti
Jinapati Sūri
296a Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 229 **BIR931** **BI9484**
Acc. No. 1339(d)/1886-92
अनन्तकीर्तिकथा
Anantakīrtikathā
Dayāvardhana Gaṇi
Folios 6a-12b, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 230 **BIR931** **BI9485**
Acc. No. 1201(d)/1887-91
अमरचन्द्रकथानक
Amaracandrakathānaka
Folios 12b-14a, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 231 **BIR931** **BI9486**
Acc. No. 168/1882-73
अमरचन्द्रकथानक
Amaracandrakathānaka
34 Folios, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Śamvat 1774, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 232 **BIR931** **BI9487**
Acc. No. 276(a)/1871-72
कामघटकथा
Kāmaghatakathā
Mānavijaya
28 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 233 **BIR932** **BI9491**
Acc. No. 1339(k)/1886-92
कुरुचन्द्रकथा
Kurucandrakathā
Dayāvardhana
Folios 25b-26a, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 234 **BIR932** **BI9492**
Acc. No. 1339(i)/1886-92
चन्द्रलेखाकथा
Candrakhākathā
Folios 18b-23b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 235 **BIR932** **BI9493**
Acc. No. 1201(h)/1887-91
दीपशिखाकथा
Dīpaśikhākathā
Folios 21a-22b, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 236 **BIR932** **BI9494**
Acc. No. 1339(1)/1886-92
धनसेनकथा
Dhanasenakathā
Dayāvardhana Gaṇi
Folios 26a-28a, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 237 **BIR932** **BI9495**
Acc. No. 1489(a)/1887-91
नमिराजर्विसन्धि
Namirājarṣisandhi
13 Folios, 10 x 4 3/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1643, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 238 **BIR932** **BI9496**
Acc. No. 1317/1887-91
नलकथानक
Nalakathānaka
15 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 239 **BIR932** **BI9497**
Acc. No. 1201(b)/1887-91
नागदत्तकथा
Nāgadattakathā
Folios 10a-11a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 240 **BIR934** **BI9504**
Acc. No. 602/1895-98
बृहत्पुण्याहवाचन
- Bṛhatpuṇyāhavācana**
5 Folios, 10 1/2 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1897, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 241 **BIR934** **BI9507**
Acc. No. 1339(9)/1886-92
महापद्मकुमारकथा
Mahāpadmakumārakathā
Folios 18b-25, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 242 **BIR934** **BI9508**
Acc. No. 1339(m)/1886-92
रत्नशेखररत्नवतीकथा
Ratnaśekhararatnavatikathā
Dayāvardhana Gaṇi
Folios 28a-39b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 243 **BIR934** **BI9509**
Acc. No. 1339(e)/1886-92
रत्नसारकथा
Ratnasāarakathā
Folios 12b-16a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 244 **BIR934** **BI9510**
Acc. No. 1411(e)/1891-95
रूपकमाला
Rūpakamālā
Parśvacandra Sūri
Folios 4a-4b, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 245 **BIR934** **BI9511**
Acc. No. 813/1892-95
रूपकमाला
Rūpakamālā
Samayasundara Gaṇi
6 Folios, 10 x 4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Samvat 1663, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 246 **BIR934** **BI9512**
Acc. No. 1339(b)/1886-92
ललिताङ्गकथा
Lalitāṅgakathā
Folios 2a-4a, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 247 **BIR934** **BI9513**
Acc. No. 583/1884-86
कथाकोश
Kathākośa
55 Folios, Folio 1 missing, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 248 **BIR934** **BI9514**
Acc. No. 1324/1891-95
कुमारपालचरित
Kumārapālarita
Hemacandra Sūri
70 Folios, Folio 1 missing, 10 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 249 **BIR934** **BI9515**
Acc. No. 1267/1884-87
कथाकोश
Kathākośa
75 Folios, 10 1/4 x 4 4/5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 250 **BIR934** **BI9516**
Acc. No. 412/1879-80
कुमारपालचरित
Kumārapālarita
Hemacandra Sūri
72 Folios, 13 x 8 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 251 **BIR935** **BI9517**
Acc. No. 258/A 1882-83
खुमाणरास
Khumāṇarāsa
Dalapata
139 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 252 **BIR935** **BI9518**
Acc. No. 1648/1891-95
बिहणपञ्चाशिकाचोपाइ
Bihṇapañcāśikācopāi
Sāraṅga
8 Folios, 10 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 253 **BIR935** **BI9519**
Acc. No. 1269(55)/1887-91
योगीवा
Yogīvā
50a Folio, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 254 **BIR935** **BI9520**
Acc. No. 819/1892-95
वङ्कचूलरास
Varṅkacūlarāsa
6 Folios; L 11, W 38, 10 1/4 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 255 **BIR935** **BI9521**
Acc. No. 1339(c)/1886-92
वज्रबाहुकथा
Vajrabāhukathā
Dayāvardhana Gaṇi
Folios 4a-6a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Fol 930
परविहवपरीहारं कुण्ठति जे वज्रबाहु कुमरुधा। इह
लोए व समिद्धि पाविय पावन्ति ते सिद्धि। 111, दीक्षां
ललो सोऽपि नियमं प्रतिपाल्या s च्युत कल्पे सुरो
जातः ततश्च्युतो मोक्षं यास्यति।।, इति तृतीयव्रते
वज्रबाहुकथा।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 256 **BIR935** **BI9522**
Acc. No. 170/1872-73
वज्रायुधकथा
Vajrāyudhakathā
20 Folios; L 17, W 66, Folio 20
missing, 10 1/4 x 4 3/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
जंबू द्वीप पूर्वविदेहे मंगलावली विजये रत्नसंचय पुरे
क्षमेकर राजा रत्नमाला... , अह दूर संपत्तो पंथे
सिद्धः पुरनयरबाहिमि। मुच्छानिमीलिअच्छो
पडिओ सो रहस्सुवरि।। तीमब्भिमखंधारे उच्छलिए
कलयलं मि सहसंत्ति। मिलिउ अग्नी ए। , MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 257 **BIR935** **BI9523**
Acc. No. 1335/1887-91
वत्सराजकुमारकथानक
Vatsarājakumārakathānaka
22 Folios; L 15, W 42, Folio 1 missing,
10 5/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, तहवि हु गुणेहि
जिटठो होउ इयो वच्छराउ तिनिवो।।, इति
दानादिधर्मेषु अप्रमत्तस्य दुर्गापदोऽपि
सुखपर्यवसानः संपद्यते इत्ये(त्य)र्थसंसूचकं
पूर्वजन्मसुराभिधानं। , श्रीवत्सराजकुमारकथानकं
समाप्तं।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 258 **BIR935** **BI9524**
Acc. No. 1288(d)/1884-87
वनराजकथा
Vanarājakathā
Folios 7b-10b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, पडिक्कमणे 1
चेइयर जिमण3 चरिम4 पडिक्कमण5 सुयण6 पडिवो
हे। चिइवंदण इय जइणे सत्तवेलाउ अहोरत्ते।।,
इक्कह फुल हमाटि देइ जिनरसुरसिवसुह। एसी करइ
कुसाटि बप्पभोलिम जिणव तणी।।, भावपूजायां
वनराजकथा।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 259 **BIR935** **BI9525**
Acc. No. 4778/1882-83
वयरकुमाररास
Vayarakumārārāsa
5 Folios; L 15, W 42, 9 3/4 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, पहिल प्रणाम करुं
जिनराय।। सिद्धसवे निज वंदिस्सुं भाव।।, कवियण
इण परि उचरइ। श्रीवयरारग वदउ मनन णइ
भावि।। तउ सुगु.।।, इति वयरारगरास समाप्ता। सं
1680। वर्षे श्रावणमासे। कृत्तपच्यै चोथतिथे
अरक(र्क)वारे। पं वरधमान लिषतां। बाई हांसां
लीषाव...।।, Saṃvat 1680, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 260 **BIR935** **BI9526**
Acc. No. 1348/1891-95
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
Rājakīrti
103 Folios; L 15, W 46, 10 3/4 x 4 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः श्रीपार्श्वनाथाय।
वाञ्छितार्थप्रदायिने। करोमि गद्यबंधेन
श्रीवर्धमानदेशनां।, श्रीरत्नलाभगणशिष्येण
राजका(की)र्तिगणिना।।, श्रीवर्धमानदेशना
यो(यां)गद्यबंधेन प्रणीतायां तेतलीपिताप्रतिबोधो
नाम दशम उल्लासः समाप्तः।।, Samvat 1945,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 261 **BIR935** **BI9527**
Acc. No. 822/1892-95
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
Rājakīrti
171 Folios; L 12, W 38, 9 7/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः श्रीपार्श्वनाथाय
वाञ्छितार्थप्रदायिने।।, इति श्रीवर्धमानदेशनायां
वाचनाचार्य श्रीरत्नलालजीगणि तत्शिष्य
श्रीराजकीर्तिगणिना गद्यबंधेन प्रणीतायां
तेतलिपिताप्रतिबोधो नाम दस(श)म उल्लासः
संपूर्णः।।, Samvat 1904, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 262 **BIR935** **BI9528**
Acc. No. 324/A 1882-83
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
Śrutavardhana Śubhvardana Gaṇi
175 Folios; L 15, W 38, Folio 7,94-96
and 178 missing, 9 7/8 x 4 5/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ
श्रीगुरुभ्यो नमः। वीरजिणेंदं देविद्वंदिअं वंदिऊण
जिआमाहं। सिरिणाअमगणहंरं अज्जसुहम्मं सुहम्मं
- च।।, साहुश्रीश्रीधम्मार्थं। संवत् 1609 वर्षे फाल्गुन
माशे (स) कि(कृ)ष्ण पक्षे तिथौ भुमे पुस्तक(कं)
लिषतं। ठाकुर दामोदरदास भारथी। शुभं भवतु
ले(ख) कपाठक(योः)।।, Samvat 1609,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 263 **BIR936** **BI9529**
Acc. No. 1244/1887-91
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
Śrutavardhana
124 Folios; L 15, W 43, 10 1/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः।।वीरजिणेंदं
देविद्वंदिऊण दिक्षमोहं। सिरिणाअमंगण हंरं।।,
नरसबावन्नम्मी भद्वय किए तेरसीदिवसे।
सुहवारिक्ख जोणवि हितु गंथो पविचुरउ।।, इति
श्रीवर्धमावदेशनाया तपा
गच्छाधिराजश्रीसोमसुंदरसूरि etc. as in no. 645
upto राज्ये and then पंडितप्रकांडमंडली etc
as in the same upto शुभवर्धनगणप्रणीतायां
then We have तितलपिता श्रावकप्रतिबोधे नाम
उल्लासः।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 264 **BIR936** **BI9530**
Acc. No. 1245/1887-91
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
197 Folios; L 5, W 30, 10 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः।।वीरजिणेंदं
देविद्वंदि ..., इति श्रीलक्ष्मीसागरसूरीणां
साधुविजयनाम्नां शिष्येण श्रीलक्ष्मीसागरसूरीश्वराणां
शिष्याः सीधुविजयाख्यास्तेपां शिष्येणेत्यर्थः
एवंभूतेन सुखवर्द्धनेन कविना आणंदनाम्नः श्राद्धस्य
चरित्रं लिखतं।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 265 **BIR936** **BI9531**
Acc. No. 239/1871-72
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
366 Folios, Folio 301 missing, 9 7/8 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 266 **BIR937** **BI9532**
Acc. No. 1339(h)/1886-92
वसन्तकुमारकथा
Vasantakumārakathā
Dayāvarohaṇa Gaṇi
Folios 23b-25a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, देसावगसियत्र ए वसन्तकुमारस्त हाइ दिद्वितो। तं पि सुखेणेवं कहेमि निसुणंतु एगमणा।।, कुमारोपि पितुर्लब्धराज्यो जिनमंडितां वसुधां चक्रे विधिना मृतः अच्युतकल्पे सुरो जात ततश्च्युतो धाकुकीखंडभरते नृपगृहे(s) वतीर्णो मोक्ष यासति(मोक्षं यास्यति)।। इति श्री।।, इति देशावकाशिके वसन्तकुमारकथाः।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 267 **BIR937** **BI9533**
Acc. No. 1659/1891-95
वसुदेवचरित्र
Vasudevacaritra
Harṣakula
13 Folios; L 15, W 36, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमः।। सकल मनोरथ सिद्धि करि धुरि च उवीस जिणंद पयणमुं भाविं करी भवियणनयणाणांद।।, धन धन्न चरीय विशाल धन जिनधर्म रसाल एह वयण सुणाह अतिचंग जिम पामउ अवहडरंग।।, इति श्रीवसुदेवकुमाररास संपूर्णः।। संवत् 1675 वर्षे रेयाग्रामे पं. देवचंद्रगणिना(s)लेखि।।, Saṃvat 1675, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 268 **BIR937** **BI9534**
Acc. No. 1326(b)/1886-92
वसुदेवचरित्र
Vasudevacaritra
Harṣakula
51 Folios; L 9, W 30, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, धन धन ए चरीय विशाल। धन धन श्रीजनधरम व(र)साल। ए चरीय सुणु अतिचंग। जिम पामु अविहड रंग।।, इति श्रीवसुदेवकुमाररासचरित्र संपूर्णः।। संवत् 1732 वर्षे माहवदि 6 दने बुधवारे।। श्री सुरवि मध्ये श्री(विनयकुल लपीकृतं।। स्वपठनार्थं।।, Saṃvat 1732, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 269 **BIR937** **BI9535**
Acc. No. 654/1884-86
वसुदेवचरित्र
Vasudevacaritra
Harṣakula
23b Folio, 23b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, धुरि दूहा।। सकल मनोरथ सिद्धि कर। धुरि चउवीस जिणंदापय प्रणमउ भावइ करी। भविष्य भयणाणंद।। 1, नदिपेण नामइ इकमामि। बंभणपुत्र तड तिणि ठामि। अति कुरूप दोभाग बहूत। मातपिता परलोक पहूत।। बालपणइ मामा घरि रहइ। नदिपेणनइ मामा कहई।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 270 **BIR937** **BI9536**
Acc. No. 1492/1887-91
वसुदेवचरित्र
Vasudevacaritra
14 Folios; L 13, W 42, 10 1/2 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्री गु(रु)भ्यो नमः।। सकल मनोरथ सिद्ध करउं। धुर चुवीस जिणदापय पणमुं भावइ करी। भवियणनयणाणंद।।, रतुपडितसीसिइं। कहइ हर्पकुलि निशिदीसइ।, इति श्रीवसुदेवकुमारचोपई समाप्ताः।। लिशित पतन मध्ये। गुणतिलकेन लिपितं। सं. 1639 वर्षे कात्तिशुदि 2। गुरुवासरे।।, Saṃvat 1639, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 271 **BIR937** **BI9537**
Acc. No. 253/1873-74
वसुदेवहिण्डी
Vasudevahiṇḍī
Sanḡhadāsa Gaṇi
342 Folios; L 13, W 38, 9 3/4 x 4 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमो वसेदवयाए नमो
वितरागाय। जयह ...भययं।।1।।, मया मणियं पुत्त
सुट्टु कयं ते घणुं सजीवयं करेतेण। एवं पुब्बविवच्छियं
जो एयं घणु सजीयं करेइ।, वसुदेवहिण्डी पढम खंडं
सम्मत्तं।।समाप्तं।।ग्रंथाग्रंथ 11000 संख्या
समाप्तः।।, Saṃvat 1906, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 272 **BIR937** **BI9538**
Acc. No. 824/1892-95
वसुदेवहिण्डी
Vasudevahiṇḍī
294 Folios; L 15, W 50, 12 3/8 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः
सर्वज्ञाय।।जयत्यनेकांतकंठीरवं।।,
श्रीरस्तु।।साहुश्रीवच्छासुतसासहिसकरण स्त्रपुण्यार्थ
पुस्तकभंडारकारापितं।।सुतसाहवर्द्धमान
प्रतिपालनार्थं।।शुभं।।, Saṃvat 1551, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 273 **BIR938** **BI9539**
Acc. No. 254/1873-74
वसुदेवहिण्डी
Vasudevahiṇḍī
Dharmasena Gaṇi
133 Folios; L 15, W 54, 10 1/4 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः सर्वज्ञाय।।जयत्यनेकांतकं
वीरः। अथेदमारभ्यते द्वितीयखंडं। जयइ
- नवनलिणिकुवल्यवियसियवरकमलपत्तलडहत्थो।,
धाम्मणप्यल्लेहतेहिं भणियं चुमं। किंतु अम्हं
आभोगकयं पुण्यं वा दिट्ठं। अणाभोगकए णत्थि
दोसो।।, इति वसुदेवहिण्डीमध्यमखंडं
समाप्तं।।ग्रंथाग्रेण सहस्र षट् शतानि षट् 6600
उभग्रं ग्रंथ 17800।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 274 **BIR938** **BI9540**
Acc. No. 825(d)/1892-95
वस्तुपालतेजपालरास
Vastupālatejapālarāsa
Pārśvacandra Sūri
Folios 4a-6b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, जिण चुवीसइ
चलण नमेवीसय। अना(इ) सूय सामिणिसरसति देवी
या सहिगुरुपाय पसाउ लइ ए।।, जीण इए उ रास
सांभलीउ जाणे तेह धरि सुरतर फलीउ। पासचंद्रसूरि
इम बोलंते भणइ गुणइ ते सुख लहंति।।, इति
श्रीवस्तुपालतेजपालरास समाप्तमस्ति।।श्रीरस्तु।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 275 **BIR938** **BI9541**
Acc. No. 784/1899-1915
वस्तुपालतेजपालरास
Vastupālatejapālarāsa
Lakṣmīsīmha
3 Folios; L 13, W 35, 10 1/4 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ६60।।वीरजिणे सर नमिय
पाय।।अनइ गोयमसामी। सरसति तणइ सुपसाउ
लइए।, सुप(ष)। तेहन इ धवरि अफल फल
इएमि..।।अष्टमहासिद्धि पृरिसु।।, इति
श्रीमहवस्तुपालतेजपालरासः समाप्त।।, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune

- 276 **BIR938** **BI9542**
Acc. No. 171/1872-73
वस्तुपालप्रबन्ध
Vastupālaprabandha
Jinaharṣa Gaṇi
80 Folios; L 17, W 50, 10 1/4 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीमानहर्षन् शिवः स्वामी। नाभिभूः
पुरुपोत्तमः। पुष्पात् भक्तिनिष्ठानां। श्रियं
सर्वार्थदायिनी॥, संवत् 150 (?1550) वर्षे 279
माघवदि 13 रवौ अद्यैह श्री गिरिपुरे
राउलश्रीगङ्गालदेवविजयराज्ये आभ्यन्तर नागर
ज्ञातीय पं. जूठाकेन लिखितं।।,
आद्यपंचांगपाठिपंडितप्रकांड पं.
उदयकलशगणिमिक्षवाचनार्थे परीक्षितुं भचभार्या
सुहंगल देव्या लेखितः श्रीवस्तुपालप्रबंधः॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 277 **BIR938** **BI9543**
Acc. No. 1310(11)1886-92
वालिराजर्षिप्रबन्ध
Vārirājarṣiprabandha
Folios 9b-10b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, इतः कथाप्रसंगेन।
रावणो सभायां शृणोत्। प्रौढप्रतापं बलिनं। वालिनं
वानरेश्वरां॥, क्रमेण कर्मणां सो(s)घ (श्र)।
भवोपग्राहिणं जयात्। सिद्धान्तचतुष्को(s)गात् पदं
तदपुनर्भवं॥, इति वालिराजर्षिप्रबंधः॥, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 278 **BIR938** **BI9544**
Acc. No. 1313/1884-87
वासुपूज्यचरित्र
Vāsupūjyacaritra
Vardhamāna Sūri
97 Folios; L 17, W 56, Folio 1 missing,
10 3/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Folios
- 9b-10b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, इतः कथाप्रसंगेन। रावणो सभायां
शृणोत्। प्रौढप्रतापं बलिनं। वालिनं वानरेश्वरां॥,
क्रमेण कर्मणां सो(s)घ (श्र)। भवोपग्राहिणं जयात्।
सिद्धान्तचतुष्को(s)गात् पदं तदपुनर्भवं॥, इति
वालिराजर्षिप्रबंधः॥, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 279 **BIR938** **BI9545**
Acc. No. 1336/1887-91
वासुपूज्यचरित्र
Vāsupūjyacaritra
Vardhamāna Sūri
118 Folios; L 15, W 57, 10 1/2 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः श्रीसर्वज्ञाय॥। अर्हतं नौमि
नाभेयं ..., लब्धिर्महोदयपदस्य बभूव
पवित्ररुचयोऽष्टदिनान कृत्वा॥, श्रीवासुपूज्यचरितं
परिपूर्णमेतदाल्हानदनं सततमंतरनुस्मरंतः॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 280 **BIR939** **BI9546**
Acc. No. 298/A 1883-84
वासुपूज्यचरित्र
Vāsupūjyacaritra
Vardhamāna Sūri
36 Folios; L 17, W 56, 10 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः सिद्धं॥। अर्हतं नौमि नाभेयं
कल्याणकलशं सतां रेजुराभ्रदलानीव यत्कर्णनिकटे
जटाः॥, जितानां दुर्यशोजालैरिवाग्यंतषट्पदैः
पुष्पजातिर्जगत्प्राणान् सुरभिः सुरभीन् सृजन् कास्य
2 षनानंदसंदर्भाय विजायत॥, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 281 **BIR939** **BI9547**
Acc. No. 1327/1886-92
वासुपूज्यचरित्र
Vāsupūjyacaritra
Vardhamāna Sūri
3 Folios; L 18-20, W 58-62, 10 1/4 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नौमि.॥सुकृतं।
उत्तमचरित्रश्रवणात् अतः श्री वासुपूज्यचरित्र। ...,
श्रेयासनिर्वृतेरासीद् वासुपूज्यनिर्वृतिः। सागरेषु
व्यतीतेषु चतुःपंचाशतिः प्रभोः॥,
श्रीवासुपूज्यचरित्र संघनकं(?) संवत् 1487 वर्षे
मार्गशीरवदि 8 शु बुधदीने राणालीषितं॥,
Sāmvat 1487, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 282 **BIR939** **BI9548**
Acc. No. 233/1871-72
वासुपूज्यपुण्यप्रकाशारास
Vāsupūjyapūnyaprakāśārāsa
Sakalacandra
35 Folios; L 9, W 32, 10 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ सकलगणिशिरोमणि॥श्री 5 श्रीऋद्धिविमलगणि 2 गुरुभ्यो नमः॥, नगर पा पाटण धर्ममांडण अंबादत्ते लिख्यो बली॥। ए रास रगओ जिना ध्याओ पाप सवि जाये बली॥, Sāmvat 1757, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 283 **BIR939** **BI9549**
Acc. No. 1329/1886-92
विक्रमचतुष्पदी
Vikramacatuṣpadi
Hīrānanda Sūri
- 12 Folios; L 14, W 44, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ श्रीजिनाय नमः॥श्रीजिनवरचरणे नमी। समरी सरसति माइ। सहगुरनाम हियइ धरी। गाइसु विक्रमराइ॥, तासु पटो(?) धर सूरिवर। श्रीअजितदेवसूरिद। तासु पसायय हर...धर। सूरि वदइ हीराणंद॥, इति श्रीविक्रमचरित्रे चोबोलीप्रबंधे चोपई संपूर्णः॥संवत् 1707 वर्षे। साके 1573 वर्त्तमाने। महामांगल्यप्रद आसोजमासे। कृष्णपक्षे। चतुर्दस्यां तिथौ। शनिवासरे। श्री चंद्र गच्छे। लिषतं विप्रराजसीधेन।। शुभं भवतु॥, Sāmvat 1707, Śake 1573, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 284 **BIR939** **BI9550**
Acc. No. 765/1875-76
विक्रमचरित्र
Vikramacaritra
251 Folios, 11 1/8 x 5 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Sāmvat 1490, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 285 **BIR939** **BI9551**
Acc. No. 786(b)/1875-76
विक्रमचरित्र
Vikramacaritra
Folios 17a-18a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, पातुं भवान् गच्छतु वेगतः॥ अटश्यस्त्वमग्निवेतालात्रास्था देहि ममादनं। यथा पल्यादयः सर्वे जानंतीति जना हृदि॥, मिलित्वेति जगौ ह(?) भूपाथ रचितांजलि॥ स्वामिस्तव प्रसादेनात्रागतो (S) हं पुरे॥, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 286 **BIR939** **BI9552**
Acc. No. 46/1877-78
विक्रमचरित्र
Vikramacaritra
Lakṣmīvallabha
94 Folios; L 14, W 38, 9 5/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, पंडित श्रीहस्तिसागरगणिसदुरुभ्यो
नमः प्रणमं पासजिणंद पाया , कदे न होवें चिंता
काईः अहनिसि उत्सवरंग वधाई॥, इति
श्रीवक्रमादित्यभूपालपंचदंडचतुःपद्यां पष्टः पष्ट
संपूर्ण समाप्तम् श्री॥सर्वदाल 75 सर्यप्रथ 3168,
468 संवत् वर्षे माहवदि 6 शनीवारः ऐ नम्॥,
Samvat 1801, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 287 **BIR939** **BI9553**
Acc. No. 172(b)/1872-73
विक्रमप्रबन्ध
Vikramaprabandha
Folios 13a-13b; L 18, W 30, 10 1/4 x 4
5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, अवति देशे प्रतिष्ठान पुरे
वीर्यादिगुणोत्पेत आजन्मदरिद्रो विक्रमराजपुत्रो
भट्टमात्रमित्रान्वितो, इति निर्णयपरे
श्रीविक्रमेणामंडितभक्ष्यं प्रेक्ष्य क्रुद्धो वंतालो द्ववोः
(थोः) संग्रामः श्रीविक्रमेण पातितोऽग्निवेतालः
सिद्धः॥, इति विक्रमप्रबंधः॥शुभं भवतु॥श्री॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 288 **BIR939** **BI9554**
Acc. No. 622/1895-98
विक्रमसेनरास
Vikramasēnarāsa
Udayabhānu
14 Folios; L 17, W 46, 9 7/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ देव सरसति देव सरसतिपाय
पणमेवि शुभशक्त(क्ति) वि मनि धरी करिस
कवितन(व) चन विछंदि॥, ए प्रबंध छइ बुद्धिनिवास
- सुगतां सहनी फलीइ आस॥, इति श्रीविक्रमसेन
चउपई संपूर्णाः॥, Samvat 1706, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 289 **BIR939** **BI9555**
Acc. No. 764/1875-76
विक्रमसेनरास
Vikramasēnarāsa
Paramasāgara
55 Folios; L 16, W 31, 10 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, दूहा। परमजोतिप्रकासकर। पूरण
परम उल्लास। प्रणमं ए परमानंदस्युं। परम संखेसर
पास॥, राग धन्यासी ढाल चोसतिमी। परमसागर
आणंदा रे॥, इति श्रीविक्रमसेननरेश्वरचतुष्पदी
समाप्ता। सं 1750 आश्विन शु. 13 दिने। भट्ट.
श्रीविजयप्रभसूरीश्वर तच्छिष्यसकल पं. शिरोमणि पं.
प्रेमविजयगणित. मुनिभावविजयगणिलिषितं॥,
Samvat 1750, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 290 **BIR939** **BI9556**
Acc. No. 376/1871-72
विक्रमसेनरास
Vikramasēnarāsa
38 Folios; L 16, W 36, 9 1/8 x 4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, दूहा।
परमजोतिप्रकासकर। पूरण परम उल्लास। प्रणमं ए
परमानंदस्युं। परम संखेसर पास॥, तां लगें ए
चोउपई थिरथा जो जां लगें सूरज चंदा रागधन्यासी
ढाल चोसठमी परमसागर आणंदा रे मे॥, इति
श्रीवक्रमादीत्यसूतविक्रमसेन चोपई लीलावतीरास
संपूर्ण सकलपंडीतसीरोमणी श्रीश्रीश्रीश्रीश्री
1008 श्रीविनयविजयतत्
शीष्यगणीलावन्यविजयभाई प्रेमजी लपीकृत्यं हडाड
ग्रामात् संपूर्ण श्रीरस्तु कल्याणमस्तु सूपं भवतुं
Then in a different hand सं. 1292,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 291 **BIR939** **BI9557**
Acc. No. 325/A 1882-83
विक्रमादित्यचतुष्पदी
Vikramādityacatuṣpadī
Lābhavardhana
18 Folios; L 15, W 42, 10 1/4 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः श्रीसारदाय
नमः। श्रीगणाधिपतै नमः। दूहा।। पुरीसादाणी,
तेहनें राजें कीध ए। संपुरण अधिकार।।, इति
श्रीविक्रमादित्य अने नवसें कन्यासी चोपई
संपूर्णो।। संवत् 1811 वर्षे।। शाके 1673 प्रवर्तमाने
मासोत्तममासे।। चैत्रमासे कृष्णपक्षे। सप्तम्यां तिथौ
भोमवासरे प्रथमप्रहरे
लिपिता।। सकलपंडितसिरोमण पंडित श्रीश्रीश्रीश्री
108 श्रीश्री श्रीकांतिविजयगणितत्सि, Samvat
1811, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 292 **BIR939** **BI9558**
Acc. No. 1330/1886-92
विक्रमादित्यचरित्र
Vikramādityacaritra
Bhānuvijaya Gaṇi
156 Folios; L 18, W 43, 10 3/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, अमलअकलसम आनंद थाय।।,
विक्रमादित्यचरित्रे प्राकृतबंधे
श्रीभानुविजयगणिविरचिते.. श्रीमुनिचंद्राचार्योपदेश
लीलावतिदीक्षाग्रहणसूरगतिप्रापण नामसेनो चतुर्थो
खंड संपूर्ण। सर्वढालसंख्या 174 सं. 1876 कार्तिक
शु. सौभाग्यपंचमी शनिवारे लपी छे।।, Samvat
1876, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 293 **BIR940** **BI9559**
Acc. No. 836/1895-1902
विक्रमादित्यचरित्र
- Vikramādityacaritra**
16 Folios; L 16, W 26, 8 x 4 3/4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
वीणापुस्तकधारणी हंशासन कविमाय। प्रहें उगमतें
नित नमुं सारद तोरा पाय।।, सत्तरचउवीशे (1728)
कृष्णदशमी आदि आसाढे सही वाचनाचारिय
अभयसोम मनि मंदर काजें कही 290., इति
विक्रमादित्यचरित्र सं।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 294 **BIR940** **BI9560**
Acc. No. 790(e)/1892-95
विजयचउपइ
Vijayacaupai
Harṣakīrti
Folios 8a-9b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, ढाल।। प्रह उठी रे
पंच पर्मेष्टी सदा ..., वलि सकल मंगल मनहवंछित
कुशल नित घरे अवतरे।।, इति विजयसेठको
चोढयाल्यो संपूर्ण।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 295 **BIR940** **BI9561**
Acc. No. 1317/1884-87
विजयचन्द्रचरित्र
Vijayacandracaritra
Candraprabha Mahattara
77 Folios; L 17, W 56, 11 7/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, नमः श्री सर्वज्ञाय।। पणमद् तं
नाहिसुयं सुरवइसंकंतलोयण सहस्सं कमलवणं
विरायइ निवनिवहं जस्स पय जुयाल।।, जाव जसो
ससिधवलो। धवलइ महिमंडलं जिणंदाणं ताव इमं
जयउ जए।। चरियं सिरिविजकचंदस्स।।, इति
श्रीविजयचंद्रकेवलीचरित्रं संपूर्ण।। ग्रन्थाग्र 4900.,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 296 **BIR940** **BI9562**
Acc. No. 47/1877-78
विजयचन्द्रचरित्र
Vijayacandracaritra
Candraprabha Mahattara
159 Folios; L 12, W 35, 10 1/4 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, पणमह तं नाहिसुहं etc., संवत्
1661 वर्षे ज्येष्ठ शुदि 10 शुके लषितं इति
श्रीविजेयचद्र केवलीचरित्रं संपूर्णं॥, Samvat
1661, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 297 **BIR940** **BI9563**
Acc. No. 179/1872-73
विजयचन्द्रचरित
Vijayacandracarita
27 Folios; L 17, W 30, 10 1/8 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, पणमह तं नाहिसुहं ...,
हरिचंद्रकथानकं॥प्रायश्चितविषये॥, Samvat
1641, Śake 1506, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 298 **BIR940** **BI9564**
Acc. No. 1318/1884-87
विजयचन्द्रचरित
Vijayacandracarita
26 Folios; L 15, W 50, 10 7/8 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, नमः सिद्धेभ्यः॥पणमह तं
नाभिसुयं॥, एवं परमपयत्थं etc. upto
सिरिविजयचंद्रस्स॥, इति पूजाष्टकं समाप्तं॥एवं
ग्रंथाग्रं 1200॥, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 299 **BIR940** **BI9565**
Acc. No. 1260/1891-95
विजयचन्द्रचरित
Vijayacandracarita
42 Folios; L 12, W 38, 9 7/8 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमः श्रीसर्वज्ञाय पणमहं तं
नाभिसुयं॥, एवं परमपयत्थं etc. upto
सिरिविजयचंद्रस्स॥, इति
श्रीजिनवरेंद्रपूजाष्टकं॥ग्रंथाग्रं 1000 लिखितं
वीरचंद्रेण मुनिता) ना (पाली मध्ये॥, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 300 **BIR940** **BI9566**
Acc. No. 1337/1887-91
विजयचन्द्रचरित
Vijayacandracarita
31 Folios; L 17, W 43, 10 1/8 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete,
सयलसुरासुरकिन्नरविजाहरनरवरिदधुअवलणं।
जव्व सुवन्नसरीरं पणमह वीरं महावीरं॥, एवं
मंगलनिलयं etc. upto
सिरिविजयचंद्रस्य॥Then We have गाथा
1864 श्लोक 1330, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 301 **BIR940** **BI9567**
Acc. No. 623/1895-98
विजयचन्द्रचरित
Vijayacandracarita
27 Folios; L 14-18, W 38-45, 11 5/8 x
5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमो वीतरागाय।सयल सुरासुर
..., एवं मंगलनिलयं etc. upto
सिरिविजयचंद्रस्य॥, इति श्रीविजयचंद्रकेवलीचरित्रं
संपूर्णं॥, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 302 **BIR940** **BI9568**
Acc. No. 156/1872-73
विजयदेवमाहात्म्य
Vijayadevamāhātmya
69 Folios, Folio 1 missing, 10 1/3 x 4
1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 303 **BIR940** **BI9569**
Acc. No. 767/1875-76
विजयप्रशस्तिमहाकाव्य
Vijayaprasastimahākāvya
432 Folios, 11 1/8 x 5 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1671, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 304 **BIR941** **BI9570**
Acc. No. 802/1899-1915
विजयरत्नसूरिगुणवर्णन
Vijayaratnasūriguṇavarṇana
13 Folios; L 17, W 55, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, प्रथम दूहा।।ओम्कार करि आशिका। इष्टसु ओम्कार। ओम् ध्यानधारी अचल गार्डजे गणधार।।, श्रीविजयप्रभविजयरत्नसूरि लक्ष्मीब्दा सुचिरं जयतु।।, इति श्री विजयरत्नसूरिगुणकथावर्णनम्।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 305 **BIR941** **BI9571**
Acc. No. 172/1881-82
विद्याविलासनरेन्द्रकथानक
Vidyāvilāsanarendrakathānaka
Hirānanda
10 Folios; L 17, W 56, 10 3/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, द्वीपे भरत क्षेत्रे श्रीयुगादिजिनेशतुः। अवन्तिवर्द्धनो नाम तनयः समभूत् पुरा।।, यद्यस्ति भो शिववधूकरपीडनेच्छा। श्राद्धारुचौ तदिह भव्यजना यतध्वं।।, इति विद्याविला(स) (क)थानकं समाप्तं 1541 वर्षे बुधवारे मार्गशीर्षे मासे। श्री ब्राह्मी स्थाने श्रीजिनसमुद्रसूरिविजयराज्ये श्रीमत्कीर्तिरत्नसूरिराजानां शिष्येण वा.हर्षविशालगणिना।।, Saṁvat 1541, MFL,
- New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 306 **BIR941** **BI9572**
Acc. No. 171/1881-82
विद्याविलासनरेन्द्रपवाडउ
Vidyāvilāsanarendrapavāḍau
Hirānanda
14 Folios; L 11, W 26, 10 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः।।पहिलुं पणमोय पढम जिणेसर सिरतुंजय अवतार हथिणाउरि श्रीशांतिजिणेसर ऊजलि निमिकुमार।।, नीरविंद जिम जीवी जाणे। मनि आणउं वडराग। संजिम ले। सिवपुरि पहतउ धन धिन विलास।।, इति श्रीविद्याविलासपवाडो समाप्त संवत् 1655 वर्षे शाके 14 त्रीसा प्रवर्त्तमाने। भाद्रपदसुदि सधमीगरु श्री मंडपगढ माहादुर्गे पातिसाह श्रीनसीरसाह विजइराजे श्री मलधार गच्छि श्रीलक्ष्मीसागरसूरि तत...।।, Saṁvat 1565, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 307 **BIR941** **BI9573**
Acc. No. 48/1877-78
विद्याविलासपवाडउ
Vidyāvilāsapavāḍau
Hirānanda
9 Folios; L 14, W 38, 10 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ श्रीवितरागाय नमः।।पहिलुं प्रणमुं पढम जिणेसर सेतुंजय तवार। हत्यणाउरि श्रीशांतिजिणेसर। उजसि नमिकुमार।।, वीरदेव सूरिपाटिए। अचल. संवत् 14 पञ्चसीइ ए विरचीअ चरिअसामणं। अचलवधामणुं ए।।, इति विद्याविलास समाप्तः शुभं भवतुं लपितं वीरदास।।संवत् 1661 काती शुदि।।।, Saṁvat 1661, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 308 **BIR941** **BI9574**
Acc. No. 832/1892-95
विद्याविलासनरेन्द्रपवाडउ
Vidyāvīlāsānarendrapavāḍau
Hirānanda
7 Folios; L 15, W 44, 10 1/8 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ पहिलुं पणमि॥, ए अचल वधामणुं ए। विद्याविलासह चरी. अ ए। अतिहिं सोहामणुं ए।।, इति श्रीविद्याविलासपवाडउ संपूर्णः लिखितं संवत् 1642 वर्षे सोहा नगरे पं. सकलचंद्रगणिना। स्वोपकृते। कल्याणं भूयात्।।श्रीः।।, Saṁvat 1642, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 309 **BIR941** **BI9575**
Acc. No. 328/A 1882-83
विद्यासागरकथा
Vidyāsāgarakathā
7 Folios; L 15, W 42, 9 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ श्री जिनाय नमः।।गुरुदेवो गुरुस्तीर्थ गुरुर्माता गुरुः पिता गुरुर्वधु गुरुर्मित्रं गुरुः स्वामी गुरुर्गुरुः।।, एवं श्री चैत्रगच्छीयै। श्रीगुणाकरसूरिभिः पुण्यैः पुण्याष्टके पुण्या गुरुभक्तौ कृता कथा।।, इति गुरुभक्तिविषये विद्यासागरकथा संपूर्ण।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 310 **BIR941** **BI9576**
Acc. No. 173/1872-73
विनयचटकथा
Vinayacatakathā
73 Folios; L 15, W 30, 10 7/8 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः।।दुहा।।पार्श्वनाथ जिनवर प्रणमेः त्रेवीसमो जिन सा सः अलोय उपद्रव उपसमेः वारे गर्भावासः।।, इति श्रीविनयोपरि विनयचटश्रेष्ठिपुत्रकथाप्राकृतबंधे विनयचटजसवरणन राजा निजगृहे आगमन त्रिणास्त्रि पाणिग्रहण ...संयमाद्धिकारनिरवाणगमनं
- 311 **BIR941** **BI9577**
Acc. No. 611(b)/1892-95
विनीताविनीतभाव
Vinītāvinītabhāva
Folios 40a-40b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, अथ विनीतअविनीतरा भाव लिप्यते।।दूहा नमुं वीर सासनधणी।।ते पांभ्या पद निरवांण।।, विनो करणो सतगुर तणो। त्यांग गुणरी करै पिळांण।।उतराधेन पहिलै कक्षो।।ते सुणज्यो चतुर सु।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 312 **BIR941** **BI9578**
Acc. No. 833/1892-95
विमलप्रबन्ध
Vimalaprabandha
Lāvaṇyasamaya
66 Folios; L 13, W 38, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ आदि जिनवर। आदि जिनयर प्रथम प्रणम्योसु। अंबाई धुरि अर्बुदा सकलदेवि श्रीमात ध्याहुं।।, एषा प्रथमा वृहद्राससक्ता प्रति, 6 संवत् 1649 वर्षे चैत्रवदि प्रतिपदा शुक्रवारे।।श्री खरतइ गच्छे श्रीजिनचंद्रसूरि।।साधवीस्वोक्रणय पठनी..।।, Saṁvat 1649, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 313 **BIR942** **BI9579**
Acc. No. 156/1872-83
विजयदेवमाहात्म्य
Vijayadevamāhātmya
Śrī Vallabha
1 Folios; L 68, 10 1/3 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

314 BIR942 BI9580

Acc. No. 1180/1884-87

विविधतीर्थकल्प

Vividhatīrthakalpa

27 Folios; L 15, W 56, 12 1/4 x 3 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अर्ह । देवः श्रीपुंडरीकाख्यभृच्छिखरशेखरे । अलंकरिष्णुः प्रासादं श्रीनाभेयः श्रियोस्तु वः ।।, कविलोमहरिसी जणयम्मि विवन्नेविजा अहिद्यणच्छ एयं नयरि समागउ । पियमित्त इंददत्तअउज्झायसमीवे ।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

315 BIR942 BI9581

Acc. No. 1256/1886-92

विविधतीर्थकल्प

Vividhatīrthakalpa

Jinaprabha Sūri

139 Folios; L 11, W 38, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अर्ह दिवः श्री पुंडरीकाख्यभृच्छिखरशेखरं etc., ध्रुव भुवणदेवि etc. upto आअत्था 1 as in the next entry. This is folloWed by the lines as under ग्रंथाग्रं 47 अ. 5 छा शुभं(भ)वतु ।।, इति श्रीख(र)तरं(र)गच्छालंकार-श्रीजिनप्रभसूरिविरचितः कल्पप्रदीपाख्यस्तीर्थकल्पः समाप्तः ।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

316 BIR942 BI9582

Acc. No. 596/1884-86

विविधतीर्थकल्प

Vividhatīrthakalpa

Jinaprabha

161 Folios; L 9, W 38, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अर्ह दिवः श्री पुंडरीकाख्य ।।, वायंत सुगंता पुव्वे तितिसमीहिआ अत्था ।। ग्रंथाग्रं ।।, शुभं भवतु ।। इति श्री ख(र)तरंगच्छालंकार श्रीजिनप्रभसूरिविरचितः ।। कल्पप्रदीपाख्यस्तीर्थकल्पः समाप्तः ।।, Saṁvat 1943, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

317 BIR942 BI9583

Acc. No. 553/1884-86

विष्णुकुमारकथा

Viṣṇukumārakathā

4 Folios; L 14, W 35, 8 5/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ राषीकी कथा लिखते । श्रीजिनं भारतीं साधुं । पादद्वैतं सुखप्रदं ।।, संप्राप्तः स्वपदं प्रमोदकलितः श्रीविष्णुनामा मुनिः । भूयात्मे भवसिंधुतारणपरः सन्मौक्षसौख्यश्रिये ।।, इति श्रीराषीकथा विष्णुकुमारमुनिकी समाप्ता ।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

318 BIR942 BI9584

Acc. No. 1310(28)/1886-92

विष्णुकुमारकथा

Viṣṇukumārakathā

Folios 30b-31a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रुत्वेति शीलमाहात्म्यं । जगौ संवेगवाचुपः । यस्मात् तस्मिन् कृते षण्णां जीवानां वनधोऽभवेत् ।।, घयं जानेपि संघार्थे । मुनिर्विष्णुकुमारवत् । लब्धि तपोर्जितं नैषदपि न लिष्यते ।। अत्र तपसि विष्णुकुमारकथा ।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 319 **BIR942** **BI9585**
Acc. No. 781(b)/1892-95
विष्णुकुमारचतुष्पदी
Viṣṇukumāracaṭuṣṭpādī
Folios 26b-34b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीपारसरनाथाय नमः 40. दोहा।।सुमरुति कर्णसुधकरि श्रीमनसुवृत्तिस्वाम।।कर्ममिकाचति षयकरूपामु निश्चल ठाम।।, संवत् 1878 आठारासै अठैतरैजी भादवमास भंडार हुसियारपुर मांही कन्हौ जी देस पंजाब विचार 10 भवत.।।, इति विष्णुकुमारनीचौपड़ संपूर्ण ढाल 11 गृथागुंथ 170 लिषतं लेपक भुवानीरामः।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 320 **BIR942** **BI9586**
Acc. No. 1310(15)/1886-92
वीरभद्रकथा
Vīrabhadrakathā
Folios 14a-17b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, पद्मिनीखंड नगरे। स्थितोऽरगणद्वर। स्वामी च विदधे कुंभो। देशनां शंशयच्छिदं।।, भुक्ता भोगांश्चिरं वीरभद्र प्रव्रज्य च क्रमात्। दृढपुण्यरथारूढो। देवलोकं जगाम च।।, इति दानविषये वीरभद्रकथा।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 321 **BIR942** **BI9587**
Acc. No. 1493/1887-91
वीरसेनकुसुमश्रीचतुष्पदी
Vīrasenakusumaśrīcaṭuṣṭpādī
Jinahaṛṣa
20 Folios; L 18, W 46, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगौतमा नमः।।कासमीर मुखमंढणी। वाहण हंसविगति। वीणापुस्तकघारीणी। समरू सा सरसत्ति।।, वाच्यमान प्रत पउपणुं हो जां गिरमे रस घीरतां प्रतपउ ए चउपई जां लंगि सासणवीर 30 अ।।, इति
- 322 **BIR942** **BI9588**
Acc. No. 1126/1884-87
वीराङ्गदकथा
Vīraṅgadakathā
Haribhadra
3 Folios; L 15, W 46, 10 1/8 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, वत्थइ जत्थ सुपुन्नो। विदेसमडविं समुद्दमज्जे वा। नंदइ हिं तद्दात्थिय।।ता भो पुत्रं समज्जिणइ।।, स्वायुः प्रपाल्याविकलं समस्तकर्मक्षये मोक्षपदं जगाम।।, इति श्रीवीरांगदकथानकं।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 323 **BIR942** **BI9589**
Acc. No. 1260/1884-87
वृषभदेवव्याख्यान
Vṛṣabhadevavyākhyāna
Harṣanandavādi Gaṇi
18 Folios; L 13, W 40, 10 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, स्वस्ति श्रीऋषभं नत्वा हर्षनंदनवादिना श्रीमद्वृषभदेवस्य व्याख्यानं लिख्यते बरं।।, श्रीजिनचंद्रसूरिशिष्यमुष्य पं. सकलचंद्रगणि तच्छिष्यमुख्य श्रीसमयसुंदरोपाध्यायतच्छिष्यमुख्यवादिहर्षनंदनगणिकृतं गद्यमयं।।, श्रीआदिनातव्याख्यानं संपूर्णं। संवत् 1681 इवार्थं द्रवावदिप। श्रीअणिहल्लपत्तने लिखितं पं. विनयकीर्तिना पं. भावविजयगणिवाचनाय श्रीरस्तु।।, Saṁvat 1683, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 324 **BIR942** **BI9590**
Acc. No. 1419/1891-95
वेतालपञ्चविंशतिका
Vetālapañcaviṁśatikā
Paṇḍita Sīrṅhapramoda
24 Folios; L 13, W 46, 10 3/8 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, आदिइ आदिपुरुष नमुं। आदीसर
अरिहंत। गुरु गोअम गणधारनिनु। आराहु
भगवंत।।, एकवि(चि)त भगतां अनइ सुजन चतुराई
लहइ विक्रमतणी परि शिद्धि वद्धि सेद्धि तेहइ धरि धिर
रहइ।।, इति श्रीविक्रमचरित्रे
वेतालपंचविंशतिकाकथा सं।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 325 **BIR942** **BI9591**
Acc. No. 258/1873-74
वैरोचनकथा
Vairocanakathā
4 Folios; L 15, W 46, Folio 5 missing,
10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, परद्रोहादिकं
पापा(न)कुर्वस्तीव्रमिहांगवान्। वैरोचन इवासातां
लभते मरणं(णा)तिकं(कां)।।, एवं ये कुर्वते कृपे
दुःखामंत्र भवति ते।।ये कृत्यं कुर्वते सौख्यं। लभते
ते न संशयः।।, इति परद्रोहपापोपरि
वै(रो)चन(वन)कथा।।लिखितं पं.
लावण्यधर्मगणिशिष्यहंसवर्द्धनगणिना।।, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 326 **BIR942** **BI9592**
Acc. No. 1339 A/1886-92
शङ्खकुमारकथा
Śaṅkhakumārakathā
Dayāvardhana Gaṇi
Folios 16a-18b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete,
- सव(च)राचरजीवाणं रक्त्थं जो करेइ दिसिमाणं
मणवेत्थिय लच्छीउ सो पावइ संखकुमार व्व।।।,
मृत्वाच्युते कल्पे देवा जाताः ततश्च्युतवा मोक्षं
यास्य(स्यं)ति।।, इति दिग्गते शंखकुमारकथाः।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 327 **BIR942** **BI9593**
Acc. No. 1310 b/1886-92
शङ्खदृष्टान्त
Śaṅkhadr̥ṣṭānta
Folios 6b-7a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, अथ
पानाहारविषये कथा।।कांती नगर्या श्रेष्ठी धनाढयः
शंषो नामतः तस्य भार्याः पद्मश्रीः।।,
यदेकोनविंशतिवारनऽपि दत्तं धनं। पूनर्वद्वते। इति
धर्म प्रतिपद्य स्वगृहं ययौ।।, इति पानकविषये
दृष्टान्तः।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 328 **BIR942** **BI9594**
Acc. No. 456/1882-83
शत्रुंजयकल्प
Śatruṅjayakalpa
Pādalipta Sūri
2 Folios; L 11-12, W 33, 10 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सू (सु) यधम्मकित्तियं तं। तित्थं
देविंदवंदियं थुणिमो।।पाहुडए विज्जाणं।
देसीयमिगवीसनामज्जं।।, तं जहसुयं थुयं मे। पढंत
निसुणं त संभरंताणं सित्तुज्ज कप्पथुत्ति देउलह
सित्तुज्ज सिद्धिं।।, इति श्रीशत्रुंजयकल्पः
संपूर्णः।।पं. अजितजयगणिना लिखितं। सिनोः
रग्रामे।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 329 **BIR942** **BI9595**
Acc. No. 641 k/1892-95
शत्रुंजयकल्प
Śatruñjayakalpa
Pādalipta Sūri
Folios 31b-32b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, सू (सु) यधम्मकित्तियं तं। तित्थं देविद्वंदियं थुणिमो।। पाहुडए विज्जाणं। देसीयमिगवीसनामज्जं।।, तं जहसुयं थुयं मे। पढंत निसुणं त संभरंताणं सित्तुज्ज कप्पथुत्ति देउलह सित्तुज्ज सिद्धिं।।, इति श्रीशत्रुंजयकल्पः समाप्तम्।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 330 **BIR942** **BI9596**
Acc. No. 1342/1886-92
शत्रुंजयकल्प
Śatruñjayakalpa
12 Folios; L 3, W 24, 9 3/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीवीतरागाय नमः।। सुअ धम्मकित्तियं तं।।, श्रीशत्रुंजयकल्पस्तोत्रं।। दिउ।। सीघ्र तत्काल वइरी तेहनउ जय तेहनी सिद्धि प्रतइ इति श्रीसेत्रुजयं महातीर्थकल्पटबार्थ संपूर्णः।।, Samvat 1745, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 331 **BIR942** **BI9597**
Acc. No. 1341/1887-91
शत्रुंजयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
Dhaneśvara Sūri
198 Folios; L 15, W 50, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमो भगवते श्रीयुगादिजिनेन्द्राय।। ओम् नमो विश्वनाथाय
- विश्वस्थिति विधायिने। अर्हते व्यक्तरूपाय युगादीशाय योगिने।।, तत्तत्पुंरत्नवृत्ताश्रय इह वसुधामंडले मंडनाभस्तावन्नंदत्वमंदोदयि विविधरसांभोनिधिग्रंथ एषः।।, इत्याचार्य श्रीधनेश्वरसूरिविरचिते श्रीशत्रुंजयमहातीर्थमाहात्म्ये श्रीपार्श्वनाथादि महापुरुष सञ्चरित्रवर्णनो नाम चतुर्दशमः सर्गः।। संपूर्णोऽयं ग्रंथः।। शुभं भवतु।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 332 **BIR943** **BI9598**
Acc. No. 314/1871-72
शत्रुंजयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
Dhaneśvara Sūri
195 Folios; L 15, W 48, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमो विश्वनाथाय।।, श्रीदत्तराज्ञः यात्रोद्धारः 46 ग्रंथस्याशीर्वादः 57।। इति शुभं भवतु चिरं नंदतु श्रीरस्तु ग्रंथाग्रं 1000।।, संवत् 1744 वर्षे द्वितीय आषाढ शुदि 5 दिने श्रीमत्साश्रीप्रतापसीधना स्वश्रेयो(S)र्थे श्रीवर्हातपुरभांडागारे शत्रुंजमाहात्मनि चित्कोसे।।, Samvat 1744, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 333 **BIR943** **BI9599**
Acc. No. 1340/1887-91
शत्रुंजयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
Dhaneśvara Sūri
254 Folios, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमो भगवते श्रीयुगादिजिनेन्द्राय।। ओम् नमो विश्वनाथाय।।, श्रीरस्तु सं. 1651 वर्षे। अषाढ सुदि 14 दिने लिषतं। श्री अणिहिल्ल पुरपत्तन मध्ये लिषतं।। ग्रंथाग्रं 9021 अक्षर 22।। शुभं भवतु।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 334 **BIR943** **BI9600**
Acc. No. 1339/1887-91
शत्रुंजयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
133 Folios; L 19, W 60, 12 5/8 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, अर्हे नमो भगवते
श्रीयुगादिजिन्द्राय। ओम् नमो विश्वनाथाय।।,
स्वस्ति श्री।।संवत् 1686 वर्षे आषाढात् 87 वर्षे
द्वितीयाषाढादि 8 बुधवासरे रवेतीनक्षत्रे। भट्टारक
श्रीजिनेश्वरसूरि तत्पट्टे। श्रीजिनशेफरसूरि।।,
Samvat 1686, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 335 **BIR943** **BI9601**
Acc. No. 1322/1884-87
शत्रुंजयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
121 Folios; L 13, W 42, 9 7/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीपार्श्वनाथाय नमः।।ओम् नमो
विश्वनाथाय।।, कायभित्तिरियं भूषा।
वर्णविच्छित्तिचित्रिता। अनित्यता जलन्किन्ना।
पतत्यंतरसारतः।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 336 **BIR944** **BI9602**
Acc. No. 804/1899-1915
शत्रुंजयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
689 Folios, 9 7/8 x 4 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1771, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 337 **BIR945** **BI9603**
Acc. No. 1343/1886-92
शत्रुंजयमाहात्म्यरास
Śatruñjayamāhātmyarāsa
Jinaharṣa
- 154 Folios; L 18, W 48, 10 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीजिनाथ नमः दूहा विश्वनाथ चरणे
नभुं व्यक्तरूप अरिहंत युगादीस योगींद्र प्रभुं
विश्वस्थितिविरचंत।।, नवषंडे ए राम सुहामणो दोइ
सइसत्तर ढाल श्री पाटणि माहि जिनसुपसायथी
रचीयो रास रचाल 24 श्री।।, इति जिहर्षविरचिते
शत्रुंजयमहातीर्तमहात्म्यचतुष्पद्यां
श्रीपार्वनाथादिमहापुरुषश(स)चरित्रवर्णनो नाम
नवमः षंड समाप्तः।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 338 **BIR945** **BI9604**
Acc. No. 379/1871-72
शान्तिजिनप्रबन्ध
Śāntijinaprabandha
Rāmavijaya
174 Folios; L 16, W 58, 10 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीजिनाथ
नमः।।दूहा।।सकलश्रेयवरदामनी। मुनिवरवंदित
जेह। जिनपदलक्ष्मी नित नमू आणी अधिक
सनेह।।, संवत्सतेरेपच्यासी (1785) बरपै वैशाय
मास कहाव्या सूदि सातम गुरुपुण्यसंजोगै पूरण
कलस चढाया।।, इति श्रीशांतिनाथजिनप्रबंधे
रासबांधे। सूकृतानुसंधे।।, Samvat 1828,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 339 **BIR945** **BI9605**
Acc. No. 174/1872-73
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Munideva Sūri
121 Folios; L 15, W 45, 10 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्री शांतिनाथाय नमः।।श्री गुरवे
नमः।।, काव्यं श्रीमुनिदेवसूरिरतत श्रीशांतिवृत्तं
नवं।।द्विद्वित्र्येक समायु 1322 मासि सहसिश्चेत
द्वितीया बुधे द्वेधापि...श्रयंश्रितवता काव्यं मयेदं कृतं
श्री प्रबन्ध...।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 340 **BIR945** **BI9606**
Acc. No. 342/A 1882-83
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Munideva Sūri
94 Folios; L 14, W 52, Folio 2-3 missing, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमः श्रीशांतिनाथाय।।वेश्मरत्न निशारत्न।।, समाप्तः इति श्रीशांतिनाथचरित्र संपूर्ण समाप्तः।।संवत् 1523 वर्षे भाद्रवाविदि 13 रविवारे पं .सिद्धान्तधर्मलिखापितं आंबालिखितं पंडित श्रीशिवविजयगणेशिष्य-हर्षविजयेन।।, Saṁvat 1523, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 341 **BIR945** **BI9607**
Acc. No. 1342/1887-91
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Munideva Sūri
92 Folios; L 17, W 51, 10 3/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमः श्रीशांतिनाथाय।।वेश्मरत्न निशारत्न।।, बार्हस्पत्याधिपत्यस्य etc. upto शतधिका अस्मिन्ननुष्ठभामष्टतचारिशच्छती ध्रुवषष, ग्रं 4855 श्रीशांतिनाथचरित्रं ... धवलनगरे मेह्नेन लिखितं पुस्तकं मिदं।।यादृशं पुस्तकं etc. शुभं भवतु कल्याणं च।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 342 **BIR945** **BI9608**
Acc. No. 846/1892-95
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Ajītaprabha Sūri
107 Folios; L 15, W 53, 11 5/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमः श्रीसर्वज्ञाय।।श्रेयोरत्नाकरोद्भूतामर्हलक्ष्मीमुपास्महे। स्पृहयंति न के यस्यै शेषश्रीविरताशया।।, इत्याचार्य श्रीअजितप्रभसूरिविरचिते श्रीशांतिनाथचरिते द्वादशभववर्णनो नाम षष्टं प्रस्तावः समाप्तः।।, इति श्रीशांतिनाथचरित्रं समाप्तमिति भद्रं।।श्रीविक्रमादित्यसंवत् 1518 वर्षे अश्विन वदि 2दिने रविवारे। रेवती नक्षत्रे। सुभयोगे।।, Saṁvat 1518, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 343 **BIR946** **BI9609**
Acc. No. 341/A 1882-83
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Ajītaprabha Sūri
114 Folios; L 15, W 48, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, नमो वीतरागाय।।श्रेयो रत्नाकरो।।, इत्याचार्य साधुपूर्णमा गच्छमंडन श्रीअजितप्रभसूरिविरचिते श्री श्रीशांतिनाथचरिते द्वादशभववर्णनो(ना)म षष्टः प्रस्तावः।।, इति श्रीशांतिनाथचरित्रं समाप्तमिति।।शुभं भवतु।।ग्रंथाग्रं 5000।।संवत् 1668 प्रवर्तमान आषाढ मास कृष्णपक्ष 7 तिथि भृगुवार इदं पुस्तकं मूलस्थाने लिपीकृतं।।शुभं भूयात्।।वाच्यमाना चिरं नंद्यात्।।, Saṁvat 1668, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 344 **BIR946** **BI9610**
Acc. No. 283/1883-84
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Ajītaprabha Sūri
141 Folios; L 13, W 42, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ नमो श्रीशांतिनाथायः नमः।।श्रेयारत्नाकरोद्भूता।।, यस्योपसर्गाः etc. upto इत्याचार्य श्रीअजितप्रभविरचित श्रीशांतिनाथचरित्रे द्वादशवर्णनो नाम षष्टः प्रस्तावः समाप्तः।।इति श्रीशांतिनाथचरित्र समाप्तः।।शुभं भवतु।।कल्याणमस्तु।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 345 **BIR946** **BI9611**
Acc. No. 807/1899-1915
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Ajītaprabha Sūri
92 Folios; L 15, W 39, 10 1/4 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, श्रीशारदा ऐं नमः।।श्रीगुरुभ्यो
नमः।।श्रीशांतिनाथाय नमः।।श्रेयोरत्नाकरो।।,
हासयित्वा कुमारस्त्वां परिहासस्य वर्त्तये।।गतो
निजगृहे रात्रौ। तथैव पुनराययौः।।, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 346 **BIR946** **BI9612**
Acc. No. 845/1892-95
शान्तिनाथचरित
Śāntināthacarita
Ajītaprabhā Sūri
341 Folios; L 6, W 40, Folio 217th
Missing, 9 7/8 x 4 7/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
श्रीशांतिनाथाय नमः। श्रीया रत्नाकरोद्भूतां।।,
यस्योपसर्गाः षष्ठ पस्तावः। श्रीमत्तपागणगगनः
सूर्य श्रीविजयदानसूरीन्द्रः।।समभूतत्संताने
विबुधश्रीगंगाविजयाहः।।, Saṁvat 1935,
MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 347 **BIR947** **BI9613**
Acc. No. 175/1872-73
शान्तिनाथचरित
Śāntināthacarita
Bhāvacandra Sūri
262 Folios; L 10, W 40, 10 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, शारदायै नमः।।प्रणिपत्यार्हतः
- 348 **BIR947** **BI9614**
Acc. No. 92/1869-70
शान्तिनाथचरित
Śāntināthacarita
Bhāvacandra Sūri
161 Folios; L 15, W 42, Folio no. 24th
missing, 10 1/8 x 4 3/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ए.
ओं नमो अर्ह नमः प्रणिपत्यार्हतः।।, यस्योपसर्गाः
स्मरणे परिपूर्णभूत।।, संवत् 1535 वर्षे
भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे नवम्यां तिथौ पविवासरे श्री
पूर्णमापक्षी।।, Saṁvat 1555, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 349 **BIR948** **BI9615**
Acc. No. 779/1875-76
शाम्बप्रद्युम्नप्रबन्ध
Śāmbapradhyumnaprabandha
Samayasundara
29 Folios; L 11, W 38, 9 7/8 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः।।दुहा
श्रीनेमीसरगुणनिलड।।, श्री खरतर ग छ दीपता
etc. upto संघ सुजस जगीस ए8234 , इति
श्रीशांबप्रद्युम्नप्रबंधसंपूर्ण समाप्त।।, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 350 **BIR948** **BI9616** 353 **BIR948** **BI9619**
 Acc. No. 50/1877-78 Acc. No. 40 A/1877-78
शाम्बप्रद्युम्नप्रबन्ध **शालिभद्रचतुष्पदिका**
Śāmbapradyumnaprabandha **Śālibhadracatuṣpadikā**
Samayasundara **Matisāra**
 32 Folios; L 11, W 30, 10 1/8 x 4 1/2, Folios 1a-18a; L 15, W 38, 9 3/8 x 4
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः॥दुहा Complete, ॐ श्रीसारदाय
 श्रीनेमीसरगुणनिलुड॥, शुभं भवतुः॥संवत् 1785 नमः॥दूहा॥सासणनायक समरीयै वर्द्धमान
 वर्षे पोसमासे कृष्णपक्षे 2 द्वितीयदिने जिनचंद्र अलिय विधन दूरह हरह परमाणंद॥, ए
 सोमवासरे॥सा. रीषवदास सामीदास लिषावितं। संबंघ भविक जे भणिस्यै एकमनां सांभलस्यै जी सा.
 पाढे पडीगुंडी नामध्ये॥, Saṁvat 1785, पुप दोहरा दूरह टलिस्यै मनवंछत फल लंहिस्यै जी
 MFL, New Delhi, IGNC, .11, इति श्रीशालिभद्रमुनिचतुष्पदिका समाप्ताः॥,
 Bhandarkar Oriental Research Samvat 1733, MFL, New Delhi,
 Institute, Pune IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 351 **BIR948** **BI9617** 354 **BIR948** **BI9620**
 Acc. No. 1310(28)/1886-92 Acc. No. 849/1892-95
शालमहाशालकथा **शालिभद्रचतुष्पदिका**
Śālamahāśālakathā **Śālibhadracatuṣpadikā**
Matisāra
 Folios 31a-31b, Paper, Sanskrit, 23 Folios; L 14, W 30, 8 1/8 x 4 1/4,
 Devanāgarī, Complete, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 राजावादीञ्चतुर्दशादिषु पर्वतिथिष्वहं। शक्त्या तपः Complete, 60॥नमो श्री वीतरागाय
 कारिष्येहं। कल्याणकदिनेषु च॥, नमः॥सासणनायक..., शालिभद्र धन्नउ रिपिराया
 तृणकीचकत्वर्मोर्ण्णा। कटतुल्यायतोगितां स्नेहाः। मनवंछित फल लहिस्यइ जी॥, इति
 मय्यंतिमस्नेहक्षये ज्ञानं हि भावि ते॥, भावनायां श्रीशालिभद्रचरित्रं॥, MFL, New Delhi,
 शालमहाशालकथा॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune Research Institute, Pune
- 352 **BIR948** **BI9618** 355 **BIR948** **BI9621**
 Acc. No. 381/1871-72 Acc. No. 848/1892-95
शालिभद्रचतुष्पदिका **शालिभद्रचरित्र**
Śālibhadracatuṣpadikā **Śālibhadracaritra**
Matisāra **Dharmakumāra**
 10 Folios; L 18, W 64, 10 x 4 1/2, 31 Folios; L 19, W 50, 10 1/4 x 4 3/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः मारुरागे Complete, ॐ अहं॥श्रीदानधर्मकल्पद्रुर्जीयात्
 दूहा॥सासणनायक समरीयै।, दुष दोहग ते दूरि सौभाग्यभाग्यभूः॥पूर्वापश्चिमतीर्थेशलक्ष्मीभोगमहा
 गमस्यै। मनवंछित फल लहिस्यै जी॥सा॥इति फलः॥, गौरी मंगलशालिभद्रचरिता सर्वप्रियं
 श्रीशालिभद्रधन्नादानं विषयै चउपइ संपूर्ण॥, भावुका। जीयाद्
 Saṁvat 1771, MFL, New Delhi, धर्मकुमारपंडितमतिर्विस्तारिधर्मोन्नतिः॥, MFL,
 IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune

- 356 **BIR948** **BI9622**
Acc. No. 380/1871-72
शालिभद्रचरित्र
Śālibhadracaritra
Dharmakumāra
21 Folios; L 17, W 50, 10 1/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ॐ नमो
वीतरागाय।।श्रीदानधर्मकल्पद्रु ... अयं
दानमहाधर्मः। कल्पद्रुम इवाद्भुतः भूयात्
समस्तभव्यानां। मनोवाञ्छितसिद्धये।। इति
श्रीशालिचरिते सर्वार्थसिद्धि संप्राप्तिवर्णनो नाम
सप्तमः प्रस्तावः समाप्तः।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 357 **BIR948** **BI9623**
Acc. No. 1345/1886-92
शालिभद्रचरित्र
Śālibhadracaritra
Dharmakumāra
26 Folios; L 15, W 51, 10 1/4 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीदानधर्मकल्पद्रुर्जीयात्।।, प्रस्तुतं
दानधर्मण etc. as in no. 743upto सप्तमः
प्रस्तावः।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 358 **BIR948** **BI9624**
Acc. No. 771/1875-76
शालिभद्रचरित्र
Śālibhadracaritra
Dharmakumāra
22 Folios; L 16-24, W 57-72, 10 1/4 x
4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीदानधर्मकल्पद्रु।।, गौरी निर्मला
मंगलं क्षेमकारि। शालिभद्रस्य चरितं यस्याः पक्षे
मंगलशालीनि भद्राणि यत्र एवविधं चरितं यस्याः।
सर्वप्रिया भवतीति सर्वप्रियंभावुकाः।।इति
शालेयावचूर्णिः।।, Samvat 1522, MFL,
- New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 359 **BIR948** **BI9625**
Acc. No. 1323/1884-87
शालिभद्रचरित्र
Śālibhadracaritra
Dharmakumāra
24 Folios; L 16, W 55, 10 3/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीदानधर्म etc., गौरी निर्मला etc.
as in 746 upto इत्यवचूर्णिः।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 360 **BIR948** **BI9626**
Acc. No. 1343/1887-91
शालिभद्रचरित्र
Śālibhadracaritra
Dharmakumāra
19 Folios; L 17, W 67, 10 1/4 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीदानधर्मकल्पद्रुः।।, पं .
श्रीगुणसोमगणिशिष्यपं .श्रीविनीतं शिष्य पं .रतनं
परत छइ।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 361 **BIR948** **BI9627**
Acc. No. 1321 B/1886-92
शिवकुमारकथा
Śivakumārakathā
Folios 6a-10a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, नवकारप्रभावेन
संकटाच्छुद्यते जन चतुरंगी भवे लक्ष्मी शिवकुमार
बभू यथा।।, वपित्वा सर्वक्षेत्रेषु सद्भनं शुद्धवाञ्छया
धर्मघानवसाजातो मृत्वा सद्गतिकं ययौ।।, इति
नवकारविषयं शिवकुमारकथा।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 362 **BIR948** **BI9628** 365 **BIR948** **BI9631**
 Acc. No. 316/1871-72 Acc. No. 49/1877-78
- शीलदूत**
Śīladūta
Upādhyāya Cāritrasundara Gaṇi
 9 Folios; L 15, W 40, 10 1/8 x 4 3/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ॐ नमः महोपाध्याय श्री 5
 श्रीभानुचंद्रगणिगुरुभ्यो नमः भूत्वा भोगान्
 सुभगतिलकः कोशया सार्द्धमिद्वान्।।, संवत् 1701
 वर्षे आश्विनवदि द्वितीयायां।। श्रीकर्मटवाणिज्य
 नगरे।। शुभं भवतु।।, Saṁvat 1701, MFL,
 New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- शीलवतीरास**
Śīlavatīrāsa
Nemavijaya
 60 Folios; L 18, W 45, 10 x 4 1/2,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्रीमद्गौडिपार्श्वपरमेश्वराय नमः अथ
 दूहा।। ओम्कारे अक्षर अधिक जपतां पातिकं जंत
 एहथी अधिको को नहि सीवपुर आपैं संत।।, जदी
 सुधंमसुद्धं वा मम दोषो न दीयते।। मावडनगर मध्यै
 लप्यो छैं।।, Saṁvat 1781, MFL, New
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 363 **BIR948** **BI9629** 366 **BIR948** **BI9632**
 Acc. No. 1288 B/1884-87 Acc. No. 127(15)/1872-73
- शीलमतीकथा**
Śīlamatikathā
 Folios 3a-4b, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, सर्वे
 जीवितुमिच्छंति जीवास्तदभयं ततः। ध्रुवं
 त्रिभुवनैश्वर्यादानादप्यतिरिच्यते।।,
 जातशुद्धपरीणामो गृहिधर्म यथाविधि। प्रपन्नाणुव्रतः
 सम्यक् पालयित्वा दिवं ययौ।। अभयदाने
 शीलमतीकथा।।, MFL, New Delhi,
 IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- शीलसन्धि**
Śīlasandhi
 Folios 16b-17a, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, सिरिनेमि जिणंदह
 पणयसुरिंदह। पयपंकय सुमरेवि मणि।, भवियह
 निसुणेविणु हियउइ धरेविणु। शीलधम्मि उज्जसु
 करहु।।, इति शीलसंधिः।।, MFL, New
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 364 **BIR948** **BI9630** 367 **BIR948** **BI9633**
 Acc. No. 1310(23)/1886-92 Acc. No. 127(39)/1872-73
- शीलवतीकथा**
Śīlavatikathā
 Folios 28b-29b, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, गुरुरा हृदयाहेतुं।
 ब्रह्मचर्यं जनो भजेत्। यस्मान्मैथुनसंज्ञाया। मुक्तो
 जीववधो जिनैः।।, यत्नवंतौ विपद्याश्रुवातां दिवं
 ब्रह्मलोकं ततो (s) पि श्रुतौ तौ शवं।। शील(ले)
 शीलवतीकथा।।, MFL, New Delhi,
 IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- शीलसन्धि**
Śīlasandhi
 Folios 34a-34b, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Incomplete,
 सिरिनेमिजिणंदह, अन्नरय(म)णीयकयचित्त
 लंकाघई। करह कुल नासु संपनु अहरगाइ।। भरइ
 भविअ।।, MFL, New Delhi, IGNC,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune

- 368 **BIR948** **BI9634**
Acc. No. 1201(9)/1887-91
शुककथानक
Śukakathānaka
Folios 17b-21a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अक्खंड फुडियचुक्खवरकएहिं पुंजत्तयं जिणिंदस्स। पुरउ नरा कुणंता पावति अखंडियसुहाइं।, व्रतं चिरकालं पालयित्वा त्रयो(s)पि मृत्वा सप्तमे देवलोके देवत्व उत्पन्नाः। ततश्च्युत्वा मानुष्यं प्राष्य सिद्धिं यास्यंति।, इति अक्षतपूजाविषये शुककथानकं समाप्तं।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 369 **BIR948** **BI9635**
Acc. No. 83/A 1879-80
शुकराजकथा
Śukarājakathā
Māṇikyasundara
6 Folios; L 23, W 65-70, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्री शत्रुंजय तीर्थेशः। श्रीयुगादिजिनेश्वरः। श्रियं दिशतु वो नित्यं नभ्रामरनरेश्वरः।।, यावन् मेरु र्मही यावद् यावच्चंद्रदिवाकरौ।।वाच्यमाना जनैस्तावन् कथां (थाs) सौ लभतां प्रभाः।।, इति श्रीशुकराजकथा समाप्ता ग्रं. 499।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 370 **BIR948** **BI9636**
Acc. No. 1344/1887-91
शुकराजकथा
Śukarājakathā
Māṇikyasundara
14 Folios; L 14, W 40, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगौतमाय नमः।।श्री शत्रुंजय तीर्थेशः।।, इति शुकराजकथा समाप्तः।।संवत् 1627 वर्षे फागुणशुदि14दिने सूरविजलखितं। गणि श्रीजयविमलपठनार्थं।।धर्मा जय।।पुहुला ग्रामे।।, Saṃvat 1627, MFL, New Delhi,
- 371 **BIR948** **BI9637**
Acc. No. 852 A/1892-95
शुकराजकथा
Śukarājakathā
Māṇikyasundara
Folios 1a-10a; L 15, W 48, 10 3/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ए।।ओम्।।श्री शत्रुंजय तीर्थेशः।।, इति श्रीशुकराजकथा।।ग्रंथशत500, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 372 **BIR948** **BI9638**
Acc. No. 906/1892-95
शुकराजचरित्र
Śukarājacaritra
Vācaka Sahajasundara
4 Folios; L 15, W 42, 10 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीसारदाई नमः समरविंसग्मनि सदा। वरचुं वचनविलास। वीरजणेश्वरपय नमी। गोयम लबधिनिवास।, जे भणसि सुणसि मनि लहिसि ते सुषवास। वाचक सहिजसुंदर भणइ। दिनि दिनि लीलविला, ।।, इति सूडासाहेलीरास समाप्तः।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 373 **BIR948** **BI9639**
Acc. No. 790 b/1899-1915
शुकशुकीकथा
Śukaśukīkathā
Folios 44a-47b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, जिणपुओ वरचुक्खएहिं पुंजत्तयं कुणंतेहें कीरमिहुणगे पत्तं अखंडियं सासयं सुखं।।, अक्षतपूजाऊपरें सुडासूडीनो संबंध जाण वों बीजें पण इम पूजा कीमत।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 374 **BIR948** **BI9640** **377** **BIR949** **BI9643**
 Acc. No. 1310(21)/1886-92 Acc. No. 639/1884-86
- श्रीकथा** **श्रीचन्द्रचरित्र**
Śrīkathā **Śrīcandracaritra**
 Folios 23b-24b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रुत्वा गुरोर्गिरं जीवः। सुखं लक्ष्मीरिवाश्रुते। राजा(ss)ह का प्रभो। लक्ष्मीः। स प्रोचे शृणु भूपते॥, धर्म विधायारसनकुमार। स्वर्गं ततः सेत्स्यति सा विदेहे॥, इति श्रीकथा॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- श्रीचन्द्रचरित्र** **Śrīcandracaritra**
Śīlasīrṅha Gaṇi
 94 Folios; L 14, W 38, 9 5/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ श्रीपंचपरमेष्ठिने नमः॥ओम् ध्यात्वा श्रीजिनान् नत्वा वंदित्वा श्रीगुरुक्रमात्॥श्रीचंद्रराजराजस्य चरित्रं प्रथयाम्यहं॥, इत्याचाह्लवर्द्धमानतपो महिष्मसो कथाः श्रेणिकाग्रे पुरा यादृक् श्रीवीरस्वामीनो दिता 59, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 375 **BIR949** **BI9641** **378** **BIR949** **BI9644**
 Acc. No. 856/1892-95 Acc. No. 1326/1884-87
- श्रीचन्द्रचरित्र** **श्रीचन्द्रचरित्र**
Śrīcandracaritra **Śrīcandracaritra**
Śīlasīrṅha Gaṇi **Śīlasīrṅha Gaṇi**
 114 Folios; L 13, W 38, 9 7/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, जं चंदणेण तई आकवियं इ गुरुअ वद्धमाण तवं तस्स फलेण हुओ सो सिरिचंदुनिवो सया सुहिओ॥, इति श्रीचंदकेवलिचरित्रं संपूर्णं समाप्तं॥, Saṃvat 1662, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- श्रीचन्द्रचरित्र** **श्रीचन्द्रचरित्र**
Śrīcandracaritra **Śrīcandracaritra**
Śīlasīrṅha Gaṇi **Śīlasīrṅha Gaṇi**
 11000 सर्वग्रंथनो निर्णय कर्तोः संवत् 1865, Saṃvat 1865, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 376 **BIR949** **BI9642** **379** **BIR949** **BI9645**
 Acc. No. 1345/1887-91 Acc. No. 645/1895-98
- श्रीचन्द्रचरित्र** **श्रीपालकथा**
Śrīcandracaritra **Śrīpālakathā**
Śīlasīrṅha Gaṇi **Ratnaśekhara**
 123 Folios; L 11, W 38, 10 1/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ श्रीपंचपरमेष्ठिने नमः॥ओम् ध्यात्वा श्रीजिनान् नत्वा वंदित्वा श्रीगुरुक्रमात्॥श्रीचंद्रराजराजस्य चरित्रं प्रथयाम्यहं॥, संघोऽयं महामंगलं संघोऽभीषित दानकल्पविटपी संघो गुरुभ्यो गुरुः॥संघः सर्वजिनाधिनाथ महितः संघःश्विरं नंदतात्॥, इति श्रीश्रीचंद्रचरित्र समाप्त s ग्रंथाग्रं 3500, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- श्रीचन्द्रचरित्र** **श्रीचन्द्रचरित्र**
Śrīcandracaritra **Śrīcandracaritra**
Śīlasīrṅha Gaṇi **Śīlasīrṅha Gaṇi**
 27 Folios; L 17, W 50, 11 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ॐ अर्ह॥अरिहाइ नवपयाइ॥, नाणावरणस्स खउवसमेण जहदियाण तत्ताणं। सुद्धावबोहसूवो अप्पुजियबुच्चे नाणं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 380 **BIR949** **BI9646**
Acc. No. 1348/1886-92
श्रीपालकथा
Śrīpālakathā
Ratnaśekhara Sūri
53 Folios, 9 7/8 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1428, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 381 **BIR950** **BI9647**
Acc. No. 1349/1886-92
श्रीपालकथा
Śrīpālakathā
Ratnaśekhara Sūri
45 Folios; L 13, W 42, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ए श्रीगुरुभ्यो नमः॥ वंदिय गोयमसकतिइ सीम। गुरुउपदेशिइं लेइ सुनीम। विरति तणी मति हियउइ धरि। न सकलं पूराव्रतउचरी॥, सायर मेरु जा महियलंमि जा न हलयंमि अस्ति सूरा वटंति ताव नंदउ वाइजंता कहा एसा॥, संवत् 1574 वर्षे चैत्रसुदि 15 सोमे लिषित स्वयं विलोकनार्थ॥, Saṃvat 1574, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 382 **BIR950** **BI9648**
Acc. No. 404/1880-81
श्रीपालकथा
Śrīpālakathā
Ratnaśekhara Sūri
105 Folios; L 15, W 48, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगणेशाय नमः॥ श्री गौडी पार्श्वनाथाय नमः॥ अरिहाइ ... किंपि जंपेमि॥, सारमेरु जा महियलंमि जाव नहयलमि ससिसूरा वंदंति ताव नंद नाइश्वेता कहा एसा॥, यावन्महीतले पृथ्वीतले सागरः समुद्रो मेरु श्च कनकाचलो द्ववपि वर्त्ते तथा तभस्तले आकाशे यावत् शाशिसूरौ चंद्रसूर्यो वर्त्ते तावत् एषा श्रीपालनरेंद्रकथा वाच्यमाना सती नंदतु समृद्धिं लभाताम्॥, MFL,
- New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 383 **BIR950** **BI9649**
Acc. No. 865/1892-95
श्रीपालकथा
Śrīpālakathā
Dharmadira
16 Folios; L 13, W 35, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धां॥ अरिहाइ नवपवाइ जा इत्ताहि अयकमलमज्झा॥, मालोब्धारचयञ्च संस्कृतकथां व्याख्यातृमुद्धेतवे॥, इति श्रीङ्घः वृद्ध तपा गच्छाधीश्वरप्रभु भुय श्री श्रीविजयरत्नसूरिश्वरक्रमकमलभृंगायमान विनेयधर्मधीरमुनिविरचितं संस्कृतमयश्रीपालभूपालकथानकं समाप्तं॥, Saṃvat 1573, Saka 1438, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 384 **BIR950** **BI9650**
Acc. No. 1424/1891-95
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Jayakīrti
34 Folios; L 16, W 42, 10 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीमद्धिघ्नविच्छदे नमः॥ प्रणम्य सिद्धचक्रं च सद्गुरुं निजमानसे श्रीपालचरितं वक्ष्ये सुगमं शिष्यहेतवे॥, जीवराजेन रचितं श्रीपालचरितं शुभम् कुशलेनाशु लिखितं श्रीसद्गुरुप्रसादः॥, इति श्री श्रीपालचरित्रगद्यबंधे चतुर्थः प्रस्ताव परिसमाप्तः शुभं भूयात् सं .कता मिति चैत्रवादि 12 दिने इदं पुस्तकं संपूर्णं जातं ग्रामगडाला चतुर्मास्य कृतः मंगल्यार्थं श्रेयं भवतु लेखकपाठकयोः॥, Saṃvat 1916, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 385 **BIR950** **BI9651**
Acc. No. 857/1892-95
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Jayakīrti
38 Folios; L 14, W 35, 10 x 4 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं असिआजसाय नमः॥प्रणम्य सिद्धचक्रं॥, श्रीसिद्धचक्रमहिमा ... परिसमाप्तः॥, संवत् 1887 रा प्रमिते भाद्रवमासे कृष्णपक्षे अष्टमीतिथौ मध्याह्नसमय लिपीकृता पं .प्र श्री 105 श्रीजयमूर्तिमुनिना शिष्य पं .तीर्थमंदिर लिष्यमाणा असौ चरित्र सिष्य पं सागरचंद अप्पहेतवे पुष्करणमध्ये॥, Saṁvat 1887, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 386 **BIR950** **BI9652**
Acc. No. 858/1892-95
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Jayakīrti
42 Folios; L 12, W 40, 10 1/4 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः॥श्रीमद्विघ्नविच्छिदे नमः॥श्रीसिद्धचक्राय नमः॥प्रणम्य सिद्धचक्रं च॥, श्रीसिद्धचक्र शुभं भूयात्॥, श्री कल्याणमस्तु श्री सुभं भवतु श्री य पुस्तकं तिविरधिचंदन् मेल लिया जयकरणनति के पास इसमे व्हिसिका दावा नही विरधिचंद॥, Saṁvat 1907, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 387 **BIR950** **BI9653**
Acc. No. 382/1871-72
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Nayavimala
Folios 1b-104b, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, सकलकुशलवह्नीसेचने नव्यदेवो भवतु भवभृतां स श्रेयसे पार्श्वदेवः॥सठकमठाविमुक्तिर्वारिपूरैः ..., अष्टादशसतमाने ग्रंथाग्रमनुष्टपांचसुजात अस्य
- 388 **BIR950** **BI9654**
Acc. No. 362/1892-95
श्रीपालरास
Śrīpālarāsa
Jñānasāgara
19 Folios; L 17, W 55, 9 1/2 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीजिनाय पंडितोत्तमपंडित श्री श्रीविजयग गुरुभ्यो नमः॥, सतर छवीसा ना आसो वदि आठिम दिन सारें सिद्धि योगे कीयो रास संपूरण पुष्य नषत्र गुरुवारह रे॥, संवत् 1732 वर्षे आसो वदि 8 दिने श्री घोलका नगरे लिपिकृतं॥, Saṁvat 1732, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 389 **BIR950** **BI9655**
Acc. No. 99/1869-70
श्रीपालरास
Śrīpālarāsa
Jñānasāgara
Folios 1a-27b, 9 7/8 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, धवलधिगगोडीपार्श्वजिनाय नमः दूहा॥सकल सुरासुर ...चित लाय॥१॥, गोडी प्रारसप्रसादात् पंडितश्री 9 श्री विनयहंसगणी तत् सीप्य मुंनीमांनहंस श्रीपाल रास, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 390 **BIR950** **BI9656**
Acc. No. 859/1892-95
श्रीपालरास
Śrīpālarāsa
Vinayavijaya Gaṇi
59 Folios, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 391 **BIR950** **BI9657**
Acc. No. 860/1892-95
श्रीपालरास
Śrīpālarāsa
Vinayavijaya
64 Folios; L 12, W 36, 9 7/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीसिद्धचक्राय नमः॥दूहा
कल्पवेलि कवियण तणी॥, तप गच्छनंदन ...
ज्ञानविशालजी ... इति श्रीपालरास समाप्तां॥,
संवत् 1827 फागुण वदी 7 मुंनी मांनविजयलषीतं
भरुभच मध्य॥, Saṁvat 1827, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 392 **BIR950** **BI9658**
Acc. No. 1480/1886-92
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
132 Folios; L 10, W 40-45, 11 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः अथ
श्रीपालचरित्रजी लिष्यते॥श्रीसिद्धचक्रविधिके
केवल रिद्धिगुण अनंतफल जाकौसिद्धि॥, इति श्री
श्रीपालचरित्रजी संपूर्णम् मीती भादवा सुदीर संमत
1777एकादसस पनांलाल सहक दिवाग्रीमधे लिषी
लिषाई गोगराजजी गोदीका श्री श्री श्री श्री॥,
Saṁvat 1888, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 393 **BIR951** **BI9659**
Acc. No. 1321 a/1886-92
श्रीमतीकथा
Śrīmatīkathā
31 Folios; L 7, W 36, 10 1/4 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरुभ्यो
नमः॥नवकारइक्काक्खरेणं पावं फेडेई सत्तअइराणं
- 394 **BIR951** **BI9660**
Acc. No. 345/A 1882-83
श्रेणिकचतुष्पदी
Śreṇīkacatuṣpadī
Dharmasimha
35 Folios; L 12, W 40, 10 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीसर्वदर्शिने नमः॥जगनायक
चउवीस जिण प्रणमुं तेहना पाया नामनी रसुं
झीलतां पापमइल सु जाय॥, श्रोता वकता श्रीसंव
सहुना। विधनपरा मिटि जावै। इहभव परभव सह
सुखसाता। पांमै धरमप्रभावै री। गुण॥, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 395 **BIR951** **BI9661**
Acc. No. 57/1916/18
श्रेणिकरास
Śreṇīkarāsa
Rṣabhadāsa
110 Folios; L 13, W 28, 9 1/4 x 4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीजिनाय नमः दूहा॥आदि अनादी
सरस्वती। सदा लग्गेतु स्वाम सहोको सेवे सारदा।
बाल करि तुझ ध्यांन।, सांगणसुत कवी राषभदास
करे श्रेणि(क)नरनृपनो रास सं. 1868 भणतां गुणतां
साष अपार। सकल संघने जयजयकार सं 1839॥,
इति श्रीश्रेणिकरास संपूर्ण। सुभं
भवतु॥ग्रंथाग्रंतगाथा 1839 स 2002
कल्याणमस्तु॥, Saṁvat 1798, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 396 **BIR951** **BI9662** 399 **BIR951** **BI9665**
 Acc. No. 385/1871-72 Acc. No. 1339(a)/1886-72
श्रेणिकरास **संग्रामसूरकथा**
Śreṇīkarāsa **Samgrāmasūrakathā**
Somavimala Sūri **Dayāvardhana Gaṇi**
 19 Folios; L 17, W 50, 10 1/4 x 4 3/8, 3a Folio; L 16, W 45, 11 1/4 x 4 3/4,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, समणे जह कुवालए। मागहि अंगणि Complete, ए नमः सर्वज्ञाय।। तुम्हा जीवदयाए
 अंगमिस्स ए। सयाया। अयोग चंदए। वेसालिं सिवसुहरवीही उज्जमो काज्जो।।, इति जीवदयानां
 नगारिगहिस्स ए।।, मुनिना पय प्रणामा कोणी कहइ संग्रामसूरकथा।।छ।।, Saṃvat 1813, MFL,
 विशाला नयरी कहु भेद जिनमघा इवे सराला तव New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
 हुहतु नयरी वेष करी क्षवधूत।।, MFL, New Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 397 **BIR951** **BI9663** 400 **BIR951** **BI9666**
 Acc. No. 383/1871-72 Acc. No. 1329/1884-87
षट्पुरुषविचार **सदयवत्सकथा**
Ṣaṭpuruṣavicāra **Sadayavatsakathā**
Kṣemaṅkara Gaṇi **Harṣavardhana Gaṇi**
 28 Folios; L 11, W 40, Folio 28b blank, 26 Folios; L 13, W 40, 10 1/8 x 4 3/8,
 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्री अहंतश्चतु Complete, श्रीवीतरागाय नमः।।धर्माज्जन्म ...
जगदुत्तमाः।।1।।, हेतेश्वरकार पुरुषाश्रयिणं विद्यार्थसंपत्तयः।।, इति श्रीसुपात्रअभयदानविषये
 विचारं, इति पूज्यपं .क्षेमंकरगणिकृतः सदयच्छकथा संपूर्ण।।, संवत् 1671 वर्षे कार्तिक
 षट्पुरुषविचारः।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 शुक्लपक्षे प्रतिपदा रविवासरे।।, Saṃvat 1671, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 398 **BIR951** **BI9664** 401 **BIR951** **BI9667**
 Acc. No. 1344/1891-95 Acc. No. 384(a)/1871-72
सङ्ग्रामसूरकथानक **सदयवत्सकथा**
Sangrāmasūrakathānaka **Sadayavatsakathā**
Meruprabha **Harṣavardhana Gaṇi**
 8 Folios; L 12, W 36, 10 3/4 x 4 3/8, 87 Folios; L 19, W 38, 10 1/8 x 4 7/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं श्री जिनाय नमः।।संसारसागरे Complete, श्रीवीतरागाय नमः।।धर्माज्जन्म
 भव्यैरहर्निशं।।1।।, हंसि कवण न सेवीया सविए विद्यार्थसंपत्तयः।।, इति श्रीसुपात्रअभयदानविषये
 केकी वार समरी गंगतरंगडा पणि रुतो सो वार।।, सदयवत्सकुमारकथा।।, संपूर्णः सं 1909 ना आसो
 MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 वदि 11 नें वार रवे उइं लष्पुं छेः श्री सुरत विंदरे
 लषीतं पं राजवीजे पं उत्तमस्तक।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 402 **BIR951** **BI9668**
Acc. No. 414/1879-80
सदयवत्सप्रबन्ध
Sadayavatsaprabandha
32 Folios; L 11, W 38, 10 5/8 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, माई महामाई। मझे बावन्न वन्न जो
स्तरो। जस बिंदु ओंकारो ओंकारे णमोकारो।।,
इति श्रीसदयवच्छप्रबंध समाप्तः।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 403 **BIR951** **BI9669**
Acc. No. 861/1892-95
सदयवत्ससावलिङ्गचतुष्पदी
Sadayavatsasāvaliṅgacatuṣpadi
Kirtivardhana
10 Folios; L 18, W 52, 10 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, नमो विघ्नविदे। दूहा।।स्वस्ति श्री
...आल उल्हास।।।।, मैं रचना आर्हा ज रची।
कविजन परमकृपाल।।सुणिकैजिन हासी करौ
करिज्यो दयादयाल।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 404 **BIR951** **BI9670**
Acc. No. 1201(c)/1887-91
सनत्कुमारकथा
Sanatkumārakathā
Folios 11a-12b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, अधुना तपोविषये
सनत्कुमारमहर्षे कथानकं।।, इति तपोविषये
सनत्कुमारराजर्षिकथानकं।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 405 **BIR951** **BI9671**
Acc. No. 109/1869-70
सनत्कुमाररास
Sanatkumārārāsa
Nyānasāgara
- 19 Folios; L 16, W 38, 4 1/8 x 9 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम पंजितश्री वंछीतदायक लहउ
हरषे जोडी हाथ धवलधेग गोडी धणी।।,
श्रीजिनधरम आराधज्यो इति
श्रीसनतकुमारचक्रवार्तिकचौपाइ संपूर्णः, ग्रंथाग्रं
751 संवत् 1765 वर्षे भाद्रवा सुदि 13 बुद्धे श्री
विद्यापुरे पं. श्री राजहंसगणि लपीकृता श्रीरस्तु।।,
Samvat 1765, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 406 **BIR951** **BI9672**
Acc. No. 127(10)/1872-73
सनत्कुमारसंधि
Sanatkumārasandhi
Folios 8b-10a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, सिरि वीर जिणंदह
तिहुवणवंदह। पणमवि मणु निम्मल करिवि।।,
भवियहं पणमउ पयकमल।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 407 **BIR951,952** **BI9673**
Acc. No. 82/1898-99
समरादित्यचरित्र
Samarādityacaritra
Haribhadra Sūri
1368 Folios; L 5, W 24, 10 3/8 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम श्रीगुरुभ्यो नमः।।नमः
सर्वज्ञाय पणमहविजियसुदुज्य
निजियसुरमणुयविसमसरपसरं
तिहुयणमंगलनिलयं वसहगइगयं जिणं उसभं।।,
ग्रंथोऽंकतोपि अंकतोपि ग्रंथाग्रं।।, इति
8समरादित्यचरित्रसंपूर्णम्।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 408 **BIR953** **BI9674**
Acc. No. 1361/1886-92
समरादित्यसंक्षेप
Samarādityasaṅkṣepa
Pradyumna Sūri
121 Folios; L 14, W 40, 10 1/4 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, चित्रभानु सुधाभानुं ...
परमंगलं।।।।।, प्राग्वाटा न्वयमं
विचाहृद्भसुतश्रीराणीगस्यांगजो ...प्रार्थयेतां गुरु।।,
ग्रं. 4874 मुनी चतुरवीजे लिपिकृतं मांजवीनीपोलः
स्तंभतीरथे सं. 1844 माघसीरसु 2 दिने।।,
Samvat 1844, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 409 **BIR954** **BI9675**
Acc. No. 1210/1891-95
संभवनाथचरित्र
Sambhavanāthacaritra
Tejapāla
66 Folios; L 10, W 48, 12 5/8 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, स्वस्ति ओं नम-
सिद्धेभ्यः।।सासयसुहकारणु कुगइणिवारणु चरि
उपरम गुणागणणियरु संउ जिण केरउ।।, पुणु
विज्जवलेण णाहिधाइउ सत्तिए
णियकलतुछउजाविउ। ते ए
खयरविणिमहाणंदणणपविणएण सुयणरंजिमण मइं
णिव्वेषणजितउ धारिउ तुहुंद।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 410 **BIR954** **BI9676**
Acc. No. 688/1875-76
सम्यक्तत्वकौमुदीकथा
Samyaktvakaumudīkathā
Yodharāja Godikā
46 Folios; L 12, W 46, 13 3/8 x 5 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः। श्रीवीतरागाय नमः। अथ
सम्यक्तत्वकौमुदीभाषा साह योधराजगोदीका कृत
लिष्यते दोहा।।, इति श्रीसम्यक्तत्वकौमुदी साह
जोधराज गोदीका विरचिते कथा वर्णनो नाम
एकादशोऽध्यायः।।, इति सम्यक्तत्वकौमुदीग्रंथ
संपूर्णसमाप्ताः संवत् 1840 का वर्षे श्रावण कृष्णपक्षे
तिथौ 2 भौमवासरे।।, Samvat 1840, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 411 **BIR954** **BI9677**
Acc. No. 252(b)/1871-72
सम्यक्तत्वकौमुदी
Samyaktvakaumudī
Folios 2a-44b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, तस्मिन्
मगधविषये द्वादशमे वर्षे कौमुदीमहोत्सवो भवति तत्र
महोत्सवे समस्तनायविने व्रजंति। पुरुषानगरांत
राज्ञादेशात् चतुर्दिक्षु वनरक्षणाय साधुभटासु, एति
तस्मिन्।।, धर्मज्ञस्ति परं सुहृद् भवभृतां धर्मस्य मूलं
दया धर्मचित्तमहं दधे प्रतिदिने हे धर्म पालय।।,
इति श्रीसम्यक्तत्व कौमुदीकथा संपूर्ण सं. 1665 वर्षे
द्वितीयभाद्रपदमासे कृष्णपक्षे बुधे मंगलपुरे श्री
श्रीमालज्ञातीय विप्रशामलियाकेन हस्ताक्षराणि।।,
Samvat 1665, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 412 **BIR954** **BI9678**
Acc. No. 1365/1886-92
सम्यक्तत्वकौमुदी
Samyaktvakaumudī
11 Folios; L 17, W 56, 11 3/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवीतरागाय नमः।। तस्मै नित्यं
चिदानंदस्वरूपायार्हते नमः।।, गृहीतेऽस्मिन् सदा
ध्येया चित्ते पंचनस्क्रिया। यादजीवं भूमिशय्या
कर्त्तव्यं केशलुचनं।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 413 **BIR954** **BI9679** **BIR954** **BI9682**
 Acc. No. 1168/1891-95 Acc. No. 454/1882-83
सम्यक्तत्वकौमुदी **सम्यक्तत्वकौमुदी**
Samyaktvakaumudī **Samyaktvakaumudī**
 24 Folios; L 19, W 52, 9 7/8 x 4 1/2, 44 Folios; L 18, W 30, 8 1/4 x 4 3/4,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं नमः। श्रीवर्धमानमानम्य Complete, श्रीवीतरागाय
 जिनदेवं गजत्प्रभुं। वक्ष्येऽहं कौमुदी नृणां नमः।।श्रीवर्द्धनमाऽऽनम्य।।, धर्मणागमनमूर्ध्व
 सम्यक्तगुणहेतवे।।, इति श्रीसम्यक्तत्वकौमुदी- गमनमधस्ताभि वत्यधर्मेण।।, इति
 कथानकं संपूर्णं स्यात्, सं 1699 .वर्षे आश्विनमासे श्रीसम्यक्तकौमुदी ग्रंथाग्रं 1697 सर्व संक्षा समाप्तः
 शुक्लपक्षे 7 दिने भौमवासरे पंडितोत्तम श्री 7 श्रुभं भवतु।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
 जयकलशगणि वराणां शिष्य पं. Bhandarkar Oriental Research
 नंदनभेरुमुनिभिर्लिखितानि।।गुंदवच मध्ये।।, Institute, Pune
 Saṁvat 1699, MFL, New Delhi, Research Institute, Pune
 IGNCA, Bhandarkar Oriental
- 414 **BIR954** **BI9680** **BIR954** **BI9683**
 Acc. No. 1330/1884-87 Acc. No. 1363/1886-92
सम्यक्तत्वकौमुदी **सम्यक्तत्वकौमुदी**
Samyaktvakaumudī **Samyaktvakaumudī**
 37 Folios; L 14, W 48, 11 x 4 1/2, 60 Folios; L 11-12, W 34, 11 1/2 x 5
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्रीजिनाय Complete, श्रीमल्लिनाथा नमः।
 नमः।।श्रीवर्द्धमानमानस्य।।, तथा चोक्तं धर्मेण श्रीवर्द्धमानमानम्य।।, तथा चोक्तं धर्मेण गमनमूर्ध्व
 गमनमूर्द्धे।, इति सम्यक्तत्वकौमुदी समाप्तं।।, गमनमधस्ताद्भवत्यधर्मेण। ज्ञानेन चापवर्गो
 Saṁvat 1668, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental विपर्यायदीप्यते बंधः 100 इति सम्यक्तकौमुदीकथाः
 Research Institute, Pune समाप्ता श्री श्री श्री श्री छ श्री श्री।।, MFL, New
 Research Institute, Pune Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
- 415 **BIR954** **BI9681** **BIR954** **BI9684**
 Acc. No. 1364/1886-92 Acc. No. 20/1869-70
सम्यक्तत्वकौमुदी **सम्यक्तत्वकौमुदी**
Samyaktvakaumudī **Samyaktvakaumudī**
 78 Folios; L 10, W 31, 12 x 5 5/8, 102 Folios; L 11, W 40, 10 1/4 x 4 1/2,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्रीवीतरागाय Complete, नमः सिद्धेभ्यः।।, इति
 नमः।।श्रीवर्द्धमानमाऽऽनम्य।।, तथा चोक्तं धर्मेण श्रीकौमुदीकथायां अष्टमी कथा समाप्ता।।श्रुभं
 गमनमूर्द्धे। गमनमधस्तान्न भवत्यधर्मेण।।, संवत् श्रुभं भवतु।।छ।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
 1793भासोजवदि 8 सितवासरे लिप्यतं महात्मानौ Bhandarkar Oriental Research
 निधिराम जैपुर मध्ये।।, Saṁvat 1793, MFL, Institute, Pune
 New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 419 **BIR954** **BI9685**
Acc. No. 637/1895-98
सम्यक्तवकौमुदी
Samyaktvakaumudī
86 Folios; L 12, W 42, 12 5/8 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवर्द्धमानमानम्य॥, खे
ताराधिपतिप्रकाश विमल अष्टमी कथा समाप्ता। ,
संवत् 1902 का मि .आशोजसूदि 1वृत्तवारे
श्रीलसकरमहाराज्य श्री जीवाजीपाविशिंघाका
छावणी गुवारेरकी मलीषी। शास्त्रपंडितशी
श्रीमहाचंदजी श्रीमंदरजीताल काकाछै।।,
Samvat 1902, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 420 **BIR955** **BI9686**
Acc. No. 1267/1884-87
सम्यक्तवकौमुदी
Samyaktvakaumudī
75 Folios; L 14, W 36, 10 3/8 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः श्रीवर्द्धमानाय अंही
श्रीवर्द्धमानमानम्य जिन देवं जगद्गुरु वक्ष्ये हं कौमुदी
नृणं सम्यक्तवगुणहेतवे।।, तृतीयभवे मोक्षः।।इति
पात्रदाने धनपतिकथा। इति छ मही सयणाप्रभृति
अष्टो धर्मापष्टभकदानानां विषये उदाहरणानि
समाप्तानि सु भमस्तु।।लिषतं पुरनमल काइस्थ।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 421 **BIR955** **BI9687**
Acc. No. 311/1883-84
सम्यक्तवकौमुदी
Samyaktvakaumudī
Bālavabodha
96 Folios; L 7, W 36, 10 5/8 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीसर्वज्ञाय
नमः।।श्रीवर्द्धमानानम्य।।, इति
श्रीसमयकत्वकौमुदीकथानकं संपूर्णतामगमत्,
संवत् 1867 प्रमाणे शके 1733 प्रवर्त्माने
- महामांगल्यप्रदे मासोत्तममासे ज्येष्ठमासे शुभे
कृष्णपक्षे द्वादश्यां 12 तिथौ रविवासरान्वितायां
प्रथम प्रहरे लेखि पुस्तकमिदम्।।श्रीमदुदयपुर
नगरे महाराजा प्रहरे धिराजमहाराणाजि च्छी 5
श्रीमद्गीमसिंहजिद्विजयराज्ये, Samvat 1867,
Śaka 1733, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 422 **BIR955** **BI9688**
Acc. No. 890/1892-95
सम्यक्तवकौमुदी
Samyaktvakaumudī
112 Folios; L 6, W 32, 10 7/8 x 4 5/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीजिनाय
नमः।।श्रीवर्द्धमानमानस्य।।, धर्मेण गमनमुद्ध
सोऽक्षयं स्वर्गश्रुते।।इथि श्रीसम्यक्तकौमुदीकथा
संपूर्ण।।सकलपंडितशिरोमणीपं श्री।।पं .
जिनसागरगणी तत्सीष्य पं .जीनसागरेण लिपिकृतं।
स्कभतीर्थे।।, Samvat 1856, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 423 **BIR955** **BI9689**
Acc. No. 268/1871-72
सम्यक्तवकौमुदीचतुष्पदी
Samyaktvakaumudicatuspadi
Jayamalla
33 Folios; L 17, W 36, 10 1/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, नमो यरीहंताणं श्रीगुभ्यो नम।
आदिजिणेसर आदिहं देई। चउवीसइं जिणवर
प्रणनिई। सरसति सुगुरु नमी चउपइ। बोलिसइं
समकितकोमदी।।, इति श्रीमिकितकुमदीचरी।
मइव सूररमुषि सुणी। भणइ गुणइ जे मन सुघ घरि
वइठ त्थाइ नव नधि।।, संवत् 1664 वरषे लषतं।
ऋषिपीमजी।।, Samvat 1664, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 424 **BIR955** **BI9690** 427 **BIR955** **BI9693**
 Acc. No. 1310(32)/1886-92 Acc. No. 1666/1891-95
सागरश्रेष्ठिकथा **सारशिवामणरास**
Sāgaraśreṣṭhikathā **Sāraśikhāmaṇarāsa**
 Folios 33b-34a, Paper, Sanskrit, लोभे
 Devanāgarī, Complete, तप्तायसीबांभः। कणा गुणाक्षयं। प्राप्य लोभादिह
 त्केशं। सागरो दुर्गतिं गतः॥, इति लोभे
 सागरश्रेष्ठिकथा इति
 कुमारपालप्रतिबोधसारोद्धारः॥छ॥, MFL,
 New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- 425 **BIR955** **BI9691** 428 **BIR955** **BI9694**
 Acc. No. 1495/1887-91 Acc. No. 1310(30)/1886-92
सारशिवामणरास **सिंहव्याघ्रकुमारकथा**
Sāraśikhāmaṇarāsa **Siṃhavyāghrakumārakathā**
Samvegasundara Upādhyāya
 7 Folios; L 15, W 56, 9 7/8 x 4 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथावक्ष्यौ
 ओंम पूज्याराध्य पं. गुरुधर्मरक्षायै विदुषा रुषा। त्याज्यायत्तां सृजन्
 श्रीअमरहंसगणिकुम्भयो नमः। श्रीजीराउलि आत्मनिन्दनपरौ
 पासनाहप्रभु केरा पाय।, तास सीस रस लही पसाय भवगीतौ। दीक्षितौ शमरतौ मुनिनातौ निरुधोमि
 श्रीसंवेदसुंदर उवज्ञाय रचिउ रास गुण सागभूए॥, घउदारगुणाद्यो मृत्युमाप्य समयेयगतौ द्यां॥,
 पनरसइअताल संवतच्छरि। मार्गसिर दशमि गुरु क्रोधत्यागे सिंहव्याघ्रकुमारकथा॥छ॥, MFL,
 दिन मातृषिसुरे नित जिनमल जयकरुए॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune Oriental Research Institute, Pune
- 426 **BIR955** **BI9692** 429 **BIR955** **BI9695**
 Acc. No. 176/1872-73 Acc. No. 163/1866-68
सारशिवामणरास **सिंहासनद्वात्रिंशिका**
Sāraśikhāmaṇarāsa **Siṃhāsanaadvātrīṃśikā**
Samvegasundara
 7 Folios; L 17, W 44, 9 7/8 x 4 3/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगणेशाय नमः॥
 Complete, श्री जीराउलि पासनाह... , धरमइ अनंतशब्दार्थगतोपयोगिनः॥ पश्यति पारं नहि यस्य
 चिंतामणि... मंगल, इति श्रीसारसीषामणिरास यो गिनः॥ जगत्रयाशेषतमोविनाशकं॥ ज्योतिः
 समाप्ताः। संपूर्णमिति लिखितं परंत तत् जयति प्रवश॥, इति सिंहासनद्वात्रिंशिका
 गणिचंद्रविजयेन॥ श्रीपन्न नगरे॥, MFL, New समाप्त॥ श्रीकृष्णर्पणमस्तु॥, MFL, New
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune Oriental Research Institute, Pune

- 430 **BIR955** **BI9696**
Acc. No. 1496/1887-91
सिंहासनबत्तीसी
Simhāsanabattīsī
Samghavijaya
47 Folios; L 18, W 45, 10 1/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, दूहा। सकल मंगल धर्म धुरि दान
दया सत्यमेव। नमो निरंतर जगगुरु अनंतचोविशी
देवा।, इति सिंघासणववीसी श्री
विक्रमार्कगुणकीर्तिलताद्वात्रिंशतिपंचालिका कथा
सुषबोधचोपइ द्वात्रिंशत्पूतलीकथा समाप्ता।।,
Samvat 1772, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 431 **BIR955** **BI9697**
Acc. No. 857/1895-1902
सिंहासनबत्तीसी
Simhāsanabattīsī
115 Folios; L 9-12, W 36-40, 10 3/8 x
4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, आराही श्रीऋषभ प्रभु युगलीधर्म
निवार।।, ते पुण्यपसायै मुषीय थायै रिद्धि पामै बहु
परइ।।, इति श्री कलि
युगप्रधानदानाधिकारश्रीविक्रमरायश्रीभोजनरेंद्र
सिंहसणबत्तीसी चरि।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 432 **BIR955** **BI9698**
Acc. No. 1667/1891-95
सिंहासनबत्तीसी
Simhāsanabattīsī
Hirakalaśa
81 Folios; L 16, W 38, 9 3/4 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगोत्तमाय नमः।।दूहा आराही श्री
हरही प्रभु। युगलाधर्म निवारि।।, हरिकीयउ
विक्रमचरित्र स इश्रठावीसे इसिलोक भणइ गुणइ इह
रति परति तियां नरवच्छितथोक समस्तश्लोक।।, इति
श्रीसिंहसणबत्तीसी संपूर्णः संवत् 1899 जेठवूदि 12
लिषत।।, Samvat 1899, MFL, New
- Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 433 **BIR956** **BI9699**
Acc. No. 465/1882-83
सिद्धचक्रमाहात्म्य
Siddhacakramāhātmya
12 Folios; L 15, W 40, 10 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, अरिहाइ नवपयाइ झाइत्ता
हियकमलमज्झंमि सिरिसिद्धचक्रमाहप्यमुत्तमं
किपि जंपेमि।।, तत्थ रायगिहं वरं पुरं अत्थि। वैभार
गिरिपरसरपणसं वीरवरतित्थं समुप्पन्नं।।, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 434 **BIR956** **BI9700**
Acc. No. 177/1872-73
सीताचरित्र
Sītācaritra
61 Folios; L 15, W 52, 11 1/4 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरुभ्यो
नमः।।कमनहकंतिजलेण जेसि ते जिणवरे
नमह।।, इति श्रीसीलव्रताधिकारे महासती
श्रीसीताचरित्रं।।, संवत् 1600 वर्षे चैत्रवदि 11
बुद्धवासरे धनिष्ठानक्षत्रे।।, Samvat 1600,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 435 **BIR956** **BI9701**
Acc. No. 825/1899-1915
सीताचरित्र
Sītācaritra
Bhuvanatuṅga Sūri
8 Folios; L 20, W 54, 10 1/4 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, जस्स पयपउम नहचंद
जुन्दजलजालखा।।, इति सीयाचरितयं समत्तं।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 436 **BIR956** **BI9709**
Acc. No. 1669/1891-95
सुकुमालरास
Sukumālarāsa
Amaravijaya
29 Folios; L 17, W 52, 10 x 3 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीपरमात्मने नमः अथ
श्रीसुकुमालचरित्र लिख्यते दूहा ओंम नम सिधकौ
....सब देवनकौ देव।।, इति
श्रीसुकुमालस्वामिचरित्रे यसोभद्रादिक्षाग्रहण
यसोभद्रसुरिद्रदत्तवृषभांकितकनकध्वजमोक्षगमनं
सर्वार्थसिद्ध अहिमे द्रविभूत वर्णनौ नवमः सर्गः।।,
सुकुमालचरित्र संपूर्ण संवत् 1802 वर्षे मिति
भाद्रवावद 4 दिने लिषता हिमतासर मध्ये
गुलालचंद्रण श्री।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 437 **BIR957** **BI9713**
Acc. No. 1560/1891-95
सुकोसलचतुष्पदी
Sukosalacatuspadi
Sādhu Manisara
6 Folios; L 9, W 30, 10 1/8 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवीतरागाय नमः सहं गुरुवयण
सांभलीजी.... भाण।।।।, सालिभद्र घनउ
किवनउ मूलदेवकुमार दान विसेषि पर गट हुआ
आलवेसर अवतार रे 4 हुसू एहकं जाणो रुयडा
प्राणी कीजइ पुन्यरुषा इ साधु मुनिसरएणि परि बोलि
दीधउं लाभि भाइ रे 5 हुसीय.।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 438 **BIR957** **BI9715**
Acc. No. 899/1892-95
सुगुणकुमारकथा
Sugunakumārakathā
5 Folios; L 13, W 36, 10 1/8 x 4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
- धर्माद् धनं धनत एव समस्तकामाः। कामेभ्य एव
सुखमिद्रयजं समग्रं। कार्यार्थिना हि खलु
कारणमेषणीयं धर्मो विधेय इति तत्त्वविदो वदंति।।,
इतिजिनधर्म चिंतामणिमिवाराध्य वदेहे सिद्धसि इति
सुगुणकुमारकथा:।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 439 **BIR957** **BI9716**
Acc. No. 1174/1891-95
सुदर्शनचरित्र
Sudarśanacaritra
Sakalakīrti
49 Folios; L 9, W 32, 11 1/4 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्य नमः
श्रीवर्द्धनमानाय धर्मतीर्थप्रवर्तिने
त्रिजगत्स्वामिनेऽनंतशर्मणे विश्वबांधवे।।, इत्येषा
....मुक्तये।।।।।, इति श्रीसुदर्शनचरित्र, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 440 **BIR957** **BI9717**
Acc. No. 1670(a)/1891-95
सुदर्शनश्रेष्ठिरास
Sudarśanaśreṣṭhiraśa
Melā Saṅghapati
8 Folios; L 16, W 35, 10 1/8 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, पहिलउं प्रणमि सु अक्रमिए जिणवर
चउवीस ..., सीलहिं सिवसुक्ख संपज्जइ ए मा. सील
लगइ नव निधि। सुणि. सिहि सुर सिंध करइ ए मां.
सीलिहिं. शुद्धि प्रसिधि सुणि।।, सुदर्शन रिषि केवली
ए. मा. चतुर्विध संघ सुप्रसंन। इति श्री
श्रेष्ठिसुदर्शनरासः संघपति मेलाकृतः।।श्री।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 441 **BIR957** **BI9718**
Acc. No. 1497/1887-91
सुदर्शनश्रेष्ठिरास
Sudarśanaśreṣṭhīrāsa
Melā Saṅghapati
5 Folios; L 18, W 52, 10 5/8 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, समरीय सांमणि सारदा ए ... मनरंगि, तप गच्छगुरु गोइमसमो ए मा श्रीमुषसुंदरसीरू नामिहिसिर्ध संधि संपजै ए मा. दूरी पणासए दूरी 48 सु. तासु तणो सेवकि रच्यो ए मा., Saṁvat 1624, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 442 **BIR957** **BI9719**
Acc. No. 649/1895-98
सुदर्शनाकथा
Sudarśanākathā
Devendra Sūri
167 Folios; L 12, W 35, 9 7/8 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमः॥श्रीसुव्रतजिनेन्द्राय॥ वंदितु जिणं सुदरिसणा ए .. तह वुत्थं (च्छं)॥111॥, श्रीसुधानंदविवुधाश्वरश्रीमहीसमुद्रवाचकेंद्रप्रसादादि यमशोधि॥, संवत् 1840 वर्षे शाके 1705 प्रवर्त्तमाने मार्गशिर वदि 14 सो॥, Saṁvat 1840, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 443 **BIR957** **BI9720**
Acc. No. 1310(35)/1886-92
सुधनमदनकथा
Sudhanamadanakathā
Folios 35a-36a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अस्ति दक्षिणदिग्भागे शिरोऽलंकारसंनिभा श्रीमदक्षिणमदुरेत्याख्याता पुरी पुरा॥, श्रुत्वेति सद्गुरुगिरं मदनो महेभ्यो दानधिधर्मनिरतः सविशुद्धभावः भेजे व्रतं च सुधनसुमनेः कदाचित् कालक्रमाद्धमृतौ दिवमाप तुस्त्ये॥इति सुधनमदनायो कथा दाने सुपात्रस्य छ॥, MFL,
- New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 444 **BIR957** **BI9721**
Acc. No. 1288(e)/1884-87
सुन्दरराजकथा
Sundararājākathā
Folios 10b-13b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, निराकांक्षयामातु कर्तव्याकांक्षया यतः। भक्तिच्छलेन देवस्य प्रत्युताशतना भवेत्॥11॥, पालयित्वा समं राइय गृहिव्रतमखंडितं अवसानं शुभध्यानः कृत्वा भव्यं दिवं ययौ॥, सुंदरराज्ञः शीले कथा, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 445 **BIR957** **BI9722**
Acc. No. 1671/1891-95
सुबाहुचरित्र
Subāhucaritra
Puṇyasāgara Upādhyāya
4 Folios; L 13, W 42, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, पणमिय पास जिणेसर.... मनि आणि॥11॥, श्री जिनहंससूरिगुरुसीसइ... , इति श्रीसुबाहुत्रयसिधिः संपूर्ण श्री छ॥, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 446 **BIR957** **BI9723**
Acc. No. 1498/1887-91
सुबाहुचरित्र
Subāhucaritra
Gaṇasāgara
7 Folios; L 13, W 32, 9 5/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीसारदायै नमः श्रीगजसागरसूरिगुरुभ्यो नमः॥दुहा वीरजिनेशरपय नमी समरी अभिराम॥11॥, इति सुबाहुचरित्रं समाप्तं॥, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 447 **BIR957** **BI9724** 450 **BIR957** **BI9727**
 Acc. No. 51/1877-78 Acc. No. 1500/1887-91
सुमित्रचरित्र **सुरसुन्दरीचतुष्पदी**
Sumitracaritra **Surasundarīcatuṣpadī**
Dharmasamudra Gaṇi **Dharmavardhana**
 16 Folios; L 15, W 38, 9 3/8 x 4 3/8, 22 Folios; L 15, W 45, 10 x 4 1/4,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, पणमि सकुमणावयण तणु करी। Complete, अमरसेन वैरसेन चोपइ ..., श्रीगुरवे
परिमाणंद॥1111, इति दांनविषये नमः सासण जेहनओ सलहियइ आज प्रत्यक्ष प्रमाण
 सुमित्रकुमाररास संपूर्ण समाप्तं॥, संवत् 1653 वर्षे गजगुरु वीर जिणदनै प्रणम उलट भांणि जेहनइ साघ
 पोससुदि 6 बधे लपितं श्री॥, Saṁvat 1653, संवेग धरे हुआ व वद हजार सहस छत्रीसे साधवी
 MFL, New Delhi, IGNCA, ज्ञानक्रियागणधार॥, इति सुरसुंदरीसती चोपइ
 Bhandarkar Oriental Research समाता प्रथमखंडे ढाल 8 द्वितीयं 11 त्रितीये 119
 Institute, Pune चतुर्थे 12 सर्वगाथा॥, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 448 **BIR957** **BI9725** 451 **BIR957** **BI9728**
 Acc. No. 650/1895-98 Acc. No. 1673/1891-9591
सुमित्रचरित्र **सुरसुन्दरीचतुष्पदी**
Sumitracaritra **Surasundarīcatuṣpadī**
Dharmasamudra Gaṇi **Dharmavardhana**
 17 Folios; L 18, W 34, 9 5/8 x 4 3/8, 60 Folios; L 9, W 25, 9 3/4 x 4 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, पणमि सकुमणावयण तणु करी Complete, सासण जेहनो सदहियै॥, इति
 परिमाणंद, भव्यजीवप्रतिबोध नव रस देसणिक सीलविषये सुरसुंदरीचौपइ समाप्तम्।, संवत् 1790
 मारगयउ विदसइ॥, MFL, New Delhi, वर्षे॥, Saṁvat 1790, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune Research Institute, Pune
- 449 **BIR957** **BI9726** 452 **BIR957** **BI9729**
 Acc. No. 1499/1887-91 Acc. No. 84/1898-99
सुरप्रियरास **सुरसुन्दरीचरित**
Surapriyarāsa **Surasundarīcarita**
Lāvanyasamaya **Nayasundara**
 8 Folios; L 12, W 36, 10 1/4 x 4 1/4, 18 Folios; L 16, W 40, 10 1/8 x 4 3/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, दूहा। राजगृह रुलीआमणुं मुगध Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः राग केदारु आदिघर
 देसि सिणगार ... हरष अपार॥1111, कांड कविति मने करवा ए। भाम भवोदिध तरवा ए।, इति
 केलवण कांड सामविचार गायु सुरप्रिय केवली श्रीसुरसुंदरीचुपई संपूर्णः॥, संवत् 1679 वर्षे
 गुरुसरसति आधारि॥102, इति सुरप्रीयरास समाप्तः ऋषिसूरवर्द्धनलिपितं श्री गुडी पार्श्वनाथाय नमः॥, भाद्रवा सुदि 9 बोमेचेलाकृष्णाकेन लक्षतं नवा नगर
 MFL, New Delhi, IGNCA, मद्ये जांम श्री श्री॥, Saṁvat 1679, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
 Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune Oriental Research Institute, Pune

- 453 **BIR957** **BI9730** **BI9734**
 Acc. No. 1247/1884-87 Acc. No. 1201(e)/1887-91
सुसढकथा **सूरराजमदनावलीकथानक**
Susaḍhakathā **Sūrarājamadanāvalīkathānaka**
 14 Folios; L 15, W 42, 10 3/8 x 4 3/8, Folios 14a-16a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अर्हं सुद्धु वि तवं कुणंतो योऽवज्ञात्तन्मुनीन्द्राणं मर्त्यरूपो मृगो हि सः।।इति लोकप्रबोधार्थं लोकोक्तो गो हि सोऽभवत्।।।।, अतः संसारकारणं.... जगाम।, इति गंधपूजाविषये मदनावली, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 454 **BIR957** **BI9731** **BI9739**
 Acc. No. 1348/1887-91 Acc. No. 403/1871-72
सुसढकथा **स्थूलभद्रगुणरत्नाकरछन्द**
Susaḍhakathā **Sthūlabhadraguṇaratnākara-chanda**
 10 Folios; L 13, W 42, 10 1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, रायगिहे गुणसिप समो सढो अन्नया जिणो वीरो।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 455 **BIR957** **BI9732** **BI9740**
 Acc. No. 902/1892-95 Acc. No. 781/1895-1902
सुसढचतुष्पदी **स्थूलभद्रगुणरत्नाकरछन्द**
Susaḍhacatuṣpadī **Sthūlabhadraguṇaratnākara-chanda**
Jinadharmā **Sahajasundara**
 69 Folios; L 13, W 35, 9 1/2 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगणेशाय नमः दूहा।।पास जिनेसर प्रणमियै ... प्रतदिन करुं प्रणम।।।।, इति श्रीसुसढचउपई संपूर्णा शुभं भवतुः लेषकपाठकयोः।।, संवत् 1818 वर्षे फालगुणमासे कृष्णपक्षे पंचमीतिथौ शानिवासरे श्री देशणोक मद्ये भट्टारजंगमजुगप्रधानश्री श्रीजिनमुक्तिसूरिजीशिष्य श्रीवाचनार्थ श्रीमाणिक्यसागरजीगणेशिष्यपं। तत्वधर्मलिखीचक्रे।।, Saṁvat 1818, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 456 **BIR957** **BI9733** **BI9740**
 Acc. No. 1201(e)/1887-91 Acc. No. 781/1895-1902
सुसढकथा **स्थूलभद्रगुणरत्नाकरछन्द**
Susaḍhakathā **Sthūlabhadraguṇaratnākara-chanda**
 18 Folios; L 15, W 45, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं शिशशशिकरनिकरसमुज्वल... , पाडल पुरु सगडाल ... सहजसुंदरमया, इति श्रीगुणरत्नाकरमहाच्छंद चतुर्थोधिकारसंपूर्ण श्रीरस्तुः।।श्रीरस्तु छ शुभं भतु पं .श्री 5 श्रही विवेकहर्षगणिशिष्य हीरजीलिखितं प्रवत्तणीस श्रीविवेकशांतिगणिनी चेलीगुरा पठनार्थ शुभं भवतु।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 458 **BIR958** **BI9740**
 Acc. No. 781/1895-1902
स्थूलभद्रगुणरत्नाकरछन्द
Sthūlabhadraguṇaratnākara-chanda
Sahajasundara
 11 Folios; L 20, W 55, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, शाशिकरनिकर ... सरस्वती देवी, पाडल पुरि सुंदरमया ..., इति श्रीथूलभद्रगुणरत्नाकरछंद समाप्तः। सं. 1670 भाद्र व 2 रविवारे लिखितं धारसी षडा ग्रामे ऋषि कर्मसिंहेन।।, Saṁvat 1670, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 459 **BIR958** **BI9741** 462 **BIR958** **BI9744**
 Acc. No. 301/A 1883-84 Acc. No. 1350/1887-91
स्थूलभद्रचरित्र **स्थूलभद्रचरित्र**
Sthūlabhadracaritra **Sthūlabhadracaritra**
Jayānanda Sūri **Jayānanda Sūri**
 25 Folios; L 13, W 37, 10 5/8 x 4 3/8, 13 Folios; L 18, W 47, 10 1/4 x 4 3/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, वीरो वर्यश्रिये वोऽस्तु जिनेद्रो ... Complete, वीरो वर्यश्रिये वोऽस्तु॥, एवं
 बुद्धविष्टपः॥११॥, इति श्रीस्थूलभद्रचरित्रं श्रीस्थूलभद्र॥, MFL, New Delhi, IGNSA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 समाप्त॥, MFL, New Delhi, IGNSA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 460 **BIR958** **BI9742** 463 **BIR958** **BI9746**
 Acc. No. 653/1884-86 Acc. No. 1310(b)/1887-91
स्थूलभद्रचरित्र **हंसपालकथा**
Sthūlabhadracaritra **Hamsapālakathā**
Jayānanda Sūri **Jayānanda Sūri**
 14 Folios; L 18, W 44, 10 3/8 x 4 3/8, Folios 6a-7b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, संसारजलहिजाणं
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमः श्रीसर्वज्ञाय॥वीरो दणं वियंति ये सुपत्ताणं। नरसुरसिवमुहठाणं।
 वर्यश्रिये वोऽस्तु॥, एवं श्री शुद्धशीलप्रसिद्धि, इति लहंति ते हंसपाव्व॥, सर्व्व दीक्षां लाचा। मुक्ति
 श्रीस्थूलभद्रचरित्रं मुनीद्रशुविशीलगुणं संपूर्णं छ गताः॥, इति क्षुल्लककुमारकथानकं समाप्तं॥छ॥,
 ग्रंथाग्रं शुभं भवतु श्रमणसंघस्य श्री॥, MFL, New Delhi, IGNSA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 New Delhi, IGNSA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 461 **BIR958** **BI9743** 464 **BIR958** **BI9747**
 Acc. No. 909/1892-95 Acc. No. 365/A 1882-83
स्थूलभद्रचरित्र **हंसराजवत्सराजकथा**
Sthūlabhadracaritra **Hamsarājavatsarājakathā**
Jayānanda Sūri **Jayānanda Sūri**
 20 Folios; L 25, W 38, 10 1/4 x 4 1/4, 14 Folios; L 22, W 55, 10 1/8 x 4 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओंम नमः। श्रीसर्वज्ञाय॥वीरो Complete, श्रीपार्श्वनाथाय नमः। स्मृत्वा
 वर्यश्रिये वोऽस्तु॥, एवं श्रीस्थूलभद्र श्रीभारती देवी। नत्वा च शिरसा गुरुन्॥, शुद्ध
 शुद्धशीलप्रसिद्धिः॥इति व्रतानि ... जातौ प्रथमदेवलोके॥, इति
 श्रीस्थूलभद्रमुनीद्रचंद्रचरित्रं॥शुविशीलगीणपवित्रं गद्यबंधे
 समाप्तं शुभं भवतु॥श्रीश्रमणसंघस्य छ श्रीरस्तु छ, राज्यादिवर्णनो नाम पंचमो विश्रामः॥वाचनाचार्य
 MFL, New Delhi, IGNSA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune श्रीरत्नालाभगणिशिष्येण॥, MFL, New
 Delhi, IGNSA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 465 **BIR958** **BI9748**
Acc. No. 52/1877-78
हंसराजवत्सराजकथा
Haṁsarājavatsarājakathā
Āsāyata
23 Folios; L 13, W 35, 9 7/8 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः श्रीसरस्वत्यै
नमः।।अमरावई संमाणं।।प्रत्यक्षमाणं... , इति
श्रीहंसवत्सकथायां चतुर्थपंड समाप्ता, संवत्
1659वा भद्रवा सूदि 9 दिने रिषि श्री उदयचंद्रशिष्य
ऋषिमनोहर लिषतं ना समामध्ये।।, Saṁvat
1659, MFL, New Delhi, IGNC A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 466 **BIR958** **BI9749**
Acc. No. 1383/1886-92
हंसराजवत्सराजचतुष्पदी
Haṁsarājavatsarājacatuṣpādī
Jinodaya Sūri
30 Folios; L 14, W 44, 11 1/8 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगणेशाय नमः।।श्रीसर्वज्ञाय
नमः।।हंसराजवच्छराजरी चोपी लिष्यते।।, पुण्यइ
सहु सुष... हंस अनइ वच्छराज।।8।।, इति
श्रीवच्छराजहंसराजउपई संपूर्णः।।, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 467 **BIR958** **BI9760**
Acc. No. 393/1871-72
हरिश्चन्द्ररास
Hariścandrarāsa
Labdhivijaya
38 Folios; L 15, W 45, 10 3/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः दुहा श्रीशंषेश्वरस्वामि तुं
विघनविडारण देव भयभंजण भगवान् तुं जगजागय
स्वयमेव।।, जे नर नारि पुण्यवंत पइंरागाविचक्षण
- दयादान मनि जेइ नई जे होई शुभलक्षण ते
पटपंडमंडित भणओ ए हरिचंदनो रास लवधिवंत
बुधिवंत होणामो सिवपुरवास 17 जय।।, इति
श्रीहरिचंद्ररास संपूर्ण संवत् 1711 वर्षे भाद्रशुदि 11
दिनेरानेर मध्ये लिखितः।।, Saṁvat 1711,
MFL, New Delhi, IGNC A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 468 **BIR958** **BI9761**
Acc. No. 364/A 1882-83
हरिषेणश्रीषेणरास
Hariṣeṇaśriṣeṇarāsa
16 Folios; L 17, W 52, 9 7/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धं।।श्रीगौतमस्वामिने
नमः।।सरसतिपय प्रणमी सदा जे जगि पूरे आस। ,
नयर डीस इ रही रास रुडो रवउ सोघयो बुध जन
कूउ कोइं। नित भणइं नित गुणइ नित सुणइ तेहनइ।
धन्न विजय कहे मंगल होइ वंदिरे वंदिरे वंदि
योगीश्वर।।, इति श्रीविनय धर्म विषये श्री
हरिषेणश्रीषेणरासके तृतीयपंड समाप्तः।।, MFL,
New Delhi, IGNC A, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 469 **BIR958** **BI9762**
Acc. No. 1201(b)/1887-91
हालिककथानक
Hālikakathānaka
Folios 16a-17b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, ढोअइज्जो नेज्जं
जिणपुरउ भत्तिनिब्बरमणेण। सो नर सिवसुख लहइ
नारा हलिय परिसुच्च।, इति पुत्रं प्रतिबोध्य देवलोके
देवः संप्राप्तः। जिननैवेद्यफलेन सुरनरसौख्यानि
अभूयसप्तमे भवे मोक्षं यास्यति।।, इति
नैवेद्यपूजाविषये हालिककथानकं समाप्तं।।,
MFL, New Delhi, IGNC A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 470 **BIR960** **BI9767**
Acc. No. 571/1884-86
होलिकाधूलिपर्वकथा
Holikādhūliparvakathā
Paṇḍita Jinadāsa
33 Folios, Folio 1a blank, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 471 **BIR960** **BI9768**
Acc. No. 917/1892-95
होलीरजपर्वकथा
Holirajaparvakathā
Bhaṭṭendrasāgara
10 Folios; L 8, W 38, 10 5/8 x 5 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीवर्द्धमानमानम्य सुरासुरनतक्रमं वक्ष्ये होलीरजःपर्व संबंधप्रार्थितजन, ताच्छष्योऽस्तक ... द्वाष्यगुरुणां चरणाचितित्तितः चरतं होलीरजःपर्वलिखिता श्री विध्यका ख्यपुरे।।, इति होलिका कथा संपूर्णा, Saṁvat 1822, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 472 **BIR960** **BI9769**
Acc. No. 394/1871-72
होलीरजपर्वकथा
Holirajaparvakathā
Puṇyaraṇa Gaṇi
9 Folios; L 4, W 32, 10 1/4 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगौतमाय नमः।।प्रणम्य सम्यक् परमार्थदशकं।।, इति श्रीहुतास्यनिकथा संपूर्णा।।, संवत् 1799 वर्षे महा सुदि 10 चंद्रे लिषितं श्रीरस्तु।।, Saṁvat 1799, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 473 **BIR960** **BI9770**
Acc. No. 1335(e)/1891-95
- अक्षयनिधानविधानकथा
Akṣayanidhānavidhānakathā
Śrautasāgara
Folios 22a-26a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, पूज्यपादाकलंकार्य विद्यानंदींद्र वंदितं। प्रणम्य तीर्थकृद्देवं वक्ष्येक्षयनिधिब्रतं।।।।, श्रेयोघामनिकाममक्षयनिधिस्वेष्टब्रतं धीमतां। कल्याणप्रदमस्तु शास्त्रमतिमानेतद्विदां संमुदे।।, इत्यक्षयनिधानविधानकथानकं समाप्तं।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 474 **BIR960** **BI9771**
Acc. No. 634(e)/1875-76
अक्षयनिधानविधानकथा
Akṣayanidhānavidhānakathā
Folios 15a-17a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ अक्षयविधिविधानकथा लिख्यते श्रीमज्जिनेद्रंमानम्य भव्यलोकसुखप्रदं।।, एवमन्योपि यथोक्तयः समाचरिष्यति। आत्मनः ब्रतं करोति अन्यभयापि कारयति।, स तादृशं फलं लभ्यते।।एवं अक्षयनिधिविधानं समाप्तं।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 475 **BIR960** **BI9772**
Acc. No. 1099/1844-87
अजिततीर्थकरपुराण
Ajitatīrthamkarapurāṇa
12 Folios; L 7, W 32, 10 7/8 x 5 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धभ्यः।।अथ उत्तरपुराण लिख्यते। तत्रादौ अजितपुराण लिख्यते। श्रीमान्जिनोऽजितो जीयात्।।, स जयसेनो यो जित्तारातिसेनः ...देहमात्रात्मदेहः।।।।।।।।, सं. 1928 का मि. मार्ग कृ. 11 श्रु. लि. रामरत्नव्यासकी।।, Saṁvat 1928, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

476 BIR960 BI9773
Acc. No. 1135/1891-95

अजितजिनपुराण

Ajitajinapurāṇa

Arunamaṇi

23 Folios; L 15, W 48, 12 1/2 x 5 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धभ्यः॥श्री जीनाय नमः॥सर्वज्ञाय नमो नित्यं निरावरण चक्षुषे॥, पादयोस्तावदाकृष्य हृतोन्वै सुखलीकृतः। क्षिप्रं निकासितो गेहाद्विभृत्संदुपनिर्मितं।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

477 BIR960 BI9774
Acc. No. 1335(r)/1891-95

अनन्तव्रतकथा

Anantavratākathā

Śrutasāgara

Folios 65b-73a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, विद्यानंदप्रदं पूज्यपादं नत्वा जिनेश्वरं। कथां रत्नत्रयस्याहं वक्ष्ये श्रेयोनिधेः सतां॥११॥, सूरिदेवेन्द्रकीर्ति ...शंक्रियाहः॥१४७१॥, इत्यनंतव्रतकथा ब्रह्मश्रीश्रुतसागरविरचिता संपूर्ण॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

478 BIR960 BI9775
Acc. No. 992(2)/1887-91

अनन्तव्रतविधानकथा

Anantavratavidhānakathā

Folios 19a-21a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्री॥सिद्धिः॥वृषभादिजिनं नत्वा। वंदित्वा गुरुगौतमं॥, श्रीमत्त्वोडशसे स्वर्गं देवो प्राप्तः। अणंतविधानं पुरुषो वा स्ती वा यः कोऽपि करोति स ईदृग्विधं फलं प्रोप्नोति॥, इत्यनंतव्रतविधानकथा समाप्तः छ छ श्रीः शुभं भवतु कल्याणमस्तु॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

479 BIR960 BI9776
Acc. No. 1122(b)/1884-87

अशोकरोहिणीवृत्त

Aśokarohiṇīvṛtta

Śrutasāgara

Folios 4a-5b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, नत्वा पंच गुरुन् विद्यानंतस्वात्मसंपदं अशोकरोहिणी वृत्तं सिद्धये कथयाम्यहं॥, अशोकरोहिणीयुक्तं.... विद्यादिनंदी गुरुः॥, इति श्रीसूरिश्रीश्रुतसागरेणविरचिता असोकरोहिणीकथा समाप्ताः॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

480 BIR960 BI9777
Acc. No. 86/1898-99

अष्टाहिककथा

Aṣṭāhikakathā

Surendrakīrti

5 Folios; L 13, W 45, 12 1/2 x 8 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। श्रीमंतं वर्द्धमानेशं नत्वा कुर्वे समसतः रुजुशब्दैः सिद्धचक्रं कथां बालावबोधये १॥, सवाई जयाद्ये पुरे पार्श्वनाथनिशांते कृता धीधरैः शोधनीयाः सुधांश्रुग्निसिद्धीदुमाव्दे नभस्यार्जुनीपंचमीशुकवारं च सेयं॥, इति श्री भट्टारकसुरेन्द्रकीर्तिकृताष्टाहिककथा॥नूतना पूर्ण सम्वत् 1866 का पोषमासे शुक्लपक्षे तिथौ 5 बुद्धवासरे॥, Saṁvat 1953, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

481 BIR960 BI9778
Acc. No. 469/1884-86

अष्टाहिककथा

Aṣṭāhikakathā

Harīṣeṇa

12 Folios; L 11, W 40, 11 1/2 x 5 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, तं ये श्रयंते। श्रुतिजलनिधिजातां संपदं ते लभते। 78॥, नंदत्विदं शास्त्रमनल्पकालं म ... विदुषां प्रवेकैः॥, इति श्रीहरिषेणकृतनंदीश्वरविधानकथा समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 482 **BIR960** **BI9779**
Acc. No. 1137/1891-95
अष्टाह्निकव्रताख्यान
Aṣṭāhnikavratākhyāna
Harīṣeṇa
4 Folios; L 25, W 50, 14 1/2 x 10,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः
सिद्धेभ्यः॥त्रैलोक्याधिपतीन्नत्वा॥, इति
द्विजयकालोऽस्य क्षमस्व सर्वज्ञ मुखाब्जजातो॥,
इति श्रीहरिषेणकृतनन्दीश्वरविधानकथा समाप्ता॥,
MFL, New Delhi, IGNCa,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 483 **BIR960** **BI9780**
Acc. No. 1335(m)/1891-95
आकाशपञ्चमीव्रतकथा
Ākāśapañcamīvratakathā
Folios 47a-51b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, सुतं
नाभेर्यशस्वत्याः पतिं भरतसद्गुरुं आकाशपंचमीवक्ष्ये
नत्वा लोकत्रयप्रभुं॥1॥, संतश्चातकवत् पिवंतु
जगतामेनी निदाघक्षयं भव्यानां वितरंतु
पंचगुरुश्वेतोमुदं संपदं॥, इति
आकाशपंचमीव्रतकथा समाप्ता॥, MFL, New
Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 484 **BIR960** **BI9781**
Acc. No. 434(j)/1875-76
आकाशपञ्चमीव्रतकथा
Ākāśapañcamīvratakathā
Folios 26a-28a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, ये
सम्यत्कंत्वतत्यजं लकादिचिष्टैः। यांयंते कर्मबंधन
मुक्ता शुद्धं त्रिधात... , इत्याकासपंचमीव्रतफलकथा
समाप्ता, MFL, New Delhi, IGNCa,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 485 **BIR960** **BI9782**
Acc. No. 992(25)/1887-91
- आदित्यवाराद्यंतकथा**
Āditavārādyamtakathā
Folios 50a-52a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, ओंम नमः
सिद्धेभ्यः आदिअंत जिन वंदवि सारदधरवि मने गुरु
निगंथ ति पनवि विसावइ भनइ, संजोडो पुन ही
रविवउ दिठु धरही भवियन अतिसे पेषउ ते पुन मन
करही सग्ग मोखु ते पावहि निहि चे सिउ करही, इति
आदितवार आदिअंतकथा समाप्ता॥श्रीरस्तु॥,
MFL, New Delhi, IGNCa,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 486 **BIR960** **BI9783**
Acc. No. 1335(b)/1891-95
आदित्यव्रतकथा
Ādityavratākathā
Śrutasaḡara
Folios 5a-12a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete,
श्रीविद्यानंदिगुरुभ्यो नमो नमः। प्रणम्य शिरसाहृतं
सिद्धं त्रैलोक्यमंगलं... बुवे॥1॥,
गुरोरनुज्ञामधिगम्य... श्रुतसागरः श्रिये॥66॥,
इत्यादित्यव्रतकथा समाप्ता॥, MFL, New
Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 487 **BIR960** **BI9784**
Acc. No. 265/A 1883-84
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti Bhaṭṭaraka
137 Folios; L 13, W 40, 12 x 6 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमो वीतरागाय। श्रीमंतं
त्रिजगन्नाथमादितीर्थकरं परं॥फणींद्रिनरेंद्राऽर्च्य
वंदेऽनंतगुणाऽर्णवं॥1॥, अष्टाविंशाधिका भो
षड्त्वारिंशच्छतप्रमाः... पिंडिता बुधैः॥183॥,
इति श्रीभट्टारक श्रीसकलकीर्ति विरचिते श्री
आदिपुराण वृषभनाथ निर्वाणगमनवर्णनो नाम
विंशः सर्गः॥, Saṁvat 1881, MFL, New
Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 488 **BIR961** **BI9785**
Acc. No. 1404/1886-92
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
184 Folios; L 11, W 38, 10 7/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः॥श्रीमंतं
विजगन्नाथ॥, विश्वग्र्यं विश्ववद्यं ... श्लोकाः
पिंडीकृता बुधैः॥, इति श्रीवृषभनाथचरित्रे
भट्टारकश्रीसकलकीर्त्तिविरचिते
वृषभनाथनिर्वाणगमनवर्णनो नाम विंशः सर्गः॥,
Samvat 1711, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 489 **BIR961** **BI9786**
Acc. No. 1127/1884-87
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
256 Folios; L 10, W 30, 10 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः परमेष्ठिभ्यः श्रीमंतं
त्रिजगन्नाथ॥, इति श्रीवृषभनाथचरित्रे
भट्टारकश्रीसकलकीर्त्तिविरचिते भगवंतं निर्वाणगमनो
नाम विंशतिमो सर्गः॥, माडा कास णी साहुजी
श्रीघराजजी तत्सुत साहजी श्रीसुपसजी इदं आदिपू
गण लघुलीषाप्तं संवत् 1881 कामीति काति वदि 11
सोमवारलिषितं जती मोतीचंदपार्श्वचंदगच्छे॥,
Samvat 1881, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 490 **BIR961** **BI9787**
Acc. No. 555/1884-86
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
256 Folios; L 9, W 30, Folio 10-22 are
missing in the middle, 10 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
- Complete, ओंम नमः परमेष्ठिभ्यः श्रीमंतं
त्रिजगन्नाथ॥, इति श्रीवृषभनाथचरित्रे
भट्टारकश्रीसकलकीर्त्तिविरचिते भगवंतं निर्वाणगमनो
नाम विंशतिमो सर्गः॥, संवत् 1866 वर,
आसोजमासे शुक्लपक्षे तृतीयायां 3 तिथौ गुरुवासरे
मिदं लिषतं माहात्मा संभुराम सवाई जयपुर॥,
Samvat 1866, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 491 **BIR962** **BI9788**
Acc. No. 1418/1891-95
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
184 Folios; L 11, W 38, 12 x 6, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
श्रीगणेशाय नमः॥ ओं नमः पंचपरमेष्ठिभ्यः॥,
विस्वाग्र्यं स्ववद्यं श्लोका पिंडीकृता बुधैः॥, इति
श्रीवृषभनाथचरित्रे भट्टार्कश्रीसकलकीर्त्तिविरचिते
भगवंतं निर्वाणगमनो नाम विंशतिमो सर्गः सूर्णण
समाप्तमिति॥शुभे शुक्लपक्षे नवमी चंद्रवासरे॥,
Samvat 1874, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 492 **BIR962** **BI9789**
Acc. No. 570/1875-76
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
234 Folios; L 10, W 32, 10 1/2 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमो परमेष्ठिभ्योः श्रीमंतं
त्रिजगन्नाथमादितीर्थकरं परं॥, विश्वग्र्यं विश्ववद्यं...
श्लोकाः पिंडीकृता बुधैः॥, इति श्रीवृषभनाथचरित्रे
भट्टार्कश्रीसकलकीर्त्तिविरचिते भगवंतं निर्वाणगमनो
नाम विंशतिमो सर्गः सूर्णण समाप्तं छ॥निवारे
मिदं लिषतं॥, Samvat 1840, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 493 **BIR962** **BI9790**
Acc. No. 1141/1891-95
आराधनाकथाकोश
Ārāadhanākathākośa
Brahma
214 Folios; L 12, W 34, 10 1/2 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो सिद्धेभ्यो नमः अथ
आराधनाकथाकोश लिख्यते।
श्रीमद्भगवद्गीतासद्धानु।।लोकालोकप्रकाशकान्।।आ
राधनाकथाकोशं।।वक्ष्ये नत्वा जिनेश्वरान्।।,
भव्यानां वरशांतिकांतिलिलसत्कीर्तिः प्रमोदः श्रियं
कुर्युः संरचिता विशुद्धशुभदाः श्रीनेमिदत्तेन वै।।,
इति श्रीकथाकोशे भट्टारकमल्लिभूषणशिष्य
ब्रह्मनेमिदत्त विरचिते
श्रीजिनपादपूजाफलश्रुतकथावर्णनायां चतुर्थः
परिच्छेदः समाप्तः ग्रंथाग्र संख्या।।, Samvat
1957, MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 494 **BIR963** **BI9791**
Acc. No. 699/1899-1915
आराधनाकथाकोश
Ārāadhanākathākośa
28 Folios; L 22, W 24, 7 5/8 x 11 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, ओं नमः
सिद्धेभ्यः।।श्रीमद्भगवद्गीतासद्धानुल्लोकालोकप्रकाशका
न् आराधनाकथाकोशं वक्ष्ये नत्वा जिनेश्वरान्।।,
तच्छ्रुत्वा मंत्रिणः प्राहुर्दृष्टास्ते भूपतिं प्रति देवोद्याने
समायाता नित्यानग्नादिगंबराः।।तत्र प्रयति
लोकोऽयं तदाकर्ण्य नृपो वक्ष तान् द्रष्टुं वयमप्युच्चै
र्गर्गच्छामः।।, MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 495 **BIR963** **BI9792**
Acc. No. 1406/1886-92
आराधनाकथाकोश
Ārāadhanākathākośa
Brahma Nemidatta
101 Folios; L 7, W 27, 10 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो सिद्धेभ्यः
श्रीमद्भगवद्गीतासद्धानुल्लोकालोक।।, तच्छ्रुत्वा
मंत्रिणः प्राहुर्दृष्टास्ते भूपतिं प्रति देवोद्याने समायाता
नित्यानग्ना दिगंबराः।।, MFL, New Delhi,
IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।।श्रीमद्भगवद्गीतासद्धानुल्लोकालोक... ।।, इतिश्रीकथाकोशे
श्रीजिनभक्तिः पद्मरथमहाराजस्य षष्टांतकथा
समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 496 **BIR963** **BI9793**
Acc. No. 583/1884-86
आराधनाकथाकोश
Ārāadhanākathākośa
55 Folios; L 15, W 44, 10 1/2 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ते तावच्छ्रुतिसुखमनोभिराम
...व्याकोशस्व.।।, कुटुंबमनुज्ञाप्येति ... त्यजंति।,
MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 497 **BIR963** **BI9794**
Acc. No. 705/1875-76
आराधनाकथाकोश
Ārāadhanākathākośa
123 Folios; L 15, W 44, 11 1/8 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः
सिद्धेभ्यः।।श्रीमद्भगवद्गीतासद्धानुल्लोकालोक ...।।,
जातः श्रीमति मूलसंघतिलके
श्रीभट्टारकमल्लिभूषणगुरुभू।।, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 498 **BIR963** **BI9795**
Acc. No. 699/1899-1915
आराधनाकथाकोश
Ārāadhanākathākośa
28 Folios; L 22, W 21, 7 1/2 x 11 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो सिद्धेभ्यः
श्रीमद्भगवद्गीतासद्धानुल्लोकालोक।।, तच्छ्रुत्वा
मंत्रिणः प्राहुर्दृष्टास्ते भूपतिं प्रति देवोद्याने समायाता
नित्यानग्ना दिगंबराः।।, MFL, New Delhi,
IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 499 **BIR963** **BI9796**
Acc. No. 471/1884-86
आराधनाकथाकोश
Ārādhānākathākośa
244 Folios; L 10, W 30, 10 1/2 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः
श्रीमद्भगवद्गीतासद्भानुलोकालोकः॥, जातः श्रीमति
मूलसंघतिलके ..., इति कथाकोशे भट्टारक-
मल्लिसंपूर्णशिष्यब्रह्मनेमिदत्तविरचिते श्रीजिनपाद
पूजाफलदृष्टांत कथावर्णानायां चतुर्थः परिच्छेदः
समाप्ताः॥ संवत् 1854 मिति श्रावणवदि 8 सोमवार
लिख्यतं माहात्मा सुपदेव जैयपुर मध्ये॥,
Samvat 1854, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 500 **BIR964** **BI9797**
Acc. No. 472/1884-86
आराधनाकथाकोश
Ārādhānākathākośa
176 Folios; L 15, W 32, 11 x 6 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगणेशाय
नमः॥श्रीमद्भगवद्गीतासद्भानुलोकालोकः॥, जातः
श्रीमति मूलसंघतिलकः..., इति कथाकोशे
भट्टारकश्रीमल्लिभूषणशिष्यब्रह्मनेमिदत्तविरचिते
श्रीजिनपदपूजाफलदृष्टांतकथावर्णानायां चतुर्थः
परिच्छेदः समाप्ता इत्याराधनाकथाकोश ग्रंथ
समाप्तमिति श्री संवत् 1909 का मिति चेत वदि 8
शुक्रवार शुभं भूयात् श्री श्री श्री॥, Samvat
1909, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 501 **BIR964** **BI9798**
Acc. No. 1405/1886-92
आराधनाकथाकोश
Ārādhānākathākośa
234 Folios; L 9, W 28, 10 1/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम सिद्धिशीवीतरागाय
नमः॥श्रीमद्भगवद्गीतासद्भानुलोकालोकः॥, जातः
श्रीमति मूलसंघतिलके ... श्रीनेमिदत्तेन वै॥, इति
कथाकोशेभट्टारक श्रीमल्लिभूषणशिष्यब्रह्मनेमिदत्तविरचिते
- 502 **BIR965** **BI9799**
Acc. No. 1142/1891-95
आराधनाकथाकोश
Ārādhānākathākośa
24 Folios; L 14, W 32, 11 1/8 x 8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः
श्रीमद्भगवद्गीतासद्भानुलोकालोकः॥, इति कथाकोशे
निर्वचिकित्सांगे श्रीमदुद्दामनप्रभुमुक्तिप्राप्तश्रेति कथा
समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 503 **BIR965** **BI9800**
Acc. No. 634(g)/1875-76
एकावलीव्रतकथा
Ekāvalīvratakathā
Folios 18b-20a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, अथ
एकावलीव्रतकथालिख्यतं॥श्रीवीरं जिनमानम्य
...सुखार्णवे॥१॥, निरुपरगुणयुक्ता
विश्वतत्वप्रदीपान्॥लिखिलज्येष्ठन्मोक्षदानैकदक्षान्।
चविगतनिखुलदोषं तीर्थनाथान् जिनेद्रान्॥, इति
श्रीएकावलीव्रतकथा समाप्ता॥, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 504 **BIR965** **BI9801**
Acc. No. 1324/1891-95
कथाकोश
Kathākośa
70 Folios; L 17, W 40, 10 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, धर्मस्थानं महाश्रु वीक्ष्य सुगुरोः
श्रुत्वा च धर्म कचित् बोधं याति ... आर्य देशद्वारे॥,
ध्वजारोपणे। 41वैद्येः सजलैः शिवाध्वसुषुषुदं स्पष्टं
समं शंबलं॥, धूपोनोंर्द्धगतिः संगंधित दिशावासन
शुभं यशः॥, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 505 **BIR965** **BI9802**
Acc. No. 926/1892-95
कर्णामृतपुराण
Kṛṇāmṛtapurāṇa
Keśava Sena
125 Folios; L 13, W 36, 12 x 5 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः
सिद्धेभ्यः॥लीलावासमलक्षं च
...पावनशासनं॥1111, नृपभट्टारकाचार्य पदं दत्तं च
दक्षिणे यस्य स कृष्णसेनारख्या
कविनाथोऽजयत्परं॥,
श्रीकर्णदेवातिशयनोमिनिर्वाणवर्णनं नामः
चतुर्माशतितमः स्कंधः समाप्तः॥संवच्छरे
वेदयुग्मवस्विदुयुते 1824 वैशापमासे शुक्लपक्षे
अक्षतृतीयायां तिथौ शुक्रवासरे सवाईकजयपुरे
महाराजाधिराज महाराजा
श्रीसवाईमाधवासिंहराज्ये कुदकुंदाचार्यन्वये॥,
Sāmvat 1824, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 506 **BIR965** **BI9803**
Acc. No. 634(O)/1875-76
कवलचन्द्रायनकथा
Kavalacandrāyanakathā
Folios 41a-41b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, अथ
कवलचंद्रायणकथा लिष्यते॥श्रीपरमात्मने
नमः॥अथ जंबू द्वीपे वेष्टितो द्वीपसागरे
चैत्यचैत्यालयोकीर्त्त कीर्त्तभ्यो नमाम्यहं॥, इति
श्रीकवलचंद्रायणकथा समाप्ता॥, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 507 **BIR965** **BI9804**
Acc. No. 482/1884-86
क्षत्रचूडामणि
Kṣatracūdāmaṇi
31 Folios; L 11, W 35, 10 3/4 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः श्रीपतिर्भगवान्
पुष्याद् भक्तानां वः समीहितं
- 508 **BIR965** **BI9805**
Acc. No. 1047/1884-87
क्षत्रचूडामणि
Kṣatracūdāmaṇi
33 Folios; L 11, W 32, 10 1/2 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः पंचगुरुभ्यो
नमः॥श्रीपतिर्भगवान् पुष्याद्भक्तानां वः
समीहितं॥, इति श्रीमद्वादीभसिंहसूरिविरचिते
क्षत्रचूडामणौ मुक्तिश्रीलंभ नाम एकादशो
लंभः॥छ॥, इति क्षत्रचूडामणिग्रंथः
संपूर्ण॥छ॥ग्रंथाग्रं 760॥छ॥शुभं भतु मंगलं
छ॥श्री छ श्री॥संवत् 1537 वर्षे छ॥, Sāmvat
1537, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 509 **BIR965** **BI9807**
Acc. No. 634(a)/1875-76
चन्दनषष्टिका
Candanaṣṣṭikā
Śrutasāgara
Folios 1b-8a, 12 1/4 x 5 3/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
श्रीपरमात्मने नमः॥प्रभाचंद्रं पूज्यपादं
....चंदनषष्टिकां॥1111,
सर्वज्ञशासनमहामणिमंडितेनः तस्योपदेशवशिना
श्रुतसागरेण॥, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 510 **BIR965** **BI9808**
Acc. No. 581/1875-76
चन्दनषष्टिका
Candanaṣaṣṭikā
Śrutasāgara
4 Folios; L 13, W 42, 12 3/8 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीआदिनाथाय नमः।
श्रीविद्यानंदिपादाब्जंरचयाम्यहं॥, स्वस्ति श्री
मूल संघेऽभवदमरनुतः पद्मनदी मुनीद्राः शिष्यो
देवेंद्रकीर्तिर्लसदमलतया भूरिभट्टारकेज्यः
श्रीविद्यानंदिदेवस्तदनु सनुजराजार्च्ययत्पद्मयुग्मः।
तच्छिष्येणरचीदं श्रुजाजलनिधिना
शास्त्रमानंदहेतुः॥, इति श्रीब्रह्मश्रुतसागरविरचिता
चंदनषष्टीकथा समाप्ता सं. 1788 भाद्र. शु. 2 दिने
प्रदेकेसोदासजी तच्छिष्यं पं. कृष्णदासेन श्रीसवाई
ज.पुमध्ये लिखितं॥, Saṁvat 1788, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 511 **BIR965** **BI9809**
Acc. No. 1335(h)/1891-95
चन्दनषष्टिका
Candanaṣaṣṭikā
Folios 31a-35b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, प्रभाचंद्रं पूज्यपादं।
श्रीविद्यानिर्निजिनं समंतभद्रं संस्मृत्य। वक्ष्ये
चंदनषष्टिकां॥, स्वल्पमपि
शास्त्रमेतच्छब्दार्थविरचित्रभावरचिततया उल्लोल इव
महाब्धेर्मलमंतर्जातमनयति॥, इति
ब्रह्मश्रुतसागरविरचिताचंदनषष्टीकथासमाप्ता॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 512 **BIR965** **BI9810**
Acc. No. 580/1875-76
चन्दनाचरित्र
Candanācaritra
Śubhacandra Bhaṭṭāraka
44 Folios; L 8, W 26, 10 3/4 x 4 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धभ्यः॥चकार
करुणाक्रांतः कृतिं कर्मठकर्मणः॥यस्तं केवलिनं
- कामं चेक्रियेहं कृतार्थकं॥११॥, इति
श्रीशीलविलासे चंदनाचरिते
भट्टारकश्रीशुभचंद्रिरचिते चंदनार्थं कादि
भवांतरवर्णनं नाम पंचमं पर्व॥, इति
श्रीचंदनाचरितं संपूर्णं॥संवत् 1832 का मिती
भषाढ कृष्ण 11 सुकपार लिषतं फतेचंदकाह सवाई
जयनग्रमद्धे॥शनभं भवत् कल्याणमस्तु॥श्री॥,
Saṁvat 1832, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 513 **BIR965** **BI9811**
Acc. No. 674/1875-76
चन्दनाचरित्र
Candanācaritra
21 Folios; L 14, W 40, 12 5/8 x 5 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, चकार करुणाक्रांतः कृति
कर्मठकर्मणः। यस्तं केवलिनं कामं चेकायेऽयं कामं
चेकायेऽयं कृतार्थकं॥, वागवरे वागवरे दशै
घागवरैर्विदिते क्षितौ चंदनाचरितं चके शुभचंद्रो गिरौ
पुरे॥, इति चंदनार्थकादिभवांतरवर्णनामपंचः सर्ग
सं. 1820 कार्तिक. 3 बुधवावरे लिषितोऽयं
ग्रंथः॥मह8रोठ नगरमध्ये
श्रीआदिनाथचैत्यालये॥, Saṁvat 1829,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 514 **BIR965** **BI9812**
Acc. No. 1101/1884-87
चन्दनाचरित्र
Candanācaritra
Subhacandra
34 Folios; L 10, W 33, 10 1/4 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, चकार करुणाक्रांतः, जयति
श्रीशीलविलासे चंदाचरिते
भट्टारकश्रीशुभचंद्रविरचिते
चंदनार्थकाविगवांतरवर्णनं नाम पंचमपर्व॥, इति
श्रीचंद चरित्रं संपूर्णं॥संवत् 1832 मिती पौषकृष्ण.
चतुर्दस्यां शुभं भवेत् कल्याणमस्तु॥श्री श्री श्री
श्री॥, Saṁvat 1832, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 515 **BIR965** **BI9813**
Acc. No. 659/1895-98
चन्द्रप्रभाचरित्र
Candraprabhācaritra
90 Folios; L 10, W 37, 10 5/8 x 4 5/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरवे नमः। नमिऊण
विमलकेवल्लच्छीसव्वंगदिणरिरंभं। लोयालोयपयासं
चंद्रप्पहसभियं सिरसा।।, इयं
सिरिचंद्रप्पहसामितिव्वाणगमणो नाम एयारहमो सं.
सं., इति श्रीचंद्रप्रभचरित्रं समाप्तं।।सं. 1587 शु. 13
बुधौ मूसंधे कुंदाचार्यन्वये भ.
श्रीप्रभाचंद्रदेवारतच्छिष्यमं।।श्रीधर्मचंद्रास्तदास्त्राये
खंडेलवालान्व.ये अजमेरा गोत्रे साह सोमो भार्या
सोमश्रीतयोः पुत्र सा. हीगा सा. पहरा सा भोजा
साहराजा साहषेमा हीगा भा, Samvat 1587,
MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 516 **BIR965** **BI9814**
Acc. No. 1102/1884-87
चन्द्रप्रभाचरित्र
Candraprabhācaritra
Dāmodara
280 Folios; L 9, W 23, 10 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धं।।श्रीसरस्वत्यै
नमः।।श्रियं चंद्रप्रभो नित्यां चंद्रदर्शत्रलाछनः।।,
इति श्री चद्राप्रभनिर्वाणगमवर्णनं नाम
सप्तविंशतितमः सर्गः।।, इति श्रीचंद्रप्रभचरितं
समाप्तमिदं।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 517 **BIR966** **BI9815**
Acc. No. 487/1884-86
चन्द्रप्रभाचरित्र
Candraprabhācaritra
Dāmodara
149 Folios; L 11, W 38, 11 x 5, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रियं
चंद्रप्रभो नित्यां।।, सर्वेतीर्थकरा ... संपूर्णम्।।, सं.
1875 फाल्गुन शु. 2 शुक्रवारे
- उत्तराभाद्रपदनक्षत्रे।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 518 **BIR966** **BI9816**
Acc. No. 1144/1891-95
चन्द्रप्रभाचरित्र
Candraprabhācaritra
Dāmodara
220 Folios; L 9, W 32, 11 x 5 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रियं चंद्रप्रभो नित्यां।।,
सर्वेतीर्थकरा ... संपूर्णम्।।, सप्तविंशतितमः
सर्गः।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 519 **BIR967** **BI9821**
Acc. No. 992(1)/1887-91
चूणडीयारास
Cūṇaḍīyārāsa
Folios 16a-20a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, श्रीः।।विणयं
वंदिवि पंच गुरु।।मोहमहातमतोडय।।, तिहुयण
गिरि पुरि जगिविक्खाअ सग्गकथडिणं धरणि हि
आयए।।, इति चुणडीरासकं समाप्तं।।, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 520 **BIR967** **BI9822**
Acc. No. 1420/1886-92
जम्बूस्वामिचरित्र
Jambūsvāmicaritra
Brahmacāri Jinadāsa
111 Folios; L 10, W 26, 10 x 6 5/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।
श्रीवर्द्धमानतीर्थेशं वंदे
मुक्तिवधूवरं।।कारुण्यजलधई देवं
देवाधिपनमस्कृतं।।, इति श्रीजंपूरवामिचरित्रे
विद्युच्चरमहामुनि सर्वार्थ सिद्धि मनोनामैकादशः सर्ग
संवत्।।, अनित्यानि शरीराणि विभवो नैव शाश्वतः
यौवनं जरया क्रांत आयु य ममुखे स्थित।।, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune

- 521 **BIR967** **BI9823**
Acc. No. 1419/1886-92
जम्बूस्वामिचरित्र
Jambūsvāmicaritra
Jinadāsa
66 Folios; L 14, W 35, 10 1/2 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवर्द्धमानतीर्थेश, स ब्रह्मचारी
etc upto शुभानां संति निश्चितं।।, इति
जम्बूस्वामिचरित्रे विद्च्छकमहामुनि सर्वार्थसिद्धि
गमनं नामैकादशः सर्गः।।, Saṁvat 1730,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 522 **BIR967** **BI9824**
Acc. No. 489/1884-86
जम्बूस्वामिचरित्र
Jambūsvāmicaritra
Jinadāsa
66 Folios; L 13, W 34, 12 3/8 x 5 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। अथ जम्बूचरित्र
लिख्यते श्रीवर्द्धमानतीर्थेश, इति
श्रीजम्बूस्वामिचरित्रे विद्युद्दृक्चक्रमहामिनि वार्त सिद्धि
गनम् नामैकादशः सर्गः।।, संवत् 1866 वर्षे
श्रावण दशमी दित्यवारे श्रीमूलसंधे
भट्टारकश्रीसर्वैककार्किदामनाके।।, Saṁvat
1866, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 523 **BIR968** **BI9825**
Acc. No. 1062/1891-95
जम्बूस्वामिचरित्र
Jambūsvāmicaritra
Jinadāsa
81 Folios; L 13, W 32, 12 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
- Complete, ओं नमः
सिद्धेभ्यः।। श्रीवर्द्धमानतीर्थेश, स
ब्रह्मचारी etc upto शुभानां संति निश्चितं।।,
ग्रन्थागकन्थाग्रंश्लोकसंख्या।। संवत् 1839 का वर्षे
फाल्गुनमासे कृणपथो तिथि 7 रविवासरे। ,
Saṁvat 1839, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 524 **BIR968** **BI9826**
Acc. No. 1103/1884-87
जयपुराण
Jayapurāṇa
Brahma Kāmaraja
97 Folios; L 12, W 38, 11 1/4 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः श्रीमन्त त्रिजगन्ना। थं
वृषभं नसुरार्चितं भवभीतिनिहंतारं वन्दे नित्यं
शिवाप्तये। 1।।, सकलकीर्तितपुराण
शकमनुजपतेमेदपाच्य मुख्ये, श्रीजयाके
जयमानिवि पुरुद्वजं पुराणे भक्ष श्रुपन्नदिपदेशाद
ब्रह्मका राज विरचिते पं .जीवराजसाहसत्रयोदशमः
सर्गः।।, Saṁvat 1703, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 525 **BIR968** **BI9829**
Acc. No. 490/1884-86
जिनदत्तकथासमुच्चय
Jinadattakathāsamuccaya
Guṇabhadra
45 Folios; L 11, W 26, 11 1/4 x 5 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।
महामोहतमश्छन्न, अन्ये विशुद्धमतयो etc
upto प्रीताः स्थिति तन्वयो।, इति
जिनदत्तकथासमुच्चये भगवद्गुणभद्राचार्य प्रणीते नवम
सर्गः।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 526 **BIR968** **BI9830**
Acc. No. 1046/1887-91
जिनदत्तकथासमुच्चय
Jinadattakathāsamuccaya
Guṇabhadra
66 Folios; L 8, W 30, 11 1/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः।
महामोहतमश्छन्न ..., अन्ये विशुद्धमतयो etc
upto प्रीताः स्थिति तन्वयो।, इति
जिनदत्तकथासमुच्चये भगवद्गुणभद्राचार्य प्रणीते नवम
सर्गः।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 527 **BIR968** **BI9832**
Acc. No. 634(8)/1875-76
जिनपूजापुरन्दरकथा
Jinapūjāpurandarākathā
Folios 47b-48b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 528 **BIR968** **BI9833**
Acc. No. 634(i)/1875-76
जिनपूजाफलोदयकथा
Jinapūjāphalodayakathā
Folios 21b-22b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete,
श्रीमज्जिनेन्द्रजगत्पूज्यं भारतीं भुवनोत्तमं
..जिनपूजाफलोदयं।।।।, मुक्तिं
प्रोन्ततगमंदिरपस्य सुखवासोया।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 529 **BIR968** **BI9834**
Acc. No. 1074(e)/1884-87
जिनमुखावलोकनकथा
Jinamukhāvalokanakathā
Folios 15b-17a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, अथ
पराकितकवलचंद्रायणकथा प्र. लिख्यते। तापण
- विचिराएं ... गयराए।।छ।।, जिणु ... जयउ, इति
जिन .समाप्ता।।35।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 530 **BIR968** **BI9835**
Acc. No. 1074/1884-87
जिनमुखावलोकनविधि
Jinamukhāvalokanavidhi
Folios 17a-22b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, अथ
जिनमुखावलोकनविधिः कथ्यते।।, पुनस्तौ
मगाभिष्कं पूजां च कुरुतः।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 531 **BIR969** **BI9840**
Acc. No. 1335(a)/1891-95
ज्येष्ठजिनवरव्रतोपाख्यान
Jyēṣṭhajinavaravratopākhyāna
100 Folios; L 13, W 26, 11 5/8 x 5 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो वीतरागाय नमः। .ज्येष्ठं
जिनं ...जिनव्रतमथोच्यते।।।।, पुत्रोय ... शुभदं
समस्तु।।80।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 532 **BIR969** **BI9841**
Acc. No. 1050/1887-91
तिसट्ठिमहापुरिसगुणालंकारमहापुराण
Tisaṭṭhimahāpurisaguṇālankāramahāpurāṇa
Mahākavi Puṣpadanta
478 Folios; L 8, W 32, 10 3/4 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमो वीतरागाय।
सिद्धिबहूमणपंजणु।। परमणिपंजणु।। भुवनकमलास
रेण ..., Saṃvat 1883, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 533 **BIR970** **BI9842**
Acc. No. 1106/1884-87
तिसद्विमहापुरिसगुणालंकारमहापुराण
Tisatthimahāpurisaguṇālankāramahāpurāṇa
Mahākavi Puṣpadanta
682 Folios; L 8, W 36, Folios 1a blank,,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो वीतरागाय। वंभो
वंभालयसामियहो... जिणिंदहो।, सिरिररुहहो
...समासिड।।14।।, Saṁvat 1934, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 534 **BIR971** **BI9843**
Acc. No. 288/1883-84
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयादिपुराण
Triṣaṣṭilakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayādipurāṇa
Guṇabhadra
497 Folios; L 11, W 34, 12 1/4 x 6,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो वीतरागाय ...श्रीमते
सकलज्ञानसमाम्राज्य ...संसारभीमुषे।।11, इत्यार्षे
भगवगुणभद्रकाचार्य प्रणीतेमहापुराणे संग्रहे प्रथम
चैर्थकरचक्रधरपुराणं संसारऊमुपे।।, Saṁvat
1674, MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 535 **BIR971,972** **BI9844**
Acc. No. 1147/1891-95
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयादिपुराण
Triṣaṣṭilakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayādipurāṇa
Guṇabhadra cārya
547 Folios; L 10, W 32, 12 3/8 x 5 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो सिद्धेभ्यः।।श्रीसरस्वत्यै
नमः।।श्रीजिनसेनाचार्य्यगुरुभ्यो नमः।।, यो
नामेस्तनयेपि विश्वविदुषा पूज् स्वयं
भूरिति।।त्याक्ताशोषारिग्रिहो सुविध व4मि य :श
स्यते।, इत्यार्षे भगवहुणभद्रचार्य प्रणीचे
क्षिष्टिलश्रणमहापुराणे सग्रबहं
प्रतमतीर्थकरचक्रधरपुराणे।।, Saṁvat 1820,
MFL, New Delhi, IGNC,
- Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 536 **BIR973** **BI9845**
Acc. No. 602/1875-76
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयादिपुराण
Triṣaṣṭilakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayādipurāṇa
12 Folios; L 30, 12 3/4 x 8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं
नमः सिद्धेभ्यः।।अथ तस्मिन्महाभागे ...
श्रुणुताधुना।।11।।, तत्रासीनमुपायनै कुलधने
कन्याप्रदानादिभिः।।, इत्यार्षे भगवहुणभद्रचार्य
प्रणीचे क्षिष्टिलश्रणमहापुराणे सग्रबहं
प्रतमतीर्थकरचक्रधरपुराणे।।, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 537 **BIR973** **BI9846**
Acc. No. 1148/1891-95
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयादिपुराणावचूरि
Triṣaṣṭilakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayādipurāṇāvachūri
152 Folios; L 12, W 40, 12 /2 x 5 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः आदिनाथाय।।प्रम प्रकृष्ट
ज्ञान .. मन्यमानः।।, स्वपरार्थसिद्धिं
स्वपराधीनज्ञानं ... सव्यज्ञानमितर्थः।।, इति
प्रथमतूर्थकरं चक्रधरपुराणं सप्तचत्वारिंशत्तमं पर्व
समा4त्तां।।, MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 538 **BIR973** **BI9847**
Acc. No. 1429/1886-92
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭilakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
Guṇabhadra Sūri
584 Folios; L 8, W 28, 11 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, समाप्तमिदं महापुराणं भद्र।।,
Saṁvat 1774, MFL, New Delhi,
IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 539 **BIR973** **BI9848**
Acc. No. 1429/1886-92
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
Guṇabhadra Sūri
584 Folios; L 8, W 28, 11 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। श्रीमान्
जिनोऽजितो॥, समाप्तमिदं महापुराणं भद्रं छ संवत्
1774वर्षे कार्तिके॥, सुदि 2 दिने अहिमदाबाद
समीपराजपुरे लुंबडजातीय बाइसुंदरी तेनेदंपु स्तकं
कर्पूचंद्रस्य पठनार्थं दत्तं श्रीरस्तु छ शुभं भवतु
कल्याणमस्तु ज्ञानवरण कर्मक्षयोस्तु छ श्री छ॥,
Samvat 1774, MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 540 **BIR974** **BI9849**
Acc. No. 1098/1884-87
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
415 Folios; L 10, W 32, 10 5/8 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः॥श्रीमान् जिनोऽजितो
जीयात् ..., संवत् 1557 वर्षे आषाढ कृणा
शुक्रवासरे समाप्तमगमत्॥, Samvat 1557,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 541 **BIR975** **BI9850**
Acc. No. 1399/1886-92
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
399 Folios; L 12, W 32, 10 3/8 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो वीतरागाय श्रीमान्
जिनोऽजितो जीयात् ..., इत्यादं
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसंग्रहे भगवतुणभद्राचार्य
प्रशस्ति व्यावर्णनं नाम सप्तःसमाप्तं च
महापुराणमिति॥, संवत् 1632 वर्षे मार्ग सुदि 11
एकादशीतिथौ रविवसरे उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे श्री
मूल संघे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भय
श्रीपद्मनंदिवास्तत्पट्टे भय, Samvat 1632,
- MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 542 **BIR976** **BI9851**
Acc. No. 1143/1891-95
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
367 Folios; L 12, W 30, 12 5/8 x 7 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः॥अथ
उत्तरपुराण लिख्यते॥श्रीमां जिनो जितो... , त्यार्शे
त्राटिलश्रमपुराणे ग्रहे भूगवहुण भद्राचार्यर्षणीते
प्रशसस्तिवर्णनं नाम सप्तःसमाप्तं॥,
समाप्तं॥संवत् 1930 कामासार्नमाशोत्मे मासे
जेष्टमासे शुभे शुक्लम्यां भामव4सरे म्हापुराण
माप्तम्॥, MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 543 **BIR977** **BI9852**
Acc. No. 289/1883-84
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
223 Folios; L 14, W 60, 13 1/2 x 6 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः॥श्रीमां जिनो
जिते, धर्मः कश्चिदिह etc upto
कवीन्द्रभद्राचार्यवर्यः स्वर्यः॥, इति श्रीसम्पूर्णं॥,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 544 **BIR978** **BI9853**
Acc. No. 1100/1884-87
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रहयुत्तरपुराण
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa
Guṇabhadra
97 Folios; L 10, W 32, 11 1/4 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। वर्धमानो जिनः
श्रीमान्नामान्वर्थसमुद्गहन्॥, सहस्राणां पुराणस्य
व्याख्यातृश्रोतृलेखकेः॥, Samvat 1646,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 545 **BIR978** **BI9863**
Acc. No. 1109/1884-87
श्रीधन्यकुमारचरित
Śrīdhanyakumāracarita
Bhaṭṭaraka Sakalakīrti
35 Folios; L 11, W 36, 11 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीसर्वज्ञाय नमः। नमः श्रीवर्द्धमानाय पंचकल्याणभागिने।।, इति धन्यकुमारतप सर्वार्थसिद्धिगमनवर्णनो नाम सप्तमोऽधिकारः।।, इति श्रीधन्यचरित्रं संपूर्ण।।, Saṁvat 1876, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 546 **BIR979** **BI9864**
Acc. No. 1190/1891-95
धन्यकुमारचरित
Dhanyakumāracarita
Sakalakīrti
40 Folios; L 15, W 24, 10 7/8 x 6 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।।नमः श्रीवर्द्धमानाय।।, एतत्सारतरं सप्तमोऽधि. चैत्रव।।श्रीमूलसंघे कुदंदाचार्यन्यर्य भ. श्री 108 श्री विजयकीर्तिनी त. भ. श्री 108 त्रिलोकेंद्रकीर्तिजी तच्छिष्य आचार्य श्रीदेवेंद्रकीर्तिनिर्लिपीकृतं सूर्यिअंजनग्राममद्ये श्रीनेमिनाथस्वामि चैत्यालये बृहस्पतिवारे।।, Saṁvat 1839, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 547 **BIR979** **BI9865**
Acc. No. 1110/1884-87
धन्यकुमारचरित
Dhanyakumāracarita
Brahma Nemidatta
26 Folios; L 9, W 32, 10 1/4 x 6 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमो वीतरागाय।।श्रीमंतं तं जिनं नत्वा केलवज्ञानलोचनं।।, श्रीभट्टारकमल्लिभूषणगुरुर्जीयात्सतां भूतले।।, इति विरचितं धन्यकुमारमहामुनिसर्वार्थसिद्धिगमनवर्णनो
- नाम पंचमः संधिः।, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 548 **BIR979** **BI9866**
Acc. No. 1432/1886-92
धन्यकुमारचरित
Dhanyakumāracarita
Brahma Nemidatta
19 Folios; L 10, W 30, 10 5/8 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीमंगलमूर्तये नमः।।श्रीमंतं तं जिनं नत्वा।।, ते सर्वे शालिभद्राद्याः। नाम पंचमोऽधिकारः संपूर्णः।।श्रीरस्तु।।, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 549 **BIR979** **BI9867**
Acc. No. 1627/1891-95
धन्यकुमारचरित
Dhanyakumāracarita
Brahma Nemidatta
67 Folios; L 9, W 32, 11 1/8 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, इक जास सुधासमसारो धनायकुमार तणूं विरतंत कहुं सुणतौ अथ पुंजनिवारौ।।, दोहा-इह निचोर इस ग्रंथको इहो सरमको सूर सुधातमलौ लाइसे मिटै करमअंकर।।, इति श्रीधन्यकुमारचरित्रे भ. श्रीमल्लिभूषणशिष्यब्रह्मनेमदत्तविरचिते वाहगि अनुसारपुस्त्यालकृतभाषा विषै धन्यकुमार अहमिद्रपदप्राप्त कथनसंधि पंचमी सं.।।, Saṁvat 1932, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 550 **BIR980** **BI9871**
Acc. No. 1435(a)/1886-92
धर्मशर्माभ्युदय
Dharmaśarmābhyudaya
56 Folios; L 17, W 52, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमो वीतरागाय श्रीनामिसुनो... , MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 551 **BIR980** **BI9872**
Acc. No. 801(b)/1895-1902
धर्मशर्माभ्युदयटिप्पणक
Dharmaśarmābhyudayaṭippanaka
Folios 48b-56b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमो वीतरागाय। श्रष्टा दधात्येव महानदीनां महानदीनां शिखरोन्नतिं यः॥, धर्मः कश्चिदिह etc upto कवीन्द्रभद्राचार्यवर्यः स्वर्यः॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 552 **BIR980** **BI9873**
Acc. No. 1435(b)/1886-92
धर्मशर्माभ्युदयटिप्पणक
Dharmaśarmābhyudayaṭippanaka
Yaśahkīrti
8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रष्टा दधात्येत... , धर्मकतपरं etc as in above upto टिप्पणकं समाप्तं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 553 **BIR980** **BI9874**
Acc. No. 634(h)/1875-76
नक्षत्रावलीव्रतकथा
Nakṣatrāvalīvratakathā
Folios 20a-21b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ नक्षत्रावली कथा लिख्यतेदं चतुर्विंशतितीर्थशान् ...वितान्॥११॥, इति नक्षत्रावली कथा समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 554 **BIR980** **BI9875**
Acc. No. 312/1883-84
नन्दीश्वरकथा
Nandīśvarakathā
- 555 **BIR980** **BI9876**
Acc. No. 634(k)/1875-76
नन्दीश्वरविधानकथा
Nandīśvaravidhānakathā
Folios 45b-47b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ अठाहीनन्दीस्वरकथा लिख्यते।।पांतु श्रीपादपद्मानि, यः व्याख्यानं करोति श्रणोति श्रद्धानं करोति।।तस्य महापुण्यं भवति।।, इति श्रीनन्दीस्वरविधानकथा समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 556 **BIR980** **BI9878**
Acc. No. 520/1884-86
निर्दुःखसप्तमीकथा
Nirduḥkhasaptamīkathā
Śrutasāgara
2 Folios; L 13, W 38, 8 5/8 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ निर्दुःखसप्तमीकथा लिख्यते।। विद्यानंदं ... कथां निर्दुःखसप्तमीं॥११॥, श्रुचिविधिमिमसेप द्योतयामास शिष्यः॥, इति निर्दुःखसप्तमीकथा समाप्ता॥, Sarvat 1884, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 557 **BIR980** **BI9879** 560 **BIR986** **BI9898**
 Acc. No. 634(c)/1875-76 Acc. No. 1457/1891-95
निर्दुःखसप्तमीकथा **पार्श्वनाथचरित्र**
Nirduḥkhasaptamīkathā **Pārśvanāthacaritra**
Brahmarāya **Bhaṭṭāraka Vādicandra**
 Folios 43b-45b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ 82 Folios; L 9, W 29, 11 3/8 x 5 1/4,
 निदूषीसातैककथा लिष्यते।।स्वांसी.. रदेष।।।।, जिणापुराण मांही जिम सुणी तिहि विधि चिदानंदं सुखानंदं
 ब्रह्मरायमलभणी।।, इति निदूषीसातैककथा वीर्यानंदमगोचरं।।, पंचदशशतान्यत्र ज्ञेयाः श्लोकाः
 समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research सुलेखकैः।।, इति पार्श्वनाथनिर्वाणगमनो नाम
 Institute, Pune सप्तमः सर्गः।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 558 **BIR980** **BI9880** 561 **BIR986** **BI9899**
 Acc. No. 992(12)/1887-91 Acc. No. 532/1884-86
नेमिनाथचातुर्मास **पार्श्वनाथपुराण**
Nemināthacāturmāsa **Pārśvanāthapurāṇa**
Ratnakīrti 38 Folios; L 9, W 32, 10 7/8 x 5 3/8,
 Folios 59b-60b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, सषी श्रावरे लगन Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 पठानि जात आवि पादव तण्णी रे।, श्रीरत्नकीर्तिचा Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।।चिदानंदं
 स्वाम सेवु नवि निधि तस्य मिदिरे।।, इति श्रीभगवत्पार्श्वनाथपुराणे सुखानंदं ..., बद्धा तीर्थकृतः पदं पुनरभूत्वस्वर्गं सुरः
 नेमिनाथच्यरिमास समाप्त।।, MFL, New भट्टारकश्रीप्रभाचंद्रानुचरसूरिश्रीबावाचिदचंद्रविरचिते शं कियात्।।, इति
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental तीर्थकरनामोपार्जनो नाम चतुर्थः सर्गः।।, MFL, New
 Research Institute, Pune Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 559 **BIR980** **BI9881** 562 **BIR986** **BI9900**
 Acc. No. 622/1875-76 Acc. No. 636/1875-76
नेमिनाथपुराण **पार्श्वनाथपुराण**
Nemināthapurāṇa **Pārśvanāthapurāṇa**
Brahma Nemidatta 104 Folios; L 10, W 36, 11 1/4 x 5,
 402 Folios; L 5, W 32, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः श्रीमन्नेमिजिनं Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 नत्वा लोकालोकप्रकाशक।।, त्व स्तुवे भास्करं Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः श्रीमन्नेमिजिनं
 नेमिनाथकं।।, श्रीमतं कहवा सोमावंत श्रीनेमिनाथजिनप्रतई नमानै केहवाछे नेमनाथ चिरंजीनंदलापठनार्थम् लिषतं जोसी दुरगापुरामध्ये
 लोक।।, Saṃvat 1782, MFL, New राज्य ... संवत् 1843 वर्षे आसाढ चपदियै सोमवासरे समाप्ति।।, Saṃvat 1843, MFL,
 Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 563 **BIR986** **BI9901**
Acc. No. 964/1892-95
पुण्यचन्द्रोदयमुनिसुव्रतपुराण
Puṇyacandrodayamunisuvratapurāṇa
Kṛṣṇadāsa
167 Folios; L 9, W 35, 11 3/5 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवीतरागाय
नमः।। देवेन्द्रार्चितसत्पादपंकजं प्रणमाम्यहं।।,
देवतानिकरसेविपादश्रीवृषभेशविगुणप्रसादात्
कोमलेन मनसां कृत एष ग्रंथ एव विदुषां हृदि
हारः।।, Saṁvat 1851, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 564 **BIR986** **BI9905**
Acc. No. 1335(i)/1891-95
पुष्पाञ्जलिब्रतकथा
Puṣpāñjalivratākathā
Śrutasāgara
Folios 44a-47a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete,
कवीन्द्रसकलंकाख्यं विद्यानंदं जिनेश्वरं।।, सद्देव
श्रुतसागरः शुभमुपाख्यानां स्तुतस्तार्किकैः।।, इति
पुष्पांजलिब्रतकथा समाप्ता।।, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 565 **BIR987** **BI9912**
Acc. No. 677/1895-98
प्रीतिकरचरित्र
Prītimkaracaritra
Brahma Nemidatta
19 Folios; L 15, W 33, 10 1/8 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवीतरागाय नमः। नत्वा
श्रीमज्जिनाधीशं... प्रीतिदं सदां।।।।, इति
श्रीप्रीतिकरमहामुनिनिर्वाणगमनव्यावण्णनो नाम
तृतीयोधिकारः।।, Saṁvat 1645, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 566 **BIR987** **BI9913**
Acc. No. 541/1884-85
- 567 **BIR987** **BI9914**
Acc. No. 648/1875-76
भद्रबाहुचरित्र
Bhadrabāhucaritra
Ratnanandin
18 Folios; L 12, W 40, 12 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सद्बोधभानुना भित्वा
.....क्रियात्।।।।, भद्रतोश्चरितं वक्तुं शक्यते
लेपपधिया कथां तथा प्यक्सर दब्धं
हीरोकार्योपरधतः।।, इति श्वेतावरमतोसआमली स
त्वर्णनो नाम चतुर्थोधि।।, Saṁvat 1766,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 568 **BIR987** **BI9915**
Acc. No. 647/1875-76
भद्रबाहुचरित्र
Bhadrabāhucaritra
Ratnanandin
27 Folios; L 9, W 34, 12 1/8 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सद्बोधभानुना, भद्रदोश्चरितम
etc as in the the above upto इति
चतुर्थोधिकार समाप्ता।।, मिति पोस वदि 8 संब
1887 दसजजैचन्दसाडकासि।।, Saṁvat
1987, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 568 **BIR987** **BI9915**
Acc. No. 647/1875-76
भद्रबाहुचरित्र
Bhadrabāhucaritra
Ratnanandin
40 Folios; L 8, W 27, 9 3/4 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सद्बोधभानुना...., भद्रदोश्चरितम
etc as in the the above upto इति
चतुर्थोधिकार समाप्ता।।, संवत् 1616 वर्षे
भादवावदि 11 शुद्धदिने।।, Saṁvat 1616,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 569 **BIR987** **BI9916** 572 **BIR988** **BI9919**
 Acc. No. 962/1892-95 Acc. No. 576/1895-98
- भद्रबाहुचरित्र**
Bhadrabāhucaritra
Ratnanandin
 31 Folios; L 10, W 27, 10 1/2 x 4 7/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, सद्बोधभानुना... , भद्रदोश्चरितम etc
 as in the the above upto इति चतुर्थोधिकार
 समाप्ता।।, स्वाति श्रीवत् 1646 वर्यथे ज्येष्ठमासे
 कृणपक्षे अष्टम्यां तिथौ अर्कवासरे पुनर्वसुनमक्षज्ञे
 शुभं नाम योग्।।, Saṁvat 1646, MFL,
 New Delhi, IGNC A, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- भविष्यदत्तकथा**
Bhaviṣyadattakathā
Dhanapāla
 84 Folios; L 14, W 45, 10 3/4 x 4 3/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं। सिद्धि। नमो
 वीतरागाय।। जिणपतारणि सानु,
 भविसतितरदामि फ.डिदमत्थकाममो खाये।।,
 सन्धि।।छ।।इति धनपालकृत पंचमीभविश्यदत्तस्य
 समाप्त।, MFL, New Delhi, IGNC A,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 570 **BIR988** **BI9917** 573 **BIR988** **BI9920**
 Acc. No. 272/A 1883-84 Acc. No. 542/1884-86
- भद्रबाहुचरित्र**
Bhadrabāhucaritra
Ratnanandin
 22 Folios; L 11, W 39, 11 5/8 x 4 7/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, सद्बोधभानुना ..., भद्रदोश्चरितम etc
 as in the the above upto इति चतुर्थोधिकार
 समाप्ता।।, सं. 1717 माघ व. मंगलवारे पूर्णकृतं
 आचार्यश्रेणकतीर्कतीनि श्वा नामध्ये।।, Saṁvat
 1797, MFL, New Delhi, IGNC A,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- भविष्यदत्तचरित्र**
Bhaviṣyadattacaritra
Śrīdhara
 35 Folios; L 15, W 57, Folio 1b blank,
 10 3/8 x 4 1/8, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, ओं नमः। श्रीमन्तं
 त्रिजगन्नाथं नमामि वृषभं जिनं ... पादपद्मद्वयी
 नता।।1।।, ते भवति बललश्रणयुद्ध
 श्रीधरामलशुखा जनुख्या।।, इति
 श्रीभविश्यदत्तचरिते विवुधश्रीघर विपचिते
 साधुलक्ष्मणनामां किते पंतगश सर्गः।।, Saṁvat
 1827, MFL, New Delhi, IGNC A,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 571 **BIR988** **BI9918** 574 **BIR988** **BI9921**
 Acc. No. 1462/1886-92 Acc. No. 1199/1891-95
- भद्रबाहुचरित्र**
Bhadrabāhucaritra
Ratnanandin
 29 Folios; L 11, W 27, 8 3/4 x 4 5/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, सद्बोधभानुना ..., भद्रदोश्चरितम etc
 as in the the above upto इति चतुर्थोधिकार
 समाप्ता।।, संवत् 1836 चैत्रसितष्टम. गुरुवारे लि
 पंडित वासीरामजीवणराम पांचवाममध्ये श्रीर, तु।।,
 Saṁvat 1836, MFL, New Delhi,
 IGNC A, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- भविष्यदत्तचरित्र**
Bhaviṣyadattacaritra
Śrīdhara
 52 Folios; L 12, W 44, 11 1/2 x 5 1/2,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्रीमन्तं त्रिजगन्नाथं।।, चन्द्रप्रभस्य
 जगतामधिपस्य तीर्थे।।, इति श्रीभविश्यदत्तचरिते
 विवुधश्रीघर विपचिते साधुलक्ष्मणनामां किते
 पंतगश सर्गः।।, Saṁvat 1717, MFL, New
 Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune

575 BIR988 BI9922
Acc. No. 1117/1884-87

भविष्यदत्तचरित्र

Bhaviṣyadattacaritra

Śrīdhara

66 Folios; L 9, W 36, 10 7/8 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नम जिनेभ्यः श्रीमन्तं त्रिजन्नाथं..., ततः शुभं भवतु। संवत् 1636 वर्षे श्रावणसुदि 14 बुधवासरे।।, Saṁvat 1636, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

576 BIR988 BI9923
Acc. No. 1200/1891-95

भविष्यदत्तचरित्र

Bhaviṣyadattacaritra

Śrīdhara

86 Folios; L 9, W 30, 10 5/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीसरस्वत्यै नमः।। श्रीमन्तं श्रीजगन्नाथं ..., MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

577 BIR988 BI9924
Acc. No. 654/1875-76

मदनपराजय

Madanaparājaya

Jinadeva

29 Folios; L 11, W 59, 12 1/2 x 5 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीजिनाय नमः। अथ मदनपराजयग्रन्थ लिख्यते।। यदमलपदपद्मं... दिवाकरं नमामि।।।।, Saṁvat 1918, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

578 BIR988 BI9926
Acc. No. 1151/1884-87

मदनपराजय

Madanaparājaya

Jinadeva

25 Folios; L 12, W 35, 12 x 6 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमो जिनाय नमः यदमलपदपद्मं...., तथापि परं किञ्चिद्दृण्णामि।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

579 BIR988 BI9927
Acc. No. 306/1883-84

मल्लिनाथचरित्र

Mallināthacaritra

Sakalakīrti

74 Folios; L 10, W 25, 9 5/8 x 3 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं श्रीपरमात्मे नमः नमः श्रीमल्लिनाथ ..., णस्य मल्लिनाथ etc as in no. 1465/1886-92, श्री संवत् 1782 वर्षे ज्येष्ठ सिद्धि 2 सोमवारे ब्रह्मना श्रीब्रह्मसागरजी।।, Saṁvat 1782, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

580 BIR988 BI9928
Acc. No. 1465/1886-92

मल्लिनाथचरित्र

Mallināthacaritra

Sakalakīrti

33 Folios; L 12, W 37, 12 1/4 x 5 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। श्री वीतरागाय नमः।। नमः श्री मल्लीनाथाय.. अनिशं।।।।, इति मल्लिनाथचरित्रं सम्पूर्णं।।, Saṁvat 1815, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 581 **BIR988** **BI9929**
Acc. No. 655/1875-76
मल्लिनाथचरित्र
Mallināthacaritra
50 Folios; L 9, W 35, 11 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रु जायते सुरपूजिताः॥११०॥, इति मल्लिनाथचरित्रं भट्टारकश्रीसकलकीर्ति विरचिते मल्लिनाथधर्मोपदेशनिषेवाणदमनवर्णने नाम सप्तमः परिच्छेदः॥, Saṁvat 1678, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 582 **BIR989** **BI9930**
Acc. No. 1335(d)/1891-95
मुकुटसप्तमीकथा
Mukūṭasaptamīkathā
Śrutasāgara
Folios 19a-22a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीसारदास्पदीभूत प्रवक्ष्यामि व्रतं मुकुटसप्तमी॥११॥, श्रीमल्लिभूषणगुरो प्रकटोदेशी चके कथानकं मनिदं श्रुतसागरेण॥, इति मुकुट, सप्तमीकथा समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 583 **BIR989** **BI9932**
Acc. No. 1466(b)/1886-92
मेघमालाव्रतकथानक
Meghamālāvratākathānaka
Folios 143a-145b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओम नमः श्रीवर्द्धमानाय गौतमाय महामुने मेघमाला वृतं वश्रे सुखसंपत्तिहेतवे॥, पूर्वमेव उक्तं नमामि॥छ॥, इति मे.समाप्तं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 584 **BIR989** **BI9933**
Acc. No. 634(f)/1875-76
मेघमालाव्रतकथानक
Meghamālāvratākathānaka
Folios 17a-18b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, नमः श्रीवर्द्धमानाय
- गौतमाय महामुने। नेघमालाव्रतकथानकं वक्ष्ये सुखसंपत्तिहेतवे। ११, इहागत्य मुक्ति यास्तयतिल॥, इति मेघमालाव्रतकथा समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 585 **BIR989** **BI9934**
Acc. No. 1335(g)/1891-95
मेघमालाव्रतोपाख्यान
Meghamālāvratopākhyāna
Śrutasāgara
Folios 28b-31a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, समंताद्भद्रमहंतं नत्वामेघमालाशान्त्यर्थमुच्यते॥११॥, यस्यानन्दनिधेर ... संपदे॥११॥, इति मेघमालाव्रतोपाख्यान समाप्तं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 586 **BIR989** **BI9935**
Acc. No. 1335(u)/1891-95
मेरुपङ्क्त्युपाख्यान
Merupaṅktyupākhyāna
Śrutasāgara
Folios 78b-80b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, चिंतयित्वा चिरं वीरं ... उद्योतयाम्यहं॥११॥, विद्यानंद ... चिरंजीवतु॥११॥, इति सूरिश्रुतसागरविरचितं मेरुमुपाख्यानं समाप्तं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 587 **BIR989** **BI9936**
Acc. No. 274/A 1883-84
यशस्तिलक
Yaśastilaka
Somadeva
342 Folios, 12 5/8 x 6 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओम नमः सिद्धेभ्यः॥श्रियं कुवलयानन्द ... निवेदनं॥११॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 588 **BIR989** **BI9937** 591 **BIR991** **BI9940**
 Acc. No. 752/1886-92 Acc. No. 547/1884-86
- यशस्तिलक**
Yaśastilaka
Somadeva
 391 Folios; L 9, W 40, 13 1/2 x 5,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः श्रियं
 कुवलयानन्द etc as in the preceding entr,
 जयतु जगदानक्षत्रस्यन्दी etc upto चतुर्दश as in
 the preceding entry folloWed by,
 Saṁvat 1942, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- यशस्तिलकपञ्जी**
Yaśastilakapañjī
Somadeva Sūri
 34 Folios; L 10, W 60, 12 5/8 x 4 1/2,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं नमो
 वीतरागाय।।यशोधरमहाकाव्ये... नत्वा देवं
 जिनेश्वरं।।111, सर्वात्मपदेशनिश्चयभावप्रप्यचतुर्ते
 ध्याने तत्र च पदे यदात्मा भवति था ख्याचापिरत्र।।,
 सर्वसमक्षपदा, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 589 **BIR990** **BI9938** 592 **BIR992** **BI9953**
 Acc. No. 1065/1887-91 Acc. No. 1338/1891-95
- यशस्तिलक**
Yaśastilaka
Somadeva
 169 Folios; L 12, W 40, 11 x 5 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। श्रियं
 कुवलयानन्द... , प्रसन्नकृतो निर्मलीकृतो महानुदयो
 येन सः प्रसादीकृत दत्तः इत्यर्थः।।, एतत्तु
 चित्तवपुरिद्रिव्यवृत्तिपोधाद् दुखं तपस्तदलमत्र
 नृपाग्रहेण।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- रत्नत्रयविधानकथानक**
Ratnatrayavidhānakathānaka
Śrutasāgara
 4 Folios; L 10, W 38, 10 7/8 x 5, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 विद्यानन्दप्रदं पूज्यपादं नत्वा जिनेश्वरं कथा
 रत्नत्रयस्याह वश्ये श्रेयोनिधे सतां।।111,
 सर्वज्ञसारगुणरत्न विभूशणो सो विद्यान्नदिगुरु
 करप्रसिद्धि।, इति श्रीरत्नक्षयविधानकथानकं
 समाप्तम्।।, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 590 **BIR990** **BI9939** 593 **BIR992** **BI9954**
 Acc. No. 230/1902-1907 Acc. No. 662/1875-76
- यशस्तिलक**
Yaśastilaka
Somadeva
 434 Folios; L 9, W 36, 11 3/4 x 5 1/2,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः नमः
 श्रीसरस्वत्यै।।श्रीविद्यानादिगुरुभ्यां नमः।।श्रियं
 कुवलयानन्द ..., पुस्तकमिदयशस्तिलकं।।श्रय
 प्रशस्ति।।, Saṁvat 1742, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- रत्नत्रयविधानकथानक**
Ratnatrayavidhānakathānaka
Śrutasāgara
 5 Folios; L 10, W 35, 10 1/8 x 5 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, विद्यानन्दप्रदं पूज्यपादमनत्वा
 जिनेश्वरं... ।।, संवत् 1862 का भावना सुद् 13
 लिपिकतं।।, Saṁvat 1862, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune

- 594 **BIR992** **BI9956** 597 **BIR992** **BI9961**
 Acc. No. 634(k)/1875-76 Acc. No. 1122(d)/1884-87
रुक्मिणीविधानकथा **लक्षणपङ्क्तिपकथा:**
Rukmiṇīvidhānakathā **Lakṣaṇapaṅkititapaḥkathā**
 Folios 28a-28b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ **Śrutasāgara Sūri**
 रुक्मिणीकथाविधान लिख्यते।।जिनं प्रणम्य प्रभाचन्द्रमकलंकं जिनाधिपं।।प्रणम्य शिरसा वक्ष्ये
 ...भव्यसंबोधकारकं।।1111, नेमिनथजिनाधीश लक्षणपङ्क्तिकं।।,
 संसार.. वक्।।, इति छत्रसेन विरचिते तयो देवेन्द्रकीर्तिगुणपट्टममुगचन्द्रो विद्यादिनं सुदिगन्वर
 नरदजेवकारादित रुक्मिणीविधानकथा समाप्ता।।, अत्तमश्री।।, इति सुरुश्रीसउतसागर विरचिता
 MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research लक्षणपङ्क्तिरकथा समाप्ता।।, MFL, New
 Institute, Pune Research Institute, Pune
- 595 **BIR992** **BI9957** 598 **BIR992** **BI9962**
 Acc. No. 1335(s)/1891-95 Acc. No. 1335(i)/1891-95
रोहिणीकथा **लब्धिविधानोपाख्यान**
Rohiṇīkathā **Labdhividhānopākhyāna**
Śrutasāgara **Śrutasāgara Sūri**
 Folios 73a-76b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, नत्वा पंचगुरुन् श्रीविद्यानंदिनं
 विद्यानंतस्वात्मसंपदं अशोकरोहिणीकृतं सिद्धये पूज्यपादं नत्वा जिनेश्वरं कथा लब्धिविधानस्य वक्ष्ये
 कथयाम्यह।, इति रिश्रीश्रुतसागर विरचिता सिद्धिलब्धये।।1111, तेनेदं चरितं विचित्रपतनं
 अशोकरोहिणी समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental चेतश्तमस्योरकं।।, इति ब्रह्मश्रीश्रुतसागर विरचितं
 Research Institute, Pune लब्धिविधानोपाख्यानं समाप्ता।।, MFL, New
 Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 596 **BIR992** **BI9960** 599 **BIR994** **BI9974**
 Acc. No. 1335(t)/1891-95 Acc. No. 554/1884-86
लक्षणपङ्क्तिपकथा: **विमलनाथपुराण**
Lakṣaṇapaṅkititapaḥkathā **Vimalanāthapurāṇa**
Śrutasāgara **Brahmacāri Kṛṣṇadāsa**
 Folios 76b-78b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, विद्यानन्दं 124 Folios; L 10, W 35, 11 5/8 x 5,
 प्रभाचन्द्रमकलंकं जिनाधिपं।।प्रणम्य शिरसा वक्ष्ये Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 तयो लक्षणपङ्क्तिकं।।, तत्पादपद्मधिप श्रुतसागरोय Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।।श्रीसरस्वत्यै
 ब्रह्मवती तप इदं प्रकटीचकार।, इति नमः।।सर्वेशं शंकरं सिद्धं ... लेखेशादीडितं
 सूरिश्रीश्रुतसागर विरचिता लक्षणपङ्क्तिरकथा जिनिं।।1111, MFL, New Delhi, IGNCa,
 समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune Institute, Pune

- 600 **BIR994** **BI9975**
Acc. No. 1335(v)/1891-95
विमानपङ्क्त्युपाख्यान
Vimānapaṅktyupākhyāna
Śrutasāgara
Folios 80b-89a, Folios 87 missing,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, पूज्यपादाकंलकार्यविद्यानन्दिस्तुतक्रमं
विमानपंक्तिमावच्छि तमो नत्वा जिनेश्वरं॥१११॥,
इति भट्टारक श्रीविद्यान्नदिप्रियशइष्यसूरिश्रीश्रुतसारग
विरिचिता विमानपैत्युपाख्यान समाप्ता॥, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 601 **BIR994** **BI9976**
Acc. No. 1420/1891-95
व्रतकथाकोश
Vratākathākośa
Śrutasāgara
83 Folios, Folios 57,58,59,75 missing,
12 1/2 x 5 5/8, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1773,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 602 **BIR994** **BI9977**
Acc. No. 1029/1887-91
व्रतकथाकोश
Vratākathākośa
Śrutasāgara
Folios 1b-73a, 12 5/8 x 5 1/8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम
नमःसिद्धेभ्यः॥ज्येष्ठं जिनं प्रणम्यादावाकलं
कलध्वनिं... , संवत् 1803 वर्षे आसोजमे शुक्लपत्रे
वनमीदिवसे ग्रन्थ सम्पूर्णा॥, Saṁvat 1803,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 603 **BIR994** **BI9978**
Acc. No. 969/1892-95
- 604 **BIR994** **BI9979**
Acc. No. 1554/1891-95
व्रतकथाकोशभाषा
Vratākathākośabhāṣā
Śrutasāgara
90 Folios; L 13, W 32, 13 1/2 x 6 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवीतरागाय नमः। अथ
व्रतकथाकोशभाषा लिख्यते। , Saṁvat 1888,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 605 **BIR994** **BI9980**
Acc. No. 971/1892-95
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Sakalakīrti Bhaṭṭāraka
216 Folios; L 11, W 31, 12 1/8 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः :पंचमंपरेष्टभ्यो
नमः॥नमः शान्तिनाथाय सर्वकर्मणां॥१११॥,
इति श्रीशान्तिनाथचरित्रे भट्टारक श्रीसकलकीर्ति
विरचितके श्रैन्तिनाथमसवरणधम्मर्षदशमोक्षगमनवर्णनो
षष, Saṁvat 1795, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 606 **BIR995** **BI9981**
Acc. No. 673/1875-76
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Sakalakīrti
174 Folios; L 12, W 28, 10 5/8 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीवीतरागाय नमः॥नमः
श्रीशांतिनाथाय... , अस्य शान्तिचरित्रत्रस्य etc up
to श्रीशान्तिनाथचरित्रं समाप्तं॥, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 607 **BIR995** **BI9982**
Acc. No. 309/1883-84
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
182 Folios; L 11, W 37, 10 3/4 x 5 1/5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः॥नमः
श्रीशांतिनाथाय... , अस्य शान्तिचरित्रत्रस्य etc up
to श्रीशान्तिनाथचरित्रं समाप्तं॥, Saṁvat
1883, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research
Institute, Pune
- 608 **BIR995** **BI9983**
Acc. No. 1479/1886-92
शान्तिनाथचरित्र
Śāntināthacaritra
Sakalakīrti
154 Folios; L 15, W 33, 11 1/8 x 6 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः श्रीवीतरागाय नमः॥अथ
शांतिनाथपुराण लिख्यते॥नमः शांतिनाथाय... ,
अस्य शान्तिचरित्रत्रस्य etc up to
श्रीशान्तिनाथचरित्रं समाप्तं॥, Saṁvat 1904,
MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research
Institute, Pune
- 609 **BIR996** **BI9984**
Acc. No. 1466(a)/1886-92
- 610 **BIR996** **BI9985**
Acc. No. 1335(g)/1891-95
श्रवणद्वादशीकथानक
Śravaṇadvādaśīkathānaka
143 Folios; L 10, W 32, 11 1/8 x 4 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ..कपायमोहविषयव्यापारतां नो
गता॥प्राणांते ... मार्गे स्थितः॥174॥,
चन्द्रभूषणशिष्येण कथेयं पापहारिणी ... कृता
प्राकृतसूत्रता॥12॥, इति श्रवणद्वादशीकथानक
समाप्तमिति॥, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 611 **BIR996** **BI9986**
Acc. No. 1558/1891-95
श्रवणद्वादश्युपाख्यान
Śravaṇadvādaśyupākhyāna
Śrutasāgara
Folios 64a-65b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete,
पूज्यपादप्रभाचंद्राकलंक मुनिमानितं ...
श्रवणद्वादशीविधिं॥, सं संतः सारसुखाय धर्मतृपित
कुर्वन्तु पुण्यालता॥, इति श्रवणद्वादश्युपाख्यान
समाप्तं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research
Institute, Pune
- 611 **BIR996** **BI9986**
Acc. No. 1558/1891-95
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Narasenadeva
49 Folios; L 9, W 36, 10 1/2 x 4 5/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमो श्रीवीरनाथाय
सिद्धचक्रविविहिरिद्वय गुणहसमिद्वय॥,
सिद्धचक्रविविहिरिद्वय ... सरभक्तिप॥180॥, इति
श्रीपारचरित्रं समाप्तमिति॥, Saṁvat 1603,
MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research
Institute, Pune

- 612 **BIR996** **BI9987**
Acc. No. 562/1884-86
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Vidyānandī
49 Folios; L 11, W 45, 12 1/4 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमो सर्वज्ञाय।।श्रीमन्त
जगतां नाथं ... सुरादिभिः।।11।।, परत्र लोके खलु
...सत्कीर्तियु... ।।, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 613 **BIR996** **BI9988**
Acc. No. 460/1899-1915
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Sakalakīrti Bhaṭṭāraka
35 Folios; L 10, W 38, 10 1/4 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः।
चतुर्विंशतीतीर्थेशान् धर्मसाम्राज्यनायकान्...
वंदेनन्तगुणार्णवान्।।11।।, चतुःश्लोकाधिका ...
श्रीपालभूपतेः।।152।।, इति श्रीश्रीपापलनृपचरित्र
सम्पूर्णमिदं।।, Saṁvat 1868, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 614 **BIR996** **BI9989**
Acc. No. 563/1884-86
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Sakalakīrti
40 Folios; L 12, W 33, 11 1/8 x 4 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, चतुर्विंशतीतीर्थेशान्
धर्मसाम्राज्यनायकान्. गुणार्णवान्।।, ज्ञात्वा
...परमार्थधाम।।151।।, इति
श्रीपालनिर्वाणगमनवर्णनो नाम सप्तमः।।, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 615 **BIR996** **BI9990**
Acc. No. 310/1883-84
- 616 **BIR996** **BI9991**
Acc. No. 1347/1887-91
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Raidhu
97 Folios; L 10, W 36, 10 3/4 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमो श्रीवीरनाथाय।
सिद्धचक्रविविहिपिद्धिय गुणहसमिद्धिय।।, इति
श्रीसिद्धचक्रचरित्रं समाप्तं।।, Saṁvat 1719,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 617 **BIR996** **BI9992**
Acc. No. 1480/1886-92
श्रीपालचरित्र
Śrīpālacaritra
Parimala Dharmasādāna
132 Folios; L 10, W 40, 11 1/4 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः। अथ
श्रीपालचरित्रजी लिप्यते।।, होय अमुध जहां
परहानि खेरसि वारे कवियन ज्ञान वारा वार जैपौ कर
जोरि।।, इति श्रीश्रीपालचरित्रजी सम्पूर्णम् मीति
भादवासुदी 2 संगत।।, Saṁvat 1885, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune

- 618 **BIR996** **BI9993** **BI9996**
 Acc. No. 634(1)/1875-76
श्रुतस्कन्धविधानकथा
Śrutaskandhavidhānakathā
 Folios 29b-30b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ श्रुतस्कन्धविधान लिप्यते जिनेन्द्रगुरुपूर्वि ...नत्वाः॥, मोक्षं जग्मतीर्थशो नमतशर्मकरं परं॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 619 **BIR996** **BI9994** **BI9996**
 Acc. No. 526/1884-86
श्रेणिकपद्मनाभपुराण
Śreṇikapadmanābhapurāṇa
 120 Folios; L 9, W 42, 12 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीवर्द्धमानाय नमः॥ श्रीवर्द्धमानमाननन्दं नौमि.... कर्मसमुच्चयं, चंद्रार्कहेमगिरिसाहरभूमिमानगंगादीगगनसिद्धशि लातच लोके च्छाटति वदभितो वरमार्थं॥, इति श्रीश्रेणिकभवानुबद्धभनियपद्मनाभपुराणे आचार्येशुभचन्द्र विरतिचे पंचकल्याणवर्णनं नाम पंचदशः॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 620 **BIR996** **BI9995** **BI9996**
 Acc. No. 678/1875-76
श्रेणिकपद्मनाभपुराण
Śreṇikapadmanābhapurāṇa
 129 Folios; L 10, W 29, 9 7/8 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमो वीतरागाय। श्रीवर्द्धमानमानन्दाभौमि... कर्मसमुच्चयं॥, चंद्रार्कहेम... मध्यभूता॥१२३॥, इति श्री श्रेणिक चरित्रे समाप्ता॥, Saṃvat 1840, Śaka 1704, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 621 **BIR997** **BI9996** **BI9996**
 Acc. No. 1426/1891-95
श्रेणिकपद्मनाभपुराण
Śreṇikapadmanābhapurāṇa
Śubhacandra
 112 Folios; L 11, W 38, 11 1/8 x 5 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीजिनदेवाय नमः। अथ श्रेणिकचरित्र लिख्यते॥, चंद्रार्कहेम ... मध्यभूताः, इति श्रेणिककभवानुपवद्भवविश्यचिपद्मनाभपुराणे पंचकल्याणकवर्णनं नाम पंचदसापन॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 622 **BIR997** **BI9997** **BI9997**
 Acc. No. 975/1892-95
श्रेणिकपुराण
Śreṇikapurāṇa
Vijayakīrti Bhaṭṭāraka
 112 Folios; L 15, W 28, 8 1/8 x 6 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः सिद्धेभ्योः। अथ श्रेणिकपुराणं भट्टारकश्रीविजयकीर्तिजीकृत लिख्यते। श्रीजिन... उपजै भीत॥११॥, धर्मचन्द्रभट्टारक... सोभालही॥२९११॥, Saṃvat 1934, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 623 **BIR997** **BI9998** **BI9998**
 Acc. No. 1335(f)/1891-95
षोडशकारणोपाख्यान
Ṣoḍaśakāraṇopākhyāna
Śrutasāgara
 Folios 26a-28b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ प्रणम्य तीर्थेशं। तीर्थेशपदलब्धये श्रीविद्यानंदिनं साधुं। ब्रवे ...षोडशकारणं॥११॥, तत्पादभक्तः श्रुतसागराब्धो देळवर्तची यमिमना वरेणयः कल्याणकीर्ते मुहिराणे चारु चकार सिद्धयै॥, इति श्रीषोडशकारणोपाख्यानं समाप्ता॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 624 **BIR997** **BI9999** **BI10002**
Acc. No. 1335(c)/1891-95
सप्तमपरमस्थानविधानकथा
Saptamaparamasthānavidhānakathā
Śrutasāgara
Folios 12a-19a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अकलंकसमन्तभद्रौ जयतां।।विद्यानन्दाकलंकार्य। पूज्यपादं जिनेश्वरं नत्वा ब्रवीम्यहं सप्तमपरमस्थानसद्वत्तं।।1।।, विरुद्धमागमत्किंचिद्यो यदि च भाशइतं चन्मे सरस्वती क्षंचुमन्ते मातृहकि।।, इति सप्तमपरमस्थानविधानकथानकं समाप्तं।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 625 **BIR997** **BI10000**
Acc. No. 1313/1891-95
सप्तव्यसनवर्जनचरित्र
Saptavyasanavarjanacaritra
87 Folios; L 10, W 40, 10 1/8 x 4 7/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीवीतरागाय नमः।।सयमहयवन्दहो परमजिणंदहो।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 626 **BIR997** **BI10001**
Acc. No. 978/1892-95
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Ācārya Somakīrti
43 Folios; L 15, W 50, 10 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः।।श्रीसरस्वती गणेशाभ्यां नमः।।प्रणम्य श्रीजिनान्सर्वकामार्थदायकान्।।1।।, भग्नपृश्चिकटीग्रीवा उर्द्धदृष्टिपधोमुषं कष्टेन लितं शास्त्रं यत्नेन परिपालेत्।।, Saṁvat 1770, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 627 **BIR997** **BI10002**
Acc. No. 1165/1891-95
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Somakīrti
78 Folios; L 11, W 36, 11 5/8 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, प्रणम्य श्रीजिनान्... , यः सप्तव्यसन उगरात्रहृषि आशार्थं शुभं भवतु।।, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 628 **BIR998** **BI10003**
Acc. No. 1484/1886-92
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Somakīrti
84 Folios; L 12, W 35, 12 3/8 x 5 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, प्रणम्य श्रीजिनान् सिद्धानाचार्यान् पाठकान्यतीन् सर्वद्वन्द्वविनिर्मुक्तान् सर्वकामार्थदायकान्।।, इत्यार्षे कथासमुत्तयपरस्क्षा नाम सप्तम् सर्गं।।, Saṁvat 1875, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 629 **BIR998** **BI10004**
Acc. No. 1128/1884-87
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Somakīrti
90 Folios; L 10, W 32, 11 3/8 x 4 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यो।।श्रीवितरागाय नमः।।प्रणम्य श्री जिनान् ..., यः सप्तव्यसन etc as in the above upto सप्तमः सर्गः।।, Saṁvat 1833, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 630 **BIR998** **BI10005**
Acc. No. 681/1875-76
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Somakīrti
100 Folios; L 10, W 36, 11 7/8 x 5 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, प्रणम्य श्रीजिनान्॥, यः सप्तव्यसन
etc as in the above upto सप्तमः सर्गः॥,
Sainvat 1888, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 631 **BIR998** **BI10006**
Acc. No. 1053/1887-91
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Somakīrti
71 Folios; L 13, W 35, 9 7/8 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, प्रणम्य श्रीजिनान्॥, यः सप्तव्यसन
etc as in the above upto सप्तमः सर्गः॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 632 **BIR998** **BI10007**
Acc. No. 1166/1891-95
सप्तव्यसनसमुच्चयकथा
Saptavyasanasamuccayakathā
Somakīrti
79 Folios; L 12, W 32, 11 x 5 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, प्रणम्य श्रीजिनान्॥, यः सप्तव्यसन
etc as in the above upto सप्तमः सर्गः॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 633 **BIR998** **BI10008**
Acc. No. 684/1875-76
- 634 **BIR999** **BI10009**
Acc. No. 1167/1891-95
सम्मदशिखरिमाहात्म्य
Sammedaśikharimāhātmya
Devadatta
82 Folios; L 10, W 37, 10 3/4 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ध्यात्वा यत्पदपायोजं भव्या
संसारपारगाः सारात् सारं सदाधारं तमर्हंतं
नमाम्यहम्॥, पुश्यते देवनेन कविना शुद्धबुद्धिना
श्रीमल्लंनेदमाहात्म्येन रूर्णीकृतं बुधाः॥,
Sainvat 1881, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 634 **BIR999** **BI10009**
Acc. No. 1167/1891-95
सम्मदशिखरिमाहात्म्य
Sammedaśikharimāhātmya
Devadatta
64 Folios; L 14, W 30, 12 1/4 x 6 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः श्रीअर्हद्भ्यो
नमः॥श्रीसरस्वत्यै नमः श्रीगुरुभ्यो
नमः॥...ध्यात्वा यत्पदपादोजं ..., तुक् अंवरउट
चढनक् सुणिजो मन्त्र हमार मम दोस मति दीजियो
लाजो समदसमाल॥, Sainvat 1890, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 635 **BIR999** **BI10010**
Acc. No. 685/1875-76
सम्मदशिखरिमाहात्म्य
Sammedaśikharimāhātmya
Devadatta
114 Folios; L 9, W 29, 10 1/2 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्योः॥ध्यात्वा
यत्पदपाथोजं ..., श्रीमूल संघे ...इति॥, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune

- 636 **BIR999** **BI10011** **639** **BIR999** **BI10014**
 Acc. No. 1052/1887-91 Acc. No. 280/A 1883-84
सम्मदेशिखरिमाहात्म्य **सुकुमालचरित्र**
Sammedaśikharimāhātmya **Sukumālacaritra**
Devadatta **Sakalakīrti Bhaṭṭāraka**
 107 Folios; L 9, W 32, 10 1/4 x 4 3/8, 64 Folios; L 9, W 34, 10 3/8 x 4 1/2,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, श्रीजिनाय नमः ओं नमः Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः नमः
 सिद्धेभ्यः॥अथ सम्मेशिखरिमाहात्म्य लिख्यते॥, श्रीविश्वनाथाय पंचकल्याणभाजिने॥,
 अष्टादशतैर्यं श्लोकसंख्या प्रगीयते॥, Saṁvat 1874, MFL, New Delhi, IGNC, सुकुमारचर्यास्य श्लोकाः पिडिता विधै विज्ञेया लेपवै
 सर्वै हौकाशत्रकबआ।, Saṁvat 1751, MFL, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 637 **BIR999** **BI10012** **640** **BIR999** **BI10015**
 Acc. No. 1047/1887-91 Acc. No. 1172/1891-95
सिद्धचक्रकथा **सुकुमालचरित्र**
Siddhacakra Kathā **Sukumālacaritra**
Śubhacandradeva **Sakalakīrti**
 7 Folios; L 11, W 30, 9 3/4 x 5 7/8, 32 Folios; L 13, W 28, 10 x 6 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं नमो वीतरागाय नमः प्रणम्य Complete, ओं नमः पंचमंपरेष्टिभ्यो
 परमात्मनं जगदानन्ददायकं... शुभहेतवे॥११॥, नमः॥नमःश्री विश्वनाथाय... तत्र चित्त निघघायस्तु
 सरयरष्टिर्वुचक्रशुंमात्मा कथावतारं चकार स्वात्मध्यनातेति निश्चलं तौ घातिकर्महतारं
 भव्यावुजभानुमाली॥, इति नन्दीवनरश्थैटदिका दशतुर्योगमद्भुत॥, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 638 **BIR999** **BI10013** **641** **BIR999** **BI10016**
 Acc. No. 646/1895-98 Acc. No. 1131/1884-87
सिद्धचक्रविधानकथा **सुकुमालचरित्र**
Siddhacakra Vidhānakathā **Sukumālacaritra**
Harṣa **Sakalakīrti Bhaṭṭāraka**
 46 Folios; L 17, W 51, 10 1/4 x 4 1/4, 38 Folios; L 12, W 42, 12 5/8 x 5 1/8,
 Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, ओं सिद्धिःश्रीसिद्धिचक्राय नमः। Complete, ओं पंचपरमेष्टिभ्यो नमः।
 श्रीमन्तं... वृषभध्वजं॥११॥, साधो खेमलकस्य ..., सच्चरिक्षमिदं मार्यतीन्दुपा
 कर्यणयुगला काले च मुक्तिगतः श्रीरालोय ज्ञानिनो निहतदोषसमग्रा॥, नाभ्या etc up to
 कतानकं सुडगता॥, Saṁvat 1721, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune वित्रेया लेखकै सर्वदेवादश शतप्रभा॥, Saṁvat 1802, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 642 **BIR999** **BI10017**
Acc. No. 1074(c)/1884-87
सुखसम्पत्तिकथा
Sukhasampattikahā
Vimalakīrti
Folios 9b-10b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, पणविवि तित्थंकर सिद्धिसुहंकरं सुहसंपय विहिमणहर गुणगणहर... , जो पछइ सुणभ मणइभावउ जु राहइ सो गरु रमइ।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 643 **BIR999** **BI10018**
Acc. No. 1054/1887-91
सुगन्धदशमीकथा
Sugandhadasāmīkathā
4 Folios; L 10, W 28, 10 7/8 x 5 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमो वीतरागाय। सुगन्धदशमीकथानकं यथा।।, इति सुगन्धदशमीकथा समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 644 **BIR999** **BI10019**
Acc. No. 1335(h)/1891-95
सुगन्धदशमीकथा
Sugandhadasāmīkathā
Śrutasāgara
Folios 57a-64a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, पादांभोजान्यहं नत्वा श्रीपदं परमेष्ठिनां श्रुण्वंतु साधवो वक्ष्ये सुगन्धदशमीकथां।।, इति वणिर्णना श्रुतसागरेण विरचिता सुगन्धदशमीकथा समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 645 **BIR999** **BI10020**
Acc. No. 634(m)/1875-76
सुगन्धदशमीकथा
Sugandhadasāmīkathā
Sakalakīrti
Folios 37a-39a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, मुंजत्युक्ता। कुटादिरोगगत ... सूकरी संवारी। चांडाली त भवान्तर।।, इति श्रीसुगन्धशमाशत समाप्ता।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 646 **BIR999** **BI10021**
Acc. No. 862/1895-1902
सुदर्शनचरित्र
Sudarśanacaritra
Brahma Nemidatta
74 Folios; L 36, 10 7/8 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः। नत्वा पंचगुरुन् पंचमीगतिनायकान् सुदर्शनमुनेश्चारु चरित्रं रचयाम्यहं।।, Saṃvat 1636, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 647 **BIR999** **BI10022**
Acc. No. 1496/1886-92
सुदर्शनचरित्र
Sudarśanacaritra
69 Folios; L 9, W 39, 10 1/4 x 4 3/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, तत्पट्टे जनि मललिभूषणम्।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 648 **BIR999** **BI10023**
Acc. No. 1132/1884-87
सुदर्शनचरित्र
Sudarśanacaritra
Brahma Nemidatta
48 Folios; L 11, W 40, 12 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओंम नमः सिद्धेभ्यः नत्वा पंच गुरुन् ..., तत्पट्टे जनि मललिभूषणम्।।, Saṃvat 1882, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 649 BIR1000 BI10024
Acc. No. 313/1883-84
सुभौमचरित्र
Subhaumacaritra
Ratnacandra
23 Folios; L 15, W 42, 12 7/8 x 5 4/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। श्रीमन्त
त्रिजगन्नाथ प्राप्तानंतचतुष्टयं सरतारं जिनाधीश
संसापोत्तारकारणं॥, दुख प्रभुज्य बहुधा भरतेत्र
तस्मान् निगर्त्य तीर्थपरभाग्मवितार्तु सिद्धौ॥,
Samvat 1829, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 650 BIR1000 BI10025
Acc. No. 864/1895-1902
सुभौमचरित्र
Subhaumacaritra
Ratnacandra
46 Folios; L 10, W 32, 9 3/8 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं श्रीसरस्वत्यै नमःश्रीमन्त
त्रिजगन्नथं॥, मंगल वाचकानां लोकरानां श्रोतृणां
सर्वनंगल भूयात्॥, Samvat 1898, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 651 BIR1000 BI10026
Acc. No. 1501/1886-92
हनुमच्चरित्र
Hanumaccaritra
Brahma Ajita
79 Folios; L 11, W 32, 10 5/8 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः।
सद्धोधसिन्धुचन्द्राय सुव्रताय ... धर्मशर्मार्थसिद्धये।
111, प्रमाणमस्य ग्रन्थस्य ग्विसहस्रमितं बुधैः॥,
इति श्रीहनुमच्चरित्रा ब्रह्माजित विरचिते द्वादशः
सर्गः॥, Samvat 1890, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 652 BIR1000 BI10027
Acc. No. 1133/1884-87
हनुमच्चरित्र
Hanumaccaritra
Brahma Ajita
91 Folios; L 9, W 36, 11 5/8 x 4 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। सद्धोधसिंधु ...,
प्रमाणमस्य ग्रन्थस्य द्विसहस्रमितं बुधैः॥, इति
श्रीहनुमच्चरित्रा ब्रह्माजित विरचिते द्वादशः
सर्गः॥, Samvat 1940, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 653 BIR1000 BI10028
Acc. No. 1177/1891-95
हरिवंशपुराण
Harivaṁśapurāṇa
Svayāmbhū Muni
Folios 1a-585a, 11 1/2 x 5 1/4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं
नमः ओं नमो वीतरागाय अथ
स्वयंभूमुनिकृतप्राकृतहरिवंश लिख्यते॥, तिहुवण
संयबुरइये समाणियं कन्ह किकित्रिवंश।,
इतिहरिनंसुपुराण समाप्तं॥, Samvat 1582,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 654 BIR1001 BI10029
Acc. No. 1176/1891-95
हरिवंशपुराण
Harivaṁśapurāṇa
Jinasena
374 Folios; L 12, W 37, 11 3/4 x 5 4/3,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धं ...सायनाद्यथ शासन॥111,
इत्य गरुपादरनवर्णने नाम शट्टिष्टतमः सर्गः॥,
इति श्रीबरिवंशपुराणसमाप्तम्॥, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 655 BIR1001 BI10030
Acc. No. 1502/1886-92
- हरिवंशपुराण**
Harivaṃśapurāṇa
Jinasena
276 Folios; L 13, W 43, 12 5/8 x 5 3/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धं घौकत्वयोत्पागळश्रणं
द्रव्याद्यापेक्षातः द्यानाय शासनं। , श्रुत्वारः
प्र.गंगाराम द्वि टेकतन्द कॉ रायजी तेषां मध्ये
सुरिचरामेण श्रीहरिवंशपिरणे पाडेवनपतरामायं
सश्रियसंभुरामाय॥, Saṃvat 1580, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 656 BIR1002 BI10031
Acc. No. 700/1875-76
- हरिवंशपुराण**
Harivaṃśapurāṇa
Brahma Jinadāsa
209 Folios; L 14, W 41, 13 7/8 x 6 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धं सम्पूर्णभव्यार्थं सिद्धे
...प्रतिपादनं। 111, इति श्रीहरिवंशमहाग्रन्थः
समाप्ताः॥, Saṃvat 1822, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 657 BIR1003 BI10032
Acc. No. 987/1892-95
- हरिवंशपुराण**
Harivaṃśapurāṇa
Brahma Jinadāsa
275 Folios; L 12, W 38, 11 x 4 7/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं नमः सिद्धेभ्यः। सिद्धं
सम्पूर्णभव्यार्थं, ब्रह्मकपूर्चन्दस्य पठनार्थं दत्तं
इदं पुस्तकं॥, Saṃvat 1655, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 658 BIR1003 BI10033
Acc. No. 570/1884-86
- हरिवंशपुराण**
Harivaṃśapurāṇa
Brahma Jinadāsa
339 Folios; L 10, W 32, 10 5/8 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धं सम्पूर्णभव्यार्थं, बहुनात्र
किनुर्केन etc as in पा वदना upto इति ..नेमिनाथ
विरवाणगमनवर्णने नाम चत्वारिंश पचिथच्छुद॥,
Saṃvat 1879, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 659 BIR1003 BI10034
Acc. No. 1503/1886-92
- हरिवंशपुराण**
Harivaṃśapurāṇa
Brahma Jinadāsa
Folios 1b-303b, 11 3/8 x 4 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete, सिद्धं
सम्पूर्णभव्यार्थं, बहुनात्र किनुर्केन etc as in पा
वदना upto इति ..नेमिनाथ विरवाणगमनवर्णने
नाम चत्वारिंश पचिथच्छुद॥, Saṃvat 1590,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 660 BIR1004 BI10035
Acc. No. 314/1883-84
- हरिवंशपुराण**
Harivaṃśapurāṇa
Brahma Jinadāsa
276 Folios; L 12, W 35, 10 7/8 x 5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धं सम्पूर्णभव्यार्थं, बहुनात्र
किनुर्केन etc as in पा वदना upto इति ..नेमिनाथ
विरवाणगमनवर्णने नाम चत्वारिंश पचिथच्छुद॥,
Saṃvat 1654, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 661 **BIR1005** **BI10036**
Acc. No. 1135/1884-87
हरिवंशपुराण
Harivaṁśapurāṇa
Puṣpadatta
93 Folios; L 11, W 40, 12 3/4 x 5 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ओं श्रीवीतरागाय नमः॥ पणवेवि
...मुरारिजरसिधहं॥११॥, सरस्वतीगच्छे
बलात्कारगणे कुन्दकुन्दाचार्यान्वये
भद्रातकर्त्तृदिदेवात्तया... देवात॥, Saṁvat
1441, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 662 **BIR1005** **BI10037**
Acc. No. 1134/1884-87
हरिवंशपुराण
Harivaṁśapurāṇa
Puṣpadanta
300 Folios; L 12, W 41, 12 1/2 x 5 3/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धद्रव्यव्ययोत्पादलक्षणं... , यादृशं
पुस्तकं दृष्टवा। तादृशं लिखतं मया॥, Saṁvat
1818, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 663 **BIR1005** **BI10038**
Acc. No. 315/1883-84
हरिवंशपुराण
Harivaṁśapurāṇa
Puṣpadanta
279 Folios; L 10, W 44, 11 1/4 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, सिद्धं सम्पूर्णभव्यार्थं..., बहुनात्र
किमुक्तेन etc as in the above upto इति
श्रीसमाप्तः॥, Saṁvat 1820, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 664 **BIR1006** **BI10039**
Acc. No. 1136/1884-87
- हरिवंशपुराण**
Harivaṁśapurāṇa
28 Folios; L 10, W 36, 10 1/8 x 4 1/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, ..तामालो नाम देवः अयोग्यो नाम
सेनापतिः विजयपर्वतनामानं गजं॥,
चक्रछत्रासिद्धाअडास्ते काकणी णाणइचर्मणई
सेनागृहरती माश्यपुरोस्त्पती स्विय॥,
हरिवंशपुराणटिप्पणकंमाप्तां॥, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 665 **BIR1006** **BI10040**
Acc. No. 701/1875-76
हरिवंशपुराणभाषावचनिका
Harivaṁśapurāṇabhāṣāvachanikā
422 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 666 **BIR1007** **BI10041**
Acc. No. 1320/1884-87
कथासङ्ग्रह
Kathāsaṅgraha
23 Folios; L 20, W 60, 10 1/2 x 4 1/4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, यत्नैकामपि कामिनी, इति
गुणगौरित्वे प्राक्पुण्यप्रोटौ च पथ्यावैदकथा॥,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 667 **BIR1007** **BI10042**
Acc. No. 1432/1887-91
कथासङ्ग्रह
Kathāsaṅgraha
Rājaśekhara
25 Folios; L 19, W 56, Folios 1 to 14,17
and 41 missing, 11 3/4 x 4 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
18th c., MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 668 BIR1007 BI10043
Acc. No. 1591/1891-95
कर्मरेखाभाविनाचोपाई
Karmarekhābhāvinācopāi
Mati Ānanda
10 Folios; L 19, W 55, 10 1/2 x 4 5/8,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, श्रीगुरुभ्यो नमः अथ कवित्वः प्रणम
....सुरपति।।, इति श्रीपंचाख्यानविषे
कर्मशाभाविता चौपड चित्तमोहिनी समुधान।।,
Samvat 1742, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 669 BIR1007 BI10044
Acc. No. 1327/1891-95
कुवलयमालाकथासंक्षेप
Kūvalayamālākathāsamkṣepa
Ratnaprabhā Sūri
62 Folios, Folio 1-4 missin, 10 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, Samvat 1445, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 670 BIR1007 BI10045
Acc. No. 1310(c)/1887-91
क्षुल्लकुमारकथा
Kṣullakkumārakathā
Folios 7a-7b, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 671 BIR1007 BI10046
Acc. No. 593(b)/1875-76
चतुर्विंशतिकात्रितयनाम
Caturviṃśatikātritayanāma
Folios 41a-42a, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 672 BIR1007 BI10047
Acc. No. 690/1895-98
चतुर्विंशतिजिनसम्बन्धिविस्तृतसूची
Caturviṃśatijinasambandhivistr̥tasūcī
Folios 73b-79a, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, तीर्थकरनाम 1
ऋशभ 2 अजित :3 संभव।, 1उद्योत प्रकृति 1
आताप 36 अवं प्रकृति अनिद्वितगुणस्थने।।,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 673 BIR1007 BI10049
Acc. No. 1620/1891-95
थावच्चासुतचरित्र
Thāvaccāsutacaritra
Samayasundara
20 Folios; L 13, W 38, 10 x 4 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, गणेशाय नमः दूहा नेमिनाथना पाय
नमुं पामुं परिधल प्रेम।।, समयुमन्गर तसु सीसी
प्रसिद्धा शिश्यप्रशिय सम-द्धा वे 22 से।, इति
श्रीभावत्तापे समाप्ता सर्वपंड 2 प्रथम पंच 9 द्वाये
छान 10 सर्व 19 स्रवश्चेक।।, Samvat 1821,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 674 BIR1007 BI10050
Acc. No. 1167/1887-91
दर्शनरत्नरत्नाकर
Darśanaratnaratnākara
Indrasāra
334 Folios; L 15, W 48, Folios 2,204.
127. 132. 261 to 263,266 to 271,280 288
to 292 311-335,337 to 342 missing, 10
1/8 x 4 1/4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, ओं नमः
परमब्रह्मणे परमध्येयाय परमब्रह्मरुपाय
जगत्पूज्याय तायिने.... परमेष्ठिने। 1।।, श्री
हेमसूरिचिता दिनचिन्तरिचा नुकासुणे ग्रथिचते
ग्रन्थे य्तु विरिदेधं तच्छेत्य हुधवरै सिधिया।,
Samvat 1657, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 675 **BIR1008** **BI10051**
Acc. No. 1287/1884-87
दर्शनरत्नरत्नाकर
Darśanaratnaratnākara
476 Folios; L 14, W 44, Folios 1a blank, folios 194th ios missing, 10 1/8 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं नमः परमब्रह्मणे परमध्येयाय ..., एवं चतुपशीतिपूर्वलक्षणी etc upto सुधिया।।, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 676 **BIR1009** **BI10052**
Acc. No. 433/1882-83
दर्शनरत्नरत्नाकर
Darśanaratnaratnākara
96 Folios; L 17, W 48, Folios 301-309 Wrogly numbered as 3001, 3302 missing, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, दर्शय विलोकयामो यथा।।स चादर्शयत् विलोकितैस्तैः..., रत्नाकरग्रन्थे श्रीमदनुगमापरप्रताये श्रीःजेभिधानायां तृतीयलहर्या सर्वविरतरिब्रह्मनामा उच्यते रम्यं।।, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 677 **BIR1009** **BI10053**
Acc. No. 291/1871-72
दृष्टान्तशतक
Dr̥ṣṭāntaśataka
25 Folios; L 4, W 38, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ओं श्रीगुरुभ्यो नमः नत्वा श्रीवृषभं ... पौरस्त्यतीर्थकरं।।।।, छन्देलकृतं शब्दशाभक्षपहितं काव्य, दा ऋम्य।।, इति श्रीदृष्टान्तकशतकं।।, Samvat 1746, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 678 **BIR1009** **BI10054**
Acc. No. 1141/1884-87
दृष्टान्तशतक
Dr̥ṣṭāntaśataka
17 Folios; L 10, W 38, Folios 2 is missing, 10 1/4 x 5 1/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगणेशाय नमः नत्वा श्रीवृषभं।।, क्रोधो स नैहिरक्रोधस्य फलं लग्नाधिमूढधि शोचयेतीदुसोत्यन्त च कोरथा त केशनत्।।, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 679 **BIR1009** **BI10055**
Acc. No. 450/1899-1915
दृष्टान्तशतक
Dr̥ṣṭāntaśataka
31 Folios; L 13-14, W 32, 10 1/4 x 4 5/8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, नत्वा श्रीवृषभं...., रम्भा स्त्री पाठभक्त कौतुकवती शान्जाला दीसती उची नारि सुचश्टजवना बहुमात गो जेहशी।।, इति श्रीशुक्लदत्तकथानकं सम्पूर्णे।।, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 680 **BIR1009** **BI10056**
Acc. No. 452/1882-83
पद्मचरित्र
Padmacaritra
156 Folios; L 13, W 38, 10 1/8 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीगौतमाय नमः अथ श्रीसुव्रतस्वामि।।, ततस्तात् तत्रैव मुक्तवा।।, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 681 **BIR1009** **BI10057** 684 **BIR1009** **BI10060**
 Acc. No. 1048/1887-91 Acc. No. 641(h)/1892-95
प्रभञ्जनचरित्र **मृगापुत्रकुलक**
Prabhañjanacaritra **Mṛgāputrakulaka**
 16 Folios; L 12, W 32, 11 1/2 x 5, Folios 28a-28b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, ऑम नमः सिद्धेभ्यः। नत्वा जिनं महावीरं ...मतिशक्तिः॥११॥, कुर्वाणा जिनवन्दनामुरुण भोगान्मनोबन्दुरान् बुंजाना बवभीरवेपि विविधान् शथ्च॥, इति प्रभञ्जनगुरोश्चरिते यशोघरचरितपीछिकाबन्धे पंचम सर्गः समाप्ताः॥, Samvat 1589, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 सत्तमित्तेसु समतुल्लया संजमे चित्तुदिट्टो विवा वेवव्वणा॥१२॥, तिजगसमचित्तपस वरहसु पचित्तयं निथापुत्तस्सा जे भणइ सुतरितयं वि बहु मविमणविलास विवितहत्तपे ववए सो सत्तपज्ज वासर परे॥, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 682 **BIR1009** **BI10058** 685 **BIR1009** **BI10061**
 Acc. No. 1310(a)/1887-91 Acc. No. 1310(d)/1887-91
मणिचूलकुमारकथा **ललिताङ्गकथा**
Maṇicūlakumārakathā **Lalitāṅgakathā**
Hirānanda
 8 Folios; L 18, W 68, 10 1/2 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, गुरुभ्यो नमः श्रीगौतमाय नमः। जिनेन्द्राय ...परमात्मने॥११॥, सपादल(य देमिन् फलवृद्धिपुरे वरे श्रीपारिश्वनाथबुवने पूर्यणईतके त्वियं कथा। छ।, इति श्रीमज्जिनेद्रविये मणिसूलकुरमाकथा सम्पूर्णा॥, 18th c., MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 संसारजलहि जाणं दाणं विरयति ये सुपक्कणं नर..सिवत्हाण लहति ते हंपाल न्ना, ललितांगोपि राज्यं कृत्वा हनिकेवला दीत्रां ततश्च्युत्वा धर्मभावप्रभावात्तस्र गतः॥, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 683 **BIR1009** **BI10059** 686 **BIR1009** **BI10062**
 Acc. No. 369/1871-72 Acc. No. 661/1899-1915
महिपालचरित्र **श्रावकप्रतिक्रमणवन्दितुसूत्र**
Mahipālacaritra **Śrāvakapratikramaṇavanditusūtra**
 22 Folios; L 20, W 45, 10 1/8 x 4 7/8, 7 Folios; L 6, W 20, 10 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, अथ स्त्रीजा षंडनी पांचमी ढालना ..., भावसूभावन्त अदभनी रतना३॥३॥ गायो सकथ सूकणअछे भाव सीघार गटगट पियो हो ज्यो पूरण उभरण्ठो॥, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
 वन्दितु सव्वसिद्धे धम्मायरिण्य सव्वसाबूय इछामि पडिर्मिंवि सावग्गधम्माइयारप्स॥, आलोयण एण्ण य सा तनुजइ निवबुरत तं निंदे तं च गरिहामि॥, इति श्रीवन्दितुसूत्र सम्पूर्णम्॥, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 687 BIR1009 BI10063
Acc. No. 1244(b)/1884-87
श्राद्धजीतकल्पावचूरि
Śrāddhajītakalpāvacūri
Folios 30a-36a, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, श्रीधर्मघोषपादा समस्तश्राद्धजीतकल्पा नीसु पति शट्भूतकल्प व्यावहारलिशीय यतिजीतकर्लानुसार्ण श्राद्धजीतकल्प कुर्वतो मंगलात्रिदेयपदिकामि मामादि गाथामाहु।।, बहुअ विसगल विगलेसु।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 688 BIR1167 BI11840
Acc. No. 18/1869-70
कुमारपालचरित
Kumārapālacarita
57 Folios, 10 3/4 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1558, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 689 BIR1168 BI11842
गुर्वावली
Gurvāvali
6 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 690 BIR1168 BI11846
Acc. No. 35/1869-70
गुर्वावलीवृत्ति
Gurvāvalivṛtti
Dharmasāgara
21 Folios, 10 x 5 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 691 BIR1168 BI11851
Acc. No. 47/1869-70
- पट्टावली
Paṭṭāvali
8 Folios, 10 1/2 x 4 3/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 692 BIR1190 BI12005
Acc. No. 286/1871-72
वार्तासमुच्चय
Vārtāsamuccaya
69 Folios, 9 3/4 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 693 BIR1191 BI12019
Acc. No. 312/1871-72
विद्वानशतक
Vidvānaśataka
Tejasirṃha
2 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 694 BIR1191 BI12020
Acc. No. 315/1871-72
शाश्वतजिनस्तवन
Śāśvatajinastavana
2 Folios, 10.2 x 4.2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 695 BIR1191 BI12030
Acc. No. 343/1871-72
गौतमकुल
Gautamakula
77 Folios, 10 1/2 x 4 3/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

696	BIR1191	BI12031	IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
		Acc. No. 386/1871-72	
	सुसढचरित्र		
	Susaḍhacaritra	701	BIR1192
	41 Folios, 10 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune		BI12040
			Acc. No. 391/1871-72
			गुर्वावली
			Gurvāvalī
			Munisundara Sūri
			13 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
697	BIR1192	BI12035	
		Acc. No. 363/1871-72	
	पुष्पमालाकथा		
	Puṣpamālākathā	702	BIR1192
	14 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune		BI12041
			Acc. No. 392/1871-72
			गुर्वावलिवृत्ति
			Gurvāvalivṛtti
			18 Folios, Folio 1 missing, 9 1/2 x 4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1660, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
698	BIR1192	BI12036	
		Acc. No. 370/1871-72	
	महिमावलीरास		
	Mahimāvalīrāsa	703	BIR1223
	28 Folios, 10 x 4 3/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune		BI12240
			Acc. No. 288/1873-74
			धर्मोत्तरवृत्ति
			Dharmottaravṛtti
			22 Folios, 13 x 7.8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
699	BIR1192	BI12038	
		Acc. No. 387/1871-72	
	सौभाग्यपञ्चमीकथा		
	Saubhāgyapañcamīkathā	704	BIR1242
	11 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune		BI12341
			Acc. No. 329/1875-76
			अनेकार्थध्वनिमञ्जरी
			Anekārthadhvanimañjarī
			Mahākṣapaṇaka
			12 Folios, 7 x 6, Paper, Sanskrit, Śāradā, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
700	BIR1192	BI12039	
		Acc. No. 388/1871-72	
	पदावली		
	Padāvalī		
	6 Folios, Folio 1 missing, 9 3/4 x 4 3/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi,		

705	BIR1244 त्रेपनक्रियाकथा Trepanakriyākathā 81 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI12355	Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
706	BIR1254 तत्त्वार्थसूत्रसटीक Tattvārthasūtrasaṭīka 541 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI12402 Acc. No. 595/1875-76	710 BIR1277 परमात्माप्रकाशसविवरण Paramātmāprakāśasavivarāṇa 149 Folios, 12.2 x 5.8, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
707	BIR1266 निर्वाणकल्याणपञ्चकपूजा Nirvāṇakalyāṇapañcakapūjā 18 Folios, 11 1/2 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI12451 Acc. No. 573/1875-76	711 BIR1282 रत्नत्रयोद्यापनविधान Ratnatrayodyāpanavidhāna 14 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
708	BIR1266 काञ्जिकपूजा Kāñjikapūjā Kumudacandra 6 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1770, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI12452 Acc. No. 576/1875-76	712 BIR1282 वसुसहस्रनामजिनपूजा Vasusahasranāmajinapūjā 70 Folios, 12 1/2 x 6, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1916, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
709	BIR1266 चतुर्विंशतितीर्थङ्करसंस्कृतपूजा Caturviṁśatīrthāṅkarasaṁskṛtapūjā 48 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New	BI12454 Acc. No. 579/1875-76	713 BIR1282 वसुसहस्रनामजिनपूजा Vasusahasranāmajinapūjā 65 Folios, 9 x 6 1/4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 714 **BIR1282** **BI12511**
Acc. No. 680/1875-76
षोडशकारणपूजा
Ṣoḍaśakāraṇapūjā
8 Folios, 9 x 7, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 715 **BIR1300** **BI12607**
Acc. No. 37/1877-78
मङ्गलकलशरास
Maṅgalakalaśarāsa
15 Folios, 9 3/4 x 4 1/4, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 716 **BIR1326** **BI12788**
Acc. No. 424/1879-80
पञ्चाख्यान
Pañcākhyāna
210 Folios, 9 3/4 x 4 1/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1638, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 717 **BIR1373** **BI13026**
Acc. No. 393/1880-81
महावीरचरित्र
Mahāvīracaritra
Hemacandra
126 Folios, 12 1/4 x 3 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 718 **BIR1450** **BI13477**
Acc. No. 467/A 1882-83
सिन्दूरप्रकर
Sindūraprakara
Somaprabha Sūri
4 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1891, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 719 **BIR1476** **BI13706**
Acc. No. 250 A/1882-83
कर्पूरप्रकरण
Karpūraprakaraṇa
Hari
10 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 720 **BIR1476** **BI13707**
Acc. No. 254 A/1882-83
कूकडामञ्जरीचौपई
Kūkaḍāmañjarīcaupāi
Valhapaṇḍita
6 Folios, 9 1/2 x 4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1662, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 721 **BIR1476** **BI13709**
Acc. No. 265 A/1882-83
छन्दोनुशासन
Chandonuśāsana
Hemacandra
4 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 722 **BIR1476** **BI13710**
Acc. No. 267 A/1882-83
जम्बूद्वीवसङ्घयनी
Jambūddīvasaṅghayanī
Haribhadra Sūri
4 Folios, 10 x 4 7/8, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 723 **BIR1479** **BI13733** 727 **BIR1507** **BI13875**
 Acc. No. 336 A/1882-83 Acc. No. 279/A 1883-84
बृहत्सङ्ग्रहणीटीका
Brhatsaṅgrahaṇīṭikā
Malayagiri
 102 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 724 **BIR1480** **BI13738** 728 **BIR1507** **BI13877**
 Acc. No. 344 A/1882-83 Acc. No. 294/A 1883-84
श्रीपालनरेन्द्रकथा
Śrīpālanarendrakathā
Ratnaśekhara Sūri
 20 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 725 **BIR1500,1501** **BI13865** 729 **BIR1507** **BI13878**
 Acc. No. 264/A 1883-84 Acc. No. 297/A 1883-84
मूलाचाराचारसूत्रसटीक
Mūlācārācārasūtrasaṭīka
Vaṭṭakerācārya
 410 Folios, 11 by 5 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1885, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 726 **BIR1502** **BI13866** 730 **BIR1527** **BI13989**
 Acc. No. 266/A 1883-84 Acc. No. 302/1883-84
चारित्रसार
Cāritrasāra
Cāmuṇḍarāja
 94 Folios, 10 1/2 by 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- सार्धद्वयद्विपजिनपूजा**
Sārdhadvayadvipajinapūjā
 101 Folios, 11 3/4 by 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- प्रवचनसारोद्धार**
Pravacanasāroddhāra
 74 Folios, 10 1/4 by 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- बप्पभट्टिचरित**
Bappabhaṭṭicarita
 8 Folios, Folio 1 and 3 missing, 10 by 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- पल्यविधानपूजा**
Palyavidhānapūjā
Ratnanandī
 8 Folios, 11 1/4 by 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 731 **BIR1528** **BI13991**
Acc. No. 313/1883-84
सुभौमचरित्र
Subhaumacaritra
Ratnacandra
22 Folios, 12 1/4 by 5 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1829, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 732 **BIR1528** **BI13992**
Acc. No. 316/1883-84
अञ्जनासुन्दरीरास
Añjanāsundarīrāsa
7 Folios, 10 1/4 by 4 1/4, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1858, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 733 **BIR1528** **BI13993**
Acc. No. 319/1883-84
पुरन्दरकुमाररास
Purandarakumārārāsa
Maladeva
13 Folios, 9 3/4 by 4, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1717, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 734 **BIR1704** **BI14859**
Acc. No. 474/1884-86
इन्द्रध्वजपूजा
Indradhvajapūjā
Viśvabhūṣaṇa Bhaṭṭāraka
145 Folios, 11 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1879, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 735 **BIR1704** **BI14862**
Acc. No. 479/1884-86
- 736 **BIR1706** **BI14869**
Acc. No. 492/1884-86
कर्णामृतपुराण
Karṇāmṛtapurāṇa
Keśavasena
36 Folios, Folio 1 missing, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 737 **BIR1706** **BI14871**
Acc. No. 493/1884-86
क्रियाविधि
Kriyāvidhi
10 Folios, 11 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 738 **BIR1706** **BI14872**
Acc. No. 494 A/1884-86
नवरतनकवित्त
Navaratanakavitta
1 Folio, 10 1/2 x 5, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 739 **BIR1706** **BI14873**
Acc. No. 494 B/1884-86
चौवीसीव्रतपूजा
Cauvīsīvratapūjā
15 Folios, 11 1/4 x 5, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- व्रतविधान**
Vratavidhāna
6 Folios, 11 1/4 x 5, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 740 BIR1706 BI14874 744 BIR1706 BI14878
Acc. No. 494 c/1884-86 Acc. No. 494 g/1884-86
- लब्धिविधानपूजा**
Labdhividhānapūjā
Folios 27a-29a, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- अक्षयनिधिव्रतमङ्गलविधानपूजन**
Akṣayanidhivratamaṅgalavidhānapūjana
Folios 67-81b, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 741 BIR1706 BI14875 745 BIR1706 BI14879
Acc. No. 494 d/1884-86 Acc. No. 494 F/1884-86
- पञ्चमासचतुर्दशीव्रतोद्यापन**
Pañcamāsacaturdaśīvratodyāpana
Folios 32a-36a, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- मुक्तावलीव्रतमण्डलविधान**
Muktāvalīvratamaṅḍalavidhāna
Folios 90a-100a, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1881, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 742 BIR1706 BI14876 746 BIR1706 BI14880
Acc. No. 494 e/1884-86 Acc. No. 494 G/1884-86
- अष्टाह्निकव्रतोद्यापनपूजन**
Aṣṭāhnikavratodyāpanapūjana
Folios 37a-53b, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- मौनिव्रतोद्यापन**
Maunivratodyāpana
Folios 101b-111b, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1881, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 743 BIR1706 BI14877 747 BIR1707 BI14881
Acc. No. 494 f/1884-86 Acc. No. 494 H/1884-86
- सकलीकरण**
Sakalīkaraṇa
Folios 66-68a, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- अनन्तव्रतपूजानुद्यापनविधि**
Anantavratapūjānudyāpanavidhi
Folios 112a-138b, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1883, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 748 BIR1707 BI14882 752 BIR1707 BI14886
Acc. No. 195/1885-86 Acc. No. 499/1884-86
- ज्ञानसूर्योदय**
Jñānasūryodaya
Vādicandra Sūri
61 Folios, 8 3/4 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1789, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- तत्त्वार्थसूत्र**
Tattvārthasūtra
56 Folios, 10 3/4 x 5, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1906, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 749 BIR1707 BI14883 753 BIR1707 BI14887
Acc. No. 496/1884-86 Acc. No. 500/1884-86
- ज्ञानार्णव**
Jñānārṇava
140 Folios, 11 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1647, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- तत्त्वार्थसूत्रटीका**
Tattvārthasūtraṭīkā
52 Folios, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 750 BIR1707 BI14884 754 BIR1707 BI14888
Acc. No. 497/1884-86 Acc. No. 501/1884-86
- ज्ञानार्णवटीका**
Jñānārṇavaṭīkā
67 Folios, 12 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- राजवार्तिकसटीक**
Rājavārtikasatīka
69 Folios, 12 1/2 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 751 BIR1707 BI14885 755 BIR1708 BI14889
Acc. No. 498/1884-86 Acc. No. 502/1884-86
- तत्त्वत्रयप्रकाशिनी**
Tattvatrayaprakāśinī
Śrutasāgara
11 Folios, 11 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- तत्त्वार्थसार**
Tattvārthasāra
Amṛtacandra Sūri
43 Folios, 11 3/4 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 756 **BIR1708** **BI14891**
Acc. No. 504/1884-86
त्रिवर्णाचार
Trivarnācāra
34 Folios, 8 1/2 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 757 **BIR1708** **BI14892**
Acc. No. 505 A/1884-86
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रह
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgraha
Ācārya Guṇabhadra
Folios 1a-591, 12 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 758 **BIR1709** **BI14893**
Acc. No. 505 B/1884-86
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रह
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgraha
Ācārya Guṇabhadra
332 Folios, 12 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1821, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 759 **BIR1709** **BI14894**
Acc. No. 506/1884-86
त्रैलोक्यदीपक
Trailokyadīpaka
Indravāmadeva
82 Folios, 11 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1826, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 760 **BIR1709,1710** **BI14895**
Acc. No. 507/1884-86
दर्शनसार
- Darśanasāra**
100 Folios, 10 1/2 x 7 3/4, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 761 **BIR1710** **BI14896**
Acc. No. 508/1884-86
दशलक्षणजयमाल
Daśalakṣaṇajayamāla
Rayidhu
10 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1865, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 762 **BIR1710** **BI14897**
Acc. No. 509/1884-86
द्रव्यसङ्ग्रह
Dravyasaṅgraha
17 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1826, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 763 **BIR1710** **BI14898**
Acc. No. 510/1884-86
श्रुतस्कन्धपूजा
Śrutaskandhapūjā
4 Folios, 9 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 764 **BIR1711** **BI14905**
Acc. No. 524/1884-86
विद्युन्मालीमेरुपूजाजयमाला
Vidyunmālīmerupūjājayamālā
6 Folios, 11 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

765	BIR1711	BI14906	769	BIR1712	BI14912
		Acc. No. 527/1884-86			Acc. No. 534/1884-83
	पद्मपुराण			अङ्कुरार्पण	
	Padmapurāṇa			Aṅkurārpaṇa	
	241 Folios, 11 1/2 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			30 Folios, 9 x 3 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
766	BIR1711	BI14908	770	BIR1712	BI14913
		Acc. No. 536/1884-86			Acc. No. 543/1884-86
	प्रबोधसार			भावसङ्ग्रह	
	Prabodhasāra			Bhāvasaṅgraha	
	Yaśakīrti			Vāmadeva	
	27 Folios, Folio 6, 26 missing, 8 1/4 x 3 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			49 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
767	BIR1711	BI14909	771	BIR1712	BI14915
		Acc. No. 537/1884-86			Acc. No. 546/1884-86
	प्रायश्चित्तचूलासटीक			मूलाचारप्रदीपक	
	Prāyaścittacūlikāsaṭīka			Mūlacārapradīpaka	
	Gurudāsa			Sakalakīrti	
	28 Folios, 12 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune			125 Folios, 11 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1877, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
768	BIR1712	BI14911	772	BIR1713	BI14916
		Acc. No. 533/1884-86			Acc. No. 544/1884-86
	जिनप्रवचनरहस्यकोशपुरुषार्थसिद्धि			मांगीतुंगीगिरिपूजा	
	Jinpravacanarahasyakośapurusaṛthasiddhi			Māṅgītūṅgīgīripūjā	
	Amṛtacandra Sūri			10 Folios, Folio 6-9 missing, 12 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	
	17 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune				

- 773 **BIR1713** **BI14917**
Acc. No. 551/1884-86
रत्नत्रयजयमाला
Ratnatrayajayamālā
6 Folios, 10 1/2 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 774 **BIR1713** **BI14918**
Acc. No. 556/1884-86
श्रुतज्ञानव्रतोद्यापनजयमाला
Śrutajñānavratodyāpanajayamālā
19 Folios, 7 1/2 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1938, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 775 **BIR1713** **BI14919**
Acc. No. 557/1884-86
शान्तिमन्त्र
Śāntimantra
2 Folios, 11 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1886, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 776 **BIR1713** **BI14920**
Acc. No. 559/1884-86
श्रावकाचार
Śrāvakācāra
33 Folios, Folio 4 missing, 13 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 777 **BIR1713** **BI14921**
Acc. No. 560/1884-86
श्रावकाचार
Śrāvakācāra
Padmanandi
- 49 Folios, 12 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 778 **BIR1713** **BI14922**
Acc. No. 561/1884-86
श्रावकप्रायश्चित्त
Śrāvakaprayāścitta
10 Folios, 11 1/4 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1883, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 779 **BIR1713** **BI14924**
Acc. No. 565/1884-86
समाधितन्त्र
Samādhitantra
Parvatadharmarthī
159 Folios, Folio 1,31-33....43 missing, 12 x 5 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 780 **BIR1714** **BI14925**
Acc. No. 566/1884-86
संमेदाशिखरिमाहात्म्य
Sammedāśikharimāhātmya
67 Folios, 10 1/2 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1864, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 781 **BIR1714** **BI14930**
Acc. No. 593/1884-86
जम्बुद्वीपसङ्ग्रहणीवृत्ति
Jambudvīpasāṅgrahaṇīvṛtti
Dīpasāgaragaṇi
16 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 782 **BIR1715** **BI14934**
Acc. No. 603/1884-86
नमस्कारलघुपञ्जिका
Namaskāralaghupañjikā
Siddhāntagaṇi Sūri
10 Folios, 11 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 783 **BIR1715** **BI14936**
Acc. No. 609/1884-86
पट्टावली
Paṭṭāvali
3 Folios, 10 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 784 **BIR1715** **BI14937**
Acc. No. 616/1884-86
प्रतिष्ठाकल्प
Pratiṣṭhākālpa
17 Folios, 10 x 4, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 785 **BIR1715** **BI14938**
Acc. No. 618/1884-86
प्रश्नोत्तरमाला
Praśnottaramālā
4 Folios, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 786 **BIR1715** **BI14940**
Acc. No. 627/1884-86
दोसान्तिकादिप्रकरण
Dosāntikādīprakaraṇa
Ratnasūri
- 14 Folios, 10 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1681, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 787 **BIR1715** **BI14941**
Acc. No. 628/1884-86
चारुविचारसङ्ग्रह
Cāruvicārusaṅgraha
29 Folios, Folio 1-9 missing, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Śaka 1443, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 788 **BIR1715** **BI14943**
Acc. No. 260/1884-86
विद्याहाला
Vidyāhālā
21 Folios, 12 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 789 **BIR1715** **BI14944**
Acc. No. 261/1884-86
विंशतिस्थानकविचारामृतसङ्ग्रह
Viṃśatisthānakavicārāmṛtasaṅgraha
99 Folios, 9 1/2 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 790 **BIR1715** **BI14945**
Acc. No. 262/1884-86
विंशतिवीतरागस्तोत्राणि
Viṃśativītarāgastotrāṇi
Hemacandra
5 Folios, 10 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1536, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 791 **BIR1715** **BI14949**
Acc. No. 642/1884-86
समयसार
Samayasāra
9 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, 796 **BIR1778** **BI15354**
Acc. No. 1085/1884-87
बिम्बनिर्वाणप्रतिष्ठा
Bimbanirvāṇapraṭiṣṭhā
5 Folios, 12 1/4 x 6 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 792 **BIR1715** **BI14950**
Acc. No. 643/1884-86
सम्यक्सप्ततिका
Samyaksaptatikā
141 Folios, 11 3/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 793 **BIR1716** **BI14951**
Acc. No. 644/1884-86
सम्यक्सवरूपस्तवन
Samyaksvarūpastavana
2 Folios, 11 x 4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 794 **BIR1716** **BI14953**
Acc. No. 651/1884-86
सूरिपदस्थापनाविधि
Sūripadasthāpanāvidhi
4 Folios, 9 1/2 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 795 **BIR1773** **BI15331**
Acc. No. 1057/1884-87
जिनयज्ञकल्प
Jinayajñakalpa
60 Folios, 9 1/4 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, 799 **BIR1779** **BI15358**
Acc. No. 1089/1884-87
षष्टिप्रकरण
Ṣaṣṭiprakaraṇa
7 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1610, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 796 **BIR1778** **BI15354**
Acc. No. 1085/1884-87
बिम्बनिर्वाणप्रतिष्ठा
Bimbanirvāṇapraṭiṣṭhā
5 Folios, 12 1/4 x 6 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 797 **BIR1778** **BI15355**
Acc. No. 1086/1884-87
प्रायश्चित्तश्रावक
Prāyaścittaśrāvaka
Akalamka
4 Folios, 12 1/2 x 8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 798 **BIR1779** **BI15357**
Acc. No. 1088/1884-87
व्रतोद्योतन
Vratodyotana
Abhradeva
22 Folios, 11 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1885, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 799 **BIR1779** **BI15358**
Acc. No. 1089/1884-87
षष्टिप्रकरण
Ṣaṣṭiprakaraṇa
7 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1610, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 800 **BIR1779** **BI15359**
Acc. No. 1090/1884-87
समयसार
Samayasāra
41 Folios, 10 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 801 **BIR1780** **BI15363**
Acc. No. 1093/1884-87
सार्धद्वयद्वीपस्थजिनपूजा
Sārdhadvayadvīpasthajinapūjā
97 Folios, 11 3/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 802 **BIR1781** **BI15365**
Acc. No. 1114/1884-87
पाण्डवपुराण
Pāṇḍavapurāṇa
Śubhacandra
278 Folios, 12 1/4 x 5 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1886, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 803 **BIR1782** **BI15366**
Acc. No. 1129/1884-87
साम्यत्त्वकौमुदी
Sāmyaktvakaumudī
160 Folios, 10 3/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1766, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 804 **BIR1788** **BI15429**
Acc. No. 1283/1884-87
चित्रसेनपद्मावतीकथानक
Citrasenapadmāvatīkathānaka
13 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1703, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 805 **BIR1789** **BI15433**
Acc. No. 1294/1884-87
नेमचरित्र
Nemacaritra
7 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 806 **BIR1790** **BI15437**
Acc. No. 1317/1884-87
विजयचन्दकेवलचरित्र
Vijayacandakevalicaritra
77 Folios, 12 x 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 807 **BIR1790** **BI15439**
Acc. No. 1319/1884-87
राजहंसनियमभङ्गकथानक
Rājahaṁsanīyamabhaṅgakathānaka
7 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 808 **BIR1790** **BI15440**
Acc. No. 1324/1884-87
वङ्कचूलकथानक
Vaṅkacūlakathānaka
Somatilaka Sūri
11 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 809 **BIR1790** **BI15442** 813 **BIR1840** **BI15814**
 Acc. No. 1327/1884-87 Acc. No. 1400/1886-92
संवेगशतक **उपदेशरत्नमाला**
Samvegaśataka **Upadeśaratnamālā**
 6 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, **Sakalabhūṣaṇa**
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, 136 Folios, 12 x 5 3/4, Paper,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Bhandarkar Oriental Research Samvat 1783, MFL, New Delhi,
 Institute, Pune IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 810 **BIR1790** **BI15443** 814 **BIR1840** **BI15822**
 Acc. No. 1328/1884-87 Acc. No. 1220/1886-92
संवेगशतकपरिकरण **कर्मग्रन्थ**
Samvegaśatakaparikaraṇa **Karmagrantha**
 5 Folios, 10 1/2 x 4 1/4, Paper, **Devendra Sūri**
 Prakrit, Devanāgarī, Complete, 305 Folios, Folio 305b missing, Paper,
 Samvat 1611, MFL, New Delhi, Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental MFL, New Delhi, IGNCA,
 Research Institute, Pune Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 811 **BIR1831** **BI15741**
 Acc. No. 1397/1886-94
तत्त्वार्थसूत्रटीका
Tattvārthasūtraṭīkā
Vaṭṭeraka
 348 Folios, 11 1/2 x 5, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
 MFL, New Delhi, IGNCA,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 815 **BIR1841,1842** **BI15828**
 Acc. No. 1344/1886-92
शान्तिजिनराजस्तुतिमाहात्म्यवर्णन
Śāntijinarājastutimāhātmyavarṇana
 358 Folios, Paper, Old Hindi,
 Devanāgarī, Complete, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 812 **BIR1835** **BI15777** 816 **BIR1842** **BI15835**
 Acc. No. 1428/1886-92 Acc. No. 1426/1886-92
तीसचौवीसीपूजा **तत्त्वार्थसारदीपक**
Tīsacauvīsīpūjā **Tattvārthasāradīpaka**
Sakalakīrti
 141 Folios, 12 x 5 3/4, Paper, Sanskrit,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Devanāgarī, Complete, Samvat 1827,
 Samvat 1905, MFL, New Delhi, MFL, New Delhi, IGNCA,
 IGNCA, Bhandarkar Oriental Bhandarkar Oriental Research
 Research Institute, Pune Institute, Pune

- 817 **BIR1843** **BI15837**
Acc. No. 1401/1886-92
उपासकाध्ययन
Upāsakādhyayana
Vasunandin
49 Folios, 11 x 4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1820, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 818 **BIR1843** **BI15838**
Acc. No. 1413/1886-92
तीर्थङ्करसंस्कृतपूजा
Tīrthaṅkarasaṁskṛtapūjā
49 Folios, 10 3/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 819 **BIR1843** **BI15839**
Acc. No. 1402/1886-92
उपासकाध्ययनसटीक
Upāsakādhyayanasatīka
Samantabhadra
86 Folios, 11 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1603, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 820 **BIR1843** **BI15840**
Acc. No. 1485/1886-92
समयसारसटीक
Samayasārasatīka
116 Folios, 12 1/2 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1778, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 821 **BIR1844** **BI15841**
Acc. No. 1425/1886-92
- 822 **BIR1844,1845** **BI15844**
Acc. No. 1414/1866-92
तत्त्वार्थसूत्रबालावबोधटीका
Tattvārthasūtrabālavabodhatīkā
Umāsvāti
118 Folios, 12 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1795, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 823 **BIR1845** **BI15845**
Acc. No. 1412/1886-92
चतुर्विंशतिस्थानक
Caturvīṁśatisthānaka
Ānandarāma
121 Folios, Folio 1-2 missing, 12 x 5, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 824 **BIR1845** **BI15846**
Acc. No. 1483/1886-92
चौवीसतीर्थङ्करपूजा
Cauvīsātīrthaṅkarapūjā
Rāmacandra Caudharī
73 Folios, 11 x 5, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1876, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 824 **BIR1845** **BI15846**
Acc. No. 1483/1886-92
संमदेशिखरिमाहात्म्य
Sammedaśikharimāhātmya
Devadatta Dīkṣita
130 Folios, 9 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1852, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

825	BIR1845 Acc. No. 1235/1886-92 गुणमालाप्रकरण Guṇamālāprakaraṇa 103 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1804, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15848	829	BIR1859 Acc. No. 1275/1886-92 नवतत्त्वभाष्यवृत्ति Navatattvabhāṣyavṛtti Yaśadeva Upādhyāya 49 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15954
826	BIR1846 Acc. No. 1444/1886-92 रामपुराण Rāmapurāṇa Somasena 290 Folios, 11 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1679, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15851	830	BIR1859 Acc. No. 1296/1886-92 प्रवचनसार Pravacanasāra 34 Folios, 10 1/2 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1514, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15955
827	BIR1857 Acc. No. 1265/1886-92 सिंहासनद्वित्रिंशिका Simhāsanadvātrimśikā Guṇavijayagaṇi 45 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15933	831	BIR1860 Acc. No. 1255/1866-92 तत्त्वतरङ्गिणीसूत्रसवृत्ति Tattvatarāṅgiṇīsūtrasavṛtti 18 Folios, 10 x 4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15979
828	BIR1857 Acc. No. 376/1886-92 नासकेतुपुराण Nāsaketupurāṇa Nandadāsa Svāmin 86 Folios, 7 3/4 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1876, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15941	832	BIR1860 Acc. No. 1282/1886-92 परमात्मप्रकाश Paramātmaprakāśa Dharmamandiragaṇi 40 Folios, 10 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune	BI15987

- 833 **BIR1860** **BI15989**
Acc. No. 1323/1886-92
लोकनालिकाद्वात्रिंशिका
Lokanālikādvātrīṁśikā
4 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 834 **BIR1860** **BI15991**
Acc. No. 1291/1886-92
प्रतिक्रमविधि
Pratikramavidhi
16 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 835 **BIR1860** **BI15992**
Acc. No. 1322/1886-92
लोकतत्त्वनिर्णय
Lokatattvanirṇaya
Haribhadra Sūri
2 Folios, 9 3/4 x 4 1/4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 836 **BIR1860** **BI15993**
Acc. No. 1287/1886-94
पुरन्दरकथा
Purandarakathā
16 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 837 **BIR1860** **BI15994**
Acc. No. 1274/1886-92
सूक्ष्मविचारगाथात्रय
Sūkṣmavicāragāthātraya
- 838 **BIR1860** **BI15995**
Acc. No. 1273/1886-92
नवतत्त्वविचार
Navatattvavicāra
23 Folios, 10 x 5, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 839 **BIR1860** **BI15996**
Acc. No. 1280/1886-92
पञ्चसूत्रकव्याख्या
Pañcasūtrakavyākhyā
27 Folios, 9 3/4 x 4 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1842, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 840 **BIR1860** **BI15997**
Acc. No. 1366/1886-92
संपक्वसत्तरीप्रकरण
Samṣpakvasattarīprakaraṇa
4 Folios, 10 1/4 x 3 3/4, Paper,
Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL,
New Delhi, IGNCA, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 841 **BIR1860** **BI15999**
Acc. No. 1373/1836-92
सिद्धपञ्चाशिकासूत्र
Siddhapañcāśikāsūtra
Devendra Sūri
25 Folios, 10 1/4 x 5, Paper, Prakrit,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1931, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 842 **BIR1860** **BI16000**
Acc. No. 1372/1886-92
सिंहासनद्वित्रिंशतिका
Simhāsanadvātrimśatikā
39 Folios, 10 1/2 x 4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 843 **BIR1860** **BI16001**
Acc. No. 1371/1886-92
सिंहासनद्वित्रिंशतिका
Simhāsanadvātrimśatikā
23 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1646,
MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research
Institute, Pune
- 844 **BIR1860** **BI16002**
Acc. No. 1360/1886-92
संवेगचूडामणि
Samvegacūḍamaṇi
5 Folios, 10 3/4 x 4 3/4, Paper,
Prakrit, Devanāgarī, Complete,
Saṁvat 1856, MFL, New Delhi,
IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 845 **BIR1860** **BI16003**
Acc. No. 1368/1886-92
सम्यक्त्वस्तवनटीका
Samyaktvastavanaṭikā
Śivasundaragaṇi
2 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper,
Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 846 **BIR1861** **BI16006**
Acc. No. 1450/1886-92
- पल्यविधानसमुद्यापन
Palyavidhānasamudyāpana
Śrīsubha Bhaṭṭāraka
10 Folios, 10 1/2 x 4 3/4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 847 **BIR1861** **BI16008**
Acc. No. 1177/1886-92
आप्तपरीक्षासूत्र
Āptaparikṣāsūtra
10 Folios, 10 1/4 x 4 3/4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 848 **BIR1861** **BI16012**
Acc. No. 1218/1886-92
कर्मग्रन्थ
Karmagrantha
Devendra Sūri
18 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1563,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 849 **BIR1861** **BI16017**
Acc. No. 1219/1886-92
कर्मग्रन्थि
Karmagranthi
Devendra Sūri
7 Folios, 9 1/2 x 4 3/4, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 850 **BIR1861** **BI16020**
Acc. No. 1254/1886-92
ज्ञानसार
Jñānasāra
Yaśovijayagaṇī
6 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 851 **BIR1861** **BI16022**
Acc. No. 1236/1886-92
गुर्वावली
Gurvāvalī
Munisundara
13 Folios, 10 1/4 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 852 **BIR1861** **BI16026**
Acc. No. 1410/1886-92
षण्णवतिक्षेत्रपालपूजा
Ṣaṇṇavatikṣetrapālapūjā
Viśvasena
10 Folios, 9 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1902, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 853 **BIR1861** **BI16027**
Acc. No. 1411/1886-92
आश्रमलक्षण
Āśramalakṣaṇa
12 Folios, Folio 1 missing, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1538, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 854 **BIR1861** **BI16028**
Acc. No. 1394/1886-92
अक्षयनिघान
- Akṣayanidhāna**
4 Folios, 11 x 4 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 855 **BIR1862** **BI16034**
Acc. No. 1367/1886-92
सम्यक्तत्त्वस्वरूपगर्जितस्तोत्रटीका
Samyaktvasvarūpagarjitatotraṭīkā
5 Folios, 10 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1788, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 856 **BIR1862** **BI16035**
Acc. No. 1374/1886-92
सिद्धान्तरत्नावली
Siddhāntaratnāvalī
3 Folios, 15 x 7 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1934, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 857 **BIR1862** **BI16036**
Acc. No. 1237/1886-92
सारसमुच्चय
Sārasamuccaya
5 Folios, 10 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1795, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 858 **BIR1862** **BI16037**
Acc. No. 1238/1886-92
चन्दगविभ्रपियन
Candagavibhrapiyana
9 Folios, 10 1/2 x 4 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 859 **BIR1862** **BI16042**
Acc. No. 1227/1886-92
कालसप्तति
Kālasaptati
Dharmaghoṣa
3 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 860 **BIR1862** **BI16043**
Acc. No. 1232/1886-92
पुद्गलपरावल्लीसूत्र
Pudgalaparāvallīsūtra
3 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 861 **BIR1862** **BI16059**
Acc. No. 1464/1886-92
पद्मावतीभैरवकल्प
Padmāvatībhairavakalpa
Malliṣeṇa Sūri
12 Folios, 12 1/2 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 862 **BIR1862** **BI16060**
Acc. No. 1439/1886-92
पञ्चमेरुपूजा
Pañcamerupūjana
7 Folios, 4 1/2 x 4 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṃvat 1936, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 863 **BIR1862** **BI16061**
Acc. No. 1474/1886-92
- लोकप्रसिद्धमिथ्यात्व**
Lokaprasiddhamithyātva
4 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 864 **BIR1862** **BI16062**
Acc. No. 1449/1886-92
पल्यविधानपूजा
Palyavidhānapūjā
10 Folios, 11 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 865 **BIR1862** **BI16070**
Acc. No. 963/1886-92
मुनिमहामाईवाक्य
Munimahāmāimvākya
2 Folios, Paper, Sanskrit, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 866 **BIR1862** **BI16071**
Acc. No. 1451/1886-92
पल्योपमोपवासविधि
Palyopamopavāsavidhi
5 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 867 **BIR1862** **BI16083**
Acc. No. 1427/1886-92
तत्त्वार्थवार्तिकव्याख्यानालङ्कार
Tattvārthavārtikavyākhyānalāṅkāra
24 Folios, Folio 6, 14 missing, 8 1/4 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 868 **BIR1891** **BI16269**
Acc. No. 1017/1887-91
पुरुषार्थसिद्ध्युपायभाषाटीका
Puruṣārthasiddhyupāyabhāṣāṭīkā
65 Folios, 11 3/4 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Old Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 869 **BIR1892** **BI16272**
Acc. No. 1016/1887-91
पुरुषार्थसिद्ध्युपाय
Puruṣārthasiddhyupāya
19 Folios, 8 1/2 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Old Hindi, Devanāgarī, Incomplete, Śamvat 1746, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 870 **BIR1892** **BI16273**
Acc. No. 1020/1887-91
प्रतिष्ठापाठ
Pratiṣṭhāpāṭha
12 Folios, 12 1/2 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 871 **BIR1892** **BI16274**
Acc. No. 997/1887-91
जैनपूजापद्धति
Jainapūjāpaddhati
59 Folios, Folio 1 and 59b missing, 10 x 3 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 872 **BIR1892** **BI16276**
Acc. No. 1009/1887-91
धर्मपरीक्षा
Dharmaparīkṣā
Hariṣeṇa
- 76 Folios, 11 x 5 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 873 **BIR1896** **BI16316**
Acc. No. 1008/1887-91
धर्मपरीक्षा
Dharmaparīkṣā
Amitagati
60 Folios, 12 1/2 x 5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śamvat 1808, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 874 **BIR1897** **BI16320**
Acc. No. 1004/1887-91
देवागमगुरुपूजा
Devāgamagurupūjā
33 Folios, 12 x 5 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 875 **BIR1898** **BI16330**
Acc. No. 1011/1887-91
नन्दीश्वरपङ्क्तिपूजा
Nandīśvarapaṅktipūjā
11 Folios, 11 1/4 x 4 3/4, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 876 **BIR1908** **BI16404**
Acc. No.-
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
195 Folios, 10 1/2 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śamvat 1726, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 877 **BIR1911,1912** **BI16410** 881 **BIR1917** **BI16445**
 Acc. No. 1187/1887-91 Acc. No. 1254/1887-91
निशीथचूर्ण
Niśīthacūrṇi
Jinadāsa Mahattara
 670 Folios, 11 1/4 x 4 1/4, Paper,
 Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL,
 New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- 878 **BIR1912** **BI16412** 882 **BIR1918** **BI16450**
 Acc. No. 1257/1887-91 Acc. No. 1246/1887-91
धर्मकल्पद्रुम
Dharmakalpadruma
 135 Folios, 10 1/4 x 4, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- 879 **BIR1912** **BI16413** 883 **BIR1921** **BI16458**
 Acc. No. 1393/1887-91 Acc. No. 1242/1887-91
बालभारत
Bālabhārata
Amaracandra
 217 Folios, 10 1/4 x 4 3/4, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1752, MFL, New Delhi,
 IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 880 **BIR1915** **BI16426** 884 **BIR1922** **BI16460**
 Acc. No. 1032/1887-91 Acc. No. 1182/1887-91
श्रावकाचार
Śrāvakācāra
Pūjyapādasvāmin
 5 Folios, 10 1/2 x 4 3/4, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- विशेषावश्यकवृत्ति**
Viśeṣāvaśyakavṛtti
Hemacandra
 335 Folios, 10 x 4 1/2, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- विचारबत्तीसी**
Vicārabattīsī
 23 Folios, 10 x 4, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1764,
 MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar
 Oriental Research Institute, Pune
- लोकप्रकाश**
Lokaprakāśa
 670 Folios, 9 3/4 x 4 1/2, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1716, MFL, New Delhi,
 IGNC, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune

- 885 **BIR1924** **BI16499**
Acc. No. 1227/1887-91
भववैराग्यशतक
Bhavavairāgyaśataka
24 Folios, 10 1/4 x 5, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1815, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 886 **BIR1925** **BI16502**
Acc. No. 1259/1887-91
शीलोपदेशमालाप्रकरण
Śīlopadeśamālāprakaraṇa
3 Folios, 9 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 887 **BIR1925** **BI16503**
Acc. No. 1262/1887-91
श्रमणसूत्र
Śramaṇasūtra
6 Folios, 9 3/4 x 4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 888 **BIR1925** **BI16510**
Acc. No. 1276/1887-91
सङ्घपट्टक
Saṅghapaṭṭaka
Jinavallabha Sūri
27 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 889 **BIR1926** **BI16532**
Acc. No. 1296/1887-91
ऋषिदत्तचरित
- R̥ṣidattacarita**
34 Folios, 10 by 4 1/4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 890 **BIR1927,1928** **BI16535**
Acc. No. 1049/1887-91
बृहत्कथाकोश
Bṛhatkathākośa
Hariṣenācārya
377 Folios, 13 by 6 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1833, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 891 **BIR1931** **BI16564**
Acc. No. 1292/1887-91
अतिमुक्तचरित्र
Atimuktacaritra
13 Folios, 10 1/4 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 892 **BIR1931** **BI16565**
Acc. No. 1297/1887-91
कथाकोश
Kathākośa
40 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 893 **BIR1931** **BI16566**
Acc. No. 1294/1887-91
उत्तमचरित्रकथा
Uttamacaritrakathā
5 Folios, 10 x 4 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 894 **BIR1936,1937** **BI16604**
Acc. No. 1043/1887-91
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Jinasena Guṇabhadra
562 Folios, 12 x 5 3/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1796, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 895 **BIR1938** **BI16616**
Acc. No. 1349/1887-91
कार्तिकसौभाग्यपञ्चमीमाहात्म्य
Kārtikasaubhāgyapañcamīmāhātmya
5 Folios, 10 x 4, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 896 **BIR1942** **BI16676**
Acc. No. 1080/1887-91
अरिहन्तकेवलि
Arihantakevali
11 Folios, 11 x 5 1/4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 897 **BIR1942** **BI16679**
Acc. No. 1006/1887-91
द्रव्यसङ्ग्रह
Dravyasaṅgraha
11 Folios, 10 1/2 x 5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 898 **BIR1943** **BI16683**
Acc. No. 994/1887-91
उपासकाध्ययन
Upāsakādhyayana
- Samantabhadra**
16 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, With commentary by Prabhācandra, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 899 **BIR1943** **BI16692**
Acc. No. 1042/1887-91
आदिपुराण
Ādipurāṇa
Sakalakīrti
195 Folios, 10 1/2 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1726, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 900 **BIR1957-1959** **BI16727**
Acc. No. 1072/1891-95
तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक
Tattvārthaślokaivārtika
955 Folios, 27 1/2 x 15, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 901 **BIR1962** **BI16741**
Acc. No. 1052/1891-95
उपासकाध्ययन
Upāsakādhyayana
Samantabhadra
25 Folios, 28 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1611, With commentary by Prabhācandra, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 902 **BIR1962** **BI16743**
Acc. No. 1051/1891-92
उपासकाध्ययन
Upāsakādhyayana
15 Folios, 6 1/2 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1894, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 903 **BIR1962** **BI16745**
Acc. No. 1057/1891-95
क्रियाकलाप
Kriyākālāpa
106 Folios, Folio 107-112 missing, 24 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 904 **BIR1962** **BI16746**
Acc. No. 1048/1891-95
आदिनाथादिपूजा
Ādināthādipūjā
19 Folios, 27 1/2 x 12 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 905 **BIR1962** **BI16747**
Acc. No. 1056/1891-95
क्रियाकलापटीका
Kriyākālāpaṭīkā
126 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 906 **BIR1963** **BI16755**
Acc. No. 939/1891-95
योगशतटीका
Yogaśataṭīkā
- 907 **BIR1963** **BI16757**
Acc. No. 1045/1891-95
अष्टप्राभृत
Aṣṭaprabhṛta
Kundakundācārya
62 Folios, 28 1/2 x 12 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 908 **BIR1963** **BI16758**
Acc. No. 1060/1891-95
गौतमचरित
Gautamacarita
29 Folios, 32 x 15 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 909 **BIR1963** **BI16762**
Acc. No. 1055/1891-95
कर्मप्रकृति
Karmaprakṛti
Nemicandra
14 Folios, 28 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 910 **BIR1964** **BI16769**
Acc. No. 1092/1891-95
धर्मप्रश्नोत्तर
Dharmapraśnottara
97 Folios, 26 1/2 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1654, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 911 **BIR1964** **BI16770**
Acc. No. 1047/1891-95
आचारसार
Ācārasāra
Vīranandana
96 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1636,
MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 912 **BIR1965** **BI16775**
Acc. No. 1093/1891-95
धर्मप्रश्न
Dharmapraśna
66 Folios, 28 x 13, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1945,
MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 913 **BIR1966** **BI16782**
Acc. No. 1087/1891-95
त्रैलोक्यसारपूजा
Trailokyasārapūjā
162 Folios, 31 x 13, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 914 **BIR1966** **BI16783**
Acc. No. 1075/1891-95
तत्त्वार्थसार
Tattvārthasāra
56 Folios, 33 x 20 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC, A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 915 **BIR1966** **BI16784**
Acc. No. 1079/1891-95
- तत्त्वार्थसूत्रटीका**
Tattvārthasūtraṭikā
Yogadeva
131 Folios, 24 1/2 x 12 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Saṁvat 1863, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 916 **BIR1966** **BI16787**
Acc. No. 1091/1891-95
धर्मपरीक्षा
Dharmaparīkṣā
Amitagati
111 Folios, 29 1/2 x 14, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Saṁvat 1607, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 917 **BIR1969** **BI16790**
Acc. No. 1096/1891-95
धर्मसङ्ग्रह
Dharmasaṅgraha
89 Folios, 26 x 12 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Saṁvat 1856, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 918 **BIR1969** **BI16800**
Acc. No. 1184/1891-95
ज्ञानार्णव
Jñānārṇava
Śubhacandra
141 Folios, 28 x 12 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Saṁvat 1886, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 919 **BIR1970** **BI16802** 923 **BIR1971** **BI16807**
 Acc. No. 1331/1891-95 Acc. No. 1193/1891-95
गुरुतत्त्वनिश्चय
Gurutattvaniścaya
Haribhadra Sūri;
 212 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Prakrit,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1941, MFL, New Delhi,
 IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 920 **BIR1970** **BI16803** 924 **BIR1971** **BI16808**
 Acc. No. 1285/1891-95 Acc. No. 1175/1891-95
पूजासारसमुच्चय
Pūjāsārasamuccaya
 109 Folios, 31 1/2 x 12 1/2, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1937, MFL, New Delhi,
 IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- 921 **BIR1971** **BI16805** 925 **BIR1972** **BI16809**
 Acc. No. 1219/1891-95 Acc. No. 1150/1891-95
धर्मामृतसागर
Dharmāmṛtasāgara
Āśādhara
 180 Folios, 31 x 14, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1771,
 MFL, New Delhi, IGNCa,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- 922 **BIR1971** **BI16806** 926 **BIR1972** **BI16810**
 Acc. No. 1217/1891-95 Acc. No. 1164/1891-95
स्वामिकार्तिकानुप्रेक्षा
Svāmikārtikānupreksā
 190 Folios, 33 x 14 1/2, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1845, Commentary by
 Śubhacandra, MFL, New Delhi,
 IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- परमार्थप्रकाश**
Paramārthaprakāśa
Yogīndradeva
 141 Folios, 26 1/2 x 11 1/2, Paper,
 Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, Saṁvat 1941, MFL, New
 Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- हनूमच्चरित**
Hanūmaccarita
 90 Folios, 28 1/2 x 13 1/2, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 Saṁvat 1898, MFL, New Delhi,
 IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune
- नेमिजिनपुराण**
Nemijinapurāṇa
 181 Folios, 27 x 11 1/2, Paper,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCa,
 Bhandarkar Oriental Research
 Institute, Pune
- शान्तिपुराण**
Śāntipurāṇa
 82 Folios, 34 x 13, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, MFL, New
 Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune

- 927 **BIR1972** **BI16811**
Acc. No. 1240/1891-95
उपदेशरत्नमाला
Upadeśaratnamālā
Śakalabhūṣaṇa
180 Folios, Folio 135 missing, 25 1/2 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Śaṁvat 1716, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 928 **BIR1972** **BI16812**
Acc. No. 1234/1891-95
आस्रवत्रिभङ्गी
Āsravatribhaṅgī
Nemicandra
63 Folios, 28 x 13 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 929 **BIR1973** **BI16815**
Acc. No. 1258/1891-95
खिन्नसमास
Khinnasamāsa
7 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 930 **BIR1973** **BI16816**
Acc. No. 1272/1891-95
निर्वाणकलिका
Nirvāṇakalikā
25 Folios, Folio 1 missing, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 931 **BIR1973** **BI16817**
Acc. No. 1213/1891-95
सिद्धपूजाजयमाला
Siddhapūjājayamālā
6 Folios, 26 x 12 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 932 **BIR1973** **BI16818**
Acc. No. 1308/1891-95
दोधकश्रावकाचार
Dodhakaśrāvakācāra
Lakṣmīcandra
100 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 933 **BIR1973** **BI16819**
Acc. No. 1245/1891-95
कर्मग्रन्थाष्टक
Karmagranthāṣṭaka
292 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 934 **BIR1973** **BI16821**
Acc. No. 1083/1891-95
त्रिवर्णाचार
Trivarnācāra
91 Folios, 32 x 20 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 935 **BIR1974** **BI16822**
Acc. No. 1070/1891-95
तत्त्वकौस्तुभ
Tattvakaustubha
Akalarīnka
76 Folios, 28 x 21, Paper, Sanskrit, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1933, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 936 **BIR1975** **BI16823**
Acc. No. 1187/1891-95
तत्त्वार्थवृत्ति
Tattvārthavṛtti
Siddhasena
670 Folios, 28 x 21 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1942, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 937 **BIR1976** **BI16824**
Acc. No. 1115/1891-95
भगवत्याराधना
Bhagavatyārādhanā
Nandigarī
347 Folios, 28 1/2 x 13 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 938 **BIR1977** **BI16836**
Acc. No. 1108/1891-95
प्रश्नोत्तरोपासकाचार
Praśnottaropāsakācāra
Sakalakīrti
121 Folios, 27 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 939 **BIR1979** **BI16850**
Acc. No. 1159/1891-95
बृहत्कथाकोश
Bṛhatkathākośa
Hariṣenācārya
350 Folios, 31 x 14, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1868, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 940 **BIR1987** **BI16923**
Acc. No. 1154/1891-95
पद्मपुराण
Padmapurāṇa
371 Folios, Folio 6-12 missing, 29 x 13, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 941 **BIR1987** **BI16924**
Acc. No. 1114/1891-95
भगवत्याराधना
Bhagavatyārādhanā
297 Folios, 30 x 16, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1809, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 942 **BIR1994** **BI16999**
Acc. No. 1160/1891-95
मौनैकादशीचरित
Maunaikādaśīcarita
19 Folios, 25 x 10, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 943 **BIR1998** **BI17047**
Acc. No. 1394/1891-95
प्रतिष्ठादीक्षा
Pratiṣṭhādīkṣā
7 Folios, 26 x 10, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 944 **BIR1998** **BI17062**
Acc. No. 1557/1891-95
शुद्धाबिहोत्तरिकथा
Śudābihottarikathā
Khemji
46 Folios, Folio 1-25 missing, 26 x 11 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1824, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 945 **BIR1998** **BI17064**
Acc. No. 1553/1891-95
विंशतिस्थानकपूजाविधि
Viṁśatisthānakapūjavidhi
24 Folios, 23 x 12, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 946 **BIR1999** **BI17075**
Acc. No. 1107/1891-95
प्रतिष्ठासार
Pratiṣṭhāsāra
29 Folios, 13 x 30 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 947 **BIR1999** **BI17078**
Acc. No. 1549/1891-95
उदाइचरित्र
Udāicaritra
Jayamalla
3 Folios, 25 x 17 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Śaka 1823, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 948 **BIR1999** **BI17079**
Acc. No. 1550/1891-95
गोराबादलकथा
Gorābādalakathā
- Jayamalla**
8 Folios, 25 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1866, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 949 **BIR1999** **BI17080**
Acc. No. 1552/1891-95
मुनिपतिचरित्र
Munipaticaritra
45 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 950 **BIR2000** **BI17082**
Acc. No. 1548/1891-95
आचार्यपरिपाटी
Ācāryaparipāṭī
18 Folios, 29 1/2 x 19, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 951 **BIR2003** **BI17086**
Acc. No. 1644/1891-95
बनारसीविलास
Banārasīvilāsa
104 Folios, 28 x 17 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1748, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 952 **BIR2003** **BI17087**
Acc. No. 1596/1891-95
क्रियाकोश
Kriyākośa
125 Folios, 27 1/2 x 14 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 953 **BIR2004** **BI17089**
Acc. No. 1545/1891-95
जलोपवार्ता
Jalopavārtā
Samaladāsa
33 Folios, 28 1/2 x 14, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 954 **BIR2004** **BI17090**
Acc. No. 1543/1891-95
फूलमतीवार्ता
Phūlamatīvārtā
14 Folios, 22 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 955 **BIR2004** **BI17092**
Acc. No. 1544/1891-95
मृगीसंवादकथा
Mṛgīsaṁvādakathā
20 Folios, 18 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 956 **BIR2004** **BI17102**
Acc. No. 1619/1891-95
अट्टीदीप
Aṭṭīdīpa
3 Folios, 25 x 11 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1877, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 957 **BIR2005** **BI17106**
Acc. No. 1661/1891-95
विचारबत्तीसी
Vicārabattīsī
- 21 Folios, 25 1/2 x 10 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1746, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 958 **BIR2005** **BI17107**
Acc. No. 1646/1891-95
बारमासा
Bāramāsā
27 Folios, 15 1/2 x 10 1/4, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 959 **BIR2005** **BI17108**
Acc. No. 1668/1891-95
सिद्धान्तसारोद्धार
Siddhāntasāroddhāra
50 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 960 **BIR2005** **BI17109**
Acc. No. 1652/1891-95
मानवतीरास
Mānavatīrāsa
58 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1442, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 961 **BIR2005** **BI17112**
Acc. No. 1342/1891-95
वरदगुणमञ्जरीकथा
Varadaguṇamañjarīkathā
7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 962 **BIR2005** **BI17113**
Acc. No. 1207/1891-95
विषमार्थवृत्तानि
Viṣamārthavṛttāni
5 Folios, 26 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1806, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 963 **BIR2005** **BI17116**
Acc. No. 1385/1891-95
नरवर्मराजचरित
Naravarmarājacarita
20 Folios, Folio 3 missing, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat 1652, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 964 **BIR2005** **BI17117**
Acc. No. 1104/1891-95
पुष्पाञ्जलिब्रतोद्यापन
Puṣpāñjalivratodyāpana
8 Folios, 29 1/2 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 965 **BIR2005** **BI17118**
Acc. No. 1276/1891-95
पञ्चाशक
Pañcāśaka
Haribhadra Sūri
25 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 966 **BIR2006** **BI17126**
Acc. No. 1172/1891-95
नीतिसारसमुच्चय
Nītisārasamuccaya
- 13 Folios, 20 1/2 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 967 **BIR2006** **BI17127**
Acc. No. 1156/1891-95
पाण्डवपुराण
Pāṇḍavapurāṇa
Śrībhūṣaṇa
36 Folios, 28 1/2 x 15 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 968 **BIR2006** **BI17136**
Acc. No. 1163/1891-95
शान्तनाथचरित
Śāntanāthacarita
3 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 969 **BIR2006** **BI17143**
Acc. No. 1118/1891-95
भैरवपद्मावतीकल्प
Bhairavapadmāvatīkalpa
Malliṣeṇa
24 Folios, 26 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 970 **BIR2007** **BI17147**
Acc. No. 1110/1891-95
प्रायश्चित्त
Prāyaścitta
6 Folios, 26 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 971 **BIR2007** **BI17148**
Acc. No. 1103/1891-95
पञ्चमेरूपूजा
Pañcamerupūjā
Ratnacandra
5 Folios, 29 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 972 **BIR2007** **BI17149**
Acc. No. 1105/1891-95
पूजापञ्चासकवृत्ति
Pūjāpañcāsakavṛtti
14 Folios, 24 1/2 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 973 **BIR2009** **BI17184**
Acc. No. 1068/1891-95
विविधपूजासङ्ग्रह
Vividhapūjāsaṅgraha
42 Folios, 28 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 974 **BIR2009** **BI17185**
Acc. No. 1067/1891-95
स्तोत्रसङ्ग्रह
Stotrasaṅgraha
17 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 975 **BIR2011** **BI17231**
Acc. No. 1634/1891-95
नलदमयन्तीरास
Naladamayantīrāsa
Samayasundara
31 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1677, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 976 **BIR2011** **BI17232**
Acc. No. 1629/1891-95
टुटकमतनिवारणचर्या
Ṭuṭakamatānivarāṇacaryā
40 Folios, 27 1/2 x 13, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 977 **BIR2011** **BI17236**
Acc. No. 1640/1891-95
बिम्बप्रतिष्ठाविधि
Bimbapraṭiṣṭhāvidhi
16 Folios, 25 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1844, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 978 **BIR2012** **BI17252**
Acc. No. 1642/1891-95
प्रायश्चित्तग्रन्थ
Prāyaścittagrantha
20 Folios, 27 1/2 x 11 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 979 **BIR2012** **BI17253**
Acc. No. 1643/1891-95
प्रियमेलकचउपद्
Priyamelakacaupai
Samayasundara
13 Folios, 25 1/2 x 12, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1867, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 980 **BIR2013** **BI17266**
Acc. No. 1403/1891-95
बिम्बप्रवेशप्रतिष्ठाविधि
Bimbapraveśapratīṣṭhāvidhi
1 Folio, 26 x 11 1/2, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 981 **BIR2013** **BI17268**
Acc. No. 1422/1891-95
तत्त्वप्रदीपिका
Tattvapradīpikā
7 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 982 **BIR2016** **BI17304**
Acc. No. 1570/1891-95
अजापुत्रकथा
Ajāputrakathā
30 Folios, 25 x 10 1/2, Paper,
Sanskrit, Old Hindi, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 983 **BIR2016** **BI17308**
Acc. No. 1641/1891-95
प्रसन्नचन्द्रराजन्मषिराजरास
Prasannacandrarājaṣirājarāsa
8 Folios, 24 x 10 1/2, Paper, Old
Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 984 **BIR2016** **BI17312**
Acc. No. 1416/1891-95
विचारस्तवन
Vicārastavana
Vijayatilaka
- 5 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 985 **BIR2017,2018** **BI17339**
Acc. No. 1425/1891-95
श्रीपालनरेन्द्रकथा
Śrīpālanarendrakathā
51 Folios, 25 1/2 x 12, Paper, Old
Hindi, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1862, MFL, New Delhi,
IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 986 **BIR2018** **BI17340**
Acc. No. 1429/1891-95
समाधितन्त्र
Samādhitantra
202 Folios, 27 1/2 x 13, Paper, Old
Hindi, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1884, MFL, New Delhi,
IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 987 **BIR2018** **BI17341**
Acc. No. 1618/1891-95
तत्त्वार्थसूत्र
Tattvārthasūtra
94 Folios, 27 1/2 x 20 1/2, Paper, Old
Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Bhandarkar
Oriental Research Institute, Pune
- 988 **BIR2018** **BI17342**
Acc. No. 1621/1891-95
दर्शनसारवचनिका
Darśanasāravacanikā
91 Folios, 32 x 19 1/2, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 989 **BIR2019** **BI17343**
Acc. No. 1361/1891-95
गुर्वावलिसूत्र
Gurvāvalisūtra
11 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 990 **BIR2019** **BI17348**
Acc. No. 1301/1891-95
शतपदीसमुद्धार
Śatapadisamuddhāra
41 Folios, Folio 8 missing, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 991 **BIR2019** **BI17352**
Acc. No. 1124/1891-95
पूजासारसमुच्चय
Pūjāsārasamuccaya
94 Folios, 28 1/2 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1887, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 992 **BIR2019** **BI17353**
Acc. No. 1109/1891-95
प्रश्नोत्तरोपासकाचार
Praśnottaropāsakācāra
Bhaṭṭāraka Sakalakīrti
81 Folios, 27 1/2 x 20, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 993 **BIR2019** **BI17354**
Acc. No. 1336/1891-95
पूजाष्टक
- Pūjāṣṭaka**
33 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 994 **BIR2019** **BI17355**
Acc. No. 1289/1891-95
प्रतिष्ठापद्धति
Pratiṣṭhāpaddhati
57 Folios, 26 x 12 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 995 **BIR2019** **BI17356**
Acc. No. 1290/1891-95
प्रतिष्ठाविधि
Pratiṣṭhāvidhi
Sakalacandra
13 Folios, 27 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 996 **BIR2019** **BI17357**
Acc. No. 1287/1891-95
प्रतिमाप्रतिविधि
Pratimāpratividhi
4 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 997 **BIR2019** **BI17358**
Acc. No. 1288/1891-95
प्रतिष्ठाकल्प
Pratiṣṭhākālpa
13 Folios, 26 1/2 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1950, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 998 **BIR2020** **BI17361**
Acc. No. 1339/1891-95
रत्नसञ्चय
Ratnasañcaya
9 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 999 **BIR2020** **BI17362**
Acc. No. 1286/1891-95
प्रतिक्रमविधि
Pratikramavidhi
Jayacandra Sūri
13 Folios, 26 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1000 **BIR2020** **BI17363**
Acc. No. 1291/1891-95
प्रशमरति
Praśamarati
58 Folios, 25 1/2 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1951, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1001 **BIR2020** **BI17364**
Acc. No. 7180/1891-95
आत्मानुशासनटीका
Ātmānuśāsanaṭīkā
Prabhācandra
24 Folios, 33 1/2 x 20, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1946, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1002 **BIR2020** **BI17366**
Acc. No. 1333/1891-95
चित्रसेनपद्मावतीकथानक
- Citrasenapadmāvatīkathānaka**
32 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1003 **BIR2020** **BI17367**
Acc. No. 1298/1891-95
विधिप्रकाश
Vidhiprakāśa
20 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1004 **BIR2020** **BI17370**
Acc. No. 1376/1891-95
परसमयसन्देहसमुच्चयद्विजवदनचपेटा
Parasamayasandehasamuccayadvijavadanacapeṭā
5 Folios, 26 1/2 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1005 **BIR2020** **BI17372**
Acc. No. 1122/1891-95
रोहिणीव्रतमण्डलविधान
Rohiṇīvratamaṇḍalavidhāna
16 Folios, 28 1/2 x 13, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1006 **BIR2020** **BI17373**
Acc. No. 1318/1891-95
उत्तमकुमारराजकथानक
Uttamakumārārājakathānaka
10 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1685, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1007 **BIR2020** **BI17374**
Acc. No. 1391/1891-95
परीक्षामुखलघुवृत्ति
Parīkṣāmukhalaghuvṛtti
24 Folios, Folio 1 missing, 26 x 10 1/2,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1008 **BIR2020** **BI17375**
Acc. No. 683/1891-95
भावनदिकुल
Bhāvanādikula
7 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1009 **BIR2020** **BI17376**
Acc. No. 684/1891-95
सिद्धान्तरत्नावली
Siddhāntaratnāvalī
7 Folios, 27 x 12 1/2, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1010 **BIR2020** **BI17377**
Acc. No. 1317/1891-95
सिन्दूरप्रकरणटीका
Sindūraprakaraṇāṭikā
19 Folios, 25 x 10 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1011 **BIR2020** **BI17382**
Acc. No. 1126/1891-95
व्रतोद्योतनश्रावकाचार
Vratodyotanāśrāvakācāra
- 43 Folios, 25 x 12, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1012 **BIR2020** **BI17383**
Acc. No. 1127/1891-95
शीलपाहुड
Śīlapāhuḍa
Kundakundācārya
4 Folios, 27 x 12, Paper, Prakrit,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1013 **BIR2020** **BI17384**
Acc. No. 1186/1891-95
द्रव्यसङ्ग्रह
Dravyasaṅgraha
15 Folios, 26 x 12, Paper, Prakrit,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1014 **BIR2021** **BI17386**
Acc. No. 1130/1891-95
षट्प्राभृत
Ṣaṭprābhṛta
27 Folios, 33 1/2 x 20, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1015 **BIR2021** **BI17387**
Acc. No. 1211/1891-95
सार्थद्वीपपूजा
Sārthadvīpapūjā
45 Folios, 30 x 10, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 1016 **BIR2021** **BI17388**
Acc. No. 1266/1891-95
विद्यानुशासन
Vidyānuśāsana
Malliṣeṇa
84 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1017 **BIR2021** **BI17389**
Acc. No. 1146/1891-95
चतुर्विंशतिजिनवरजयमाला
Caturvīṃśatijinarajayamālā
60 Folios, 30 x 17, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1018 **BIR2021** **BI17390**
Acc. No. 1218/1891-95
स्वामिकार्तिकानुप्रेक्षा
Svāmikārtikānupreṣā
25 Folios, 33 x 20 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1019 **BIR2021** **BI17393**
Acc. No. 1303/1891-95
शाश्वतजिनस्तवन
Śāśvatajinastavana
2 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1020 **BIR2043** **BI17569**
Acc. No. 970/1892-95
व्रतोद्योतन
Vratodyotana
26 Folios, 27 1/2 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1021 **BIR2043** **BI17570**
Acc. No. 968/1892-95
लब्धिविद्यानपूजा
Labdhividhānapūjā
11 Folios, 28 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1022 **BIR2044** **BI17583**
Acc. No. 729/1892-95
धर्मपरीक्षा
Dharmaparīkṣā
Padmasāgaragaṇi
45 Folios, Folio 43 missing, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1023 **BIR2044** **BI17588**
Acc. No. 814/1892-95
जैनकथा
Jainakathā
21 Folios, 23 x 14, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1024 **BIR2044** **BI17590**
Acc. No. 716/1892-95
दानादिकुलक
Dānādikulaka
5 Folios, Folio 4 missing, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1025 **BIR2044** **BI17591**
Acc. No. 715/1892-95
दानादिकुलक
Dānādikulaka
4 Folios, 46 x 11, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1026 **BIR2044,2045** **BI17596**
Acc. No. 2044/1892-95
धर्मकल्पद्रुम
Dharmakalpadruma
139 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1027 **BIR2045** **BI17597**
Acc. No. 717/1892-95
दानादिकुलक
Dānādikulaka
152 Folios, 25 1/2 x 11, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1028 **BIR2046** **BI17601**
Acc. No. 966/1892-95
रत्नकरण्डश्रावकाचारवचनिका
Ratnakaraṇḍaśrāvakācāravacanikā
125 Folios, 31 1/2 x 12, Paper,
Sanskrit, Old hindi, Devanāgarī,
Complete, Śamvat 1915, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1029 **BIR2046** **BI17602**
Acc. No. 972/1892-95
श्रावकाचार
Śrāvakācāra
176 Folios, 26 x 13, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1030 **BIR2046** **BI17603**
Acc. No. 974/1892-95
श्रावकाचार
Śrāvakācāra
181 Folios, 26 x 15, Paper, Old Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1031 **BIR2047** **BI17605**
Acc. No. 957/1892-95
पुण्याश्रवकथाकोश
Puṇyāśravakathākośa
362 Folios, 27 x 12, Paper, Old Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1032 **BIR2050** **BI17610**
Acc. No. 953/B/1892-95
पट्टावली
Paṭṭāvalī
61 Folios, 29 x 20 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1033 **BIR2050** **BI17611**
Acc. No. 953-D/1892-95
पट्टावली
Paṭṭāvalī
76 Folios, 19 x 16, Paper, Hindi,
Devanāgarī, Complete, Śamvat 1926,
MFL, New Delhi, IGNC,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 1034 **BIR2052** **BI17615** IGNCA, Bhandarkar Oriental
पट्टावली Research Institute, Pune
Paṭṭāvalī
36 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1035 **BIR2052** **BI17616**
पट्टावली
Paṭṭāvalī
4 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1036 **BIR2052** **BI17617**
Acc. No. 952/1892-95
पञ्चकल्याणपूजा
Pañcakalyāṇapūjā
17 Folios, 30 x 20, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1037 **BIR2052** **BI17620**
Acc. No. 928/1892-95
क्रियाकोश
Kriyākośa
Sakalakīrti
78 Folios, 25 x 12 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1830, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1038 **BIR2053** **BI17622**
Acc. No. 932/1892-95
चतुर्विंशतितीर्थङ्करपूजा
Caturvīṃśatitīrthaṅkarapūjā
98 Folios, 28 1/2 x 14, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1940, MFL, New Delhi,
- 1039 **BIR2054** **BI17628**
Acc. No. 977/1892-95
सप्तव्यसनकथासमुच्चय
Saptavyasanakathāsamuccaya
Somakīrti
88 Folios, 27 1/2 x 12 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1040 **BIR2055** **BI17635**
Acc. No. 933/1892-95
चेतनचरित्र
Cetanacaritra
13 Folios, 29 x 12, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1041 **BIR2055** **BI17637**
Acc. No. 918/1892-95
अनन्तपूजाविधि
Anantapūjāvidhi
21 Folios, 30 1/2 x 14 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Samvat 1850, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1042 **BIR2055** **BI17638**
Acc. No. 919/1892-95
अनन्तव्रतोद्यापनविधि
Anantavratodyāpanavidhi
18 Folios, 28 x 13, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Samvat 1880,
MFL, New Delhi, IGNCA,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune

- 1043 **BIR2055** **BI17640**
Acc. No. 617/1892-95
अष्टाह्निकव्याख्यान
Aṣṭāhnikavyākhyāna
13 Folios, 26 x 12 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1840, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1044 **BIR2055** **BI17643**
Acc. No. 943/1892-95
देवपूजा
Devapūjā
Padmanandi
7 Folios, 24 x 12 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1045 **BIR2055** **BI17644**
Acc. No. 944/1892-95
देवागमस्तोत्र
Devāgamastotra
Samantabhadra
11 Folios, 28 x 12 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1892, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1046 **BIR2055** **BI17645**
Acc. No. 982/1892-95
समाइकपाठ
Samāikapāṭha
8 Folios, 21 x 10, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1752, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1047 **BIR2056** **BI17657**
Acc. No. 647/1892-95
ऋषिमण्डलपूजाविधि
- Ṛṣimaṇḍalapūjāvidhi**
Kṣamākalyāṇa
9 Folios, 28 x 13, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1920, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1048 **BIR2056** **BI17665**
Acc. No. 709/1892-95
दण्डगच्छत्तिशी
Daṇḍagachattiśī
2 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1049 **BIR2056** **BI17667**
Acc. No. 745/1892-95
पट्टावली
Paṭṭāvalī
Dharmasāgara
17 Folios, 25 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1050 **BIR2056** **BI17668**
Acc. No. 757/1892-95
पुरन्दरकथा
Purandarakathā
21 Folios, 26 x 11, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1051 **BIR2056** **BI17671**
Acc. No. 947/1892-95
निर्वाणक्षेत्रमण्डलपूजा
Nirvāṇakṣetramāṇḍalapūjā
32 Folios, 22 x 16 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1927, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1052 **BIR2057** **BI17677**
Acc. No. 912/1892-95
स्वरोदयग्रन्थ
Svarodayagrantha
Muni Kapūracandra
12 Folios, 28 x 11 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1917, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1053 **BIR2057** **BI17678**
Acc. No. 775/1892-95
प्रश्नोत्तरसार्द्धसमुच्चय
Praśnottarasārdhasamuccaya
31 Folios, 26 x 12 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1054 **BIR2057** **BI17680**
Acc. No. 767/1892-95
प्रतिष्ठाविधि
Pratiṣṭhāvidhi
7 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1055 **BIR2057** **BI17681**
Acc. No. 807/1892-95
योगदृष्टिसजाय
Yogadr̥ṣṭisajāya
29 Folios, 28 x 11 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1056 **BIR2057** **BI17682**
Acc. No. 915/1892-95
हीरप्रश्नटीका
- Hīrapraśnaṭikā**
29 Folios, 26 1/2 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1057 **BIR2057** **BI17683**
Acc. No. 916/1892-95
हुताशनीकथा
Hutāśanīkathā
10 Folios, 26 x 12, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1839, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1058 **BIR2057** **BI17684**
Acc. No. 910/1892-95
श्रावकस्नानविधि
Śrāvakasnānavidhi
5 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1059 **BIR2057** **BI17688**
Acc. No. 946/1892-95
ध्वजारोपणपूजनविधि
Dhvajāropanapūjanavidhi
9 Folios, 18 1/2 x 13 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1060 **BIR2057** **BI17689**
Acc. No. 877/1892-95
सङ्ग्रहिणी
Saṅgrahinī
112 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCNA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1061 **BIR2057** **BI17690**
Acc. No. 876/1892-95
सङ्ग्रहिणी
Saṅgrahinī
25 Folios, 27 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1062 **BIR2057** **BI17691**
Acc. No. 882/1892-95
सप्ततिकावचूरि
Saptatikāvachūri
21 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Commentary by Candra Mahattara, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1063 **BIR2058** **BI17692**
Acc. No. 774/1892-95
प्रश्नोत्तरसमुच्चय
Praśnottarasamuccaya
42 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1677, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1064 **BIR2058** **BI17693**
Acc. No. 686/1892-95
चण्डमाल्यगिरिरास
Caṇḍamālyagirirāsa
12 Folios, 26 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1065 **BIR2058** **BI17695**
Acc. No. 697/1892-95
जीवविचार
Jīvavicāra
2 Folios, 24 x 9 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1636, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1066 **BIR2058** **BI17696**
Acc. No. 803/1892-95
यतिशिक्षापञ्चाशिका
Yatīśikṣāpañcāśikā
Jayaśekhara
13 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1067 **BIR2058** **BI17698**
Acc. No. 884/1892-95
सप्ततिशतस्थानक
Saptatīśatasthānaka
59 Folios, 25 1/2 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1763, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1068 **BIR2058** **BI17700**
Acc. No. 893/1892-95
सर्वार्थनिराकरणवादस्थल
Sarvārthanirākaraṇavādasthala
3 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1069 **BIR2058** **BI17701**
Acc. No. 887/1892-95
नवनिहवकथानक
Navanīhnavakathānaka
21 Folios, 26 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1800, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1070 BIR2058 BI17704
Acc. No. 311/1892-95
सावगद्रुममञ्जरी
Sāvagadrumamañjarī
4 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1071 BIR2058 BI17705
Acc. No. 900/1892-95
सुमित्रराजर्षिरास
Sumitrarājarṣirāsa
Rṣabhadāsa
12 Folios, Folio 1 missing, 26 x 11 1/2, Paper, Gujarati, Old Hindi, Devanāgarī, Incomplete, Samvat 1668, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1072 BIR2058 BI17706
Acc. No. 901/1892-95
एकादशीमाहात्म्य
Ekādaśīmāhātmya
9 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1073 BIR2058 BI17707
Acc. No. 985/1892-95
सिन्धूरप्रकरणावचूरि
Sindhūraprakaraṇāvacūri
31 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Samvat 1782, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1074 BIR2058 BI17708
Acc. No. 896/1892-95
जीवकुल
- Jivakula
2 Folios, 25 1/2 x 11 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1075 BIR2058 BI17710
Acc. No. 907/1892-95
सूरसुन्दरीकथा
Sūrasundarīkathā
46 Folios, 22 x 10, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1076 BIR2058 BI17711
Acc. No. 878/1892-95
सङ्ग्रहिणीसूत्रविवरण
Saṅgrahīṇīsūtravivarṇa
51 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1077 BIR2058 BI17712
Acc. No. 773/1892-95
प्रशमरतिटीका
Praśamaratīṭikā
60 Folios, 26 1/2 x 12 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1078 BIR2058 BI17713
Acc. No. 770/1892-95
प्रबोधचिन्तामणि
Prabodhacintāmaṇi
Jayaśekhara Sūri
24 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1079 **BIR2058** **BI17714**
Acc. No. 766/1892-95
प्रतिष्ठाविधि
Pratiṣṭhāvidhi
Guṇaratna Sūri
13 Folios, 26 1/2 x 11 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1080 **BIR2059** **BI17715**
Acc. No. 655/1892-95
कर्मविपाक
Karmavipāka
2 Folios, 27 x 16 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1688, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1081 **BIR2059** **BI17716**
Acc. No. 656/1892-95
कर्मग्रन्थावचूरी
Karmagranthāvacūri
64 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1504, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1082 **BIR2059** **BI17717**
Acc. No. 758/1892-95
पुष्पमालाप्रकरण
Puṣpamālāprakaraṇa
14 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1514, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1083 **BIR2059** **BI17718**
Acc. No. 678/1892-95
- 1084 **BIR2059** **BI17719**
Acc. No. 680/1892-95
गुरुगुणषड्विंशत्षड्विंशिकावचूरी
Guruguṇaṣaṭṭriṁśaṣaṭṭriṁśikāvacūri
18 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1085 **BIR2059** **BI17720**
Acc. No. 692/1892-95
गौतमकुलवृत्ति
Gautamakulavṛtti
19 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1086 **BIR2059** **BI17721**
Acc. No. 657/1892-95
चित्रसेनपद्मावतीकथा
Citrasenapadmāvatīkathā
12 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1087 **BIR2059** **BI17722**
Acc. No. 658/1892-95
कर्मग्रन्थावचूरी
Karmagranthāvacūri
93 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- कर्मस्तव**
Karmastava
Devendra Sūri
4 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1679, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1088 **BIR2059** **BI17723**
Acc. No. 682/1892-95
चिजगतिखलि
Cijjagatikhali
9 Folios, 24 x 10, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1589, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1089 **BIR2059** **BI17725**
Acc. No. 672/1892-95
कायस्थितिस्रवावचूरि
Kāyasthitisravāvachūri
13 Folios, 26 x 12 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1090 **BIR2059** **BI17726**
Acc. No. 667/1892-95
कालसत्तरीविचार
Kālasattarīvicāra
Dhamaghoṣa
3 Folios, 27 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1091 **BIR2059** **BI17727**
Acc. No. 677/1892-95
गुरुगुणषट्त्रिंशिकाषट्त्रिंशिकाकुलकावचूर्णि
Gurugūṇaṣaṭṭrīṁśikāṣaṭṭrīṁśikākulakāvachūrṇi
1 Folio, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1092 **BIR2059** **BI17728**
Acc. No. 801/1892-95
यतिदिनकृत्य
Yatidinakṛtya
Haribhadra Sūri
- 14 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1093 **BIR2059** **BI17729**
Acc. No. 786/1892-95
भावनाद्वात्रिंशत्
Bhāvanādvātrīṁśat
3 Folios, 27 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1094 **BIR2059** **BI17730**
Acc. No. 750/1892-95
पाक्षिकक्षामणासूत्र
Pākṣikakṣāmaṇāsūtra
11 Folios, 26 x 12, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1095 **BIR2059** **BI17731**
Acc. No. 984/1892-95
सुगन्धदशमीव्रतोद्यापन
Sugandhadaśamīvratodyāpana
10 Folios, 27 1/2 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1096 **BIR2059** **BI17732**
Acc. No. 967/1892-95
रत्नकरण्डकश्रावकाचार
Ratnakaraṇḍakaśrāvakācāra
23 Folios, 30 x 18 1/2, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1097 **BIR2059** **BI17734**
Acc. No. 959/1892-95
प्रमाणप्रमेयकलिका
Pramāṇaprameyakalikā
Narendrasena
55 Folios, 20 1/2 x 15 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1098 **BIR2059** **BI17735**
Acc. No. 834/1892-95
विविधविचारपत्र
Vividhavicārapatra
57 Folios, Folio 34,39,41.....58 missing, 25 1/2 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1099 **BIR2059** **BI17736**
Acc. No. 818/1892-95
लोकनालिका
Lokanālikā
2 Folios, 24 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1100 **BIR2059** **BI17737**
Acc. No. 827/1892-95
विचारषड्विंशिकावचूर्ण
Vicāraṣaṭṭriṃśikāvacūrṇi
5 Folios, 25 x 10 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1736, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1101 **BIR2059** **BI17738**
Acc. No. 829/1892-95
- विचारषड्विंशिकावचूर्ण**
Vicāraṣaṭṭriṃśikāvacūrṇi
4 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1102 **BIR2059** **BI17739**
Acc. No. 840/1892-95
वैराग्यशतक
Vairāgyaśataka
11 Folios, 25 1/2 x 10, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1103 **BIR2060** **BI17741**
Acc. No. 841/1892-95
वैराग्यशतक
Vairāgyaśataka
21 Folios, Folio 1-2 missing, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, Commentary by Guṇavijaya, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1104 **BIR2060** **BI17742**
Acc. No. 842/1892-95
भववैराग्यशतक
Bhavavairāgyaśataka
29 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1946, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1105 **BIR2060** **BI17743**
Acc. No. 830/1892-95
विचारसत्तरी
Vicārasattarī
2 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1106 **BIR2060** **BI17744**
Acc. No. 867/1892-95
श्रुतिविचार
Śrutivicāra
53 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1107 **BIR2060** **BI17746**
Acc. No. 936/1892-95
तत्त्वार्थसूत्रटीका
Tattvārthasūtraṭīkā
39 Folios, 29 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1762, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1108 **BIR2060** **BI17747**
Acc. No. 836/1892-95
विवेकमञ्जरी
Vivekamañjarī
6 Folios, Folio 1 missing, 25 x 10 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1109 **BIR2060** **BI17748**
Acc. No. 835/1892-95
विवेकमञ्जरी
Vivekamañjarī
- 7 Folios, 25 1/2 x 10 1/2, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1567, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1110 **BIR2060** **BI17751**
Acc. No. 358/1892-95
सुविचार
Su vicāra
39 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1607, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1111 **BIR2060** **BI17752**
Acc. No. 803/1892-95
श्रीपालनरेन्द्रकथा
Śrīpālanarendrakathā
58 Folios, 25 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1864, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1112 **BIR2060** **BI17753**
Acc. No. 864/1892-95
श्रीपालकथानक
Śrīpālakathānaka
13 Folios, 28 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1572, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1113 **BIR2060** **BI17754**
Acc. No. 361/1892-95
श्रावकव्रतभङ्ग
Śrāvakavratabhāṅga
1 Folio, 24 1/2 x 10 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1114 **BIR2060** **BI17756**
Acc. No. 880/1892-95
सङ्ग्रहण्यवचूर्णि
Saṅgrahanyavacūrṇi
17 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Commentary by Devabhadra Sūri, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1115 **BIR2060** **BI17758**
Acc. No. 961/1892-95
प्रश्नोत्तर
Praśnottara
10 Folios, 23 x 16, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1116 **BIR2060** **BI17759**
Acc. No. 935/1892-95
ज्ञानार्णव
Jñānārṇava
Śubhacandra
135 Folios, 28 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1117 **BIR2061** **BI17760**
Acc. No. 844/1892-95
शत्रुञ्जयमाहात्म्य
Śatruñjayamāhātmya
186 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1118 **BIR2061** **BI17761**
Acc. No. 837/1892-95
विवेकविलास
Vivekavilāsa
Jinadatta Sūri
73 Folios, 26 x 10 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete,
- Saṁvat 1656, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1119 **BIR2061** **BI17764**
Acc. No. 822/1892-95
वर्धमानदेशना
Vardhamānadeśanā
171 Folios, 11 1/2 x 25, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1120 **BIR2062** **BI17765**
Acc. No. 279/1892-95
सङ्ग्रहणी
Saṅgrahaṇī
231 Folios, 24 1/2 x 11 1/2, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1121 **BIR2062** **BI17766**
Acc. No. 644/1892-95
उपमितिभवप्रपञ्चकथा
Upamitibhavaprapañcakathā
Siddharṣī
276 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1122 **BIR2062,2063** **BI17767**
Acc. No. 661/1892-95
कल्पसूत्रटीका
Kalpasūtraṭīkā
Sagaragaṇī
151 Folios, 29 1/2 x 14, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1123 **BIR2063** **BI17768**
Acc. No. 921/1892-95
आत्मानुशासन
Ātmānuśāsana
Gurubhadrācārya
96 Folios, 33 x 16 1/2, Paper, Sanskrit, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1890, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1124 **BIR2063** **BI17769**
Acc. No. 939/1892-95
तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक
Tattvārthas̥loka-vārtika
88 Folios, 33 x 20 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1125 **BIR2063,2064** **BI17770**
Acc. No. 956/1892-95
पाण्डवपुराण
Pāṇḍavapurāṇa
264 Folios, 30 x 15, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1874, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1126 **BIR2067,2068** **BI17774**
Acc. No. 930/1892-95
गोम्मटसारवृत्ति
Gommaṭasāravṛtti
173 Folios, 30 x 20, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1127 **BIR2068,2069** **BI17775**
Acc. No. 717/1892-95
तत्त्वार्थसूत्रटीका
Tattvārthasūtraṭīkā
- 412 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1128 **BIR2078** **BI17875**
Acc. No. 600/1895-98
प्रभावतीकल्प
Prabhāvātikalpa
3 Folios, 28 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1825, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1129 **BIR2079** **BI17893**
Acc. No. 551/1895-98
आत्मराजरास
Ātmarājarāsa
Sahajasundara
6 Folios, 25 x 11, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1130 **BIR2079** **BI17903**
Acc. No. 557/1895-98
ऋषिराजरास
Ṛṣirājarāsa
Sahajasundara
11 Folios, 25 x 11, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1734, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1131 **BIR2079** **BI17907**
Acc. No. 598/1895-98
प्रधानचउपई
Pradhānacaupāi
14 Folios, Folios 13,16 missing, 25 1/2 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1141 **BIR2090** **BI18011**
Acc. No. 668/1895-98
देवपूजनजयमाला
Devapūjanajayamālā
6 Folios, 28 x 13 1/2, Paper, Sanskrit, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1142 **BIR2092** **BI18020**
Acc. No. 678/1895-98
जयमालपूजादि
Jayamālapūjādi
189 Folios, 23 1/2 x 15, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1143 **BIR2099,2100** **BI18030**
Acc. No. 675/1895-98
जिनव्रत
Jinavrata
25 Folios, 34 x 17, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1144 **BIR2100** **BI18033**
Acc. No. 671/1895-98
पञ्चनमस्कारग्रन्थ
Pañcanamaskāragrantha
23 Folios, 30 x 21, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1145 **BIR2102** **BI18039**
Acc. No. 679/1895-98
भगवत्याराधना
Bhagavatyārādhanā
220 Folios, Folio 218 missing, 27 1/2 x 9, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1146 **BIR2102** **BI18041**
Acc. No. 685/1895-98
बृहत्सोडशकारणपूजा
Br̥hatṣoḍaśakāraṇapūjā
Keśava
22 Folios, 28 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1823, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1147 **BIR2103** **BI18046**
Acc. No. 628/1895-98
शान्तिनाथराज्याभिषेक
Śāntinātharājyābhiṣeka
6 Folios, 22 1/2 x 10 1/2, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1148 **BIR2103** **BI18055**
Acc. No. 630/1895-98
श्रावकविधिप्रकाश
Śrāvakavidhiprakāśa
20 Folios, 25 x 11, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1900, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1149 **BIR2103** **BI18059**
Acc. No. 686/1895-98
सकलीकरणविधान
Sakalīkaraṇavidhāna
3 Folios, 27 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1150 **BIR2120** **BI18129**
Acc. No. 856/1895-1902
सम्यक्तवकौमुदीकथा
Samyaktvakaumudīkathā
40 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1151 **BIR2128** **BI18185**
Acc. No. 799/1895-1902
देवपूजाष्टकादीनि
Devapūjāṣṭakādīni
158 Folios, 16 x 13, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1152 **BIR2128** **BI18188**
Acc. No. 812/1895-1902
पञ्चाध्यायी
Pañcādhyāyī
90 Folios, 27 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1866, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1153 **BIR2129** **BI18189**
Acc. No. 822/1895-1902
प्रश्नोत्तरोपासिकाचार
Praśnottaropāsikācāra
Bulakhidāsa
107 Folios, 32 1/2 x 16, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1154 **BIR2135** **BI18212**
Acc. No. 848/1895-1902
षड्ग्राभृत
Ṣaṭprābhṛta
79 Folios, 31 x 14 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
- Commentary by Śṛntasāgara, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1155 **BIR2135** **BI18213**
Acc. No. 842/1895-1902
शान्तिनाथपुराण
Śāntināthpurāṇa
Sakalakīrti
140 Folios, 31 x 14 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1156 **BIR2135** **BI18215**
Acc. No. 845/1895-1902
श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रपदपर्यायमञ्जरी
Śrāvakapratikramaṇasūtrapadaparyāyamāñjarī
Akalaṅkadeva
14 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1157 **BIR2136** **BI18220**
Acc. No. 798/1895-1902
दीपोत्सवकल्प
Dīpotsavakalpa
16 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1158 **BIR2136** **BI18224**
Acc. No. 793/1895-1902
दर्शनादिप्राभृत
Darśanādiprābhṛta
Kundakundācārya
30 Folios, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1715, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1159 **BIR2136** **BI18226** 1163 **BIR2137** **BI18234**
 Acc. No. 839/1895-1902 Acc. No. 853/1895-1902
- विशेषशतक** **समयसारतात्पर्यवृत्ति**
Viśeṣaśataka **Samayasāratātparyavṛtti**
Samayasundara **Kundakundācārya**
 38 Folios, 26 1/2 x 12 1/2, Paper, 141 Folios, Folio 138 missing, 27 1/2
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
 MFL, New Delhi, IGNCa, Incomplete, Saṁvat 1929, MFL, New
 Bhandarkar Oriental Research Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Institute, Pune Research Institute, Pune
- 1160 **BIR2136** **BI18227** 1164 **BIR2138** **BI18237**
 Acc. No. 837/1895-1902 Acc. No. 797/1895-1902
- विचारशतक** **दिनकृत्यविवृति**
Vicāraśataka **Dinakṛtyavivṛti**
Samayasundara **Taruṇaprabhā**
 40 Folios, 31 x 11 1/2, Paper, 341 Folios, 24 x 10, Paper, Prakrit,
 Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1411,
 Saṁvat 1839, MFL, New Delhi, MFL, New Delhi, IGNCa,
 IGNCa, Bhandarkar Oriental Bhandarkar Oriental Research
 Research Institute, Pune Institute, Pune
- 1161 **BIR2137** **BI18230** 1165 **BIR2139** **BI18242**
 Acc. No. 849/1895-1902 Acc. No. 835/1895-1902
- षष्टिशतक** **वासुपूज्यचरित**
Ṣaṣṭiśataka **Vāsupūjyacarita**
Nemicandra **Vardhamāna Sūri**
 51 Folios, 26 x 11, Paper, Sanskrit, 136 Folios, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1501, Devanāgarī, Complete, MFL, New
 MFL, New Delhi, IGNCa, Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Bhandarkar Oriental Research Bhandarkar Oriental
 Institute, Pune Institute, Pune
- 1162 **BIR2137** **BI18232** 1166 **BIR2141** **BI18266**
 Acc. No. 843/1895-1902 Acc. No. 519/1895-1902
- शीलोपदेशमालावृत्ति** **ज्ञानदीपक**
Śīlopadeśamālāvṛtti **Jñānadīpaka**
Vidyātilaka
 131 Folios, 27 x 11, Paper, Sanskrit, 17 Folios, 27 x 11, Paper, Sanskrit,
 Devanāgarī, Complete, MFL, New Devanāgarī, Complete, MFL, New
 Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental
 Research Institute, Pune Research Institute, Pune

- 1167 **BIR2141** **BI18272**
Acc. No. 99/1895-1902
कर्मविपाक
Karmavipāka
Śāntātapa
17 Folios, 26 1/2 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1563, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1168 **BIR2141** **BI18275**
Acc. No. 467/1895-1902
मेघाभ्युदयकाव्य
Meghābhyudayakāvya
10 Folios, 26 1/2 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1169 **BIR2143** **BI18308**
Acc. No. 829/1895-1902
योगबिन्दुवृत्ति
Yogabinduvṛtti
Haribhadra
75 Folios, 31 x 14 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1170 **BIR2144** **BI18315**
Acc. No. 869/1895-1902
स्याद्वादपुष्पकलिका
Syādvādapuṣpakalikā
5 Folios, 26 1/2 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1171 **BIR2144** **BI18320**
Acc. No. 788/1895-1902
जीवविचारप्रकरण
Jivavicāraprakaraṇa
- Śānti Sūri**
8 Folios, 24 1/2 x 11 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1750, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1172 **BIR2145** **BI18341**
Acc. No. 841/1895-1902
शान्तिजिनप्रबन्ध
Śāntijinaprabandha
Rāmavijaya
62 Folios, 25 1/2 x 11, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1173 **BIR2162** **BI18491**
Acc. No. 96/1898-99
मेघमालाव्रतपूजा
Meghamālāvratapūjā
4 Folios, 28 1/2 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Śaṁvat 1882, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1174 **BIR2162** **BI18499**
Acc. No. 74/1898-99
पट्टावली
Paṭṭāvalī
8 Folios, 26 1/2 x 12, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1175 **BIR2162** **BI18500**
Acc. No. 93/1898-99
पुष्पाञ्जलिब्रतोद्यापन
Puṣpāñjalivratodyāpana
Gaṅgādāsa
9 Folios, 28 1/2 x 13, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCa, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune

- 1176 **BIR2162** **BI18501**
Acc. No. 88/1898-99
कर्मचूरव्रतोद्यापन
Karmacūravratodyāpana
9 Folios, 28 1/2 x 13, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1177 **BIR2162** **BI18505**
Acc. No. 95/1898-99
मुक्तावलीव्रतोद्यापन
Muktāvalīvratodyāpana
10 Folios, 28 1/2 x 13, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1178 **BIR2162** **BI18506**
Acc. No. 98/1898-99
लब्धिविधानपूजा
Labdhividhānapūjā
11 Folios, 29 x 12 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNC A,
Bhandarkar Oriental Research
Institute, Pune
- 1179 **BIR2162** **BI18510**
Acc. No. 91/1898-99
पञ्चपरमेष्ठिपूजापद्धति
Pañcaparameṣṭhipūjāpaddhati
19 Folios, 27 x 13, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1180 **BIR2163** **BI18515**
Acc. No. 85/1898-99
अनन्तव्रतोद्यापनविधि
Anantavratodyāpanavidhi
37 Folios, 28 1/2 x 13, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Sāmvat 1882, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1181 **BIR2187** **BI18743**
Acc. No. 665/1899-1915
रत्नत्रयपूजा
Ratnatrayapūjā
Nalarāya
6 Folios, 33 x 13, Paper, Old Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1182 **BIR2197** **BI18835**
Acc. No. 769/1899-1915
प्रतिष्ठाकल्पविधि
Pratiṣṭhākalpavidhi
50 Folios, 25 x 11 1/2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
Sāmvat 1848, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1183 **BIR2200** **BI18841**
Acc. No. 804/1899-1915
शत्रुञ्जयमहातीर्थमाहात्म्य
Śatruñjayamahātīrthamāhātmya
Dheneśvara Sūri
689 Folios, 26 x 11, Paper, Prakrit,
Gujarati, Devanāgarī, Complete,
Sāmvat 1771, MFL, New Delhi,
IGNCA, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune
- 1184 **BIR2201** **BI18855**
Acc. No. 795/1899-1915
वरदत्तगुणमञ्जरीकथानक
Varadattaguṇamañjarīkathānaka
5 Folios, 21 1/2 x 14, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental
Research Institute, Pune

- 1185 **BIR2201** **BI18880**
Acc. No. 724/1899-1915
जम्बूद्वीपनारकज्ञागोयण
Jambūdvīpanāarakajñāgoyāṇa
25 Folios, 25 1/2 x 12, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, Samvat 1925, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1186 **BIR2202** **BI18904**
Acc. No. 745/1899-1915
धर्मरत्नशास्त्र
Dharmaratnasāstra
45 Folios, 26 1/2 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1187 **BIR2203** **BI18912**
Acc. No. 719/1899-1915
चतुर्विंशतिजिनपूजा
Caturviṃśatijinapūjā
Rāmacandra Caudharī
70 Folios, Folio 47-49 missing, 28 x 14, Paper, Old Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1188 **BIR2203** **BI18914**
Acc. No. 717/1899-1915
गुर्वावलि
Gurvāvali
143 Folios, 25 1/2 x 12, Paper, Old Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1189 **BIR2215** **BI18980**
Acc. No. 223/1902-1907
दानप्रदीप
Dānapradīpa
- Cāitraraṅgagaṇi**
126 Folios, Folio 83-95 and 97-115 missing, 26 x 10 1/2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1190 **BIR1205,1206** **BI19287**
Acc. No. 174A
उपदेशप्रसादविधि
Upadeśaprasādavidhi
Lakṣmīvijaya
206 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune
- 1191 **ULR276** **UL1961**
Acc. No. 739/1964
जैननामावली
Jainanāmāvalī
19 Folios, Palm Leaf, Tamil, Tamila, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Dr U. V. Swaminatha Iyer Library, Chennai
- 1192 **ULR304** **UL2213**
Acc. No. 516/S.L. No. 325
चिवकचिन्तामणि
Civakacintāmaṇi
Tiruttakkatevar
305 Folios, Palm Leaf, Tamil, Tamila, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Dr U. V. Swaminatha Iyer Library, Chennai
- 1193 **ULR327** **UL2342**
Acc. No. 1420/38
जीवकचिन्तामणि
Jīvakacintāmaṇi
Thiruttakka Thevar
145 Folios, Palm Leaf, Tamil, Tamila, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Dr U. V. Swaminatha Iyer Library, Chennai

1194	GCR575	GL10192	1198	GCR590	GL10763
		S.D. 2243 /5182			S.D. 3933 /20229
	विंशतिप्ररूपिणी			जिनेन्द्रमालाकर्णाटकटीकासहित	
	Vimśatiprarūpiṇī			Jinendramālākarnāṭakāṭikāśahita	
	23 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai			35 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai	
1195	GCR575	GL10193	1199	GCR862	GL14252
		S.D. 2243 /5183			S.D. 402 /R. 14832
	विंशतिप्ररूपिणीव्याख्या			जैनमहापुराणसङ्ग्रह	
	Vimśatiprarūpiṇīvyākhyā			Jainamahāpurāṇasaṅgraha	
	Padmaprabhatraividya Cakravarti			Jinasenācārya	
	55 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai			8 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Incomplete, Folio 8b is blank, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai	
1196	GCR575	GL10194	1200	GCR964	GL15441
		S.D. 2243 /5170			S.R.1394,1395 /R. 2770
	प्रकृतिसमुत्कीर्तन			बृहत्पाण्डवपुराण	
	Prakṛtisamutkirtana			Bṛhatpāṇḍavapurāṇa	
	25 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai			Śubhacandra	
				281 Folios, Paper, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai	
1197	GCR581	GL10439	1201	GCR1242	GL19039
		S.D. 3850 /16504			S.R. 2738 /R. 5364
	जिनमालिकास्तोत्र			श्रीपुराणसमाम्नाय	
	Jinamālikāstotra			Śrīpurāṇasamāmnāya	
	Abhaya Sūri				
	3 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai			46 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai	

- 1202 GCR1330 GL19850 S.R. 445 /R. 1388
पाण्डवपुराण
Pāṇḍavapurāṇa
Vādicandra
 143 Folios, Paper, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1203 GCR1346 GL20004 S.R. 650 /R. 1763
प्रतिष्ठातिलकद्राविडव्याख्यासहित
Pratiṣṭhātilakadrāviḍavyākhyāsahita
Brahma Sūri
 62 Folios, Paper, Sanskrit, Grantha, Tamila, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1204 GCR1383 GL20370 S.R. 1308 /R. 2698
चन्द्रप्रभचरितव्याख्या
Candraprabhacaritavyākhyā
 142 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Wants beginning in the 10th Sarga, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1205 GCR1497 GL21482 S.R. 2672 /R. 5257 (b)
परिनिर्वाणभक्तिद्राविडभाषासहित
Parinirvāṇabhaktidrāviḍabhāṣāsahita
 13 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Tamila, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1206 GCR1577 GL22359 S.R. 4097 /R. 8870 (a)
प्रश्नोत्तरमालिका
Praśnottaramālikā
 2 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1207 GCR2263,2264 GL30860 S.R. 8978 /R. 20282
महापुराणसङ्ग्रह
Mahāpurāṇasaṅgraha
 226 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1208 GCR2569 GL35163 S.D. 2592 /8752
जैनहोमोत्सवपूजा
Jainahomotsavapūjā
 19 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1209 GCR2569 GL35164 S.D. 2592 /8737
जिनपादपूजा
Jinapādapūjā
 2 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai

- 1210 GCR2569 GL35167
S.D. 2592 /8749
जैनमहाभिषेकपूजा
Jainamahābhīṣekapūjā
9 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, Folio 52b blank, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1211 GCR2569 GL35170
S.D. 2592 /8745
जिनेन्द्रपूजा
Jinendrapūjā
5 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1212 GCR2569 GL35182
S.D. 2593 /8744
जिनालयाभिषेकादिपूजा
Jinālayābhīṣekādīpūjā
10 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1213 GCR2569 GL35183
S.D. 2593 /8748
जैनमन्त्रयन्त्रपूजा
Jainamantrayantrapūjā
9 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1214 GCR2569 GL35195
S.D. 2594 /8757
तीर्थङ्करपूजा
Tīrthāṅkarapūjā
10 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New
- Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1215 GCR2569 GL35196
S.D. 2594 /8766
पार्श्वनाथमन्त्रपूजाविधि
Pārśvanāthamantrapūjāvidhi
5 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1216 GCR2569 GL35197
S.D. 2594 /8738
जिनपूजाक्रम
Jinapūjākrama
10 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1217 GCR2569 GL35198
S.D. 2594 /8758
तीर्थङ्करयज्ञक्रम
Tīrthāṅkarayajñākrama
8 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, Folio 85b, 86b, 87b, 88b are blank, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1218 GCR2569 GL35205
S.D. 2595 /8753
जिनाभिषेकादिविधान
Jinābhīṣekādivīdhāna
6 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai

- 1219 **GCR2570** **GL35235**
S.D. 2599 /8754
जैनाराधनविधि
Jainārādhanavidhi
64 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1220 **GCR2589** **GL35857**
S.D. 2591 /8734
आर्हतयतिपूजा
Ārhatayatipūjā
2 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1221 **GCR2589** **GL35859**
S.D. 2591 /8750
जैनवाग्देवतापूजा
Jainavāgdevatāpūjā
3 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1222 **GCR2677** **GL36955**
S.D. 4900 /17982
जैनदेवालयपूजाविधि
Jainadevālayapūjāvidhi
124 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Incomplete, folios 43b, 45b, 71b.....117b are blank, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1223 **GCR2678** **GL36962**
S.D. 4943 /18314
जैनपूजाविधि
Jainapūjāvidhi
- 53 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Incomplete, Folio 52b is left blank, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1224 **GCR2682** **GL37047**
S.D. 4924 /18315
जिनाभिषेकविधि
Jinābhiṣekavidhi
16 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Complete, Folios 16b is blank, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1225 **GCR2685** **GL37069**
S.D. 4945 /18318
जिनदेवतापूजाविधान
Jinadevatāpūjāvidhāna
22 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1226 **GCR2685** **GL37070**
S.D. 4945 /18319
रत्नत्रयाराधनाविधि
Ratnatrayārādhanāvidhi
5 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1227 **GCR2685** **GL37072**
S.D. 4945 /18320
जिनाराधनाविधि
Jinārādhanāvidhi
7 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannāḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai

- 1228 **GCR2685** **GL37073**
S.D. 4947 /18323
प्रतिष्ठातिलक
Pratiṣṭhātilaka
57 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCa, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1229 **GCR2687** **GL37092**
S.D. 4983 /18544
प्रतिष्ठातिलक
Pratiṣṭhātilaka
194 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCa, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1230 **GCR2692** **GL37177**
S.D. 4971 /D. 18462
सिद्धचक्रपूजा
Siddhacakrapūjā
Folios 68a-74b; L 6-7, W 25-30, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Deals With the Worship of the mystic diagram in Which the Jaina mantra is Written, योनिर्वाणमलङ्करोति सततं चन्द्रार्क.....॥, MFL, New Delhi, IGNCa, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1231 **GCR2692** **GL37191**
S.D. 4971 /D. 18477
उपदेवतार्चनविधि
Upadevatārcanavidhi
Folios 94b-96b; L 7, W 25-30, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Contains the manner of conducting the Abhiśeka or the ceremonial
- battring of Jina's images in Jaina temples, पद्मप्रभश्चन्द्रसुवासुपूज्यमल्ली सुवीरो वरपुष्पदन्तः॥, MFL, New Delhi, IGNCa, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1232 **GCR2692** **GL37192**
S.D. 4971 /D. 18476
कलशन्यासविधि
Kalaśanyāsavidhi
Folios 97a-99b; L 6, W 25-30, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Deals With the manner of conducting the Worship of the vessels containing the Water vequisiste for the ceremonial of the image of Jina, कृत्वांशानष्टभिसूत्रैकैकं स्थापयेत् घटम्॥, MFL, New Delhi, IGNCa, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1233 **GCR2696** **GL37311**
S.D. 4971 /D. 18459
शान्तिमहोत्सवविधि
Śāntimahotsavavidhi
63 Folios; L 6, W 25, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Begin folio 1a to 63b are little broken, Describes the rituals to be performed in connection With the Śāntihoma festival in the Jina Temples, श्रीमत्पञ्चमसार्वभौमपदवीं प्रद्युम्नरूपश्रियं, प्राप्तं षोडशतीर्थ.....॥, MFL, New Delhi, IGNCa, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai

- 1234 GCR2696 GL37317 1237 GCR2701 GL37646
S.D. 4971 /D. 18465 S.D. 4396 /D 16390
- चन्द्रप्रभपूजा**
Candraprabhapūjā
2 Folios; L 7, W 25, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Begin folio 84a to 85a are little injured, Deals With the manner of conducting the Workshop of Candraprabha Who is considered to be the 8th Tirthankara, पद्मादिसत्तीर्थपवित्रतोयैः पद्मादिसत्पुष्पपरागमिश्रैः॥, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- तिरुमलैशासन**
Tirumalaiśāsana
3 Folios; L 6, W 40, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, Begins on folio 144a, folios 147-150 contains Bhugolanirnaya in Tamil language, A Work giving on account of the grant made by a king of Kerala country Tirumalai by name, He constucted a temple forJina and gave nine village, श्रीमत्केरलभूपेन निर्माप्य जिन, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1235 GCR2696 GL37318 1238 GCR2704 GL37708
S.D. 4971 /D. 18466 S.D. 4418 /D. 16457
- नवग्रहस्तोत्र**
Navagrahastotra
2 Folios; L 6, W 25, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Begin folio 85a to 85d are injured, This 'Navagrahastotra' is intended to be repeated by Jinas, भीतं सूर्यमधिष्ठाहा राहोः प्राग्देशलोहितम्। दिने॥, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- जैनवाग्देवतापूजा**
Jainavāgdevatāpūjā
5 Folios; L 8, W 58-60, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, Begins on 55b With kannada meaning, Describes the manner of conducting the Worship of the goddess presiding over the jaina learning, श्रीमत्पुण्यधुनी प्रवाहधवलां स्थूलोचलचलच्छीकरैः रालीनानिकुलानि....॥, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1236 GCR2696 GL37328
S.D. 4971 /D. 18477
- उपदेवतार्चनविधि**
Upadevatārcanavidhi
3 Folios; L 7, W 25, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, Begin folio 94b to 96b are little injured, Contains the manner of conducting the Archana and Workshipping, पद्मप्रभञ्चन्द्रसुवासुपूज्य मल्लीसुवीरो वरपुष्पदन्तः॥, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1239 GCR3002 GL41545
S.D.4242/D.16119
- जैनपूजाविधान**
Jainapūjāvidhāna
10 Folios, Palm leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai

- 1240 GCR3002 GL41551
S.D.4242/D.16125
तीर्थकरपूजाविधान
Tirthankarapūjāvidhāna
47 Folios, Palm leaf, Sanskrit,
Grantha, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1241 GCRA56 GL42218
661
जिनयज्ञकल्प
Jinayajñakalpa
30 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1242 GCRA91 GL42438
945
सप्तभङ्गीतरङ्गिणी
Saptabhaṅgītarāṅgiṇī
136 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1243 GCRA93 GL42454
971
द्रव्यसङ्ग्रहसूत्रवृत्ति
Dravyasaṅgrahasūtravṛtti
64 Folios, Paper, Sanskrit, Telugu,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1244 GCRA94 GL42484
1008
- द्रव्यसङ्ग्रहसूत्रवृत्ति**
Dravyasaṅgrahasūtravṛtti
59 Folios, Paper, Sanskrit, Telugu,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1245 GCRA129 GL42803
1441/SD 1400/15481
समयभूषण
Samayabhūṣaṇa
Indrācārya
Folios 92-113, Paper, Sanskrit,
Telugu, Complete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1246 GCRA129 GL42804
1442/SD 1400/15482
आत्मानुशासन
Ātmānuśāsana
Guṇabhadra
Folios 113-183, Paper, Sanskrit,
Telugu, Complete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1247 GCRA132 GL42819
1459/SD 1426/15611
रत्नकरण्डक
Ratnakaraṇḍaka
Samantabhadra
51 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Government Oriental Manuscript
Library & Research Centre, Chennai

- 1248 GCRA136 GL42840 1252 GCRA187 GL43481
1480/SD 1420/15597 2353/SR 4442/15723
प्रमेयकण्ठिका
Prameyakaṅṭhikā
Śānti Varmā
Folios 81-126, Paper, Sanskrit,
Grantha, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1249 GCRA173 GL43316 1253 GCRA187 GL43485
2173/SD 805/17837 2357/SR 4451/ R.15732
सज्जनचित्तवल्लभ
Sajjanacittavallabha
Folios 40-48, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1250 GCRA178 GL43413 1254 GCRA187 GL43486
2285/SRC1366/R.2747 2358/SR 4452/R.15733
पत्रपरीक्षा
Patraparīkṣā
Vidyānandasvāmī
121 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1251 GCRA187 GL43480 1255 GCRA205 GL43646
2352/SR 4442/15722 2524/SR 4680/16771
जैनपूजा
Jainapūjā
Pūjyapādasvāmī
15 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- जैनमहाभिषेकपूजा**
Jainamahābhiṣekapūjā
Pūjyapādasvāmī
12 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- जैनहोमोत्सवपूजा**
Jainahomotsavapūjā
30 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- जैनाराधनविधि**
Jainārādhanavidhi
19 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- आस्रवत्रिभङ्गी**
Āsraṅgī
28 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai

- 1256 GCRA237 GL44131 1260 GCRA347 GL46435
3040/SR-5285 / R17786 5730/9148/20532
जैनाचार्यविजय
Jainācāryavijaya
9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1257 GCRA261 GL44478 1261 GCRA349 GL46468
3416/SR-5697 / R22022 V-1 5772/9147/20531
सात्यन्धरीप्रबन्ध
Sātyandharīprabandha
Appāṇḍanātha
331 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1258 GCRA261,262 GL44479 1262 GCRA351 GL46474
3417/SR-5698 / R22022 V-2 5780/9143/20527
श्रीसात्यन्धरीप्रबन्ध
Śrīsātyandharīprabandha
Appāṇḍanātha
Folios 332-801, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- 1259 GCRA346 GL46431 1263 GCRA364 GL46698
5726/9141/20523 6083/9927
पदार्थसार
Padārthasāra
Cakravartī
142 Folios, Palm Leaf, Sanskrit,
Grantha,Tamila, Complete, MFL,
New Delhi, IGNCA, Government
Oriental Manuscript Library &
Research Centre, Chennai
- यशोधरचरित**
Yaśodharacarita
127 Folios, Palm Leaf, Sanskrit,
Grantha, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- प्रमेयरत्न**
Prameyaratna
Folios 60-93, Palm Leaf, Sanskrit,
Grantha,Tamila, Complete,
Tāmlarthayuta, MFL, New Delhi,
IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai
- जैनक्रियाकौस्तुभ**
Jainakriyākaustubha
207 Folios, Palm Leaf, Sanskrit,
Grantha,Tamila, Incomplete, MFL,
New Delhi, IGNCA, Government
Oriental Manuscript Library &
Research Centre, Chennai
- जैनपुराण**
Jainapurāṇa
18 Folios, Palm Leaf, Sanskrit,
Grantha, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Government Oriental
Manuscript Library & Research
Centre, Chennai

- 1264 GCRA365 GL46699
6084/9929
जिनपुराण
Jinapurāṇa
74 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1265 GCRA365 GL46700
6085/9931
जिनपुराण
Jinapurāṇa
36 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1266 GCRA369 GL46819
6235/9933/22167
जैनग्रन्थ
Jainagrantha
59 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1267 GCRA369 GL46820
6237/6237/22169
जिननामावलि
Jinanāmāvali
20 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1268 GCRA369 GL46822
6241/9939/22173
जिनपुराण
Jinapurāṇa
- 9 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1269 GCRA369 GL46824
6243/9942/22176
जिनग्रन्थ
Jinagrantha
26 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1270 GCRA383 GL47349
6831/S.R.9949/R.22184
जिनपुराण
Jinapurāṇa
324 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1271 GCRA385 GL47507
6990/S.R.9960/R.22195
जिनपुराण
Jinapurāṇa
20 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1272 GCRB6 GL47945
203/SR-9948/R-12183
जिनपुराण
Jinapurāṇa
85 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai

- 1273 GCRB8 GL48008
266/SR-9933/R-22190
जिनपुराण
Jinapurāṇa
25 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1274 GCRB8 GL48011
269/SR-9950/R-22185
जिनपुराण
Jinapurāṇa
306 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1275 GCRB8 GL48012
270/SR-9947/R-22182
जिनपुराण
Jinapurāṇa
183 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Grantha, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Government Oriental Manuscript Library & Research Centre, Chennai
- 1276 KMR11 KM85
Ac. No. 292/36
जिनदत्तरायचरित
Jinadattarāyacarita
87 Folios, Palm Leaf, Kannada, Kannada, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Keladi Museum, Keladi Karnataka
- 1277 KMR12 KM90
Ac. No. 254/60
नेमिचरित
Nemicarita
- 166 Folios, Palm Leaf, Kannada, Kannada, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Keladi Museum, Keladi Karnataka
- 1278 KMR15 KM108
Ac. No. 253/86
भविष्यदत्तनचरित
Bhaviṣyadattanacarita
69 Folios, Palm Leaf, Kannada, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Keladi Museum, Keladi Karnataka
- 1279 LIR4 LI23
Acc. No. 4972E/527
वास्तुपलतेजपालकारीत
Vāstupalatejapālakārīta
Someśvaradeva
5 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1742, MFL, New Delhi, IGNCA, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1280 LIR4 LI24
Acc. No. 2248/2841/25
पेथाडकारीतचतुरशीति
Pethāḍakārītacaturaśīti
Somatilaka Sūri
Folios 191a-201b, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1473, MFL, New Delhi, IGNCA, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1281 LIR4 LI25
Acc. No. 2247/6925
जगत्सिंहराजस्तुति
Jagatsirṃharājastuti
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṃvat 1750, MFL, New Delhi, IGNCA, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad

- 1282 LIR4 LI26
Acc. No. 4973/7166
स्तम्भतीर्थचिन्तामणि
Stambhatīrthacintāmaṇi
Hemavijayāgani
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Saṁvat 1750, MFL, New
Delhi, IGNC A, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1283 LIR4 LI27
Acc. No. 4970/7781
कच्छामोतीखाखरमन्दिरशिलालेख
Kacchāmotīkhākharamandiraśilālekha
Vidyāharsāgani
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Saṁvat 1962, MFL, New
Delhi, IGNC A, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1284 LIR4 LI28
Acc. No. 4971E/8418/1
पात्तनपौषधशालाप्रशस्ति
Pāttanapaūśadhaśālāpraśasti
Folios 1a-3a, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1970,
MFL, New Delhi, IGNC A, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1285 LIR32 LI556
Acc. No. 287E/566
ज्ञातधर्मकथा
Jñātadharmakathā
Sūdharmasvāmī
91 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Saṁvat 1584, MFL, New
Delhi, IGNC A, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1286 LIR35 LI589
Acc. No. 286/2687
जाताधर्मकथा
Jātadharmakathā
Sūdharmasvāmī
160 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Incomplete, Saṁvat
- 1550, MFL, New Delhi, IGNC A, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1287 LIR68 LI1333
Acc. No. 3797/54
पौमचरीय
Paumacarīya
Vimala Sūri
119 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1950,
MFL, New Delhi, IGNC A, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1288 LIR68 LI1334
Acc. No. 3796/100
पाण्डवचरित्रोद्धार
Pāṇḍavacaritroddhāra
Devaprabha Maladhāri Sūri
19 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, Saṁvat 1550, MFL, New
Delhi, IGNC A, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1289 LIR68 LI1335
Acc. No. 3770/380
त्रिषष्टीशलाकापुरुषचरित्र
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣacaritra
Hemacandrācārya
274 Folios, Last Folio No. missing,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, Saṁvat 1850, MFL, New
Delhi, IGNC A, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1290 LIR69 LI1336
Acc. No. 3779E/438
त्रिषष्टीशलाकापुरुषस्तवक
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣastavaka
Hemacandrācārya
238 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1887,
With Khuśālāvijaya, MFL, New
Delhi, IGNC A, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad

- 1291 LIR69 LI1337
Acc. No. 3794/450
पाण्डवचरित्र
Pāṇḍavacaritra
Devaprabha Maladhāri Sūri
195 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1953,
MFL, New Delhi, IGNCA, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1292 LIR69 LI1338
Acc. No. 3771/464
त्रिषष्टीशलाकापुरुषप्रथमपर्व
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaprathamaparva
Hemacandrācārya
198 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1850,
MFL, New Delhi, IGNCA, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1293 LIR70 LI1339
Acc. No. 3791E/489
परिशिष्टपर्वस्तवक
Pariśiṣṭaparvastavaka
Hemacandra Sūri
206 Folios, Paper, Sanskrit, Gujarati,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1820,
With Rāmavijaya, MFL, New Delhi,
IGNCA, L. D. Institute of Indology,
Ahmedabad
- 1294 LIR70 LI1340
Acc. No. 3775/573
त्रिषष्टीशलाकापुरुषष्टमपर्व
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaṣṭamaparva
Hemacandrācārya
139 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1550,
MFL, New Delhi, IGNCA, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1295 LIR70 LI1341
Acc. No. 3783E/924
- परिशिष्टपर्व**
Pariśiṣṭaparva
Hemacandrācārya
902 Folios, Folio No. 126-204 missing,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, Saṁvat 1502, MFL, New
Delhi, IGNCA, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1296 LIR71 LI1342
Acc. No. 3769E/932
जैनरामायण
Jainarāmāyaṇa
Devavijaya Gaṇi
111 Folios, Folio No. 8 to 13 missing,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, Saṁvat 1665, MFL, New
Delhi, IGNCA, L. D. Institute of
Indology, Ahmedabad
- 1297 LIR72 LI1343
Acc. No. 3795E/1057
पाण्डवचरित्रस्तवक
Pāṇḍavacaritrastavaka
Devaprabha Maladhāri Sūri
591 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1836,
MFL, New Delhi, IGNCA, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad
- 1298 LIR73 LI1344
Acc. No. 3782/1280
परिशिष्टपर्व
Pariśiṣṭaparva
Hemacandra Sūri
Folios 39-119, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1450,
MFL, New Delhi, IGNCA, L. D.
Institute of Indology, Ahmedabad

- 1299 LIR73 LI1345
Acc. No. 3781/1296
त्रिषष्टीशलाकापुरुषचरित्रदशमपर्व
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣacaritradaśamaparva
Hemacandra Sūri
34 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1550, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1300 LIR73 LI1346
Acc. No. 3780/2076
त्रिषष्टीशलाकापुरुषस्तवक
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣastavaka
Hemacandra Sūri
296 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1844, With Rāmavijaya, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1301 LIR73 LI1347
Acc. No. 3792/2430
पाण्डवचरित्र
Pāṇḍavacaritra
Devavijaya
141 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1750, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1302 LIR73 LI1348
Acc. No. 3774/2903
त्रिषष्टीशलाकापुरुषसप्तमपर्व
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣasaptamaparva
Hemacandrācārya
57 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1550, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1303 LIR74 LI1349
Acc. No. 3790E/3373
परिशिष्टपर्वटिप्पणी
Parīṣiṣṭaparvatippaṇī
- Hemacandra Sūri**
97 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1479, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1304 LIR74 LI1350
Acc. No. 3793/4222
पाण्डवचरित्र
Pāṇḍavacaritra
Devaprabha Sūri
154 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1752, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1305 LIR74 LI1351
Acc. No. 3776/4479
त्रिषष्टिशलाकापुरुषष्टमपर्व
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaṣṭamaparva
Hemacandrācārya
20 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1550, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1306 LIR74 LI1352
Acc. No. 3772/8746
त्रिषष्टिशलाकापुरुषप्रथमपर्व
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaprathamaparva
Hemacandrācārya
145 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1450, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad
- 1307 LIR92 LI1502
Acc. No. 5106E/2472
भावषड्विंशिकादोधक
Bhāvaṣaṭṭriṁśikādodhaka
Sāraṅga Vācaka
6 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, Saṁvat 1750, MFL, New Delhi, IGNC, L. D. Institute of Indology, Ahmedabad

- 1308 OIR124,125 OI1312
Ms. No. P. 804
रत्नकरण्डश्रावकाचार
Ratnakaraṇḍaśrāvākācāra
Samantabhadra
77 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1309 OIR154 OI1648
Ms. No. P. 1018
जिनशतकव्याख्या
Jinaśatakavyākhyā
Nara Siṃha
37 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1310 OIR166 OI1751
Ms. No. P. 1112
पुरायज्ञ
Purāyasra
Ramacandra Mumukṣu
110 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1311 OIR619,620 OI4345
Ms. No. P. 3822
तत्त्वार्थोऽधिगमसूत्र
Tattvārtho'dhigamasūtra
Samanta
Folios 17-82, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1312 OIR620 OI4346
Ms. No. P. 3823
द्रव्यसंग्रह
- Dravyasaṅgraha**
Nemicandra
202 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1313 OIR632,633 OI4429
Ms. No. P. 3909
अर्हत्प्रतिष्ठाविधि
Arhatpratiṣṭhāvidhi
Folios 1-45,69-99, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1314 OIR633 OI4430
Ms. No. P. 3911
तत्त्वार्थसूत्रवृत्ति
Tattvārthasūtravṛtti
111 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Telugu, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1315 OIR644 OI4520
Ms. No. P. 3816
स्तोत्रसंग्रह
Stotrasaṅgraha
Folios 1-4,1-77,1-8,84-105, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore
- 1316 OIR644 OI4521
Ms. No. P. 3817
स्तोत्रसंग्रह
Stotrasaṅgraha
65 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Kannada, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Oriental Research Institute, Mysore

- 1317 OIR645 OI4522
Ms. No. P. 3818
रत्नकण्डक
Ratnakamṇḍaka
Folios 1-69,1-14,1-26, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1318 OIR645 OI4523
Ms. No. P. 3819
जितसंहितासार
Jitasamhitāsāra
Nandibhaṭṭāraka
98 Folios, Palm Leaf, Sanskrit,
Kannaḍa, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1319 OIR825 OI9276
Ms. No. P. 4886/1
शास्त्रसारसमुच्चयवृत्ति
Śāstrasārasamuccayavṛtti
40 Folios, 41 x 3, Palm Leaf, Sanskrit,
Grantha, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1320 OIR825 OI9277
Ms. No. P. 4886/2
पञ्चपरिवर्तन
Pañcaparivartana
Folios 41-49, 41 x 3, Palm Leaf,
Sanskrit, Grantha, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1321 OIR825 OI9279
Ms. No. P. 4886/4
रयणसार
Rayaṇasāra
Folios 74-98, 41 x 3, Palm Leaf,
Sanskrit, Grantha, Complete, MFL,
- New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1322 OIR825 OI9287
Ms. No. P. 4888/1
कर्मदहन
Karmadahana
Folios 1-8, 24.5 x 2.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Grantha, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1323 OIR893,894 OI11641
Ms. No. P. 5295
प्रश्नोत्तरोपासकाचार
Prašnottaropāsakācāra
Sakalakīrti
Folios 1-72, 51 x 5.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1324 OIR894 OI11644
Ms. No. P. 5296/3
वास्तुविधान
Vastuvidhāna
Folios 141-142, 46.5 x 5.75, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1325 OIR894 OI11672
Ms. No. P. 5302/3
जिनसहस्रनामस्तोत्र
Jinasahasranāmastotra
Folios 40-41, 14 x 4.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore

- 1326 OIR894 OI11673
Ms. No. P. 5302/4
तीर्थङ्करशक्तिनुति
Tirthaṅkaraśaktinuti
41 Folios, 14 x 4.5, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1327 OIR894 OI11675
Ms. No. P. 5302/6
क्रियाकलाप
Kriyākālāpa
Folios 109-140, Folios no. 108 is missing, 14 x 4.6, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1328 OIR894 OI11676
Ms. No. P. 5302/7
क्रियाकलापव्याख्या
Kriyākālāpavyākhyā
Prabhācandra
Folios 109-140, 14 x 4.5, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1329 OIR894 OI11677
Ms. No. P. 5302/8
भौमामरब्रह्मवंशावलि
Bhaumāmarabrahmavarṅśāvali
Folios 141-150, 14 x 4.5, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1330 OIR894 OI11678
Ms. No. P. 5302/9
तीर्थङ्करस्तुति
Tirthaṅkarastuti
8 Folios, 14 x 4.5, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1331 OIR895 OI11686
Ms. No. P. 5304/2
महापुराण
Mahāpurāṇa
Jinasenācārya
8 Folios, 53.5 x 6, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1332 OIR927 OI12560
Ms. No. P. 5307
षण्मतदर्शनलक्षण
ṣaṇmatadarśanalakṣaṇa
6 Folios, 35 x 4.5, Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1333 OIR967 OI14479
P.5878/1
श्रीदेवताकल्प
Śrīdevatākālpa
Ariṣṭanemi Bhaṭṭāraka
35 Folios, 20.5 x 5.5c.m., Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore
- 1334 OIR967 OI14480
P.5878/2
पञ्चपूजाविवरण
Pañcapūjāvivarāṇa
7 Folios, 20.5 x 5.5c.m., Palm Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Oriental Research Institute, Mysore

- 1335 OIR967 OI14481
P.5878/3
शतस्कन्धनोम्पिविवरण
Śataskandhanompivivarāṇa
Folios 8-16, 20.5 x 5.5c.m., Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL,
New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1336 OIR967 OI14482
P.5878/4
मंगलार्तिक्यपद्म
Maṅgalārtikyapadma
Folios 17-18, 20.5 x 5.5c.m., Palm
Leaf, Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete,
MFL, New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1337 OIR967 OI14483
P.5878/5
श्रीदेवताकल्प
Śrīdevatākalpa
10 Folios, 20.5 x 5.5c.m., Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1338 OIR967 OI14484
P.5879/1
मण्टपप्रतिष्ठाविधि
Maṅṭapapratīṣṭhāvidhi
59 Folios, 24 x 5c.m., Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1339 OIR967 OI14485
P.5879/2
अनन्तनाथस्वामिनोम्पिकथा
Anantanāthasvāminompikathā
181 Folios, 24 x 5c.m., Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL,
- New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1340 OIR967 OI14486
P.5879/3
अर्कवारनोम्पिकथा
Arkavāranompikathā
Folios 20-27a, 24 x 5c.m., Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1341 OIR967 OI14487
P.5879/4
षोडशभावनानोम्पिकथा
Ṣoḍaśabhāvanānompikathā
11 Folios, 24 x 5c.m., Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL,
New Delhi, IGNCa, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1342 OIR997 OI16098
Ms. No. P. 6016/5
भैरवपद्मावतिकल्प
Bhairavapadmāvatikalpa
Malliṣeṇa
2 Folios, 34 x 5, Palm Leaf, Sanskrit,
Kannaḍa, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCa, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1343 OIR1006 OI16298
Ms. No. P. 6090/1
पापपुण्यफलविचार
Pāpapuṇyaphalavicāra
68 Folios, 21 x 3, Palm Leaf, Sanskrit,
Kannaḍa, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCa, Oriental Research
Institute, Mysore

- 1344 OIR1006 OI16299
Ms. No. P. 6090/2
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- तत्त्वविचारपद्यमाला**
Tattvavicārapadyamālā
Folios 68-86, 21 x 3, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1345 OIR1007 OI16303
Ms. No. P. 6092/2
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- शौचाचारविधि**
Śaucācāraavidhi
3 Folios, 14.8 x 3.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1346 OIR1007 OI16304
Ms. No. P. 6093
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- ईर्यापथ**
Īryāpatha
8 Folios, 14.8 x 3.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Telugu, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1347 OIR1007 OI16306
Ms. No. P. 6095/1
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- आशीर्वादसङ्ग्रह**
Āśīrvādasangraha
Folios 13-16, 14.8 x 3.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1348 OIR1007 OI16307
Ms. No. P. 6095/2
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- आशीर्वाद**
Āśīrvāda
Folios 17-18, 14.8 x 3.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL,
- 1349 OIR1007 OI16322
Ms. No. P. 6098/2
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- पुरुषार्थसिद्ध्युपाय**
Puruṣārthasiddhyupāya
Amṛtacandrasūri
16 Folios, 36.2 x 4.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1350 OIR1008 OI16327
Ms. No. P. 6105/1
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- तत्त्वार्थाधिगमसूत्र**
Tattvārthādhigamasūtra
Umāsvāti
182 Folios, 46 x 5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1351 OIR1008 OI16328
Ms. No. P. 6105/2
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- तत्त्वार्थाधिगमसूत्रव्याख्या**
Tattvārthādhigamasūtravyākhyā
Bālacandradeva
182 Folios, 46 x 5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1352 OIR1008 OI16329
Ms. No. P. 6105/3
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore
- पदार्थसार**
Padārthasāra
Folios 182-186, 46 x 5, Palm Leaf,
Sanskrit, Telugu, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC, Oriental
Research Institute, Mysore

- 1353 OIR1008 OI16330
Ms. No. P. 6105/4
निर्वाणप्राप्त्युपायविचार
Nirvāṇaprāptyupāyavicāra
Folios 187-188, 46 x 5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1354 OIR1008 OI16331
Ms. No. P. 6105/5
श्रमणश्रैष्ठ्यनिर्णय
Śramaṇaśraiṣṭhyanirṇaya
189 Folios, 46 x 5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1355 OIR1008 OI16332
Ms. No. P. 6105/6
श्रावकधर्म
Śrāvakadharmā
Folios 189-197, 46 x 5, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1356 OIR1010 OI16378
Ms. No. P. 6130
विद्यानुशासन
Vidyānuśāsana
94 Folios, 50 x 5.8, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1357 OIR1046 OI17509
Ms. No. P. 6721/1
त्रिलोकसारव्याख्या
Trilokasāravvyākhyā
Nemicandrasiddhānti
24 Folios, 38 x 3.5, Palm Leaf,
Sanskrit, Grantha, Complete, MFL,
- New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1358 OIR1061 OI17884
Ms. No. P. 6853
त्रिषष्टिलक्षणमहापुराणसङ्ग्रह
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgraha
Guṇabhadrācārya
292 Folios, 36 x 5.8, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Incomplete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1359 OIR1109,1110 OI19200
Ms. No. P. 7369
वरधमानपुराण
Varadhamānapurāṇa
Guṇabhadrācārya
Folios 1-233,1-8, 36 x 6, Palm Leaf,
Sanskrit, Kannaḍa, Complete, MFL,
New Delhi, IGNC A, Oriental
Research Institute, Mysore
- 1360 OIRA16,17 OI20195
102/Ms. No. A 134
प्रतिष्ठातिलक
Pratiṣṭhātilaka
Nemicandra
200 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNC A, Oriental Research Institute,
Mysore
- 1361 OIRA58 OI20447
354/Ms. No. A 439 /1
भद्रबाहुचरित
Bhadrabāhucarita
Ratnanandi
45 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Oriental Research Institute, Mysore

- 1362 OIRA58 OI20448
355/Ms. No. A 439 /2
भद्रबाहुचरित
Bhadrabāhucarita
Jagannathācharya
50 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Oriental Research Institute, Mysore
- 1363 OIRA71 OI20522
429/Ms. No. A 595 /1
स्वरूपसम्बोधन
Svarūpasambodhana
Akalaṅka
23 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Kannaḍa, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1364 OIRA71 OI20524
431/Ms. No. A 595 /3
अकलङ्कचरित
Akalaṅkacarita
20 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Kannaḍa, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1365 OIRA71,72 OI20526
433/Ms. No. A 597
जैनग्रन्थसङ्ग्रह
Jainagranthasaṅgraha
173 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Kannaḍa, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1366 OIRA122 OI20815
725/Ms. No. B 213
जिनसेनस्यपार्श्वनाथाभ्युदयस्यटीका
Jinasenasyapārśvanāthābhyudayasyatikā
Paṇḍitācārya
- 229 Folios, Paper, Sanskrit, Telugu,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Oriental Research Institute, Mysore
- 1367 OIRA214 OI21576
1496/Ms. No. B 1048
विवेकविलास
Vivekavilāsa
Jinabhaṭṭa Sūri
74 Folios, Paper, Sanskrit, Kannaḍa,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Oriental Research Institute, Mysore
- 1368 OIRA359,360 OI22637
2560/Ms. No. C 882
प्रवचनसारोधारवृत्ति
Pravacanasārodhāravṛtti
Siddhāsena
474 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1369 OIRA406 OI22918
2842/Ms. No. C 1164
सप्तभङ्गीतरङ्गिणी
Saptabhaṅgītarāṅgiṇī
26 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Oriental Research
Institute, Mysore
- 1370 RIR190 RI1655
Ms. No. 1655
प्रमाणनयतत्त्वालोकालङ्कार
Pramāṇanayatattvālokāṅkāra
Vedavyāsa
90 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar

1371	RIR326	RI2442 Ms. No. 2250	Sūryaprajñaptisūtra 77 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
	समयसारटीका Samayasāraṭīkā Kundakundācārya 49 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		
1372	RIR444	RI3321 Ms. No. 3327	1376 RIR445 RI3325 Ms. No. 3331 जीवाभिरामसूत्र Jīvābhirāmasūtra 211 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
	स्थानांगसूत्र Sthānāṅgasūtra Sudharmāsvāmī 146 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		
1373	RIR444	RI3322 Ms. No. 3328	1377 RIR445 RI3326 Ms. No. 3332 उत्तराध्यायनसूत्र Uttarādhyāyanasūtra 227 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
	भगवतीसूत्र Bhagavatisūtra Sudharmāsvāmī Folios 209-543, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		
1374	RIR444	RI3323 Ms. No. 3329	1378 RIR445 RI3327 Ms. No. 3333 भगवतीसूत्र Bhagavatisūtra Sudharmāsvāmī 45 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
	राजप्रश्नीयसूत्र Rājapraśnīyasūtra 78 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		
1375	RIR444	RI3324 Ms. No. 3330	1379 RIR445 RI3328 Ms. No. 3334 नन्दीसूत्रवृत्ति Nandīsūtravṛtti Devavācaka 127 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
	सूर्यप्रज्ञप्तिसूत्र		

- 1380 **RIR494** **RI3693**
Ms. No. 3707
सिन्दुरप्रकर
Sinduraprakara
Somaprabhā Sūri
23 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1381 **RIR575** **RI4435**
Ms. No. 4529
षडदर्शनसमुच्चय
Ṣaḍadarśanasamuccaya
Haribhadrasūri
71 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1382 **RIR575** **RI4436/1**
Ms. No. 4530/1
वर्तमानचौबीसी
Vartamānacaubīsī
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1383 **RIR575** **RI4436/3**
Ms. No. 4530/3
जिनपूजाविधान
Jinapūjāvidhāna
Folios 3-8, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1384 **RIR575** **RI4436/4**
Ms. No. 4530/4
पञ्चमंगल
Pañcamāṅgala
Rūpacanda
- Folios 8-16, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1385 **RIR575** **RI4436/5**
Ms. No. 4530/5
लक्ष्मीस्तोत्र
Lakṣmīstotra
Padmaprabhadeva
Folios 17-18, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1386 **RIR575** **RI4436/6**
Ms. No. 4530/6
निर्वाणकाण्डभाषा
Nirvāṇakāṇḍabhāṣā
Bhaiyā Bhagautādāsa
Folios 18-21, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1387 **RIR575** **RI4436/7**
Ms. No. 4530/7
भक्तामरस्तोत्र
Bhaktāmarastotra
Mānatarṅgācārya
Folios 21-27, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1388 **RIR575** **RI4436/8**
Ms. No. 4530/8
जिनसहस्रनामस्तोत्र
Jinasahasranāmastotra
Jinasenācārya
28 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar

- 1389 RIR575 RI4436/9
Ms. No. 4530/9
चतुर्विंशतिस्वयम्भूस्तुति
Caturviṃśatisvayambhūstuti
Folios 39-40, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1390 RIR575 RI4436/10
Ms. No. 4530/10
लघुसहस्रनामस्तोत्र
Laghusahasranāmastotra
Folios 41-43, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1391 RIR575 RI4436/11
Ms. No. 4530/11
जिनपूजा
Jinapūjā
Folios 43-44, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1392 RIR575 RI4436/12
Ms. No. 4530/12
एकीभावस्तोत्र
Ekībhāvastotra
Vādirāja
Folios 45-48, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1393 RIR575 RI4436/13
Ms. No. 4530/13
कल्याणमन्दिरस्तोत्र
Kalyāṇamandirastotra
Kumudacandrācārya
Folios 48-52, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1394 RIR575 RI4436/14
Ms. No. 4530/14
विषापहारस्तोत्र
Viṣāpahārastotra
Dhanañjaya
Folios 52-55, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1395 RIR575 RI4436/15
Ms. No. 4530/15
भूपालस्तवन
Bhūpālastavana
Folios 55-58, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1396 RIR575 RI4436/16
Ms. No. 4530/16
ऋषिमण्डलस्तोत्र
Ṛṣimaṇḍalastotra
Folios 58-61, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
- 1397 RIR575 RI4436/17
Ms. No. 4530/17
जिनसहस्रनामस्तोत्र
Jinasahasranāmastotra
Āśādhara
Folios 62-70, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar

- 1398 RIR575 RI4436/18
Ms. No. 4530/18
भक्तामरस्तोत्र
Bhaktāmarastotra
Mānaturīṅgācārya
80 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1399 RIR576 RI4437/1
Ms. No. 4531/1
दर्शनस्तोत्र
Darśanastotra
3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1400 RIR576 RI4437/2
Ms. No. 4531/2
भक्तामरस्तोत्र
Bhaktāmarastotra
Mānaturīṅgācārya
Folios 4-26, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1401 RIR584 RI4476
Ms. No. 4575
परमात्मप्रकाशविवरण
Paramātmaprakāśavivaraṇa
Yogīndradeva
236 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1402 RIR584 RI4477
Ms. No. 4576
तत्त्वार्थसूत्र
Tattvārthasūtra
- Umāsvāti**
14 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1403 RIR590 RI4534
Ms. No. 5044
वीतरागस्तोत्र
Vītarāgastotra
Hemacandradhanapāla
42 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1404 RIR592 RI4559
Ms. No. 5070
शान्तिस्तव
Śāntistava
2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1405 RIR592 RI4570
Ms. No. 5081
महावीरस्तवन
Mahāvīrastavana
Meruvijaya
8 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1406 RIR593 RI4589
Ms. No. 5100
कल्पसूत्रवाचना
Kalpasūtravācanā
38 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar

1407	RIR593	RI4597 Ms. No. 5108	Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
	भंगपुरोहितचौपाई Bhaṅgupurohitacaupāi Jaimala 3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		
1408	RIR593	RI4605 Ms. No. 5116	1412 RIR593 RI4618 Ms. No. 5129
	गौतमकुलक Gautamakulaka 1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र Caturviṃśatijinastotra Śovana Paṇḍita 11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
1409	RIR593	RI4611/2 Ms. No. 5122/2	1413 RIR593 RI4620 Ms. No. 5131
	श्रावणप्रतिक्रमणविधि Śrāvaṇapratikramaṇavidhi Folios 5-15, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		नेमिरायरास Nemirāyarāsa 2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
1410	RIR593	RI4611/3 Ms. No. 5122/3	1414 RIR594 RI4626 Ms. No. 5137
	श्रावकसामयिकप्रतिक्रमणविधि Śrāvakasāmayikapratikramaṇavidhi Folios 16-20, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar		जिनपूजा Jinapūjā Devīcanda 8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar
1411	RIR593	RI4611/4 Ms. No. 5122/4	1415 RIR594 RI4650 Ms. No. 5161
	स्तुतिसंग्रह Stutisaṅgraha Folios 20-24, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New		अज्झणतबक Ajjhaṇatabaka Folios 2-7,12-15, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Alwar

- 1416 RIR594 RI4661
Ms. No. 5172
श्रीचन्द्र री चौपाई
Śrīcanda Rī Caupāī
Mohanavijaya
5 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1417 RIR594 RI4662/1
Ms. No. 5173/1
दानशीलतपभावनाचौपाई
Dānaśīlatapabhāvanācaupāī
Ratanapāla Sūda
2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1418 RIR594 RI4662/2
Ms. No. 5173/2
गौतमपृच्छाचौपाई
Gautamapr̥cchācaupāī
Sūda
Folios 2-3, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1419 RIR594 RI4662/3
Ms. No. 5173/3
फूलजीफूलमती री बात
Phūlajīphūlamatī Rī Bāta
Sūda
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1420 RIR594 RI4670/1
Ms. No. 5181/1
अचलदासखीची री बात
- Acaladāsakhīcī Rī Bāta
26 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1421 RIR595 RI4673/4
Ms. No. 5186/4
पार्श्वनाथजुहारी
Pārśvanāthajuhārī
Folios 9-10, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1422 RIR595 RI4673/5
Ms. No. 5186/5
पंचकवाण री सञ्ज्ञाय
Pañcakkhāṇa Rī Sañjñāya
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1423 RIR595 RI4673/9
Ms. No. 5186/9
चैत्यवन्दनास्तोत्र
Caityavandanāstotra
Folios 23-24, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1424 RIR595 RI4673/10
Ms. No. 5186/10
नवग्रहपार्श्वजिनस्तवन
Navagrahapārśvajinastavana
Folios 24-25, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar

- 1425 RIR595 RI4673/11
Ms. No. 5186/11
दीपीलिकास्तवन
Dīpīlikāstavana
Folios 25-30, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1426 RIR595 RI4673/12
Ms. No. 5186/12
जिनस्तवन
Jinastavana
Folios 31-40, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1427 RIR595 RI4673/15
Ms. No. 5186/15
शान्तिजिनप्रभावीकछन्द
Śāntijinaprabhāvīkachanda
Folios 44-46, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1428 RIR597 RI4702
Ms. No. 5990
बकसीराम हीरां की बात
Bakasīrāma Hīrām Kī Bāta
129 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1429 RIR603 RI4832
Ms. No. 5313
आरसी का झगडा
Ārasī Kā Jhagaḍā
Lakhamicanda Sarāvagī
- Folios 2-7, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1430 RIR603 RI4838
Ms. No. 5319
माताजी रो छन्द
Mātājī Ro Chanda
Giradhara
3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1431 RIR635 RI5404/1
Ms. No. 6071/1
देवपूजा
Devapūjā
9 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1432 RIR635 RI5404/2
Ms. No. 6071/2
जयमाल
Jayamāla
5 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1433 RIR635 RI5404/3
Ms. No. 6071/3
सिद्धा की पूजा
Siddhā Kī Pūjā
5 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar

- 1434 RIR635 RI5404/4
Ms. No. 6071/4
दसलाखणजी की पूजा
Dasalākhaṇajī Kī Pūjā
5 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1435 RIR635 RI5404/5
Ms. No. 6071/5
पार्श्वनाथस्तोत्र
Pārśvanāthastotra
3 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1436 RIR635 RI5404/13
Ms. No. 6071/13
कल्याणमंदिस्तोत्र
Kalyāṇamaṇdistotra
Kumundacandrācārya
8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1437 RIR635 RI5404/14
Ms. No. 6071/14
विषायहरस्तोत्र
Viṣāyahaṛastotra
9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1438 RIR635 RI5404/15
Ms. No. 6071/15
आदिनाथविनती
Ādināthavinatī
2 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
- IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Alwar
- 1439 RIR675 RI6033
Ms. No. 6450
विजयपोत
Vijayapota
18 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1440 RIR685 RI6165
Ms. No. 6587
पद्मावतीपूजा
Padmāvatīpūjā
15 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1441 RIR749,750 RI6834/3
Ms. No. 5017/3
ढोलामारवणीकीचौपई
ḍholāmāraṇīkīcāupāī
Kusalalābha
Folios 57-155, Paper, Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar
- 1442 RIR802 RI7036/2
Ms. No. 6113/2
दशधर्मलक्षण
Daśadharmalakṣaṇa
10 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Alwar

- 1443 **RRR59** **RR875**
Ms. No. 19797
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
171 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1444 **RRR60** **RR887**
Ms. No. 19214
जीतकल्पसूत्र
Jītakalpasūtra
3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1445 **RRR60** **RR888**
Ms. No. 19571
जीवाभिगमसूत्र
Jīvābhigamasūtra
Sudharmasvāmī
70 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1446 **RRR72** **RR1061**
Ms. No. 3408
अमरसेनकथा
Amarasenakathā
5 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1447 **RRR72** **RR1062**
Ms. No. 2472
अम्बदचरित
Ambadacarita
Amarasundara
- 22 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1448 **RRR72** **RR1063**
Ms. No. 1047(1)
इन्द्रियपराजयशतक
Indriyaparājayasataka
8 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1449 **RRR72** **RR1064**
Ms. No. 1075(1)
इन्द्रियपराजयशतक
Indriyaparājayasataka
8 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1450 **RRR72** **RR1065**
Ms. No. 3211
कथामहोदधि
Kathāmahodadhi
Somacandra
41 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1451 **RRR 72** **RR1066**
Ms. No. 2483
कथासङ्ग्रह
Kathāsaṅgraha
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

- 1452 RRR 72 RR1067
Ms. No. 3196
कथासङ्ग्रह
Kathāsaṅgraha
16 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1453 RRR72 RR1068
Ms. No. 2605
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
146 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1454 RRR72 RR1069
Ms. No. 2606
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
137 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1455 RRR72 RR1070
Ms. No. 3024
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
100 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1456 RRR72 RR1071
Ms. No. 1171
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
- Bhadrabāhu**
96 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1457 RRR73 RR1072
Ms. No. 2891
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
182 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1458 RRR73 RR1073
Ms. No. 1583
कल्पान्तरवाच्य
Kalpāntaravācya
51 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1459 RRR73 RR1074
Ms. No. 1025
गौतमपृच्छाप्रकरण
Gautamapṛcchāprakaraṇa
82 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1460 RRR73 RR1075
Ms. No. 2486
चन्द्रधवलनृपकथा
Candradhavalanṛpakathā
Māṇikyasundara
13 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1461 RRR73 RR1076
Ms. No. 418
चातुर्मासिकव्याख्यानपद्धति
Cāturmāsikavyākhyānapaddhati
Samyasundara
6 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1462 RRR73 RR1077
Ms. No. 1029
चातुर्मासिकव्याख्यानपद्धति
Cāturmāsikavyākhyānapaddhati
Samyasundara
6 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1463 RRR73 RR1078
Ms. No. 3412
चित्रसेनपद्मावतीकथा
Citrasenapadmāvatīkathā
Rājavallabha
13 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1464 RRR73 RR1079
Ms. No. 1932
चित्रसेनपद्मावतीकथा
Citrasenapadmāvatīkathā
Rājavallabha
15 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1465 RRR73 RR1080
Ms. No. 1938
चित्रसेनपद्मावतीकथा
- Citrasenapadmāvatīkathā
Buddhivijayaṅṅi
18 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1466 RRR73 RR1081
Ms. No. 247
जम्बूचरित्र
Jambūcaritra
11 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1467 RRR73 RR1082
Ms. No. 1603
जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिसूत्र
Jambūdvīpaprajñaptisūtra
118 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1468 RRR73 RR1083
Ms. No. 248
धर्मदत्तकथा
Dharmadattakathā
Vinayakuśala
12 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1469 RRR73 RR1084
Ms. No. 1698
यशोधरचरित्र
Yaśodharacaritra
Māṅikyasūri
30 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1470 RRR74 RR1085
Ms. No. 1599
जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिसूत्र
Jambūdāvīpaprajñaptisūtra
Sudharma Svāmi
387 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1471 RRR74 RR1086
Ms. No. 1585
राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र
Rājapraśnīyopāṅgasūtra
Sudharma Svāmī
75 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1472 RRR74 RR1087
Ms. No. 1612
राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र
Rājapraśnīyopāṅgasūtra
Sudharma Svāmī
70 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1473 RRR74 RR1088
Ms. No. 3025
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
122 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1474 RRR75 RR1089
P. S. 1929
विक्रमादिलघुप्रबन्धसङ्ग्रह
Vikramādilaghuprabandhasaṅgraha
4 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1475 RRR75 RR1090
Ms. No. 1865
सामायिकसूत्र
Sāmāyikasūtra
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1476 RRR75 RR1091
Ms. No. 1864
सामायिकसूत्र
Sāmāyikasūtra
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1477 RRR75 RR1095
Ms. No. 21695
जीवाभिगमसूत्र
Jīvābhigamasūtra
Sudharmasvāmī
255 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1478 RRR75 RR1096
Ms. No. 21083
राजप्रश्नीयसूत्र
Rājapraśnīyasūtra
Sudharmasvāmī
117 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1479 RRR75 RR1097
Ms. No. 21268
बृहदीक्षाविधि
Brhaddīkṣāvidhi
Jayasāgara Upādhyāya
24 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1480 RRR75 RR1098
Ms. No. 1537
रूपसेनचरित्र
Rūpasenacaritra
Jinasūri
31 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1481 RRR75 RR1099
Ms. No. 1713
रोहिणीकथा
Rohiṇīkathā
Folios 7-14, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1482 RRR75 RR1100
Ms. No. 1949
रोहिणीकथा
Rohiṇīkathā
3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1483 RRR76 RR1101
Ms. No. 21692
प्रवचनसारोद्धार
Pravacanasāroddhāra
- 349 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1484 RRR76 RR1102
Ms. No. 21269
बृहदीक्षाविधि
Brhaddīkṣāvidhi
Jayasāgara Upādhyāya
15 Folios, Paper, Prakrit,Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1485 RRR76 RR1103
Ms. No. 21156
भगवतीसूत्रबीजक
Bhagavatīsūtrabījaka
10 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1486 RRR76 RR1104
Ms. No. 21785
बिम्बप्रतिष्ठाविधि
Bimbapratīṣṭhāvidhi
12 Folios, Paper, Sanskrit,Rajasthani,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1487 RRR76 RR1105
Ms. No. 21544
राजप्रश्नीयसूत्रटीका
Rājapraśnīyasūtraṭīkā
Sudharmasvāmī
99 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

1488	RRR76	RR1106	Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
		Ms. No. 21595	
	राजप्रश्नीयसूत्रटीका		
	Rājapraśnīyasūtraṭīkā	1493	RRR77
	Sūdharmasvāmī		RR1111
	59 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		Ms. No. 22591
			दशवैकालिकसूत्रसटीक
			Daśavaikālikasūtrasaṭīka
			7 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1489	RRR77	RR1107	
		Ms. No. 20471	
	राजप्रश्नीयसूत्रटिप्पणी		
	Rājapraśnīyasūtraṭippaṇāī	1494	RRR77
	77 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		RR1115
			Ms. No. 22572
			प्रज्ञापनासूत्र
			Prajñāpanāsūtra
			Āryaśyāma
			64 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1490	RRR77	RR1108	
		Ms. No. 22016	
	सूरिमन्त्रपद्धतिविवरण		
	Sūrimantrapaddhativivarāṇa	1495	RRR78
	19 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		RR1116
			Ms. No. 23347
			सूत्रकृताङ्गसूत्र
			Sūtrakṛtāṅgasūtra
			Sūdharmasvāmī
			Folios 37-97, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1491	RRR77	RR1109	
		Ms. No. 22026	
	सूरिमन्त्रविवरण		
	Sūrimantravivarāṇa	1496	RRR78
	14 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		RR1117
			Ms. No. 23567
			उपासकदशाङ्गसूत्र
			Upāsakadaśāṅgasūtra
			26 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1492	RRR77	RR1110	
		Ms. No. 23369	
	कल्पसूत्र		
	Kalpasūtra		
	67 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New		

1497	RRR78	RR1118 Ms. No. 23565	100 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	औपपातिकसूत्र Aupapātikasūtra		
	70 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1502	RRR78 RR1123 Ms. No. 23925
	निशीथसूत्र Niśīthasūtra		
1498	RRR78	RR1119 Ms. No. 23434	122 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	निशीथसूत्र Niśīthasūtra		
	16 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1503	RRR78 RR1124 Ms. No. 24300
	प्रशमरतिप्रकरण Praśamaratiprakaraṇa		
1499	RRR78	RR1120 Ms. No. 23474	47 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	प्रशमरतिप्रकरण Praśamaratiprakaraṇa		
	6 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1504	RRR78 RR1125 Ms. No. 23732
	सूर्यप्रज्ञपतिसूत्र Sūryaprajñapatisūtra		
1500	RRR78	RR1121 Ms. No. 23373	13 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	सूर्यप्रज्ञपतिसूत्र Sūryaprajñapatisūtra		
	75 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1505	RRR79 RR1126 Ms. No. 23740
	आचाराङ्गसूत्र Ācārāṅgasūtra		
1501	RRR78	RR1122 Ms. No. 23717	4 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	आचाराङ्गसूत्र Ācārāṅgasūtra		

1506	RRR79	RR1127 Ms. No. 24038	9 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उत्तराध्यनसूत्र		
	Uttarādhyanasūtra		
	211 Folios, Paper, Prakrit, Old Rajasthan, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1507	RRR79	RR1128 Ms. No. 24474	61 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthan, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उत्तराध्यनसूत्र		
	Uttarādhyanasūtra		
	9 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1508	RRR79	RR1129 Ms. No. 24519	9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उत्तराध्यनसूत्र		
	Uttarādhyanasūtra		
	45 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1509	RRR79	RR1130 Ms. No. 24547	44 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उत्तराध्यनसूत्र		
	Uttarādhyanasūtra		
	255 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthan, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1510	RRR79	RR1131 Ms. No. 24530	69 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthan, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उत्तराध्यनसूत्र		
	Uttarādhyanasūtra		
1511	RRR79	RR1132 Ms. No. 23927	61 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthan, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उपासकदशाङ्गसूत्र		
	Upāsakadaśāṅgasūtra		
1512	RRR79	RR1133 Ms. No. 24248	9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	ऋषभतर्पणविधि		
	Rṣabhatarpaṇavidhi		
1513	RRR80	RR1134 Ms. No. 25104	44 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	उपासकदशाङ्गसूत्र		
	Upāsakadaśāṅgasūtra		
1514	RRR80	RR1135 Ms. No. 23882	69 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthan, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	ऋषिमण्डलसूत्रप्रकरण		
	Rṣimaṇḍalasūtraprakaraṇa		

1515	RRR80	RR1136 Ms. No. 24383	Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	औपपातिकसूत्र Aupapātikasūtra		
	30 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1516	RRR80	RR1137 Ms. No. 23941	
	कल्पसूत्र Kalpasūtra		
	163 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1517	RRR80	RR1138 Ms. No. 24186	
	कल्पसूत्र Kalpasūtra		
	162 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1518	RRR80	RR1139 Ms. No. 24397	
	कल्पसूत्र Kalpasūtra		
	58 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1519	RRR80	RR1141 Ms. No. 24210(5)	
	औषधोच्चारसूत्र Auṣadhocchārasūtra		
	5 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,		
1520	RRR80	RR1142 Ms. No. 24210	
	प्रतिक्रमणसूत्र Pratikramaṇasūtra		
	7 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1521	RRR80	RR1143 Ms. No. 23664	
	दशश्रुतस्कन्धप्रत्याख्यान Daśaśrutaskandhapratyākhyāna		
	25 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1522	RRR80	RR1144 Ms. No. 24025	
	चौशरणसूत्र Caūśaraṇasūtra		
	9 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1523	RRR80,81	RR1145 Ms. No. 23688	
	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिसूत्र Jambūdvīpaprajñaptisūtra		
	Sudharmasvāmī		
	9 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		

- 1524 **RRR81** **RR1146**
Ms. No. 25105
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
168 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1525 **RRR81** **RR1147**
Ms. No. 24575
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
236 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1526 **RRR81** **RR1148**
Ms. No. 23713
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
59 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1527 **RRR81** **RR1149**
Ms. No. 23846
दशवैकालिकयोगविधिव्याख्यान
Daśavaikālikayogavidhivyākhyāna
22 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1528 **RRR81** **RR1150**
Ms. No. 23795
दशवैकालिकसूत्र
Daśavaikālikasūtra
Svayambhava Sūri
- 26 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1529 **RRR81** **RR1151**
Ms. No. 24041
दशवैकालिकसूत्र
Daśavaikālikasūtra
Sayyambhava Sūri
47 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1530 **RRR81** **RR1152**
Ms. No. 24538
दशवैकालिकसूत्र
Daśavaikālikasūtra
24 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1531 **RRR82** **RR1153**
Ms. No. 24272
द्रव्यसङ्ग्रह
Dravyasaṅgraha
Nemicandra
16 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1532 **RRR82** **RR1154**
Ms. No. 24755
द्रव्यसङ्ग्रह
Dravyasaṅgraha
5 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

1533	RRR82	RR1155 Ms. No. 24346	Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	प्रज्ञापनासूत्रपद्धति Prajñāpanāsūtrapaddhati		
	3 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1538	RRR82 RR1161 Ms. No. 23749
			राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र Rājaprasñiyopāṅgasūtra
			44 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1534	RRR82	RR1156 Ms. No. 24274	
	प्रज्ञापनासूत्र Prajñāpanāsūtra		
	6 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1539	RRR82 RR1162 Ms. No. 24225
			वन्दनकप्रतिक्रमणसूत्र Vandanakapratikramaṇasūtra
			52 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1535	RRR82	RR1157 Ms. No. 24313	
	प्रज्ञापनासूत्र Prajñāpanāsūtra		
	8 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1540	RRR82 RR1163 Ms. No. 23933
			सप्ततिकासूत्र Saptatikāsūtra
			15 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1536	RRR82	RR1159 Ms. No. 23669	
	बृहत्कल्पसूत्र Bṛhatkalpasūtra		
	13 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1541	RRR82 RR1164 Ms. No. 24297
			सप्ततिकासूत्र Saptatikāsūtra
			151 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1537	RRR82	RR1160 Ms. No. 23635	
	प्रज्ञापनासूत्र Prajñāpanāsūtra		
	272 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New		

1542	RRR82	RR1165 Ms. No. 24558	Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	सिद्धदण्डिका Siddhadaṇḍikā		
			1547 RRR 83 RR1174 Ms. No. 26433
			अध्यात्मकल्पद्रुम Adhyātmakalpadruma Munisundara Sūri
			60 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1543	RRR82	RR1166 Ms. No. 23973	
	सूत्रकृताङ्ग Sūtrakṛtāṅga		
			1548 RRR83 RR1175 Ms. No. 26061(3)
			उपदेशरत्नकोश Upadeśaratnakośa
			4 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1544	RRR82	RR1167 Ms. No. 24023	
	सूत्रकृताङ्गसूत्र Sūtrakṛtāṅgasūtra		
			1549 RRR 83 RR1178 Ms. No. 25437
			औपपातिकसूत्र Auapapātikasūtra
			54 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1545	RRR83	RR1168 Ms. No. 23939	
	समवायाङ्गसूत्र Samavāyāṅgasūtra		
			1550 RRR83 RR1179 Ms. No. 26015
			कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu
			53 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1546	RRR83	RR1169 Ms. No. 23969	
	सूत्रकृताङ्ग Sūtrakṛtāṅga		

1551	RRR83,84	RR1180 Ms. No. 26256	Bhadrabāhu 181 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	कल्पसूत्र Kalpasūtra 86 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1552	RRR84	RR1181 Ms. No. 26449	Bhadrabāhu 55 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 122 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1553	RRR84	RR1182 Ms. No. 25889	Bhadrabāhu 5 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 21 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1554	RRR84	RR1183 Ms. No. 25442(1)	Bhadrabāhu 71 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 4 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1555	RRR 84	RR1184 Ms. No. 25472	Gautamakulaka 35 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	कल्पसूत्र Kalpasūtra		
			गौतमकुलक Gautamakulaka
			Bhadrabāhu Ms. No. 25619(6)
			RRR84 RR1185
			कल्पसूत्र Kalpasūtra
			RRR84 RR1186
			कल्पसूत्र Kalpasūtra
			RRR84 RR1187
			कल्पसूत्र Kalpasūtra
			RRR 84 RR1188
			गौतमकुलक Gautamakulaka

1560	RRR 85	RR1189 Ms. No. 26524	Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
	गौतमकुलक Gautamakulaka		
	43 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1561	RRR 85	RR1190 Ms. No. 26066(1)	
	गौतमकुलक Gautamakulaka		
	3 Folios, Paper, Sanskrit,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1562	RRR 85	RR1191 Ms. No. 26061	
	गौतमकुलक Gautamakulaka		
	4 Folios, Paper, Sanskrit,Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1563	RRR 85	RR1192 Ms. No. 26444	
	गौतमकुलक Gautamakulaka		
	63 Folios, Paper, Sanskrit,Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1564	RRR 85	RR1193 Ms. No. 26608	
	गौतमकुलक Gautamakulaka		
	3 Folios, Paper, Sanskrit,Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New		
1565	RRR 85	RR1194 Ms. No. 25443	
	ज्ञातासूत्र Jñātāsūtra		
	310 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1566	RRR 85	RR1195 Ms. No. 25899	
	तपागच्छपट्टावली Tapāgacchapattāvalī		
	3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1567	RRR 85	RR1196 Ms. No. 25944	
	दशवैकालिकसूत्र Daśavaikālikasūtra		
	Syambhava Sūri		
	70 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		
1568	RRR 85	RR1197 Ms. No. 25909	
	प्रश्नव्याकरणसूत्र Praśnavyākaraṇasūtra		
	83 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		

- 1569 **RRR 85** **RR1198**
Ms. No. 29053
प्रश्नव्याकरणसूत्र
Praśnavyākaraṇasūtra
87 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1570 **RRR86** **RR1199**
Ms. No. 26017
दशवैकालिकसूत्र
Daśavaikālikasūtra
Svayambhava Sūri
56 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1571 **RRR 86** **RR1200**
Ms. No. 26026
दशवैकालिकसूत्र
Daśavaikālikasūtra
SvayambhavaSūri
61 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1572 **RRR 86** **RR1201**
Ms. No. 25582
धर्मरत्नप्रकरण
Dharmaratnaprakaraṇa
Śānti Sūri
135 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1573 **RRR86** **RR1202**
Ms. No. 26055
राजप्रश्नीयसूत्र
Rājapraśnīyasūtra
- 209 Folios, Paper, Prakrit, Rajasthani,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1574 **RRR 86** **RR1205**
Ms. No. 25574(1)
नन्दीश्वरपङ्क्तिविधान
Nandīśvarapaṅktividhāna
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1575 **RRR 86** **RR1206**
Ms. No. 25577
नक्षत्रमालाकथा
Nakṣatramālākathā
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1576 **RRR 86** **RR1207**
Ms. No. 25925
नान्दीसूत्र
Nāndīsūtra
80 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1577 **RRR87** **RR1216**
Ms. No. 27154
कथामहोदधि
Kathāmahodadhi
Somacandra
45 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

1578	RRR87	RR1217 Ms. No. 26787	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 167 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur		Gautamapṛcchā 20 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1579	RRR87	RR1218 Ms. No. 2745	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 122 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1583	RRR88 RR1222 Ms. No. 26845 गौतमपृच्छा Gautamapṛcchā 34 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1580	RRR88	RR1219 Ms. No. 27713	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 202 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1584	RRR 88 RR1223 Ms. No. 27052 जैनशास्त्रीयविचार Jainaśāstrīyavicara 11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1581	RRR88	RR1220 Ms. No. 27997	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 148 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur	1585	RRR 88 RR1224 Ms. No. 26724 नन्दीसूत्र Nandīsūtra 12 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
1582	RRR88	RR1221 Ms. No. 26735	गौतमपृच्छा	1586	RRR 88 RR1225 Ms. No. 2694 नन्दीसूत्र Nandīsūtra 13 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

- 1587 **RRR 88** **RR1226**
Ms. No. 26941
नन्दीसूत्र
Nandīsūtra
12 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1588 **RRR 88** **RR1227**
Ms. No. 26942
नन्दीसूत्र
Nandīsūtra
13 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1589 **RRR 88** **RR1228**
Ms. No. 27411
प्रतिमास्थापनविचार
Pratimāsthāpanavicāra
21 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1590 **RRR88** **RR1229**
Ms. No. 26908
भगवतीसूत्र
Bhagavatisūtra
11 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1591 **RRR 88** **RR1230**
Ms. No. 27048
मन्त्रराजरहस्य
Mantrarājarahasya
Simhatilaka Sūri
- 20 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1592 **RRR 88** **RR1231**
Ms. No. 27149
राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र
Rājāpraśnīyopāṅgasūtra
44 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1593 **RRR 88** **RR1232**
Ms. No. 27191(1)
शत्रुञ्जयकल्प
Śatruñjayakalpa
11 Folios, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1594 **RRR 88** **RR1233**
Ms. No. 27415(8)
शीलोपदेशमाला
Śīlopadeśamālā
Folios 76-83, Paper, Sanskrit,Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1595 **RRR 89** **RR1234**
Ms. No. 29692
जैनबिम्बप्रतिष्ठाविधि
Jainabimbapratīṣṭhāvidhi
14 Folios, Paper, Sanskrit,Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1605 RRR 91 RR1260
Ms. No. 29745
शृङ्गारवैराग्यतरङ्गिणी
Śṅgāravairāgyatarangiṇī
Somaprabha
15 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1606 RRR94,95 RR1306
P. S. 30051
भगवतीसूत्र
Bhagavatisūtra
391 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1607 RRR95 RR1307
P. S. 29967
भगवतीसूत्र
Bhagavatisūtra
312 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1608 RRR98 RR1343
Ms. No. 29955
भगवतीसूत्र
Bhagavatisūtra
567 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1609 RRR 99 RR1344
Ms. No. 29966
प्रश्नव्याकरणसूत्र
Praśnavyākaraṇasūtra
Sudharmasvāmī
- 111 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1610 RRR99 RR1345
Ms. No. 29978
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
157 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1611 RRR99 RR1346
Ms. No. 29993
जीवाभिगमसूत्र
Jīvābhigamasūtra
100 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1612 RRR113 RR1435
Ms. No. 18820(28)
नन्दीश्वरपूजाजयमाला
Nandīśvarapūjājayamālā
Folios 106-110, Paper, Sanskrit, Apabhramsa, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1613 RRR132 RR1689
P. S. 30612
राजप्रश्नीयोपाङ्ग
Rājapraśnīyopāṅga
50 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

- 1614 RRR134 RR1735 1619 RRR135 RR1749
Ms. No. 3199 Ms. No. 32198(5)
राजप्रश्नीयोपाङ्ग
Rājapraśnīyopāṅga
110 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1615 RRR134 RR1737 1620 RRR135 RR1752
Ms. No. 32021 Ms. No. 32245(6)
तत्त्वत्रयचूलािका
Tattvatrayacūlika
Vardhānanda Veṃkaṭācārya
8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1616 RRR135 RR1745 1621 RRR135 RR1753
Ms. No. 32189(12) Ms. No. 32245(24)
लोकापवादकथा
Lokāpavādakathā
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1617 RRR135 RR1746 1622 RRR135 RR1754
Ms. No. 32189(16) Ms. No. 32246
स्त्रीबुद्धिकथा
Strībuddhikathā
13 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1618 RRR135 RR1748 1623 RRR135 RR1756
Ms. No. 32198(4) Ms. No. 32257
लोभविषयककथानक
Lobhaviṣayakakathānaka
28 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- यशोभद्रकथानक**
Yaśobhadrakathānaka
28 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- कायोत्सर्गविधि**
Kāyotsargavidhi
31 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- दीक्षाविधि**
Dīkṣāvidhi
31 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- उपदेशमाला**
Upadeśamālā
61 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- आगमसारोद्धार**
Āgamasāroddhāra
47 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1624 RRR135 RR1757
Ms. No. 32259
गोम्मटकूलक
Gommaṭakulaka
18 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1625 RRR135 RR1758
Ms. No. 32267
उपदेशमाला
Upadeśamālā
11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1626 RRR135 RR1762
Ms. No. 32349(5)
कर्माश्रवभेदनिरूपण
Karmāśravabhedanirūpaṇa
73 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1627 RRR136 RR1778
Ms. No. 32466
पट्टावली
Paṭṭāvalī
17 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1628 RRR136 RR1789
Ms. No. 3252
पटलकलशविचार
Pātālakalāśavicāra
- 1629 RRR136 RR1790
Ms. No. 32526(2)
गोम्मटसार
Gommaṭasāra
2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1630 RRR136 RR1802
Ms. No. 32757
ऋषिमण्डलप्रकरण
Ṛṣimaṇḍalaprakaraṇa
7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1631 RRR138 RR1833
Ms. No. 33055(2)
दशलक्षणपूजाजयमाला
Daśalakṣaṇapūjājayamālā
10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1632 RRR138 RR1834
Ms. No. 33055(3)
दशलक्षणपूजाजयमाला
Daśalakṣaṇapūjājayamālā
10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

- 1633 **RRR138** **RR1835**
Ms. No. 33055(12)
नन्दीश्वरपूजाजयमाला
Nandīśvarapūjājayamālā
7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1634 **RRR138** **RR1856**
Ms. No. 33233(1)
सिद्धचक्रस्तुति
Siddhacakraṣṭuti
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1635 **RRR138** **RR1857**
Ms. No. 33233(2)
सिद्धचक्रस्तुति
Siddhacakraṣṭuti
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1636 **RRR138** **RR1858**
Ms. No. 33233(3)
सिद्धचक्रस्तव
Siddhacakraṣṭava
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1637 **RRR138** **RR1859**
Ms. No. 33233(4)
सिद्धचक्रस्तव
Siddhacakraṣṭava
- 1638 **RRR138** **RR1860**
Ms. No. 33233(5)
सिद्धचक्रस्तव
Siddhacakraṣṭava
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1639 **RRR 140** **RR1874**
Ms. No. 3348
पिण्डविशुद्धि
Piṇḍaviśuddhi
Jinavallabha Suri
16 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1640 **RRR 141** **RR1881**
Ms. No. 33539
दानादिपञ्चाशिका
Dānādipañcāśikā
7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1641 **RRR149** **RR1968**
Ms. No. 38135
अहिल्यास्तोत्र
Ahilyāstotra
6 Folios, Paper, Sanskrit, Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1642 **RRR 150** **RR1989**
Ms. No. 38302(3)
जलुजङ्गमराजाकथा
Jalujāṅgamarājākathā
4 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1643 **RRR 155** **RR2076**
Ms. No. 38734(7)
सङ्ग्रहणप्रकरण
Saṅgrahaṇīprakaraṇa
Folios 93-155, Paper,
Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1644 **RRR 155** **RR2078**
Ms. No. 38773(4)
नेमिनाथावलि
Nemināthāvali
Folios 3-4, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1645 **RRR 155** **RR2079**
Ms. No. 38773(8)
पार्श्वनाथावलि
Pārśvanāthāvali
Folios 4-5, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1646 **RRR 155** **RR2080**
Ms. No. 38778
जैनप्रश्नोत्तर
Jainaprasnottara
- 11 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1647 **RRR 155** **RR2081**
Ms. No. 38786
कालिकाचार्यकथा
Kālikācāryakathā
9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1648 **RRR 155** **RR2083**
Ms. No. 38801
गोम्मटसारवृत्ति
Gommaṭasāravṛtti
Nemicandrācārya
26 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1649 **RRR 155** **RR2086**
Ms. No. 38817
त्रैलोक्यकाव्यविचारविवरण
Trailokyakāvyaavicāravivarāṇa
2 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1650 **RRR158** **RR2165**
Ms. No. 39382
प्रत्याख्यानसूत्र
Pratyākhyānasūtra
14 Folios, Paper, Sanskrit, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur

- 1651 **RRR 169** **RR2323**
Ms. No. 40183(2)
दशलक्षणपूजा
Daśalakṣaṇapūjā
Folios 75-78, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1652 **RRR 178** **RR2389**
Ms. No. 40605(5)
रात्रिप्रतिक्रमणविधि
Rātripratikramaṇavidhi
Folios 186-226, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1653 **RRR 183** **RR2403**
Ms. No. 17858
छतरविंशतिजिनस्तुति
Chataraviṃśatijīnastuti
11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1654 **RRR 183** **RR2405**
Ms. No. 17862
परिग्रहपरिमाण
Parigrahaparimāṇa
10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1655 **RRR 183** **RR2406**
Ms. No. 17863
परिग्रहपरिमाण
Parigrahaparimāṇa
- 8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1656 **RRR 183** **RR2407**
Ms. No. 17864
परिग्रहपरिमाण
Parigrahaparimāṇa
5 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1657 **RRR 183** **RR2409**
Ms. No. 17861
धन्धलशर्वाकग्रहितपरिग्रहपरिमाण
Dhandhalaśarvākagrahitparigrahaparimāṇa
7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1658 **RRR 183** **RR2410**
Ms. No. 17865
त्रीरासीशताब्दी के पत्र
Trīrāsīśatābdī Ke Patra
13 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1659 **RRR 183** **RR2411**
Ms. No. 17866
पिप्लिकाकोद्रमविचार
Piplikākodgamavicāra
2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

- 1660 **RRR 183** **RR2412**
Ms. No. 17867
जम्बूस्वामीरास
Jambūsvāmīrāsa
2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1661 **RRR 183** **RR2413**
Ms. No. 17868
आरतीकहरनविधि
Āratīkaharanavidhi
1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1662 **RRR 183** **RR2414**
Ms. No. 17869
अपोहनसभाष्य
Apohanasabhāshya
7 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1663 **RRR 183** **RR2415**
Ms. No. 1781
प्रछिनप्राकृत
Prachinaprākṛta
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1664 **RRR 183** **RR2416**
Ms. No. 17871
शोभनयुक्तदोपत्र
Śobhanayuktadopatra
- 2 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1665 **RRR 183** **RR2418**
Ms. No. 17873
प्रछिनविज्ञप्तपत्र
Prachinavijñaptapatra
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1666 **RRR 183** **RR2420**
Ms. No. 17876
विग्यप्पलेख
Vigyapplekha
2 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1667 **RRR 183** **RR2421**
Ms. No. 17877
प्रग्वतविनोहियच्छुगमत्रिवशजतपुरुषप्रशस्ति
Pragvatavinohiyachchugamatrivaśajatapurūṣapraśasti
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1668 **RRR 183** **RR2422**
Ms. No. 17878
एकपुरुषप्रशस्तिपत्र
Ekpurūṣapraśastipatra
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur

- 1669 RRR 183 RR2423
Ms. No. 17899
नराहन्द्रोहर्षकृतग्रन्थ
Narohandracharyakritgranṭh
1 Folio, Palm Leaf, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1670 RRR 183 RR2424
Ms. No. 1788
जैनग्रन्थप्रशस्तिपत्र
Jainagranthaprasastipatra
1 Folio, Palm Leaf, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1671 RRR 183 RR2425
Ms. No. 17881
सन्देहविशोषिकालास्टपत्र
Sandehvisnoshdhikolasipatra
1 Folio, Palm Leaf, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1672 RRR 183 RR2426
Ms. No. 17882
वाचनालयलोकचन्द्रगनिशतकप्रकृतिकृतिकापीस
Vācanālayalokacandraganiśatakaprakṛtikṛtikāpīsa
6 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1673 RRR 183 RR2427
Ms. No. 17883
माल्वरीयतारपत्र
Mālvarīyatārapatra
- 1674 RRR 183 RR2428
Ms. No. 17884
दार्शनिकग्रन्थस्फूटपत्र
Dārśanikagranthasphutapatra
5 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1675 RRR 183 RR2429
Ms. No. 17885
दार्शनिकग्रन्थस्फूटपत्र
Dārśanikagranthasphutapatra
4 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1676 RRR 183 RR2430
Ms. No. 17886
अय्यकसूत्र
Ayaṣyakasūtra
5 Folios, Palm Leaf, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur
- 1677 RRR 183 RR2431
Ms. No. 1789
नहकटिप्पणपत्र
Nahakatippanapatra
1 Folio, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur

- 1678 RRR 183 RR2432
Ms. No. 17894
पञ्चकल्पछरणिकालास्टपत्र
Pañcakalpacharaṇikālāstapatra
2 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental Research
Institute, Jodhpur
- 1679 RRR 183 RR2433
Ms. No. 17895
दार्शनिकग्रन्थ
Dārśanikagrantha
10 Folios, Palm Leaf, Prakrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1680 RRR 183 RR2437
Ms. No. 20116
तारपत्रीयसचित्रग्रन्थ
Tārapatrīyasacitrāgrantha
31 Folios, Palm Leaf, Prakrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Jodhpur
- 1681 ROR31 RO340
Acc.No 5695
चतुर्विंशतिद्वारप्रकरण
Caturviṃśatidvāraprakaraṇa
Gajasāra
3 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental Research
Institute, Udaipur
- 1682 ROR31 RO341
Acc.No 5265
रत्नकरण्डकश्रावकाचार
Ratnakaraṇḍakasrāvākācāra
32 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1683 ROR31 RO342
Acc. No. 5780
सिन्दूरप्रकार
Sindūraprakāra
Somaprabhācārya
19 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1684 ROR32 RO345
Acc. No. 1373
अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति
Anuyogadvārasūtravṛtti
Hemacandra
135 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1685 ROR32 RO347
Acc.No 1376
जीवाभिगमसूत्र
Jīvābhigamasūtra
119 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1686 ROR32 RO350
Acc.No 1546
सदावस्यकसूत्र
Sadāvasyakasūtra
168 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC
A, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur

- 1687 ROR33 RO352
Acc.No 380
जैनसूत्र
Jainasūtra
117 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1688 ROR33 RO353
Acc.No 1383
जीवविचार
Jivavicāra
Sānti Sūri
19 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Udaipur
- 1689 ROR33 RO354
Acc. No. 1378
तत्त्वार्थसूत्र
Tattvārthasūtra
Umāsvati
17 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Udaipur
- 1690 ROR33 RO362
Acc.No 1371
कल्पसूत्र
Kalpasūtra
Bhadrabāhu
157 Folios, Paper, Prakrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1691 ROR34 RO380
Acc.No 2950
प्रवचनसारोद्धारसूत्रवृत्ति
Pravacanasāroddhārasūtravṛtti
- 390 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1692 ROR35 RO381
Acc.No 4016
पाक्षिकक्षमासूत्र
Pākṣikakṣamāsūtra
23 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Udaipur
- 1693 ROR38 RO426
Acc.No 5747(7)
तत्त्वार्थाधिगमसूत्र
Tattvārthādhigamasūtra
Gaṇadhara
Folios 69-78, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1694 ROR39 RO434
Acc.No 1369
श्रीपालचरित
Śrīpālacarita
Jñānavimala Sūri
135 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1695 ROR39 RO438
Acc. No. 5291(2)
तत्त्वार्थसूत्र
Tattvārthasūtra
15 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur

1696	ROR39	RO439 Acc. No. 5702	49 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	तत्त्वार्थसूत्र Tattvārthasūtra Umāsvāmi		
	26 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1701	ROD108 RO 2211 RO1373
			अनुयोगद्वारवृति Anuyogaddhāravṛti Hemacandra
1697	ROR44	RO533 Acc.No 4050	Folios 2-135, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	षडमावस्यकप्रतिक्रमनसूत्रबालावबोध Ṣaḍamāvasyakapratikramanasūtrabālāvabodha		
	Folios 3-150, Paper, Prakrit, Prākṛta, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1702	ROD108 RO 2212 RO1374
			कल्पाभिधान Kalpābhidhāna
1698	ROR44	RO534 Acc.No. 2088(2)	102 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	ब्रह्मकृष्णरहस्यसिद्धान्त Brahmakṛṣṇarahasyasiddhanta		
	1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1703	ROD108 RO 2213 RO1375
			उत्तराध्ययनसूत्र Uttarādhyayanasūtra
1699	ROD108	RO 2208 RO1369	50 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	श्रीपालचरित्र Śrīpālacaritra Jinavimala Sūri		
	135 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1704	ROD108 RO 2214 RO1376
			जीवाभिगमसूत्र Jīvābhigamasūtra
1700	ROD108	RO 2210 RO1372	Folios 2-119, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	ज्ञातासूत्र Jñātāsūtra		

1705	ROD108	RO 2215 RO1377	Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	गोत्तमपृच्छा Gottamapṛcchā Gottamasvāmī		
	Folios 5-24, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1710	ROD108 RO 2221 RO1383
			जीवविचार Jīvavicāra Śānti Sūri
			19 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1706	ROD108	RO 2216 RO1378	
	तत्त्वार्थसूत्र Tattvārthasūtra		
	17 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1711	ROD108 RO 2222 RO1384
			नवतत्त्वप्रकरण Navatattvaparakaraṇa Kulamaṇḍana Sūri
1707	ROD108	RO 2218 RO1380	18 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	जैनसूत्र Jainasūtra		
	Folios 2-117, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1712	ROD108 RO 2223 RO1385
			पार्श्वनाथयन्त्र Pārśvanāthayantra
1708	ROD108	RO 2219 RO1381	1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	रूपसेननरेन्द्रकथानक Rūpasenanarendrakathānaka		
	33 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1713	ROD108 RO 2224 RO1386
			कल्याणमन्दिरस्तोत्र Kalyāṇamandirastotra Kumudacandra
1709	ROD108	RO 2220 RO1382	7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	अष्टाङ्गक Aṣṭāṅgaka		
	58 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New		

1714	ROD108	RO 2225 RO1387	8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	नवतत्त्व Navatattva		
	6 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1715	ROD108	RO 2226 RO1388	11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	क्षेत्रसमासप्रकरण Kṣetrasamāsaprakaraṇa		
	11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1716	ROD108	RO 2227 RO1389	7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	संवादसुन्दर Saṁvādasundara		
	8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1717	ROD108	RO 2228 RO1390	4 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	मतामरस्तोत्रसटिप्पण Matāmarastotraṣaṭṭipṇa		
	8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1718	ROD108	RO 2229 RO1391	10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	मतामरस्तोत्रसटीक Matāmarastotraṣaṭṭīka		
	10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1719	ROD108	RO 2230 RO1392	11 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	पाडिकमणसूत्र Pāḍikkamaṇasūtra		
1720	ROD108	RO 2231 RO1393	7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	रूपकमालावचूर्णिका Rupakamālavacūrṇikā		
1721	ROD108	RO 2232 RO1394	4 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	सम्बोधसत्तरी Sambodhasattarī		
1722	ROD108	RO 2233 RO1395	10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	सघट्टपट्टमलघुवृत्ति Saghaṭṭapaṭṭamalaghuvṛtti		
	10 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		

1723	ROD108	RO 2234 RO1396	8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	धारणागति Dhāraṇāgati		
	2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1724	ROD108	RO 2235 RO1397	1728
	साधुवन्दना Sādhuvandana		
	Folios 2-12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
	रश्मिकुधरा Rṣikudhara		
1725	ROD108	RO 2236 RO1398	1729
	चौसरण Causaraṇa		
	9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
	मतामरस्तोत्र Matāmarastotra		
	मānatuṅga		
	32 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1726	ROD108	RO 2237 RO1399	1730
	चौसरणसबालावबोध Causaraṇasabālavabaudha		
	8 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
	मतामरस्तोत्र Matāmarastotra		
	मānatuṅga		
	Folios 144-148, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1727	ROD108	RO 2238 RO1400-1401	1731
	कल्पसूत्रसटिप्पणी Kalpasūtrasaṭipṇai		
	149 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
	मतामरस्तोत्र Matāmarastotra		
	मānatuṅga		
	32 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		

1732	ROD130	RO 2663 RO1813	18 Folios, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	पडिकम्मणसूत्रव्याख्या Paḍikammaṇasūtravyākhyā		
	20 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1733	ROD130	RO 2664 RO1814(1)	23 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	भक्तामरस्तोत्र Bhaktāmarastotra		
	Mānatuṅgācārya		
	9 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1734	ROD130	RO 2665 RO1814(2)	6 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	दर्शनस्तोत्र Darśanastotra		
	Folios 10-16, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1735	ROD135	RO 2720 RO1850	21-40, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	ढोलामारुचौपाई Ḍholāmārucaupāi		
	Kuṣalalābha		
	17 Folios, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1736	ROD135	RO 2721 RO1851	41-50, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	सर्देवच्छसावलिंगारीवात Sardevacchasāvaliṅgārīvāta		
1737	ROD137	RO 2766 RO1896	18 Folios, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	माधवानलकामकन्दला Mādhavānalakāmakandalā		
	Kuślalābha		
1738	ROD137	RO 2773 RO1904	23 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	चन्दनमलयागिरिरीवात Candanamalayāgirirīvāta		
	Bhadrasena		
1739	ROD140	RO 2833 RO1959	6 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	सदैववच्छसावलिंगा री वार्ता Sadaivavacchasāvaliṅgā Rī Vārtā		
	Folios 21-40, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1740	ROD140	RO 2834 RO1960	41-50, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	चन्दनमलयगिरीचौपाई Candanamalayagirīcaupāi		
	Bhadrasena		
	Folios 41-50, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		

- 1741 ROD141 RO 2840
RO1964
चौबीसतीर्थकर
Caubīsatīrthāṅkara
Folios 72-75, Paper, Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1742 ROD141 RO 2874
RO1995
सदैववच्छसावलिंगा री वार्ता
Sadaivavacchasāvaliṅgā Rī Vārtā
Folios 2-26, Paper, Hindi,Rajasthani,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1743 ROD141 RO 2888
RO2008(1)
चन्दनमलयागिरिरीवात
Candanamalayāgīrīrivāta
Folios 100-108, Paper,
Hindi,Rajasthani, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Udaipur
- 1744 ROD143 RO 2960
RO2068
सदैववच्छसावलिंगा री दुहा
Sadaivagacchasāvaliṅgā Rī Duhā
Folios 33-56, Paper,
Hindi,Rajasthani, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Rajasthan Oriental Research
Institute, Udaipur
- 1745 ROD143 RO 2967
RO2074
जैनरत्नावली
Jainaratnāvalī
- 1745 Folios, Paper, Hindi,Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1746 ROD146 RO 3059
RO2149
सदैववच्छसावलिंगा री कथा
Sadaivavacchasāvaliṅgā Rī Kathā
55 Folios, Paper, Hindi,Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1747 ROD146 RO 3065
RO2153
समाधितंत्र
Samādhitarātra
Jasavijaya Upādhyāya
Folios 81-89, Paper, Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1748 ROD148 RO 3127
RO2197(3)
पारसनाथजी रो छन्द
Pārasanāthajī Ro Chanda
Nārāyaṇa
Folios 157-159, Paper, Hindi,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur
- 1749 ROD152 RO 3233
RO2291
चन्दनमलयागिरि रा दुहा
Candanamalayāgīri Rā Duhā
Folios 5-26, Paper, Hindi,Rajasthani,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental
Research Institute, Udaipur

1750	ROD160	RO 3307 RO2354	1754	ROD160	RO 3314 RO2359
	अजितशान्तिस्तवन Ajitaśāntistavana Merunandana Upādhyāya Folios 165-167, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur			महावीरस्वामीस्तवन Mahāvīrasvāmīstavana Samayasundara Folios 35-36, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	
1751	ROD160	RO 3308 RO2355	1755	ROD160	RO 3315 RO2360
	जीवरामखमावण री सज्जाय Jīvarāmakhamāvaṇa Rī Sajjhāya Folios 174-175, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur			पार्श्वनाथस्तवन Pārśvanāthastavana Folios 37-40, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	
1752	ROD160	RO 3311 RO2357(1)	1756	ROD160	RO 3317 RO2362
	मत्तामरबालावबोध Mattāmarabālāvabodha 22 Folios, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur			शत्रुञ्जयद्वार Śatruñjayadvāra Nayasundara Folios 93-100, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	
1753	ROD160	RO 3313 RO2358	1757	ROD161	RO 3375 RO2420
	पार्श्वनाथस्तवन Pārśvanāthastavana Hema Folios 34-35, Paper, Hindi,Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur			समयसारनाटकसिद्धान्त Samayasāranāṭakasiddhānta Banārasīdāsa Folios 65-145, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	

1758	ROD161	RO 3378 RO2423	जगदम्बाछन्द Jagadambāchanda Kuśalalābha Folios 171-172, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	Rājaharṣa Folios 14-15, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1759	ROD162	RO 3419 RO2460	दादाजी का स्तवन Dādājī Kā Stavana Folios 5-8, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1763 ROD162 चोबोलीविक्रमचरित्र Cobolīvikramacaritra Folios 16-42, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1760	ROD162	RO 3420 RO2461	नामिकुंवरजी की आरती NāmikumVarajī Kī Āratī Lālacanda 9 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1764 ROD164 स्तवनसजझायसंग्रह Stavanasajjhāyasaṅgraha 147 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1761	ROD162	RO 3421 RO2462	नेमजी की बारामासी Nemajī Kī Bārāmāsī Folios 12-13, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur	1765 ROD170 ढालचिन्तामणि Ḍhālacintāmaṇi 82 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1762	ROD162	RO 3422 RO2463	आबूजी रो स्तवन Ābūjī Ro Stavana	1766 ROD170 दानशीलतपभावनासंवादचोठाली Dānaśīlatapabhāvanāsamvādacoṭhālī 5 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur

1767	ROD170	RO 3628 RO2614	Ātmabodha 145 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur			
	ज्ञानपंचमी Jñānapañcamī Viajayalakṣmī Sūri 13 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		1772	ROD237	RO 4401 RO3545	सदैवसावलिंगा री वार्ता Sadaivasāvaliṅgā Rī Vārtā 97 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1768	ROD170	RO 3629 RO2615				
	सीमन्धरस्तवन Sīmandharastavana 11 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		1773	ROD239	RO 4443 RO3611	महानिशीथसूत्र Mahāniśīthasūtra 58 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1769	ROD170	RO 3630 RO2616				
	श्रेणिकराजा की कथा Śreṇīkarājā Kī Kathā Samaracandra 40 Folios, Paper, Hindi, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		1774	ROD244	RO 4562 RO3731	विपाकसूत्र Vipākasūtra Sudharmā Svāmī 26 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1770	ROD185	RO 3805 RO2950				
	प्रवचनसारोद्धारसूत्रवृत्ति Pravacanasāroddhārasūtravṛti 390 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		1775	ROD245	RO 4578 RO3747	मानतुंगमानवतीराम Mānaturaṅgamānavatīrāma 34 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1771	ROD203	RO 3992 RO3136				
	आत्मबोध					

1776	ROD245	RO 4583 RO3752	Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	जैनसंघो की वंशावली Jainasaṅgho Kī Vaṁśāvalī		
	133 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		
1777	ROD245	RO 4589 RO3758	1781 ROD246 RO 4598 RO3767
	जैनपदसंग्रह Jainapadasaṅgraha		कालकाचार्यकथा Kālakācāryakathā
	158 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		16 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
1778	ROD245	RO 4590 RO3759	1782 ROD246 RO 4599 RO3768
	जैनस्तव Jainastava		क्षेत्रसमासयन्त्र Kṣetrasamāsayantra
	67 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		Sumativarddhana
1779	ROD246	RO 4591 RO3760	72 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur
	श्रावकविधिप्रकाश Śrāvakavidhiprakāśa		1783 SBR2837 SB44311 P.S-1948
	283 Folios, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Rajasthan Oriental Research Institute, Udaipur		श्रावकाचार Śrāvakācāra
1780	ROD246	RO 4592 RO3761	94 Folios; L11, W 30, 12.7 x 6.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
	रागरागिनीजैनपदसंग्रह Rāgarāginījainapadasaṅgraha		1784 SBR2837 SB44315 P.S-1952
	284 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New		कल्पसूत्र Kalpasūtra
			7 Folios; L8, W 48, 13.3 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi

1785	SBR2837	SB44316 P.S-1953	Folios 1-8,81-169; L11, W 55, 12.6 x 4.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
	कल्पसूत्र Kalpasūtra		
	Folios 2-8; L6, W 48, 12.3 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		
1786	SBR2837	SB44325 P.S-3886	1790 SBR2841 SB44350 P.S-4128
	कल्पसूत्रव्याख्यान Kalpasūtravyākhyāna		समवायाङ्गवृत्तिका Samavāyāṅgavṛttikā
	Samayasundaropādhyāya		Abhayadeva Sūri
	18 Folios; L13, W 52, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		106 Folios; L15, W 36, 12.1 x 6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
1787	SBR2838	SB44335 P.S-4132	1791 SBR2843 SB44366 P.S-9153
	कल्पसूत्रव्याख्यान Kalpasūtravyākhyāna		आचारदिनकर Ācāradinakara
	Folios 1-95,95-195; L14, W 51, 9.6 x 4.1, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		Varddhamāna Sūri
1788	SBR2840	SB44345 P.S-22381	1792 SBR2843 SB44367 P.S-9152
	जैनभूगोलग्रन्थविशेष Jainabhūgolagrānthaviśeṣa		त्रैवर्णिकाचार Traivarnīkācāra
	Folios 3-8,11-16; L15, W 49, 10.1 x 4.2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		Somasena
1789	SBR2840	SB44346 P.S-45642	1793 SBR2843 SB44372 P.S-9147
	प्रमेयकमलमार्तण्ड Prameyakamalamārttaṇḍa		प्रबन्धनसारसवृत्तिक Prabandhanasārasavṛttika
	Prabhācandra		75 Folios; W,44, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi

1794	SBR2844	SB44376 P.S-5274	Syāchādaratnākarasūtra Folios 1-12; L 11, W 34, 10.2 x 4.2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
	आदिनाथदेवनाटक Ādināthadevanāṭaka Dharmadāsamaṇi Folios 1-3,13-20,23-42; L7, W 34, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		
1795	SBR2845	SB44385	
	महावीरजी को परिना Mahāvīrajī Ko Parinā 2 Folios; W 40, 9.8 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		1799 SBRA2215 SB107812 Acc.no.54309
			नयचन्द्र Nayacandra 5 Folios; L 16, W 43, 9.1 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
1796	SBR2845	SB44386 P.S-9159	1800 SBRA2215 SB107814 Acc.no.103406
	आगमनामुनि Āgamanāmuni 1 Folio; L14, W 36, 9.4 x 4.6, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		मृगापुत्रचोपई Mṛgāputracopāi 14 Folios; L 9, W 37, 10.2 x 4.2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
1797	SBR2845	SB44387 P.S-9160	1801 SBRA2216 SB107816 Acc.no.103410
	दीक्षापञ्चाशकसटीक Dikṣāpañcāśakasatīka Haribhadra 1 Folio; L38, W 26, 13.4 x 8.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		चोसरणबालाबोध Cosaraṇabālābodha 11 Folios; L 11, W 33, 10.2 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
1798	SBRA2215	SB107811 Acc.no.54248	1802 SBRA2216 SB107817 Acc.no.90844
	स्याछादरत्नाकरसूत्र		गौतमनिसिकाय Gautamanisikāya 1 Folio; L 13, W 43, 10 x 4.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi

- 1803 **SBRA2216** **SB107818**
Acc.no.90769
भावत्रीसी
Bhāvatrīsī
2 Folios; L 15, W 48, 9.8 x 4.3, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1804 **SBRA2216** **SB107819**
Acc.no.90770
सम्पत्कस्वाव्याख्या
Sampatkasvāvyākhyā
1 Folio; L 13, W 31, 10 x 4.2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1805 **SBRA2216** **SB107821**
Acc.no.90763
थुई
Thuī
1 Folio; L 11, W 28, 9.5 x 4, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1806 **SBRA2216** **SB107824**
Acc.no.90771
पुण्यलाभकुलक
Puṇyalābhakulaka
1 Folio; L 12, W 40, 9.4 x 4.1, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1807 **SBRA2216** **SB107825**
Acc.no.90776
नवतत्त्वप्रकरण
Navatattvaparakaraṇa
- 5 Folios; L 17, W 31, 8.8 x 4.9, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1808 **SBRA2216** **SB107826**
Acc.no.90764
नवरत्नप्रकरण
Navaratnaprakaraṇa
8 Folios; L 16, W 36, 10 x 4.8, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1809 **SBRA2216** **SB107827**
Acc.no.90756
संघयनसूत्र
Samṅhayanāsūtra
Folios 1-5,7-24,26-33,33-44,44-71; L
16, W 36, 10 x 4.8, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan
Library, Varanasi
- 1810 **SBRA2216** **SB107828**
Acc.no.90762
लघुशान्ति
Laghuśānti
9 Folios; L 13, W 39, 10.1 x 4.6, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1811 **SBRA2216** **SB107830**
Acc.no.90766
शाश्वताजिनर्बिबजिनचैतन्यप्रकरण
Śāśvatājinarbibajinacaitanyaparakaraṇa
4 Folios; L 6, W 28, 10 x 5, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi

- 1812 **SBRA2216** **SB107831**
Acc.no.54062
प्रमाणमञ्जरी
Pramāṇamañjarī
Balabhadra
Folios 1,8-28; L 15, W 46, 10 x 4.4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Sarasvati Bhavan Library,
Varanasi
- 1813 **SBRA2216** **SB107835**
Acc.no.54091
प्रमाणमञ्जरीटीका
Pramāṇamañjarīṭikā
Balabhadra
36 Folios; L 13, W 41, 10 x 4.2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1814 **SBRA2216** **SB107836**
Acc.no.55258
तत्त्वार्थाधिगमसूत्र
Tattvārthādhigamasūtra
11 Folios; L 11, W 42, 10.7 x 4.4,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1815 **SBRA2216** **SB107841**
Acc.no.103008
स्याद्वादमञ्जरी
Syādvādamañjarī
6 Folios; L 13, W 41, 11.3 x 4.3, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1816 **SBRA2216** **SB107842**
Acc.no.103007
जीवविचार
Jīvavicāra
- Folios 1-4,4-5; L 11, W 26, 10.4 x 4.5,
Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Incomplete, MFL, New Delhi,
IGNCA, Sarasvati Bhavan Library,
Varanasi
- 1817 **SBRA2216** **SB107844**
Acc.no.103005
संथाराविधि
Samthārāvidhi
2 Folios; L 12, W 35, 10 x 4.6, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1818 **SBRA2216** **SB107845**
Acc.no.102741
जैनकथासङ्ग्रह
Jainakathāsaṅgraha
Folios 4-5,13,15-31,33-38,40-64,66; L
11, W 40, 10.5 x 4.3, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan
Library, Varanasi
- 1819 **SBRA2216** **SB107846**
Acc.no.103003
सिंहकायञ्जमण
Sijhakāyañjamaṇa
1 Folio; L 17, W 38, 9.6 x 4.2, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Complete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi
- 1820 **SBRA2216** **SB107847**
Acc.no.102735
कल्पसिद्धान्त
Kalpasiddhānta
8 Folios; L 12, W 44, 9.7 x 4.1, Paper,
Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete,
MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati
Bhavan Library, Varanasi

- 1821 **SBRA2216** **SB107848**
Acc.no.102742
उत्तराध्ययनवृत्ति
Uttarādhyanavṛtti
Folios 8-10,13-59,62-120,122-125,128-140; L 13, W 44, 10 x 4.4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1822 **SBRA2216** **SB107849**
Acc.no.102737
कथासङ्ग्रह
Kathāsaṅgraha
Folios 1-9,11-16; L 13, W 37, 10.1 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1823 **SBRA2216** **SB107850**
Acc.no.102734
चिकुरद्वात्रिंशिका
Cikuradvātrīṁśikā
3 Folios; L 12, W 46, 10 x 4.2, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1824 **SBRA2216** **SB107852**
Acc.no.102739
उत्तराध्ययनसूत्र
Uttarādhyanasūtra
21 Folios; L 9, W 31, 1.2 x 4.4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1825 **SBRA2216** **SB107854**
Acc.no.102995
पार्श्वजिनस्तोत्र
Pārśvajinastotra
- Folios 1-21,27-36,50-59; L 10, W 21, 8.8 x 4.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1826 **SBRA2217** **SB107856**
Acc.no.108779
हंसराजवच्छराजकथा
Haṁsarājavaccharājakathā
60 Folios; L 24, W 19, 6 x 8.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1827 **SBRA2217** **SB107857**
Acc.no.108771
आदिनाथस्तोत्रसटीक
Ādināthastotrasatīka
Folios 1,12-14,35-37,39,6-9,12,26-40,1-3,5,5-7,9,9-12,14-23,38,40-43,45-58,61-69,70-71,4,6; L 4, W 38, 10 x 4.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1828 **SBRA2217** **SB107858**
Acc.no.108777
श्रीचन्द्रराजचरित्र
Śrīcandrarājacaritra
101 Folios; L 14, W 28, 9.6 x 4.8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1829 **SBRA2217** **SB107859**
Acc.no.108773
श्रीचन्द्रप्रबन्धराज
Śrīcandraprabandharāja
271 Folios; L 11, W 35, 12.7 x 4.8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi

- 1830 **SBRA2218** **SB107860**
Acc.no.108772
अजितशान्तिजितवन
Ajitaśāntijitavana
141 Folios; L 20, W 28, 9 x 7.4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1831 **SBRA2218** **SB107861**
Acc.no.108781
प्रश्नोत्तरसार्द्धशतक
Praśnottarasārdḍhaśataka
Kalyangant
40 Folios; L 10, W 32, 10.2 x 4.4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1832 **SBRA2218** **SB107862**
Acc.no.108775
नलदवदतीनोरास
Naladavadatīnorāsa
Folios 1-37,37-52; L 12, W 32, 10.6 x 5.3, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1833 **SBRA2218** **SB107863**
Acc.no.108782
चैत्यनन्दनवार्तिकसभाष्य
Caityanandanavārtikasabhāṣya
Jñānavimala Sūri
38 Folios; L 12, W 47, 10.2 x 4.4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1834 **SBRA2218** **SB107864**
Acc.no.108774
ढावसागर
ḍhāvasāgara
135 Folios; L 12, W 37, 9.8 x 5.1, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1835 **SBRA2218** **SB107865**
Acc.no.108776
हंसराजवृछराणि की चौपाई
Haṁsarājavṛccharāṇi Kī Cauṣāī
143 Folios; L 11, W 23, 8.3 x 4.9, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1836 **SBRA2218** **SB107869**
Acc.no.108780
मृगावतीकथा
Mṛgāvātikathā
39 Folios; L 11, W 26, 9.5 x 4.8, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1837 **SBRA2218** **SB107870**
Acc.no.108778
सत्तरभेदपूजाविधि
Sattarabhedapūjāvidhi
Folios 1-55,57-58; L 22, W 13, 4.4 x 6.7, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi
- 1838 **SBRA2219** **SB107872**
Acc.no.99969
द्रव्यालङ्कार
Dravyālaṅkāra
18 Folio; L 9, W 39, 9.9 x 4.4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi

1839	SBRA2367	SB110631 Acc.No 103398	Aticāra 4 Folios; L 11, W 34, 25 x 10, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
	प्रवचनसार Pravacanasāra 98 Folios; L 17, W 42, 10.3 x 4, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Sarasvati Bhavan Library, Varanasi		
1840	SIR251	SI3056 Ac. No. 489	1844 SIR251 SI3060 Ac. No. 646
	उत्तराध्ययनसूत्र Uttarādhyayanasūtra 173 Folios; L 13, W 34-43, 25 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति Anuyogadvārasūtravṛtti Hemacandra Sūri 113 Folios; L 15, W 57, Page 32 is missing and not available from the page 115, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1841	SIR251	SI3057 Ac. No. 7048	1845 SIR251 SI3061 Ac. No. 5117
	अइमुक्तकेवली Aimuktakevali 1 Folio; L 13, W 37, 24 x 10, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		अनुष्ठानविधि Anuṣṭhānavidhi Devendra 38 Folios; L 18, W 45, Not available from page 39, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1842	SIR251	SI3058 Ac. No. 901	1846 SIR251 SI3062 Ac. No. 502
	अतिचार Aticāra 2 Folios; L 18, W 49, 25 x 10, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		अन्तकृद्दशा Antakṛddaśā 22 Folios; L 13, W 46, 25 x 10, Paper, Ardhamaghadhi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1843	SIR251	SI3059 Ac. No. 5264	
	अतिचार		

- 1847 **SIR251** **SI3063**
Ac. No. 5132
अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र
Antakṛddaśāṅgasūtra
29 Folios; L 13, W 37, 24 x 10, Paper, Magadhi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1848 **SIR251** **SI3068**
Ac. No. 5278
आवश्यकसूत्र
Āvaśyakasūtra
24 Folios; L 13, W 35-49, Not available from page 25, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1849 **SIR252** **SI3069**
Ac. No. 619
उत्तराध्ययनसूत्र
Uttarādhyayanasūtra
314 Folios; L 14, W 34, 25 x 12, Paper, Prakrit, Gujarati, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1850 **SIR252** **SI3070**
Ac. No. 7014
उपासकदशाङ्गसूत्र
Upāsakadaśāṅgasūtra
30 Folios; L 18, W 37, 26 x 12, Paper, Magadhi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1851 **SIR252** **SI3071**
Ac. No. 609
- 1852 **SIR252** **SI3072**
Ac. No. 599
औपपात्तिकसूत्रवृत्ति
Aupapāttikasūtravṛtti
Abhayadeva Sūri
85 Folios; L 13, W 48, Pages 40-45 not available, 26 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1853 **SIR252** **SI3073**
Ac. No. 7047
कर्मग्रन्थषट्क
Karmagranthashaṣṭka
Devendra Sūri
12 Folios; L 16, W 32, 25 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1854 **SIR252** **SI3074**
Ac. No. 585
कल्पव्याख्यान
Kalpavyākhyāna
Jñānavimāla
8 Folios; L 12, W 32, 25 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- कल्पसूत्र**
Kalpasūtra
Bhadrabāhusvāmī
89 Folios; L 9, W 26, Pages 7,15 are missing, 25 x 11, Paper, Ardhamaghadhi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain

1855	SIR253	SI3075 Ac. No. 595	1859	SIR253	SI3079 Ac. No. 5146
	कल्पसूत्रकल्पसूत्रवार्तिक Kalpasūtrakalpasūtravārtika Bhadrabāhu 168 Folios; L 15, W 40, 25 x 12, Paper, Ardhamagadhi, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			कल्पलता Kalpalatā 10 Folios, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1856	SIR253	SI3076 Ac. No. 615	1860	SIR253	SI3080 Ac. No. 5099
	कल्पसूत्र Kalpasūtra Bhadrabāhu 206 Folios; L 15, W 41-48, Pages 169-170 not available, 27 x 12, Paper, Ardhamagadhi, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			कल्पसूत्रान्तर्वाच्य Kalpasūtrāntarvācyā Bhadrabāhu 151 Folio; L 12, W 47, Pages 1,71,108,154,155 not available, 25 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1857	SIR253	SI3077 Ac. No. 4249	1861	SIR253	SI3081 Ac. No. 5243/2
	कल्पसूत्र Kalpasūtra 39 Folios; L 14, W 64, Page 40 is not available, 25 x 12.5, Paper, Ardhamagadhi, Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			क्षमाच्छत्तीसी Kṣamācchattīsī 1 Folio, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1858	SIR253	SI3078 Ac. No. 631	1862	SIR254	SI3082 Ac. No. 5234/1
	कल्पसूत्रव्याख्याकल्पमणि Kalpasūtravyākhyākalpamaṇi 29 Folios; L 11, W 29, 25 x 12, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			क्षेत्रसमास Kṣetrasamāsa Maharṣi Netasīji 22 Folios; L 12, W 39-52, Pages 1,3 not available, 25 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

- 1863 **SIR254** **SI3084** 1867 **SIR254** **SI3088**
 Ac. No. 544 Ac. No. 6994
- दशवैकालिकासूत्र**
Daśavaikālikāsūtra
Śyaṃabhavasvāmī
 38 Folios; L 15, W 36-46, Page 1,2-39
 are missing, 24 x 11, Paper,
 Ardhamagadhi, Gujarati,
 Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Scindia Oriental
 Institute, Vikram University, Ujjain
- जगत्चूडामणिभूओ**
Jagacūḍāmaṇibhūo
 13 Folios; L 7, W 42, Pages 1-46,51-
 52,54,56-59,62-66,68-70 are missing,
 21 x 9.5, Paper, Prakrit, Sanskrit,
 Devanāgarī, Incomplete, MFL, New
 Delhi, IGNCA, Scindia Oriental
 Institute, Vikram University, Ujjain
- 1864 **SIR254** **SI3085** 1868 **SIR254** **SI3089**
 Ac. No. 6573 Ac. No. 865
- गुणरत्नसागरमहाव्रताराधना**
Guṇaratnasāgaramahāvratārādhana
 7 Folios; L 15, W 41, Not available
 from Pages 8, 25.5 x 10.5, Paper,
 Prakrit, Devanāgarī, Incomplete,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia
 Oriental Institute, Vikram University,
 Ujjain
- जन्माभिषेकादिजिनेन्द्रस्थानाधिकार**
Janmābhiṣekādijineन्द्रsthānādhikāra
 18 Folios; L 11, W 43, 25 x 11, Paper,
 Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL,
 New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental
 Institute, Vikram University, Ujjain
- 1865 **SIR254** **SI3086** 1869 **SIR254** **SI3090**
 Ac. No. 539 Ac. No. 7120/21
- गौतमपृच्छा**
Gautamapṛcchā
 36 Folios; L 17, W 37, 25 x 12, Paper,
 Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī,
 Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Scindia Oriental Institute, Vikram
 University, Ujjain
- जीवविचार**
Jīvavicāra
 14 Folios; L 9, W 14, 12 x 9.5, Paper,
 Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī,
 Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Scindia Oriental Institute, Vikram
 University, Ujjain
- 1866 **SIR254** **SI3087** 1870 **SIR254** **SI3091**
 Ac. No. 7098/2 Ac. No. 836
- चौदशगुणस्थानप्रकृतिविवरण**
Caudaśagūṇasthānaprakṛtivarṇa
 4 Folios; L 21, W 52, Page 8 is missing,
 25 x 12, Paper, Gujarati, Devanāgarī,
 Incomplete, MFL, New Delhi,
 IGNCA, Scindia Oriental
 Institute, Vikram University, Ujjain
- जीवविचारप्रकरण**
Jīvavicāraprakaraṇa
 6 Folios; L 11, W 50, 24 x 10, Paper,
 Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī,
 Complete, MFL, New Delhi, IGNCA,
 Scindia Oriental Institute, Vikram
 University, Ujjain

1871	SIR254	SI3092 Ac. No. 5277	1875	SIR254	SI3097 Ac. No. 6575
	जीवविचारबालावबोध Jīvavicārabālāvabodha			तत्त्व Tattva	
	13 Folios; L 11, W 31, Page 1-3,5 not available, 24 x 10, Paper, Magadhi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			1 Folio; L 13, W 39, 25 x 10.5, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1872	SIR254	SI3094 Ac. No. 6966	1876	SIR254	SI3098 Ac. No. 570
	जीवाजीवादिनवतत्त्वसूत्र Jāvājīvādinavatattvasūtra			तत्त्वार्थरत्नप्रभाकर Tattvārtharatnprabhākara	
	2 Folios; L 11, W 27, First page not available, 27.5 x 12.5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			Muniprabhācandra	
				25 Folios; L 13, W 33, Not available from page 26, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1873	SIR254	SI3095 Ac. No. 6971			
	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र Jñātādharma kathāṅgasūtra				
	27 Folios; L 15, W 51, Page 15 not available and also not available from page 29, 29.5 x 10.5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		1877	SIR254	SI3099 Ac. No. 5174
				त्रिशला के 14 स्वप्नटीकासहित Triśalā ke 14 Svapnaṭīkāśahita	
				4 Folios; L 14, W 51, 26 x 11, Paper, Prakrit, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1874	SIR254	SI3096 Ac. No. 6988/2	1878	SIR254	SI3100 Ac. No. 840/1
	ठण्डिलाकरणविधि Ṭhaṇḍilākaraṇavidhi			दण्डकविचार Daṇḍakavicāra	
	1 Folio; L 19, W 55, 25 x 10.5, Paper, Magadhi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			4 Folios; L 15, W 39, 25 x 10, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC A, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

1879	SIR254	SI3101 Ac. No. 503	1883	SIR254	SI3105 Ac. No. 5141
	नवतत्त्वप्रकरण Navatattvaprakaraṇa 5 Folios; L 20, W 30-39, 25 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			पञ्चकर्मग्रन्थवचूरिसहित Pañcakarmagranthavacūrisahita Devendra Sūri 11 Folio; L 20, W 82, 25.5 x 10.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1880	SIR254	SI3102 Ac. No. 8154	1884	SIR254	SI3106 Ac. No. 654
	नवतत्त्वप्रकरण Navatattvaprakaraṇa 7 Folios; L 10, W 40, 26 x 11, Paper, Ardhamaghadhi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			प्रतिक्रमणसूत्र Pratikramaṇasūtra 9 Folios; L 11, W 34-45, 24 x 12, Paper, Prakrit, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1881	SIR254	SI3103 Ac. No. 5303	1885	SIR254	SI3107 Ac. No. 7000
	नवतत्त्वविचार Navatattvavicāra 43 Folios; L 15, W 46, Folios missing 1-20,24,25,28,32,34,47-51 and not available from the Pages 73, 25 x 10, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			प्रश्नव्याकरणसूत्रटीका Praśnavyākaraṇasūtraṭikā 21 Folio; L 17, W 38, Pages 1-2 are missing and not available from the Pages 24, 27.5 x 10.5, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1882	SIR254	SI3104 Ac. No. 5151	1886	SIR254	SI3108 Ac. No. 933
	नवतत्त्ववृत्ति Navatattvavṛtti 7 Folios; L 18, W 42, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			बन्धहेतुदयात्रिभङ्गीसूत्र Bandhahetūdayatṛibhaṅgīsūtra Harṣakula 5 Folios; L 15, W 52, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

1887	SIR254	SI3109 Ac. No. 6978	1891	SIR254	SI3114 Ac. No. 493
	जीवविचार Jivavicāra Śānti Sūri 3 Folios; L 11, W 38, 25 x 10.5, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			नयचक्रवचनिका Nayacakravacanikā Hemarājaśāha 13 Folios; L 12, W 35, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1888	SIR254	SI3110 Ac. No. 564	1892	SIR254	SI3115 Ac. No. 510
	दसप्रश्ननिर्युक्तिनाबोल Dasapraśnaniryuktinābola 13 Folios; L 15, W 33, First page is missing, 22 x 12, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			नवतत्त्वप्रकरण Navatattvaprakaraṇa 9 Folios; L 5, W 28, 24 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1889	SIR254	SI3111 Ac. No. 7120/22	1893	SIR255	SI3116 Ac. No. 5100
	दानशीलतपभावनासम्बाद Dānaśīlatapabhāvanāsambāda Samayasundara 11 Folio; L 10, W 18, 12 x 9.5, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			भगवतीसूत्र Bhagavatisūtra Bhadrabāhusvāmī 165 Folios; L 6, W 32, 25 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1890	SIR254	SI3112 Ac. No. 5205	1894	SIR255	SI3117 Ac. No. 497
	दीपावलीकाकल्प Dīpāvalīkākalpa Jinasundara 29 Folios; L 17, W 32-41, 29 x 14, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			भगवतीसूत्र Bhagavatisūtra 162 Folios; L 16, W 42, Folios not available from 163, 24 x 14, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

1895	SIR255	SI3118 Ac. No. 5089	1899	SIR256	SI3122 Ac. No. 5121
	भगवतीसूत्र Bhagavatisūtra Bhadrabāhusvāmī 192 Folios; L 14, W 32, Folio 35 is missing, 26 x 12.5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			भाष्यत्रयीविवरण Bhāṣyatrayīvivarṇa Devendra Sūri 30 Folios; L 11, W 36, Folios not available from 31, 24 x 10, Paper, Prakrit, Gujarati, Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1896	SIR255	SI3119 Ac. No. 5201	1900	SIR256	SI3123 Ac. No. 5162
	भगवतीसूत्र Bhagavatisūtra 372 Folios; L 12, W 36, Folios not available from 1-201 and 574, 25 x 11, Paper, Ardhamaghadhi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			रत्नसारसङ्ग्रहणी Ratnasārasaṅgrahaṇī Hema Sūri 12 Folios; L 14, W 37, 25 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1897	SIR256	SI3120 Ac. No. 495	1901	SIR256	SI3124 Ac. No. 6976
	भावप्रकरण Bhāvaprakaraṇa 6 Folios; L 21, W 47-53, 26 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			लघुक्षेत्रसमासवचूरिसहित Laghukṣetrasamāsavacūrisahita 4 Folios; L 17, W 48, Folios 1,3,4,7 are missing, 25 x 10.5, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1898	SIR256	SI3121 Ac. No. 922	1902	SIR256	SI3125 Ac. No. 621
	भाष्यत्रयवार्तिक Bhāṣyatrayavārtika Devendra Sūri 38 Folios; L 17, W 35-44, Folio missing 1-2, 26 x 12, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			लघुसङ्ग्रहणी Laghusaṅgrahaṇī Haribhadra Sūri 5 Folios; L 16, W 26, 27 x 13, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

1903	SIR256	SI3126 Ac. No. 7115/11	1907	SIR256	SI3130 Ac. No. 603
	वन्देन्तुसूत्र Vandentusūtra 8 Folios; L 11, W 12, 13.5 x 11, Paper, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			विपाकसूत्र Vipākasūtra 27 Folios; L 15, W 35-52, Folio missing 4,7,8,12,14,16,17,19,20,24,27,29,34,36,37,39,40,42,43,44,46,47,52,53,55-58, 26 x 12, Paper, Sanskrit, Ardhamagadhi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1904	SIR256	SI3127 Ac. No. 515			
	विचारषड्विंशिका Vicāraṣadvimśikā Gajasāra 7 Folios; L 10, W 30-39, Page 1 is missing, 25 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		1908	SIR256	SI3131 Ac. No. 6584
				वृद्धिचैत्यवन्दन Vṛddhicaityavandana 1 Folio; L 13, W 40, 23.5 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1905	SIR256	SI3128 Ac. No. 546/3			
	विचारसारप्रकरण Vicārasāraprakaraṇa Maheśvara Sūri 4 Folios; L 12, W 31, 27 x 13, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		1909	SIR256	SI3132 Ac. No. 6673
				शीलाङ्गरथ Śilāṅgaratha 1 Folio; L 14, W 30, 25 x 10.5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1906	SIR256	SI3129 Ac. No. 6999			
	विपाकसूत्र Vipākasūtra 16 Folios; L 16, W 42, Folio missing 1,2,9 not available from 20, 26 x 10, Paper, Ardhamagadhi, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		1910	SIR256	SI3133 Ac. No. 5124/2
				श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र Śrāvakapratikramaṇasūtra 3 Folios; L 15, W 42, 25 x 12.5, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

1911	SIR256	SI3134 Ac. No. 7091	1915	SIR257	SI3138 Ac. No. 7033
	षडावश्यक Ṣaḍāvaśyaka 60 Folios; L 14, W 45, Folios 1-8 missing, 25 x 10.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			समयसारकलश Samayasāarakalaśa 12 Folios; L 13, W 42, Folios 1-29 are missing and not available from 142, 25 x 10.5, Paper, Sanskrit, Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1912	SIR256	SI3135 Ac. No. 5095/4	1916	SIR257	SI3139 Ac. No. 624
	षष्टिशतप्रकीर्णक Ṣaṣṭhiśataprakīrṇaka Nemicanda 9 Folios; L 11, W 37, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			समवायाङ्गसूत्र Samavāyāṅgasūtra 69 Folios; L 11, W 41, 26 x 11, Paper, Ardhamaghadhi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1913	SIR256	SI3136 Ac. No. 513	1917	SIR257	SI3140 Ac. No. 527
	सङ्ग्रहणीरत्न Saṅgrahaṇīratna 54 Folios; L 16, W 33-44, Folios 1-2 are missing, 26 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			समवायाङ्गसूत्र Samavāyāṅgasūtra Jambusvāmī 148 Folios; L 20, W 41-56, Pages 57 is missing, 24 x 10, Paper, Ardhamagadhi, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	
1914	SIR257	SI3137 Ac. No. 5279	1918	SIR257	SI3141 Ac. No. 623
	सङ्ग्रहणीसूत्रभाष्यत्रयवचूरिसहित Saṅgrahaṇīsūtrabhāṣyatrayavacūrisahita Devendra Sūri 32 Folios; L 8, W 34, Page 1 is missing, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain			समाधितन्त्र Samādhitantra 197 Folios; L 11, W 35, 27 x 14, Paper, Sanskrit, Rajasthani, Devanāgarī, Complete, इसमें टिका मात्र है, कही कहीं मूलश्लोक ग्रन्थ में उद्धृत किये गये है।।, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain	

- 1919 SIR257 SI3142 Ac. No. 529
सम्बोधसत्तरी
Sambodhasattarī
Ratnaśekhara Sūri
 20 Folios; L 14, W 41, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1920 SIR257 SI3143 Ac. No. 521
सम्बोधसप्ततिका
Sambodhasaptatikā
Ratnaśekhara Sūri
 6 Folios; L 12, W 42-45, 25 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1921 SIR257 SI3144 Ac. No. 5124/3
सव्वपचक्याणसङ्ग्रह
Savvapacakyāṇasaṅgraha
 2 Folios; L 15, W 42, 25 x 12.5, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1922 SIR257 SI3145 Ac. No. 907
स्यादिसमुच्चयसूत्रवचूरिसहित
Syādisamuccayasūtravacūrisahita
Amarcandragāṇi
 3 Folios; L 31, W 80, 26 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1923 SIR257 SI3146 Ac. No. 7001
सम्यक्तवकौमुदी
Samyaktvakaumudī
 14 Folios; L 9, W 48, Pages 1 is missing, and not available from page 16, 28 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1924 SIR257 SI3147 Ac. No. 7022/1
शान्तसुधारस
Śāntasudhārasa
Vinayavijaya Upādhyāya
 1 Folio; L 23, W 64, 25 x 10.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1925 SIR257 SI3148 Ac. No. 6667
गुर्वावली
Gurvāvalī
Buddhikuśalagaṇi
 9 Folios; L 19, W 53, 25 x 12, Paper, Prakrit, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1926 SIR257 SI3149 Ac. No. 14994/6
अनन्तचौदसपूजा
Anantacaudasapūjā
 4 Folios; L 9, W 25, 20 x 12, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain

1927	SIR257	SI3150 Ac. No. 5108/1	चारित्रग्रहणदीक्षाविधि Cāritragrahaṇādīkṣāvidhi 1 Folio; L 20, W 46, 24.5 x 10.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1928	SIR257	SI3151 Ac. No. 7115/35	चैत्यवन्दन Caityavandana Kalyāṇasāgara 1 Folio; L 15, W 35, 26 x 11.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1929	SIR257	SI3152 Ac. No. 5123	जैनपूजाविधि Jainapūjāvidhi Mahimāsāgara 5 Folios; L 10, W 33, 26 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1930	SIR257	SI3153 Ac. No. 561/2	अष्टप्रकारीपूजा Aṣṭaprakārīpūjā Devacanda 3 Folios; L 12, W 38, 25 x 11, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1931	SIR258	SI3154 Ac. No. 6651	अष्टप्रकारीपूजा Aṣṭaprakārīpūjā Devacanda 10 Folios; L 11, W 12, 13.5 x 11, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1932	SIR258	SI3155 Ac. No. 5258	अष्टप्रकारीपूजा Aṣṭaprakārīpūjā Devacanda 33 Folios; L 13, W 58, Not available from page 34, 25 x 10, Paper, Magadhi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1933	SIR258	SI3156 Ac. No. 5272	पूजाष्टक Pūjāṣṭaka 12 Folios; L 15, W 51, 26 x 11, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1934	SIR258	SI3157 Ac. No. 6694	

- 1935 **SIR258** **SI3158** 1939 **SIR258** **SI3163**
 Ac. No. 5110 Ac. No. 7116/20
उपदेशमालाकर्णिका
Upadeśamālākarnikā
Dharamāsgaṇi
 123 Folios; L 14, W 46, Folios 1-9,95,98,136-148 are missing, 25 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1936 **SIR258** **SI3160** 1940 **SIR258** **SI3164**
 Ac. No. 7039 Ac. No. 6653/2
दूढणपच्चीसी
Ḍūṁḍhaṇapaccīsī
 1 Folio; L 15, W 29, 24 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1937 **SIR258** **SI3161** 1941 **SIR258** **SI3165**
 Ac. No. 6998/4 Ac. No. 7116/22
त्रीसलाराणी कहे मेरे नन्दन
Trīsalarāṇī Kahe mere Nandana
 1 Folio; L 10, W 42, 25 x 10.5, Paper, Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1938 **SIR258** **SI3162** 1942 **SIR258** **SI3166**
 Ac. No. 7002/1 Ac. No. 5177/33
दानशीलतपभावना
Dānaśīlatapabhāvanā
Samayasundara
 4 Folios; L 11, W 35, First folios missing, 25 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- देवयहिरावणी**
Devayahirāvaṇī
 1 Folio; L 17, W 16, 15 x 12.5, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- नेमजी की लावणी**
Nemajī Kī Lāvaṇī
Jinadāsa
 1 Folio; L 12, W 32, 24.5 x 12, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- न्यायनयहिरावणी**
Nyāyanayahirāvaṇī
 1 Folio; L 12, W 32, 24.5 x 12, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- पद**
Pada
 1 Folio; L 33, W 41, 25 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain

1943	SIR258	SI3167 Ac. No. 498	Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
	वाक्यप्रकाशौक्तिक Vākyaprakāśauktika Udayadharama 4 Folios; L 14, W 54, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		
1944	SIR258	SI3168 Ac. No. 921	1947 SIR258 SI3171 Ac. No. 867
	शीलोपदेशमालाबालावबोध Śilopadeśamālābālavabodha Jayakīrti 78 Folios; L 12, W 45, Pages 1,6-10,15 are missing, and not available from the Pages 85, 26 x 10, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		सिन्दूरप्रकार Sindūraprakara Somaprabha Sūri 21 Folio; L 12, W 36, 25 x 11, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1945	SIR258	SI3169 Ac. No. 5154	1948 SIR258 SI3172 Ac. No. 514
	शीलोपदेशमाला Śilopadeśamālā Jayakīrti 22 Folios; L 19, W 40, Pages 1,5-8 are missing, and not available from the Pages 28, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		सिन्दूरप्रकार Sindūraprakara Somaprabha Sūri 15 Folios; L 17, W 45-60, First page is missing, 25 x 11, Paper, Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1946	SIR258	SI3170 Ac. No. 7053	1949 SIR258 SI3175 Ac. No. 853
	सवैयाइकतीसा Savaiyāikatīsā 8 Folios; L 13, W 34, Not available from the Pages 9, 24 x 10.5, Paper, Hindi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia		संस्कृतमञ्जरी Saṁskṛitamāñjarī 5 Folios; L 10, W 36, 24 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
			1950 SIR258 SI3177 Ac. No. 5097/16
			अरणकसञ्ज्ञाय Araṇakasāñjhāya Kīrata Sūri 1 Folio; L 19, W 19, 25 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain

- 1951 **SIR258** **SI3178** 1955 **SIR258** **SI3182**
 Ac. No. 7115/41 Ac. No. 7120/29
अरणकसञ्ज्ञाय **इलापुत्रसञ्ज्ञाय**
Araṇakasañjhāya **lāputrasañjhāya**
Samayasundara **Lāvaṇyavijai**
 2 Folios; L 11, W 22, 13.5 x 11, Paper, 2 Folios; L 8, W 15, 12 x 9.5, Paper,
 Rajasthani, Devanāgarī, Complete, Gujarati, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia
 Oriental Institute, Vikram University, Oriental Institute, Vikram University,
 Ujjain Ujjain
- 1952 **SIR258** **SI3179** 1956 **SIR258** **SI3183**
 Ac. No. 7120/4 Ac. No. 931
अरणकमुनिसञ्ज्ञाय **कंसकृष्णविवरणलावणीसञ्ज्ञाय**
Araṇakamunisañjhāya **Kaṁsākṛṣṇavivaranaḷāvaṇīsañjhāya**
Rūpavijaya **Vinayacandra**
 2 Folios; L 9, W 14, 12 x 9.5, Paper, 2 Folios; L 16, W 50, 26 x 12, Paper,
 Rajasthani, Devanāgarī, Complete, Rajasthani, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia
 Oriental Institute, Vikram University, Oriental Institute, Vikram University,
 Ujjain Ujjain
- 1953 **SIR258** **SI3180** 1957 **SIR258** **SI3184**
 Ac. No. 6616 Ac. No. 5185/2
अवन्तिसुकमालसञ्ज्ञाय **नारीसञ्ज्ञाय**
Avantisukamālasañjhāya **Nārīsañjhāya**
Dharmasamudra **Sīlavijayasiṣya**
 1 Folio; L 13, W 46, Not available 1 Folio; L 15, W 47, 24 x 10.5, Paper,
 from the Pages 2, 24.5 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete,
 Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia
 MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University,
 Oriental Institute, Vikram University, Ujjain Ujjain
- 1954 **SIR258** **SI3181** 1958 **SIR258** **SI3185**
 Ac. No. 5177/7 Ac. No. 7115/37
इलापुत्रसञ्ज्ञाय **पञ्चविषयसिञ्ज्ञाय**
lāputrasañjhāya **Pañcaviṣayasīñjhāya**
Labdhavijaya **Padmacandra Sūri**
 1 Folio; L 13, W 14, 22 x 10, Paper, 3 Folios; L 11, W 12, 13.5 x 11, Paper,
 Gujarati, Devanāgarī, Complete, Rajasthani, Devanāgarī, Complete,
 MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia
 Oriental Institute, Vikram University, Oriental Institute, Vikram University,
 Ujjain Ujjain

- 1959 SIR258 SI3186 1963 SIR258 SI3192
Ac. No. 5177/33 Ac. No. 5300
- पञ्चेन्द्रीसिद्धाय**
Pañcendriṣiñjhāya
Jinaharṣa
1 Folio; L 13, W 41, 25 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- गौतमस्वामिनोरास**
Gautamasvāminorāsa
Vinayacandra
5 Folios; L 12, W 29, 24 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1960 SIR258 SI3187 1964 SIR258 SI3193
Ac. No. 5177/36 Ac. No. 844/3
- परनारीसिद्धाय**
Paranāriṣañjhāya
Samayasundara
1 Folio; L 13, W 41, 25 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- गौतमस्वामिनोरास**
Gautamasvāminorāsa
Vinayaprabha Sūri
1 Folio; L 23, W 55, 25 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1961 SIR258 SI3188 1965 SIR258 SI3194
Ac. No. 7077 Ac. No. 7061
- विषयवासनासिद्धाय**
Viṣayavāsanāsañjhāya
Hemavijaya
1 Folio; L 13, W 35, 24.5 x 10.5, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- मानवतीमानतुङ्गरास**
Mānavatīmānatuṅgarāsa
Mohanavijaya
18 Folios; L 13, W 39, Pages 4,8,11,20,21 are missing, and not available from the Pages 25, 24 x 10.5, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1962 SIR258 SI3189 1966 SIR258 SI3195
Ac. No. 5177/34 Ac. No. 7114/51
- वैरागसिद्धाय**
Vairāgasiñjhāya
Hemavijaya
2 Folios; L 13, W 41, 25 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- लावणी की ढाल**
Lāvaṇī kī Dhāla
Rṣcothamala
3 Folios; L 12, W 22, 12.5 x 11.5, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain

1967	SIR258	SI3196 Ac. No. 7116/33	वार्ताबालावबोध Vārtābālāvabodha Hemacandra Sūri 11 Folios; L 15, W 60, Not available from the Pages 12, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1968	SIR258	SI3197 Ac. No. 5130/1	1972 SIR258 SI3201 Ac. No. 5210
			शत्रुञ्जमाहात्म्य Śatruñjyamāhātmya Dhaneśvara 8 Folios; L 9, W 30, Not available from the Pages 9, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1969	SIR258	SI3198 Ac. No. 549	
			1973 SIR259 SI3202 Ac. No. 647
			शुकबहुत्तरी Śukabahuttarī Ratnasundara 56 Folios; L 13, W 43, Pages 53-54 are missing, and not available from the Pages 59, 26 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1970	SIR258	SI3199 Ac. No. 847	
			1974 SIR259 SI3204 Ac. No. 531
			सम्यक्तत्वकौमुदीकथानक Samyaktvakaumudikathānaka 87 Folios; L 16, W 46-60, 24 x 11, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1971	SIR258	SI3200 Ac. No. 5096	

- 1975 SIR259 SI3205 1979 SIR259 SI3209
Ac. No. 6975 Ac. No. 839
- ऋषभवीरस्तव**
Rṣabhavīrastava
Śānticandragati
4 Folios; L 17, W 54, Pages 1,2,5,9 is missing, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- वीरजिनस्तुति**
Vīrajīnastuti
1 Folio; L 16, W 52, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1976 SIR259 SI3206 1980 SIR259 SI3210
Ac. No. 932 Ac. No. 5223
- ज्ञानपञ्चमीस्तुति**
Jñānapañcamīstuti
2 Folios; L 21, W 34-67, 20 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- वीरजिनस्तवन**
Vīrajīnastavana
Yaśovijaya
24 Folios; L 12, W 40, 25 x 11, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1977 SIR259 SI3207 1981 SIR259 SI3211
Ac. No. 5164 Ac. No. 6964
- भक्तामरस्तोत्र**
Bhaktāmarastotra
Mānatuṅga Sūri
7 Folios; L 17, W 43-55, Pages 4-5 are missing, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- वीतरागस्तोत्रवचूर्णिसहित**
Vītarāgastotravacūrṇisahita
Ācāryahema Sūri
13 Folios; L 20, W 53, Pages 4-5 are missing and not available from the Pages 16, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1978 SIR259 SI3208 1982 SIR259 SI3212
Ac. No. 558 Ac. No. 6661
- भक्तामरस्तोत्र**
Bhaktāmarastotra
Kanakakuśala
(Hīravijayasenasūriśiṣya)
22 Folios; L 14, W 36, 20 x 11, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- अध्यात्मसवैया**
Adhyātmasavaiyā
Banārasīdāsa
1 Folio; L 26, W 86, 25.5 x 11, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain

1983	SIR259	SI3213 Ac. No. 7080	1987	SIR259	SI3217 Ac. No. 5171
	ईर्यापथिकीमिथ्यादुष्कृतं Īryāpathikīmithyāduṣkṛtaṁ	1 Folio; L 19, W 46, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		गौतमपृच्छा Gautamapṛcchā	4 Folios; L 17, W 49, 25 x 11, Paper, Magadhi, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
1984	SIR259	SI3214 Ac. No. 6948	1988	SIR259	SI3219 Ac. No. 7125
	कर्मचरित्र Karmacarita	15 Folios; L 13, W 38, 25 x 10.5, Paper, Hindi, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		दशवैकालिकासूत्र Daśavaikalikāsūtra	46 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
	Bhagotīdāsa				
1985	SIR259	SI3215 Ac. No. 6682	1989	SIR259	SI3220 Ac. No. 7333
	कल्पसूत्रवचूरिसहित Kalpasūtravacūrisahita	14 Folios; L 14, W 40, Pages 1,8,11,16-75 are missing, 25 x 11, Paper, Sanskrit, Ardhamagadhi, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		प्रतिमापूजास्थापनगीत Pratimāpūjāsthāpanagīta	46 Folios, Paper, Prakrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
	Bhadrabāhu			Kauśalamaṇi	
1986	SIR259	SI3216 Ac. No. 5177/124	1990	SIR259	SI3221 Ac. No. 6577
	उपदेशगीतसुभाषित Upadeśagītasubhāṣita	1 Folio; L 13, W 41, 25 x 10, Paper, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain		भाष्यत्रय Bhāṣyatraya	15 Folios; L 16, W 65, 26 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
				Devendra Sūri	

- 1991 **SIR260** **SI3222** Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
Ac. No. 6567
योगशास्त्रमातृका
Yogaśāstramātrkā
Hemacandra
18 Folios; L 11, W 39, Pages 4,5,13,20-31 are missing.-Pages are not available from 27, 26 x 11, Paper, Sanskrit, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1992 **SIR260** **SI3229** 1995 **JMR58** **JM248**
Ac. No. 6580 Acc. No. 167/159
सङ्ग्रहणीरत्नबालावबोधविवरणसहित
Saṅgrahaṇīratnabālavabodhivivaraṇasahita
Śrīcandra Sūri
37 Folios; L 17, W 42, Pages 2,36-38 are not available, 25.5 x 11, Paper, Prakrit, Gujarati, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1993 **SIR260** **SI3230** 1996 **RSR 430** **RS3447**
Ac. No. 6664 Acc. No. 3497
सङ्ग्रहणीरत्न
Saṅgrahaṇīratna
Śrīcandra Sūri
12 Folios; L 13, W 37, 25.5 x 10.5, Paper, Prakrit, Rajasthani, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNCA, Scindia Oriental Institute, Vikram University, Ujjain
- 1994 **SIR260** **SI3231** 1997 **RSR 430** **RS3448**
Ac. No. 7032 Acc. No. 3498
सीमन्धरलेख
Sīmāndharalekha
9 Folios; L 9, W 26, Pages 1,3 & 5 are missing.-Pages are not available from 14, 24.5 x 10.5, Paper, Prakrit, 1998 **RSR 430** **RS3449**
Acc. No. 3499
न्यारेखण्डप्रत्येकबुद्धि
Nyārekhaṇḍapratyēkabuddhi
25 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNCA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu

1999	RSR 430	RS3450 Acc. No. 3500	229	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
	रत्नपालचरित Ratnapālacarita			
	17	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu	2004	RSR 431 RS3456 Acc. No. 3506
	आनन्दशवकणिसन्धि Ānandaśavakaṇisandhi			
2000	RSR 430	RS3451 Acc. No. 3501	9	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
	दन्ताधिकारसल्भद्रधान्त Dantādhikārasalbhadhradhānt			
	29	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu	2005	RSR 431 RS3457 Acc. No. 3507
	धान्नसलभद्रकीचौपाई Dhānnasalabhadrakīchaupāi			
2001	RSR 430	RS3452 Acc. No. 3502	12	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
	चन्दनबालनौरसी Chandanabālanourasī			
	13	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu	2006	RSR 431 RS3458 Acc. No. 3508
	आचाराङ्गसूत्रप्रथमाङ्ग Ācārāṅgasūtraprathamāṅga			
2002	RSR 430	RS3453 Acc. No. 3503	37	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
	अनुविवादतासुचमसुखदास Anuvivādatāśucamasukhadasa			
	14	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu	2007	RSR 431 RS3459 Acc. No. 3509
	अङ्गसन्तसपर्याय Aṅgasantasaparyāya			
2003	RSR 431	RS3455 Acc. No. 3505	24	Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNC, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
	जयभूदीपपानाणीसूत्रार्थसपर्या Jayabhūdīpapānāṇīsūtrārthasaparyā			

2008	RSR 431	RS3460	2 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
		Acc. No. 3510	
	मामकदुवरम		
	Māmakaduvarama		
	5 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu		
2009	RSR 431	RS3462	2013 RSR 431 RS3467
		Acc. No. 3512	Acc. No. 3517
	दसमीकलिकीसूत्रनविगीचूलिका		उपदेशमालाप्रकरण
	Dasamīkalikīsūtranavigīcūlikā		Upadeśamālāprakaraṇa
	3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Incomplete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu		52 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
2010	RSR 431	RS3463	2014 RSR 431 RS3468
		Acc. No. 3513	Acc. No. 3518
	समबोधसकचरी		विपाकमूलसूत्र
	Samabodhasakacarī		Vipākamūlasūtra
	7 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu		71 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
2011	RSR 431	RS3465	2015 RSR 432 RS3472
		Acc. No. 3515	Acc. No. 3522
	तेतीसकण्ठेकद		अन्तनुदशाङ्गसूत्रसपर्याय
	Tetīsakaṅṭhekada		Antanudaśāṅgasūtrasaparyāya
	40 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu		47 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu
2012	RSR 431	RS3466	2016 RSR 432 RS3473
		Acc. No. 3516	Acc. No. 3523
	कल्याणमन्दिर		अङ्गचूलिका
	Kalyāṇamandira		Aṅgacūlikā
	16 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu		16 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī, Complete, MFL, New Delhi, IGNSA, Shri Ranbir Sanskrit Research Institute, Jammu

- 2017 RSR 432 RS3475
Acc. No. 3525-3526
हुण्डी
Huṇḍī
19 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Shri Ranbir Sanskrit
Research Institute, Jammu
- 2018 RSR 432 RS3476
Acc. No. 3527
कल्पसूत्रसपदी
Kalpasūtrasapadī
190 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Shri Ranbir Sanskrit
Research Institute, Jammu
- 2019 RSR 432 RS3477
Acc. No. 3528
कल्पसूत्रपीठिका
Kalpasūtrapīthikā
3 Folios, Paper, Sanskrit, Devanāgarī,
Complete, MFL, New Delhi, IGNC A,
Shri Ranbir Sanskrit Research
Institute, Jammu
- 2020 RSR 432 RS3478
Acc. No. 3529
शयसेनिसूत्रतवसपर्याय
Śayasenisūtratavasaparyāya
109 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Shri Ranbir Sanskrit
Research Institute, Jammu
- 2021 RSR 432 RS3479
Acc. No. 3530
समवायाङ्गसूत्रसपर्याय
Samavāyāṅgasūtrasaparyāya
128 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
- Delhi, IGNC A, Shri Ranbir Sanskrit
Research Institute, Jammu
- 2022 RSR 432,433 RS3480
Acc. No. 3531
जीवाभिगर्भसूत्रसपर्याय
Jīvābhigarbhasūtrasaparyāya
157 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Shri Ranbir Sanskrit
Research Institute, Jammu
- 2023 RSR 433 RS3481
Acc. No. 3532
निशीतसूत्रसपर्याय
Nīśītasūtrasaparyāya
53 Folios, Paper, Sanskrit,
Devanāgarī, Complete, MFL, New
Delhi, IGNC A, Shri Ranbir Sanskrit
Research Institute, Jammu

शीर्षक सूची

TITLE INDEX

TITLE INDEX

A

- Ābūjī Ro Stavana, 228
Acaladāsakhīci Ri Bāta, 190
Ācāradinakara, 231
Ācārāṅgasūtra, 199
Ācārāṅgasūtraprathamāṅga, 257
Ācārasāra, 132
Ācāryaparipāṭi, 136
Acāṣāṅgasuca, 256
Adhyātmakalpadruma, 204
Adhyātmasavaiyā, 254
Ādināthadevanāṭaka, 232
Ādināthādīpūjā, 131
Ādināthastotrasaṭika, 235
Ādināthavinatī, 192
Ādipurāṇa, 72, 73, 127, 130
Āditavārādyamtakathā, 72
Ādityavratākathā, 72
Āgamanāmuni, 232
Āgamasāroddhāra, 212
Aghaṭakumārākathā, 5
Ahilyāstotra, 214
Aimuktakevalī, 237
Ajāputrakathā, 6, 140
Ajitajinapurāṇa, 71
Ajitaśāntijitavana, 236
Ajitaśāntistavana, 227
Ajitatīrthamkarapurāṇa, 70
Ajjhaṇatabaka, 189
Akalanākacārīta, 184
Ākāśapañcamīvratakathā, 72
Akcaradhyānasūtraṭikā, 256
Akṣayanidhāna, 125
Akṣayanidhānavidhānakathā, 70
Akṣayanidhivratamaṅgalavidhānapūjana, 112
Āmaprabandha, 7
Amaracandrakathānaka, 28
Amaradattamitrānandacarītra, 6
Amarasenakathā, 193
Amarasenavajrasenanrpakathānaka, 6
Ambadacarīta, 193
Ambaḍacarītra, 7
Ambaḍakathānaka, 6
Ānandādiśrāvākacārīta, 7
Ānandaśavakaṇṣandhi, 257
Ānandaśrāvākacārītra, 7
Anantacaudasapūjā, 247
Anantakīrtikathā, 28
Anantanāthasvāminompikathā, 181
Anantapūjāvidhi, 146
Anantavratākathā, 71
Anantavratapūjānudyāpanavidhi, 112
Anantavratavidhānakathā, 71
Anantavratodyāpanavidhi, 146, 162
Anekārthadhvanimañjarī, 107
Aṅgacūlikā, 258
Aṅgasantasaparyāya, 257
Añjanāsundarīrāsa, 111
Aṅkurārpaṇa, 115
Antakṛddasā, 237
Antakṛddasāṅgasūtra, 238
Antanudaśāṅgasūtrasaparyāya, 258
Anuṣṭhānavidhi, 237
Anuvivādatārsucamasukhadasa, 257
Anuyogaddhāravṛti, 221
Anuyogadvārasūtravṛtti, 219, 237
Apohanasabhāshya, 217
Āptaparīkṣāsūtra, 124
Ārādhānakathākośa, 74, 75
Ārāmasobhākathā, 8
Araṇakamunisāñjhāya, 251
Araṇakasañjhāya, 250, 251

TITLE INDEX

Ārasī Kā Jhagaḍā, 191
Āratīkaharanavidhi, 217
Ārhatayatipūjā, 167
Arhatpratiṣṭhāvidhi, 178
Arihantakevali, 130
Arjunamālākāracaritra, 7
Arkavāranompikathā, 181
Āsanadānakathā, 8
Āśīrvāda, 182
Āśīrvādasāṅgraha, 182
Aśokaroḥiṇīvr̥tta, 71
Āśramalakṣaṇa, 125
Āsravatribhaṅgī, 134, 171
Aṣṭāhnikakathā, 71
Aṣṭāhnikavratākhyāna, 72
Aṣṭāhnikavratodyāpanapūjana, 112
Aṣṭāhnikavyākhyāna, 147
Aṣṭāṅgaka, 222
Aṣṭaprābhṛta, 131
Aṣṭaparakāripūjā, 248
Aṣṭaparakāripūjākathānaka, 7
Aṣṭaparakāripūjāprakaraṇa, 7
Aṣṭaparakāripūjārāsa, 7
Aṣṭavidhajānapūjā, 248
Aticāra, 237
Atimuktacaritra, 129
Ātmabodha, 229
Ātmānuśāsana, 156, 170
Ātmānuśāsanaṭīkā, 142
Ātmarājarāsa, 156
Aṭṭidīpa, 137
Auapapātikasūtra, 204
Auapapātikasūtra, 199, 201
Auapapāttikasūtravṛtti, 238
Auśadhoccārasūtra, 201
Avantisukamālasaṅjhāya, 251

Āvaśyakasūtra, 238

Ayaśyakasūtra, 218

B

Bakasīrāma Hīrām Kī Bāta, 191

Bālabhārata, 128

Balibhadrakathā, 21

Banārasīvilāsa, 136

Bandhahetūdayatribhaṅgīsūtra, 242

Bappabhaṭṭicarita, 110

Bappabhaṭṭīsūrikathā, 21

Bāramāsā, 137

Bhadrabāhucarita, 183, 184

Bhadrabāhucaritra, 86, 87

Bhagavatisūtra, 185, 209, 211, 243, 244

Bhagavatisūtrabijaka, 197

Bhagavatyārādhana, 135, 158

Bhairavapadmāvatikalpa, 181

Bhairavapadmāvatikalpa, 138

Bhaktāmarastotra, 27, 186, 188, 225, 254

Bhaktāmarastotramāhātmya, 22

Bhaṅgupurohitacaupāi, 189

Bhāṣyatraya, 255

Bhāṣyatrayavārtika, 244

Bhāṣyatrayīvivarāṇa, 244

Bhaumāmarabrahmavaṁśāvali, 180

Bhāvanādīkula, 143

Bhāvanādvātrimśat, 152

Bhāvaprakaraṇa, 244

Bhāvasaṅgraha, 115

Bhāvaṣaṭtrimśikādodhaka, 177

Bhāvatrīsī, 233

Bhavavairāgyaśataka, 129, 153, 157

Bhaviṣyadattacaritra, 87, 88

Bhaviṣyadattakathā, 87

Bhaviṣyadattanacarita, 174

TITLE INDEX

- Bhavyakuṭumbakathā, 22
Bhīmakumāarakathā, 22
Bhūpālastavana, 187
Bihlaṇapañcāsīkācopāi, 30
Bimbanīrvāṇapraṭiṣṭhā, 118
Bimbapraṭiṣṭhāvidhi, 139, 197
Bimbapraveśapraṭiṣṭhāvidhi, 140
Brahmadattakathānaka, 21
Brahmakṛṣṇarahasasiddhanta, 221
Bṛhaddīkṣāvidhi, 197
Bṛhatkalpasūtra, 203
Bṛhatkathākośa, 129, 135
Bṛhatpāṇḍavapurāṇa, 164
Bṛhatpunyāhavācana, 29
Bṛhatsaṅgrahaṇīṭikā, 110
Bṛhatṣoḍaśakāraṇapūjā, 158
- C**
- Caityanandanavārtikasabhāṣya, 236
Caityavandana, 248
Caityavandanāstotra, 190
Caityavandanasūtra, 3
Candagavibhṛapiyana, 125
Caṇḍamālyagirirāsa, 149
Candanācaritra, 77
Candanamalayāgiri Rā Duhā, 226
Candanamalayagirīcaupāi, 225
Candanamalayāgirirīvāta, 225, 226
Candanaśaṣṭīkā, 76, 77
Caṇḍapiṅgalakathā, 16
Candradhavaladharmadattakathā, 17
Candradhavalanṛpakathā, 194
Candralekhākathā, 28
Candraprabhacaritavyākhyā, 165
Candraprabhācaritra, 78
Candraprabhapūjā, 169
Cāritragrahaṇadīkṣāvidhi, 248
Cāritrasāra, 110
Cāruvicārusaṅgraha, 117
Catuḥpratyekabuddhacaritra, 16
Caturdaśasvapnavicāra, 16
Cāturmāsīkavyākhyānapaddhati, 195
Caturviṃśatidvāraprakaraṇa, 219
Caturviṃśatijīnapūjā, 163
Caturviṃśatijīnasambandhivistr̥tasūci, 103
Caturviṃśatijīnastotra, 189
Caturviṃśatijīnavarajayamālā, 144
Caturviṃśatikātritayanāma, 103
Caturviṃśatisthānaka, 121
Caturviṃśatisvayambhūstuti, 187
Caturviṃśatīrthan̥karapūjā, 146
Caturviṃśatīrthan̥karasamskṛtapūjā, 108
Catuṣṣaṣṭīyoginīmaṇḍalastuti, 26
Catuṣṣaṣṭīyoginīmantrastotra, 26
Catuṣṣaṣṭīyoginīstuti, 26
Cauḥsatīrthan̥kara, 226
Caudaśaguṇasthānaprakṛtivivarāṇa, 240
Causaraṇa, 224
Causaraṇasabālāvabaudha, 224
Cauśśaraṇasūtra, 201
Cauḥsatīrthan̥karapūjā, 121
Cauḥsivratapūjā, 111
Cetanacaritra, 146
Chandanabālanourasī, 257
Chandonuśāsana, 109
Chataraviṃśatijīnastuti, 216
Cijjagatikhali, 152
Cikuradvātrīṃśīkā, 235
Citrasenacārī, 157
Citrasenapadmāvatīkathā, 151, 195
Citrasenapadmāvatīkathānaka, 119, 142
Civakacintāmaṇi, 163

TITLE INDEX

- Cobolīvikramacaritra, 228
Cosaraṇabālābodha, 232
Cūṇaḍiyārāsa, 78
- D**
- Dādājī Kā Stavana, 228
Daivasikālocanāsūtra, 4
Dānādikulaka, 144, 145
Dānādīpañcāsīkā, 214
Dānapradīpa, 163
Dānaśīlatapabhāvanā, 249
Dānaśīlatapabhāvanācupāi, 190
Dānaśīlatapabhāvanāsambāda, 243
Dānaśīlatapabhāvanāsamvādacoṭhālī, 228
Daṇḍagachattiśī, 147
Daṇḍakaśrutivṛtti, 157
Daṇḍakavicāra, 241
Dantādhikārasalbhadhradhānt, 257
Darśanādīprābhṛta, 159
Darśanaratnaratnākara, 103, 104
Darśanasāra, 114
Darśanasāravacanīkā, 140
Darśanastotra, 188, 225
Dārśanikagrantha, 219
Dārśanikagranthasphutapatra, 218
Daśadharmalakṣaṇa, 192
Dasalākhaṇajī Ki Pūjā, 192
Daśalakṣaṇajayamālā, 114
Daśalakṣaṇapūjā, 216
Daśalakṣaṇapūjājayamālā, 213
Dasamikalikisūtranavigīcūlikā, 258
Dasapraśnaniryuktinābola, 243
Daśāsrutaskandhapratyākhyāna, 201
Daśavaikālikasūtra, 202, 206, 207
Daśavaikālikasūtrasaṭīka, 198
Daśavaikālikayogavidhivyākhyāna, 202
Devāgamagurupūjā, 127
Devāgamastotra, 147
Devakāba, 26
Devapūjā, 147, 191
Devapūjanajayamālā, 158
Devapūjāṣṭakadīni, 159
Devayahirāvaṇī, 249
Ḍhālacintāmaṇi, 228
Dhanapatikathā, 17
Dhanasenakathā, 29
Dhandhalaśarvākagrahitparigrahaparimāṇa, 216
Dhānnasalabhadrakīchaupāi, 257
Dhanyakumāracarita, 83
Dhāraṇāgati, 224
Dharmadattakathā, 195
Dharmakalpadruma, 128, 145
Dharmāmṛtasāgara, 133
Dharmaparīkṣā, 127, 132, 144
Dharmaparīkṣākathā, 17
Dharmapraśna, 132
Dharmapraśnottara, 131
Dharmaratnaprakaraṇa, 207
Dharmaratnaśāstra, 163
Dharmasaṅgraha, 132
Dharmaśarmābhyudaya, 83
Dharmaśarmābhyudayaṭippanaka, 84
Dharmopadeśamālāvṛtti, 128
Dharmottaravṛtti, 107
ḍhāvasāgara, 236
ḍholāmāraṇikīcaupāi, 192
Ḍholāmārucaupāi, 225
Dhvajabhujāṅgakathā, 16
Dhvajāropanapūjanavidhi, 148
Digambarapūjādīsaṅgraha, 157
Dīkṣāpañcāsākasaṭīka, 232
Dīkṣāvidhi, 212

TITLE INDEX

- Dinakṛtyavivṛti, 160
Dīpaśikhākathā, 28
Dīpāvalikākalpa, 243
Dīpilikāstavana, 191
Dīpotsavakalpa, 159
Dodhakaśrāvākācāra, 134
Dosāntikādiprakaṛaṇa, 117
Dravyālaṅkāra, 236
Dravyasaṅgraha, 178
Dravyasaṅgrahasūtravṛtti, 170
Dravyasaṅgraha, 114, 130, 143, 202
Dravyasaṅgrahasūtravṛtti, 170
Dṛṣṭāntaśataka, 104
Dūmḍhaṇapaccīsī, 249
Dvādaśavṛtakathā, 157
- E**
- Ekādaśīmāhātmya, 150
Ekāvalivṛtakathā, 75
Ekibhāvastotra, 187
Ekpuruṣaprasāstipatra, 217
- G**
- Gajasīmhabhūpacaritra, 15, 16
Gaṅgadattakathānaka, 15
Gautamacarita, 131
Gautamakula, 106
Gautamakulaka, 189, 205, 206
Gautamakulavṛtti, 151
Gautamanisikāya, 232
Gautamaṛcchā, 208, 240, 255
Gautamaṛcchācaupāi, 190
Gautamaṛcchāprakaraṇa, 194
Gautamasvāminorāsa, 252
Godhanakathā, 16
Gommaṭakulaka, 213
Gommaṭasāra, 213
Gommaṭasāravṛtti, 156, 215
Gopakathā, 16
Gorābādalakathā, 136
Gottamaṛcchā, 222
Guṇamālāprakaraṇa, 122
Guṇaratnasāgaramahāvratārādhana, 240
Guruguṇaṣaṭṭrimśatṣaṭṭrimśikāvacūri, 151
Guruguṇaṣaṭṭrimśikāṣaḍvimsikākulakāvacūrṇi, 152
Guruṣāmaṇāsūtra, 4, 5
Gurutattvaniścaya, 133
Gurvāvali, 106, 107, 125, 157, 247
Gurvāvalisūtra, 141
Gurvāvalivṛtti, 106
- H**
- Hālikakathānaka, 69
Haṁsapālakathā, 68
Haṁsarājavaccharājakathā, 235
Haṁsarājavatsarājacatuspadī, 69
Haṁsarājavatsarājakathā, 68, 69
Haṁsarājavṛcharāṇi Kī Caupāi, 236
Hanūmaccarita, 133
Hanumaccaritra, 100
Hariścandrārāsa, 69
Hariṣeṇaśriṣeṇārāsa, 69
Harivaṁśapurāṇa, 100, 101, 102
Harivaṁśapurāṇabhāṣāvācanikā, 102
Hīraprasāṅgikā, 148
Holikādhūliparvakathā, 70
Holirajaparvakathā, 70
Huṇḍī, 259
Hutāśanikathā, 148
- I**
- Iāputrasaṅghāya, 251

TITLE INDEX

- Indradhvajapūjā, 111
Indriyaparājayasataka, 193
Īryāpatha, 182
Īryāpathikīmithyāduṣkṛtam, 255
- J**
- Jagacūḍāmaṇibhūo, 240
Jagadambāchanda, 228
Jagatsin̄harājastuti, 174
Jainabhūgolagrathaviśeṣa, 231
Jainabimbapraṭiṣṭhāvidhi, 209
Jainācāryavijaya, 172
Jainadevālayapūjāvidhi, 167
Jainagrantha, 173
Jainagranthaprasastipatra, 218
Jainagranthasaṅgraha, 184
Jainahomotsavapūjā, 165, 171
Jainakathā, 144
Jainakathāsaṅgraha, 234
Jainakriyākaustubha, 172
Jainamahābhīṣekapūjā, 166, 171
Jainamahāpurāṇasaṅgraha, 164
Jainamantrayantrapūjā, 166
Jainanāmāvalī, 163
Jainapadasaṅgraha, 230
Jainaprasnottara, 215
Jainapūjā, 171
Jainapūjāpaddhati, 127
Jainapūjāvidhāna, 169
Jainapūjāvidhi, 167, 248
Jainapurāṇa, 172
Jainārādhanavidhi, 167, 171
Jainarāmāyana, 176
Jainaratnāvalī, 226
Jainasaṅgho Kī Varnāsāvalī, 230
Jainaśāstriyavicara, 208
Jainastava, 230
Jainasūtra, 220, 222
Jainavāgdevatāpūjā, 167, 169
Jalopavārtā, 137
Jalujaṅgamarājākathā, 215
Jambūcaritra, 195
Jambūddīvasaṅghayani, 109
Jambūdvīpanārakajñāgoyana, 163
Jambūdvīpaprajñaptisūtra, 195, 196, 201
Jambudvīpasaṅgrahaṅivṛtti, 116
Jambūsvāmicaritra, 78, 79
Jambūsvāmīrāsa, 217
Janmābhīṣekādījinendrasthānādīhikāra, 240
Jātādharmakathā, 175
Jāvājivādinavatattvasūtra, 241
Jayabhūdvīpapānāṅīsūtrārthasaparyā, 257
Jayamāla, 191
Jayamālapūjādi, 158
Jayapurāṇa, 79
Jinābhīṣekādividhāna, 166
Jinābhīṣekavidhi, 167
Jinadāsakathā, 17
Jinadattakathāsamuccaya, 79, 80
Jinadattarāyacarita, 174
Jinadevatāpūjāvidhāna, 167
Jinagrantha, 173
Jinālayābhīṣekādīpūjā, 166
Jinamālikāstotra, 164
Jinamukhāvalokanakathā, 80
Jinamukhāvalokanavidhi, 80
Jinanāmāvalī, 173
Jinapādapūjā, 165
Jinapravacanarahasyakośapurūṣārthasiddhi, 115
Jinapūjā, 187, 189
Jinapūjākrama, 166
Jinapūjāphalodayakathā, 80

TITLE INDEX

- Jinapūjāpurandarakathā, 80
Jinapūjāvidhāna, 186
Jinapurāṇa, 173, 174
Jinārādhanāvidhi, 167
Jinasahasranāmastotra, 179, 186, 187
Jinaśatakavyākhyā, 178
Jinasenasyapārśvanāthābhyudayasyaṭikā, 184
Jinastavana, 191
Jinavrata, 158
Jinayajñakalpa, 118, 170
Jinendramālakarṇātakāṭikāsahita, 164
Jinendrapūjā, 166
Jitakalpasūtra, 193
Jitasamhitāsāra, 179
Jivābhigamasūtra, 193, 196, 211, 219, 221
Jivābhigarbhasūtrasaparyāya, 259
Jivābhirāmasūtra, 185
Jivakacintāmaṇi, 163
Jivakula, 150
Jivarāmakhamāvaṇa Rī Sajjhāya, 227
Jivavicāra, 149, 220, 222, 234, 240, 243
Jivavicārabālāvabodha, 241
Jivavicāraprakaraṇa, 161, 240
Jñānadīpaka, 160
Jñānapaṁcamī, 229
Jñānapaṁcamīstuti, 254
Jñānārṇava, 113, 132, 155, 210
Jñānārṇavaṭikā, 113
Jñānasāra, 125
Jñānasūryodaya, 113
Jñātādharmakathā, 175
Jñātādharmakathāṅgasūtra, 241
Jñātāsūtra, 206, 221
Jyeṣṭhajīnavaravratopākhyāna, 80
- K**
- Kacchāmotikhākhamandiraśilālekha, 175
Kālakācāryakathā, 13, 14, 230
Kālakācāryakathāvacūri, 14
Kalaśanyāsavidhi, 168
Kālasaptati, 126
Kālasattarīvicāra, 152
Kalāvāṭikathā, 13
Kālikācāryakathā, 215
Kalpābhidhāna, 221
Kalpalatā, 239
Kalpāntaravācyā, 194
Kalpasiddhānta, 234
Kalpasūtra, 193, 194, 196, 198, 201, 202, 204, 205, 208, 210, 211, 220, 230, 231, 238, 239
Kalpasūtrakalpasūtravārtika, 239
Kalpasūtrāntarvācyā, 239
Kalpasūtrapīthikā, 259
Kalpasūtrasapadi, 259
Kalpasūtrasaṭippaṇai, 224
Kalpasūtraṭikā, 155
Kalpasūtravācanā, 188
Kalpasūtravacūrisahita, 255
Kalpasūtravyākhyākalpamaṇi, 239
Kalpasūtravyākhyāna, 231
Kalpavyākhyāna, 238
Kalyāṇamaṁdistotra, 192
Kalyāṇamandira, 258
Kalyāṇamandirastotra, 187, 222
Kāmaghaṭakathā, 28
Kāmsakṛṣṇavivarāṇalāvaṇīsañjhāya, 251
Kāñjikapūjā, 108
Karaṇḍucaritra, 13
Karmacarita, 255
Karmacūravratodyāpana, 162
Karmadahana, 179
Karmagrantha, 120, 124
Karmagranthaṣaṭka, 238
Karmagranthāṣṭaka, 134
Karmagranthāvacūri, 151

TITLE INDEX

- Karmagranthi, 124
Karmaprakṛti, 131
Karmarekhābhāvinācopāi, 103
Karmāśravabhedanirūpaṇa, 213
Karmastava, 151
Karmavipāka, 151, 161
Karmāmṛtapurāṇa, 111
Karpūraprakaraṇa, 109
Kārtikasaubhāgyapañcamāhātmya, 14, 130
Kathakarathakathā, 13
Kathakarathakathānaka, 13
Kathākośa, 10, 11, 30, 75, 129
Kathāmahodadhi, 11, 193, 207
Kathāratnākara, 11, 12
Kathāsaṅgraha, 12, 102, 193, 194, 235
Kathoddhāra, 13
Kavalacandrāyanakathā, 76
Kāyasthitisravāvācūri, 152
Kāyotsargasūtra, 1, 2
Kāyotsargasūtrapratika, 2, 3
Kāyotsargavidhi, 212
Khinnasamāsa, 134
Khumāṇarāsa, 30
Kīrtikallolinī, 14
Kriyākalāpa, 131, 180
Kriyākalāpaṭikā, 131
Kriyākalāpavyākhyā, 180
Kriyākośa, 136, 146
Kriyāvidhi, 111
Kṛṇāmṛtapurāṇa, 76
Kṛtapuṇyakathā, 15
Kṣamāchattisī, 239
Kṣatracūḍāmaṇi, 76
Kṣetrasamāsa, 239
Kṣetrasamāsaprakaraṇa, 223
Kṣetrasamāsayantra, 230
Kṣullakkumāarakathā, 103
Kūkaḍāmañjarīcaupāi, 109
Kulavālakakathā, 15
Kumārapālacarita, 30, 106
Kumāravihāraśataka, 14, 15
Kurucandrakathā, 28
Kurucandramantrikathā, 15
Kuśilakhaṇḍana, 157
Kuvalayamālākathāsamkṣepa, 103
L
Labdhividhānapūjā, 112, 144, 162
Labdhividhānopākhyāna, 91
Laghukṣetrasamāsavacūrisahita, 244
Laghusahasranāmastotra, 187
Laghusaṅgrahaṇi, 244
Laghuśānti, 233
Lakṣaṇapañktitapaḥkathā, 91
Lakṣmīstotra, 186
Lalitāṅgakathā, 30, 105
lāputrasañjhāya, 251
lātiputrakathānaka, 8
Lāvaṇi ki Ḍhāla, 252
Lobhaviṣayakathānaka, 212
Lokanālikā, 153
Lokanālikādvātrimśikā, 123
Lokāpavādakathā, 212
Lokaparakāśa, 128
Lokaprasiddhamithyātva, 126
Lokatattvanirṇaya, 123
M
Madanaparājaya, 88
Madanarekhākathā, 22
Mādhavānalakāmakandalā, 225
Mahābalamalayasundarīkathā, 22

TITLE INDEX

- Mahānīśīthasūtra, 229
Mahāpadmakumārakathā, 29
Mahāpurāṇa, 180
Mahāpurāṇasaṅgraha, 165
Mahāvīracaritra, 109, 253
Mahāvīraji Ko Parinā, 232
Mahāvīrastavana, 188
Mahāvīrastuti, 27, 28
Mahāvīrasvāmīstavana, 227
Mahimāvalīrāsa, 107
Mahīpālacaritra, 105
Mahīpālakathā, 22
Mallīnāthacaritra, 88, 89
Mālvarīyatārapatra, 218
Māmakaduvarama, 258
Maṅgalārtikyapadma, 181
Mānatuṅgamānavatīrāma, 229
Mānavatīmānatuṅgarāsa, 252
Mānavatīrāsa, 137
Maṅgalakalaśārāsa, 109
Māṅgītuṅgīgiripūjā, 115
Maṅicūlakumārakathā, 105
Maṅṭapapratīṣṭhāvidhi, 181
Mantrarājarahasya, 209
Mātājī Ro Chanda, 191
Matāmarastotra, 224
Matāmarastotrasaṭīka, 223
Matāmarastotrasaṭippaṇa, 223
Mattāmarabālāvabodha, 227
Maunaikādaśīcarita, 135
Maunaikādaśīmāhātmya, 23
Maunivratodyāpana, 112
Meghābhyudayakāvya, 157, 161
Meghābhyudayakāvyaṅṛtti, 157
Meghamālāvratākathānaka, 89
Meghamālāvratākhyānaka, 23
Meghamālāvratapūjā, 161
Meghamālāvratopākhyāna, 89
Meghanādakathā, 23
Merupaṅktyupākhyāna, 89
Merutrayodaśīkathā, 23
Mītracatuṣkakathā, 23
Mṛgāputracopāi, 232
Mṛgāputrakulaka, 105
Mṛgasundarīkathānaka, 23
Mṛgāvatīkathā, 236
Mṛgāvatyākhyāna, 23
Mṛgīsaṁvādakathā, 137
Muktāvalīvratamaṅḍalavidhāna, 112
Muktāvalīvratodyāpana, 162
Mukūṣasaptamīkathā, 89
Mūlācārācārasūtrasaṭīka, 110
Mūlācārapradīpaka, 115
Munimahāmāimvākya, 126
Munipaticaritra, 136
- N**
- Nābhākarājākathā, 19
Nābheyajīnastuti, 27
Nāgadattakathā, 29
Nāgīnikathā, 19
Nahakatippaṇapatra, 218
Nakṣatramālākathā, 207
Nakṣatrāvalīvratākathā, 84
Naladamayantīrāsa, 139
Naladavadatīnorāsa, 236
Nalakathā, 18
Nalakathānaka, 18, 29
Nalāyanakuberapurāṇa, 19
Namaskāragītā, 26
Namaskāralaghupaṅjīkā, 117
Namaskāramāhātmya, 18

TITLE INDEX

Namaskāramāhātmyakathā, 18
Namaskāramantramāhātmya, 18
Namaskāraphala, 18
NāmikumVaraji Kī Ārati, 228
Nāmīrājarṣisandhi, 29
Nandayantikathā, 17
Nandiṣeṇarāsa, 17, 18
Nandīsūtra, 208, 209
Nandīsūtravṛtti, 185
Nandīśvarakathā, 84
Nandīśvarapaṅktipūjā, 127
Nandīśvarapaṅktividhāna, 207
Nandīśvarapūjājayamālā, 211, 214
Nandīśvaravidhānakathā, 84
Nandopākhyāna, 18
Naravarmarājacarita, 138
Nārīsañjhāya, 251
Narohandracharyakritgranṭh, 218
Nāsaketupurāṇa, 122
Navagrahapārśvajinastavana, 190
Navagrahastotra, 169
Navanihnavakathānaka, 149
Navapadastuti, 27
Navaratanakavitta, 111
Navaratnaprakaraṇa, 233
Navatattva, 223
Navatattvabhāṣyavṛtti, 122
Navatattvaprakaraṇa, 222, 233, 242, 243
Navatattvavicāra, 123, 242
Navatattvavṛtti, 242
Nayacakravacanikā, 243
Nayacandra, 232
Nemacaritra, 119
Nemaji Kī Bārāmāsī, 228
Nemaji Kī Lāvaṇī, 249
Nemicarita, 174

Nemijīnapurāṇa, 133
Nemināthacāturmāsa, 85
Nemināthapurāṇa, 85
Nemināthastuti, 27
Nemināthāvali, 215
Nemīrāyarāsa, 189
Nirduḥkhasaptamīkathā, 84, 85
Nīrvāṇakalikā, 134
Nīrvāṇakalyāṇapañcakapūjā, 108
Nīrvāṇakāṇḍabhāṣā, 186
Nīrvāṇakṣetramaṇḍalapūjā, 147
Nīrvāṇaprāptyupāyavicāra, 183
Nīśītasūtrasaparyāya, 259
Nīśīthacūrṇi, 128
Nīśīthasūtra, 199
Nītisārasamuccaya, 138
Nompīyakathegalu, 256
Nyārekhāṇḍapratyekabuddhi, 256
Nyāyanayahīrāvaṇī, 249

P

Pada, 249
Padārthasāra, 172, 182
Padāvalī, 107
Paḍīkammaṇasūtravyākhyā, 225
Pāḍīkkamaṇasūtra, 223
Padmacaritra, 104
Padmacaritrarāmāyaṇa, 19
Padmākarakathā, 19
Padmapurāṇa, 115, 135
Padmāvātībhairavakalpa, 126
Padmāvātīpūjā, 192
Pākṣīkākṣāmaṇasūtra, 152
Pākṣīkākṣamāsūtra, 220
Pālagopālakathānaka, 20
Palyavidhānapūjā, 110, 126

TITLE INDEX

- Palyavidhānasamudyāpana, 124
Palyopamopavāsavidhi, 126
Pañcakkhāṇa Rī Sañjhāya, 190
Pañcādhyāyī, 159
Pañcakalpacharaṇikālāstapatra, 219
Pañcakalyāṇapūjā, 146
Pañcakalyāṇastuti, 27
Pañcakarmagranthavacūrisahita, 242
Pañcākhyāna, 109
Pañcamamgala, 186
Pañcamāsacaturdaśivratodyāpana, 112
Pañcamerupūjā, 139
Pañcamerupūjana, 126
Pañcanamaskāragrantha, 158
Pañcaparameṣṭhipūjāpaddhati, 162
Pañcaparivartana, 179
Pañcapūjāvivarāṇa, 180
Pañcāsaka, 138
Pañcasūtrakavyākhyā, 123
Pañcaviṣayasīñjhāya, 251
Pañcendriśīñjhāya, 252
Pāṇḍavacaritra, 176, 177
Pāṇḍavacaritrastavaka, 176
Pāṇḍavacaritrodhāra, 175
Pāṇḍavapurāṇa, 119, 138, 156, 165
Pāpabuddhimantrikathānaka, 19
Pāpapuṇyaphalavicāra, 181
Paradeśirājacaupāi, 157
Paramārthaprakāśa, 133
Paramātmaprakāśa, 122
Paramātmāprakāśasavivarāṇa, 108
Paramātmāprakāśavivarāṇa, 188
Paranārisañjhāya, 252
Parasamayasandehasamuccayadvijavadanacapeṭā, 142
Pārasanāthajī Ro Chanda, 226
Parigrahaparimāṇa, 216
Parikathā, 19
Parīkṣāmukhalaghuvṛtti, 143
Parinirvāṇabhaktidrāviḍabhāṣāsahita, 165
Pariśiṣṭaparva, 176
Pariśiṣṭaparvastavaka, 176
Pariśiṣṭaparvaṭippanī, 177
Pārśvajinastotra, 235
Pārśvajinastuti, 27
Pārśvanāthacaritra, 85
Pārśvanāthajuhārī, 190
Pārśvanāthamantrapūjāvidhi, 166
Pārśvanāthapurāṇa, 85
Pārśvanāthastavana, 227
Pārśvanāthastotra, 192
Pārśvanāthastuti, 27
Pārśvanāthāvali, 215
Pārśvanāthayantra, 222
Parvatithivicāra, 19
Pātālakalāśavicāra, 213
Patraparīkṣā, 171
Pāttanapauṣadhaśālāpraśasti, 175
Paṭṭāvalī, 106, 117, 145-147, 161, 213
Paumacariya, 175
Pethāḍakāritacaturaśīti, 174
Phūlajīphūlamatī Rī Bāta, 190
Phūlamativārtā, 137
Piṇḍaviśuddhi, 214
Piplikākodgamavicāra, 216
Prabandhanasārasavṛttika, 231
Prabhañjanacaritra, 105
Prabhāvatīkalpa, 156
Prabodhacintāmaṇi, 150
Prabodhasāra, 115
Prachinaprākṛta, 217
Prachinavijñāptapatra, 217
Pradeśakathā, 20

TITLE INDEX

- Pradhānacaupai, 156
Pragvatavinohiyachachgamatrivaśajatapurūṣapraśasti, 217
Prajñāpanāsūtra, 198, 203
Prajñāpanāsūtrapaddhati, 203
Prakṛtisamutkirtana, 164
Pramāṇamañjarī, 234
Pramāṇamañjarīṭikā, 234
Pramāṇanayatattvālokālaṅkāra, 184
Pramāṇaprameyakalikā, 153
Prameyakamalamārttaṇḍa, 231
Prameyakaṇṭhikā, 171
Prameyaratna, 172
Praśamarati, 142
Praśamaratiprakaraṇa, 199
Praśamaratiṭikā, 150
Prasannacandrārājaṣirājarāsa, 140
Prašnavyākaraṇasūtra, 206, 207, 210, 211
Prašnavyākaraṇasūtraṭikā, 242
Prašnottara, 155
Prašnottaramālā, 117
Prašnottaramālikā, 165
Prašnottarasamuccaya, 149
Prašnottarasārdhāśataka, 236
Prašnottarasārdhasamuccaya, 148
Prašnottaropāsakācāra, 135, 141, 179
Prašnottaropāsikācāra, 159
Pratikramaṇasūtra, 201, 242
Pratikramavidhi, 123, 142
Pratimāpratividhi, 141
Pratimāpūjāsthāpanagīta, 255
Pratimāsthāpanavicāra, 209
Pratiṣṭhādikṣā, 135
Pratiṣṭhākalpa, 117, 141
Pratiṣṭhākalpavidhi, 162
Pratiṣṭhāpaddhati, 141
Pratiṣṭhāpāṭha, 127
Pratiṣṭhāsāra, 136
Pratiṣṭhātilaka, 168, 183
Pratiṣṭhātilakadrāviḍavyākhyāśahita, 165
Pratiṣṭhāvidhi, 141, 148, 151
Pratyākhyānasūtra, 215
Pravacanasāra, 122, 237
Pravacanasāroddhāra, 110, 197
Pravacanasāroddhārasūtravṛti, 229
Pravacanasāroddhārasūtravṛtti, 220
Pravacanasāroddhāravṛti, 184
Prāyaścitta, 138
Prāyaścittacūlikāśaṭika, 115
Prāyaścittagrantha, 139
Prāyaścittaśrāvaka, 118
Pritimkaracaritra, 86
Priyamelakacaupai, 139
Priyaṅkaraṇṛpakathā, 20, 21
Priyaṅkaraṇṛparāsa, 21
Pudgalaparāvallisnātra, 126
Pūjāpañcāsakavṛtti, 139
Pūjāsārasamuccaya, 133, 141
Pūjāṣṭaka, 141, 248
Pūjāṣṭakakathā, 20
Puṇyacandrodayamunisuvratapurāṇa, 86
Puṇyalābhakulaka, 233
Puṇyapālarāsa, 20
Puṇyāśravakathākośa, 145
Purandarakathā, 123, 147
Purandarakumārārāsa, 111
Purāyasrava, 178
Puruṣārthasiddhyupāya, 127, 182
Puruṣārthasiddhyupāyabhāṣaṭikā, 127
Puṣpamālākathā, 107
Puṣpamālāprakaraṇa, 151
Puṣpāñjalivratākathā, 86
Puṣpāñjalivratodyāpana, 138, 161

TITLE INDEX

R

- Rāgarāginījainapadasaṅgraha, 230
Rājahaṁsanīyamabhaṅgakathānaka, 119
Rājaprasānīyasūtra, 185, 196, 207
Rājaprasānīyasūtraṭīkā, 197, 198
Rājaprasānīyasūtraṭippaṇāī, 198
Rājaprasānīyopāṅga, 196, 203, 211, 212
Rājaprasānīyopāṅgasūtra, 196, 203
Rājasīmhaḥakumārakathā, 24
Rājavārtīkasaṭīka, 113
Rāmapurāṇa, 122
Rāmāyaṇa, 24
Ratnacūḍakathā, 24
Ratnacūḍakumārāprabandhādi, 253
Ratnakamḍaka, 179
Ratnakaraṇḍaka, 170
Ratnakaraṇḍakaśrāvākācāra, 152
Ratnakaraṇḍakaśrāvākācāra, 178
Ratnakaraṇḍakaśrāvākācāravacanīkā, 145
Ratnapālacarita, 257
Ratnasañcaya, 142
Ratnasāarakathā, 29
Ratnasārasaṅgrahaṇī, 244
Ratnaśekharaṇarapatīkathā, 24
Ratnaśekharaṇrīpakathā, 24
Ratnaśekharaṇratnavatīkathā, 24, 29
Ratnatrayajayamālā, 116
Ratnatrayapūjā, 162
Ratnatrayārādhanāvidhi, 167
Ratnatrayavidhānakathānaka, 90
Ratnatrayodyāpanavidhāna, 108
Rātripratīkramaṇavidhi, 216
Rauhiṇeyakathā, 25
Rayaṇasāra, 179
Revatīkathā, 25
Rohiṇīkathā, 91, 197, 253
Rohiṇīvratamaṇḍalavidhāna, 142
Rohiṇyaśokacandrakathā, 25
Rṣabhajīnacaritra, 10
Rṣabhatarpaṇavidhi, 200
Rṣabhavīrastava, 254
Rṣidattacarita, 129
Rṣidattākhyāna, 10
Rṣīkathānaka, 10
Rṣīmaṇḍalaprakaraṇa, 213
Rṣīmaṇḍalapūjāvidhi, 147
Rṣīmaṇḍalastotra, 26, 187
Rṣīmaṇḍalastotravivarāṇa, 26
Rṣīmaṇḍalasūtraprakaraṇa, 200
Rṣīrājārāsa, 156
Rukmiṇīvidhānakathā, 91
Rūpakamālā, 29, 30
Rupakamālāvācūrṇīkā, 223
Rūpasenacaritra, 197
Rūpasenakathā, 24, 25
Rūpasenanarendrakathānaka, 222
- ### S
- Sadaivagacchasāvalīṅgā Rī Duhā, 226
Sadaivasāvalīṅgā Rī Vārtā, 229
Sadaivavacchasāvalīṅgā Rī Kathā, 226
Sadaivavacchasāvalīṅgā Rī Vārtā, 225, 226
Ṣaḍamāvasyakapratīkramaṇasūtrabālvabodha, 221
Ṣaḍāvaśyaka, 246
Sadāvasyakasūtra, 219
Ṣaḍāvaśyakasūtra, 224
Sadayavatsakathā, 57
Sadayavatsaprabandha, 58
Sadayavatsasāvalīṅgacatuṣpadī, 58
Sādhuvaṁdanā, 224
Sāgaraśreṣṭhīkathā, 62
Saghaṭṭapaṭṭamalaghuvṛtti, 223

TITLE INDEX

- Sajjanacittavallabha, 171
Sakalikaṛaṇa, 112
Sakalikaṛaṇavidhāna, 158
Śālamahāśālakathā, 49
Śālibhadracaritra, 49, 50
Śālibhadracatuṣpadikā, 49
Samabodhasakacārī, 258
Samādhitaṁtra, 226
Samādhitantra, 116, 140, 246
Samāikapāṭha, 147
Samarādityacaritra, 58
Samarādityasaṁkṣepa, 59
Samavāyāṅgasūtra, 204, 246
Samavāyāṅgasūtrasaparyāya, 259
Samavāyāṅgavṛttikā, 231
Samayabhūṣaṇa, 170
Samayasāra, 118, 119
Samayasārakalaśa, 246
Samayasāranātakasiddhānta, 227
Samayasārasaṭika, 121
Samayasāratātparyavṛtti, 160
Samayasāraṭikā, 185
Sāmāyikasūtra, 5, 196
Śāmbapradyumnaprabandha, 48, 49
Sāmbhavanāthacaritra, 59
Sambodhasaptatikā, 247
Sambodhasattarī, 223, 247
Saṁghayanasūtra, 233
Saṁgrāmasūrakathā, 57
Sammedaśikharimāhātmya, 97, 98
Sāmpakvasattarīprakaraṇa, 123
Sampatkasvāvyākhyā, 233
Sāṁskritamañjarī, 250
Sāṁthārāvidhi, 234
Sāṁvādasundara, 223
Sāṁvegacūḍāmaṇi, 124
Sāṁvegaśataka, 120
Sāṁvegaśatakaparikaṛaṇa, 120
Samyaksaptatikā, 118
Samyaksvarūpastavana, 118
Samyaktvakaumudī, 59, 60, 61, 247
Samyaktvakaumudīcatuṣpadī, 61
Samyaktvakaumudīkathā, 59, 159
Samyaktvakaumudīkathānaka, 253
Samyaktvastavanaṭikā, 124
Samyaktvasvarūpagarjitastotraṭikā, 125
Sanatkumārakathā, 58
Sanatkumārārāsa, 58
Sanatkumārasaṁdhi, 58
Sandehvisnoshdhikolasipatra, 218
Saṅghapaṭṭaka, 129
Saṅghaṇī, 155
Saṅghaṇīprakaraṇa, 215
Saṅghaṇīratna, 246, 256
Saṅghaṇīratnabālāvabodhavivaraṇasahita, 256
Saṅghaṇīsūtrabhāṣyatrayavacūrisahita, 246
Saṅghaṇyavacūrṇi, 155
Saṅghaṇī, 148, 149
Saṅghaṇīsūtravivaraṇa, 150
Saṅgrāmasūrakathānaka, 57
Śāṅkhadrṣṭānta, 44
Śāṅkhakumārakathā, 44
ṣaṅmatadarśanalakṣaṇa, 180
Ṣaṅṅnavatikṣetrapālapūjā, 125
Śāntanāthacarita, 138
Śāntasudhārasa, 247
Śāntijinaprabandha, 46, 161
Śāntijinaprabhāvīkachanda, 191
Śāntijinarājastutimāhātmyavarṇana, 120
Śāntimahotsavavidhi, 168
Śāntimantra, 116
Śāntināthacarita, 48

TITLE INDEX

- Śāntināthacaritra, 46, 47, 48, 92, 93
Śāntinātharājyābhiṣeka, 158
Śāntināthpurāṇa, 159
Śāntipurāṇa, 133
Śāntistava, 188
Saptabhaṅgītaraṅgiṇī, 170, 184
Saptamaparamasthānavidhānakathā, 96
Saptatikāsūtra, 203
Saptatikāvacūri, 149
Saptatiśatasthānaka, 149
Saptavyasanakathāsamuccaya, 146
Saptavyasanasamuccayakathā, 96, 97
Saptavyasanavarjanacaritra, 96
Sārasamuccaya, 125
Sārasīkhāmaṅarāsa, 62
Sardevacchasāvalimḡarīvāta, 225
Sārdhadvayadvipajinapūjā, 110
Sārdhadvayadvipasthajinapūjā, 119
Sārthadvīpapūjā, 143
Sarvajinastuti, 28
Sarvārthanirākaraṇavādasthala, 149
Ṣaṣṭhiśataprakīrṇaka, 246
Ṣaṣṭiprakaṛaṇa, 118
Ṣaṣṭiśataka, 160
Śāstrasārasamuccayavṛtti, 179
Śāśvatājinabimbajinacaitanyaprakaṛaṇa, 233
Śāśvatājinastavana, 106, 144
Śatapadīsamuddhāra, 141
Śataskandhanompivivarāṇa, 181
Ṣaṭprābhṛta, 143, 159
Ṣaṭpuruṣavicāra, 57
Śatruṅjayakalpa, 44, 45
Śatruṅjayamāhātmya, 45, 46
Śatruṅjayamāhātmyarāsa, 46
Śatruṅjayadvāra, 227
Śatruṅjayakalpa, 209
Śatruṅjayamahātirthamāhātmya, 162
Śatruṅjayamāhātmya, 155, 253
Sattarabhedapūjāvidhi, 236
Sātyandharīprabandha, 172
Saubhāgyapañcamikathā, 107
Śaucācāraavidhi, 182
Sāvagadrumamañjarī, 150
Savaiyāikatīsā, 250
Savvapacakyāṇasaṅgraha, 247
Śayasenisūtratavasaparyāya, 259
Siddhā Kī Pūjā, 191
Siddhacakraṅkathā, 98
Siddhacakramāhātmya, 63
Siddhacakrapūjā, 168
Siddhacakraṅstava, 214
Siddhacakraṅstuti, 214
Siddhacakravidhānakathā, 98
Siddhadāṅḡikā, 204
Siddhāntaratnāvalī, 125, 143
Siddhāntasāroddhāra, 137
Siddhapañcāsīkāsūtra, 123
Siddhapūjājayamālā, 134
Siddhastava, 3
Sijhakāyañjhamāṇa, 234
Śīladūta, 51
Śīlamatikathā, 51
Śīlāṅgaratha, 245
Śīlapāhuḡa, 143
Śīlasandhi, 51
Śīlavatikathā, 51
Śīlavatīrāsa, 51
Śīlopadeśamālā, 209, 250
Śīlopadeśamālābālavabodha, 250
Śīlopadeśamālāprakaraṇa, 129
Śīlopadeśamālāvṛtti, 160
Śimandharalekha, 256

TITLE INDEX

- Siṃandharastavana, 229
Siṃhāsanabattīsī, 63
Siṃhāsanadvātrimśatikā, 124
Siṃhāsanadvātrimśikā, 62, 122
Siṃhavyāghrakumārakathā, 62
Sindhūraprakaraṇāvacūri, 150
Sindūraprakāra, 219
Sindūraprakaraṇāṭikā, 143
Sītācaritra, 63
Śivakumārakathā, 50
Śobhanayuktadopatra, 217
Ṣoḍaśabhāvanānompikathā, 181
Ṣoḍaśakāraṇapūjā, 109
Ṣoḍaśakāraṇopākhyāna, 95
Śrāddhajītakalpāvacūri, 106
Śramaṇasraīṣṭhyanirṇaya, 183
Śramaṇasūtra, 129
Śrāvakācāra, 116, 128, 145, 230
Śrāvakadharmā, 183
Śrāvakapratikramaṇasūtra, 245
Śrāvakapratikramaṇasūtrapadaparyāyamañjarī, 159
Śrāvakapratikramaṇavanditusūtra, 105
Śrāvakaprāyaścitta, 116
Śrāvakasāmayikapratikramaṇavidhi, 189
Śrāvakasnānavidhi, 148
Śrāvakavidhiprakāśa, 158, 230
Śrāvakavratabhāṅga, 154
Śravaṇadvādaśīkathānaka, 93
Śravaṇadvādaśyupākhyāna, 93
Śravaṇapratikramaṇavidhi, 189
Śreṇīkacatuspadī, 56
Śreṇīkapadmanābhapurāṇa, 95
Śreṇīkapurāṇa, 95
Śreṇīkarājā Kī Kathā, 229
Śreṇīkarāsa, 56, 57
Śricanda Rī Caupāi, 190
Śricandracaritra, 53
Śricandraprabandharāja, 235
Śricandrarājacaritra, 235
Śrīdevatākalpa, 180, 181
Śrīdhanyakumāracarita, 83
Śrīkathā, 53
Śrīmatīkathā, 56
Śrīpālacarita, 220
Śrīpālacaritra, 54, 55, 56, 93, 94, 221
Śrīpālakathā, 53, 54
Śrīpālakathānaka, 154
Śrīpālanarendrakathā, 110, 140, 154
Śrīpālarāsa, 55, 56
Śrīpurāṇasamāmnāya, 164
Śrīsātyandharīprabandha, 172
Śrīṅgāravairāgyatarangiṇī, 211
Śrutajñānavratodyāpanajayamālā, 116
Śrutaskandhapūjā, 114
Śrutaskandhavidhānakathā, 95
Śrutivicāra, 154
Stambhatīrthacintāmaṇi, 175
Stavanasajajhāyasaṃgraha, 228
Sthānāṃgasūtra, 185
Sthūlabhadracaritra, 68
Sthūlabhadraguṇaratnākarachanda, 67
Stotrasaṃgraha, 139
Strībuddhīkathā, 212
Stutisaṃgraha, 189
Subāhucaritra, 65
Subhaumacaritra, 100, 111
Śuḍābihottarikathā, 136
Sudarśanacaritra, 64, 99
Sudarśanākathā, 65
Sudarśanaśreṣṭhīrāsa, 64, 65
Sudhanamadanakathā, 65
Sugandhadaśamīkathā, 99

TITLE INDEX

Sugandhadaśamīvatodyāpana, 152
Sugunakumārakathā, 64
Śukabahuttarī, 253
Śukakathānaka, 52
Śukarājacaritra, 52
Śukarājakathā, 52
Śukaśukikathā, 52
Sukhasampattikahā, 99
Sukosalacatuṣpadī, 64
Sūkṣmavicāragāthātraya, 123
Sukumālacaritra, 98
Sukumālarāsa, 64
Sumitracaritra, 66
Sumitrarājāṣirāsa, 150
Sundararājakathā, 65
Surapriyarāsa, 66
Sūrarājamadanāvalīkathānaka, 67
Surasundarīcarita, 66
Surasundarīcatuṣpadī, 66
Sūrasundarīkathā, 150
Sūrimantrapaddhativivarāṇa, 198
Sūrimantravivarāṇa, 198
Sūripadasthāpanāvidhi, 118
Sūryaprajñāpatisūtra, 199
Sūryaprajñāpatisūtra, 185
Susaḍhacaritra, 107
Susaḍhacatuṣpadī, 67
Susaḍhakathā, 67
Sūtrakṛtāṅga, 204
Sūtrakṛtāṅgasūtra, 198, 204
Suvicāra, 154
Svāmīkārtikānupreksā, 133, 144
Svarodayagrantha, 148
Svarūpasambodhana, 184
Syāchādaratnākarasūtra, 232
Syādisamuccayasūtravacūrisahita, 247

Syādvādamañjarī, 234

Syādvādapuṣpakalikā, 161

T

Tapāgacchapaṭṭāvalī, 206

Tārapatṛiyasacitragrantha, 219

Tattva, 241

Tattvakaustubha, 134

Tattvapradīpikā, 140

Tattvārthādhigamasūtra, 182, 220, 234

Tattvārthādhigamasūtravyākhyā, 182

Tattvārtharatnaprabhākara, 241

Tattvārthasāra, 113, 132

Tattvārthasāradīpaka, 120

Tattvārthasālokavārtika, 130, 156

Tattvārthasūtra, 113, 140, 188, 220, 221, 222

Tattvārthasūtrabālāvabodhaṭīkā, 121

Tattvārthasūtrasaṭīka, 108

Tattvārthasūtraṭīkā, 113, 120, 132, 154, 156

Tattvārthavārtikavyākhyānālaṅkāra, 126

Tattvārthavṛtti, 135

Tattvatarāṅgiṇīsūtrasavṛtti, 122

Tattvatrayacūlika, 212

Tattvatrayaprakāśinī, 113

Tattvavicārapadyamālā, 182

Tattvārthasūtravṛtti, 178

Tetisakaṅṭhekada, 258

Ṭhaṅḍilākaraṇavidhi, 241

Thāvaccāsutacaritra, 103

Thui, 233

Tirthaṅkarapūjāvidhāna, 170

Tirthaṅkarapūjā, 166

Tirthaṅkaraśaktinuti, 180

Tirthaṅkarasaṅskṛtapūjā, 121

Tirthaṅkarastuti, 180

Tirthaṅkarayajñākrama, 166

TITLE INDEX

- Tirumalaiśāsana, 169
Tisacauvisīpūjā, 120
Tisaṭṭhimahāpurisaḡuṇālaṃkāramahāpurāṇa, 80, 81
Trailokyadīpaka, 114
Trailokyakāvya vicāravivarāṇa, 215
Trailokyasārapūjā, 132
Traivarnīkācāra, 231
Trepanakriyākathā, 108
Trilokasārvyākhyā, 183
Trirāsīśatābdī Ke Patra, 216
Triśalā ke 14 Svapnaṭīkāśahita, 241
Trisalārāṇī Kahe mere Nandana, 249
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgraha, 114, 183
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayādīpurāṇa, 81
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayādīpurāṇāvacūri, 81
Triṣaṣṭīlakṣaṇamahāpurāṇasaṅgrahayuttarapurāṇa, 81, 82
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣacaritra, 175
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣacaritradāśamaparva, 177
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaprathamaparva, 176, 177
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣasaptamaparva, 177
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaṣṭamaparva, 176
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣaṣṭamaparva, 177
Triṣaṣṭīśalākāpuruṣastavaka, 175, 177
Trivarnācāra, 114, 134
Ṭṭakamatānivāraṇacaryā, 139
- U**
- Udāicaritra, 136
Udāinṛpacaritra, 9
Upadeśagītasubhāṣita, 255
Upadeśamālā, 212, 213
Upadeśamālākarnikā, 249
Upadeśamālāprakaraṇa, 258
Upadeśaprasādavidhi, 163
Upadeśaratnakośa, 204
Upadeśaratnamālā, 120, 134
Upadevatārcanavidhi, 168, 169
Upamitibhavaprapaṅcakathā, 155
Upamitibhavaprapaṅcākathā, 9
Upamitibhavaprapaṅcākathāsāroddhāra, 10
Upamitibhavaprapaṅcākathoddhāra, 10
Upāsakadaśāṅgasūtra, 198, 200, 238
Upāsakādhyayana, 121, 130, 131
Upāsakādhyayanaśāṭīka, 121
Upasargaharastotra, 1
Uttamacaritrakathā, 129
Uttamacaritrakumārakathā, 9
Uttamakumāracarita, 8, 9
Uttamakumārārājakathānaka, 142
Uttarādhyanasūtra, 199, 200
Uttarādhyayanasūtra, 221, 235, 237, 238
Uttarādhyāyanasūtra, 185
Uttarādhyayanavṛtti, 235
Uttarīkaraṇasūtra, 1
- V**
- Vācanālayalokacandraganīśatakaprakṛtīvikṛtikāpīśa, 218
Vairāgasiṅjhāya, 252
Vairāgyaśataka, 153
Vairocanakathā, 44
Vajrabāhukathā, 31
Vajrāyudhakathā, 31
Vākyaparakāśauktika, 250
Vāṅirājarṣīprabandha, 35
Vanarājakathā, 31
Vandanakapratikramaṇasūtra, 203
Vandanakasūtra, 3
Vandentusūtra, 245
Vaṅkacūlakathānaka, 119
Vaṅkacūlarāśa, 31
Varadagūṇamaṅjarīkathā, 137
Varadattagūṇamaṅjarīkathā, 253

TITLE INDEX

- Varadattaguṇamañjarikathānaka, 162
Varadhamānapurāṇa, 183
Vardhamānadeśanā, 32, 33, 155
Vārtābālāvabodha, 253
Vartamānacaubīsī, 186
Vārtāsamuccaya, 106
Vasantakumārakathā, 33
Vastupālaprabandha, 35
Vāstupālatejapālakārīta, 174
Vastupālatejapālarāsa, 34
Vāstuvīdhāna, 179
Vasudevacaritra, 33
Vasudevahiṇḍī, 34
Vāsupūjyacarita, 160
Vāsupūjyacaritra, 35, 36
Vāsupūjyapuṇyaprakāśarāsa, 36
Vasusahasranāmajinapūjā, 108
Vatsarājakumārakathānaka, 31
Vayarakumārārāsa, 31
Vetālapaṅcaviṁśatikā, 44
Vicārabattīsī, 128, 137
Vicāraṣadvimśikā, 245
Vicārasāraprakaraṇa, 245
Vicāraśataka, 160
Vicārasattarī, 154
Vicāraṣaṭtrimśikāvācūrṇī, 153
Vicārastavana, 140
Vidhiprakāśa, 142
Vidvānaśataka, 106
Vidyāhālā, 117
Vidyānuśāsana, 144, 183
Vidyāśāgarakathā, 41
Vidyāvīlāsanarendrakathānaka, 40
Vidyāvīlāsanarendrapavāḍau, 40, 41
Vidyāvīlāsapavāḍau, 40
Vidyunmālimerupūjājāyamālā, 114
Vigyapplekha, 217
Vijayacandakevalicaritra, 119
Vijayacandracarita, 39
Vijayacandracaritra, 38, 39
Vijayacaupai, 38
Vijayadevamāhātmya, 39, 41
Vijayapota, 192
Vijayapraśastimahākāvya, 40
Vijayaratnasūriguṇavarṇana, 40
Vikramacaritra, 36, 37
Vikramacatuṣpadī, 36
Vikramādīlaghuprabandhasaṅgraha, 196
Vikramādityacaritra, 38
Vikramādityacatuṣpadī, 38
Vikramaprabandha, 37
Vikramasenarāsa, 37
Vimalanāthapurāṇa, 91
Vimalaprabandha, 41
Vimānapaṅktyupākhyāna, 92
Viṁśatiprarūpiṇī, 164
Viṁśatiprarūpiṇīvyākhyā, 164
Viṁśatisthānakapūjāvidhi, 136
Viṁśatisthānakavicārāmṛtasaṅgraha, 117
Viṁśativītarāgastotrāṇī, 117
Vinayacaṭakathā, 41
Vinītavinītabhāva, 41
Vipākamūlasūtra, 258
Vipākasūtra, 210, 229, 245
Vīrabhadrakathā, 43
Vīrajīnastavana, 254
Vīrajīnastuti, 254
Vīrāṅgadakathā, 43
Vīrasenakusumaśrīcātuṣpadī, 43
Viṣamārthavṛttāni, 138
Viṣāpahārastotra, 187
Viṣāyaharastotra, 192

TITLE INDEX

Viṣayavāsanāsañjhāya, 252
Viśeṣāśataka, 160
Viśeṣāvaśyakavṛtti, 128
Viṣṇukumāraccatuṣpaḍī, 43
Viṣṇukumārakathā, 42
Vītarāgastotra, 188
Vītarāgastotravacūrṇisahita, 254
Vivekamañjarī, 154
Vivekavilāsa, 155, 184
Vividhapūjāsaṅgraha, 139
Vividhatīrthakalpa, 42
Vividhavicārapatra, 153
Vratākathākośa, 92
Vratākathākośabhāṣā, 92
Vratavidhāna, 111
Vratodyotana, 118, 144
Vratodyotanaśrāvākācāra, 143
Vṛddhicaityavandana, 245
Vṛṣabhadevavyākhyāna, 43

Y

Yaśastilaka, 89, 90
Yaśastilakapañji, 90
Yaśobhadrakathānaka, 212
Yaśodharacarita, 172
Yaśodharacaritra, 195
Yatidinaḅṛtya, 152
Yatīśikṣāpañcāśikā, 149
Yogabinduvṛtti, 161
Yogaḅṛṣṭisajjāya, 148
Yogaśāstramāṭṛkā, 256
Yogaśataṭikā, 131
Yogivā, 30

लेखक/व्याख्याकार सूची

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

A

Abhaya Sūri, 164
Abhayadeva Sūri, 231, 238
Abhradeva, 118
Ācārya Guṇabhadra, 114
Ācārya Somakīrti, 96
Ācāryahema Sūri, 254
Akalaṅka, 184
Akalaṅkadeva, 159
Amaracandra, 128
Amarasundara, 193
Amarasundarpaṇḍita, 6
Amaravijaya, 64
Amarcandragāṇi, 247
Amitagati, 127, 132
Amṛtacandra Sūri, 113, 115
Ānandarāma, 121
Appāṇḍanātha, 172
Ariṣṭanemi Bhaṭṭāraka, 180
Aruṇamaṇi, 71
Āryaśyāma, 198
Āśādhara, 133, 187
Āsāyata, 69

B

Balabhadra, 234
Bālacandradeva, 182
Bālavabodha, 61
Banārasīdāsa, 227, 254
Bhadrabāhu, 193, 194, 196, 202, 204, 205, 208, 210,
211, 220, 239, 255
Bhadrabāhusvāmī, 238, 243, 244
Bhadrasena, 225
Bhagotīdāsa, 255
Bhaiyā Bhagautādāsa, 186

Bhānuvijaya Gaṇi, 38
Bhaṭṭāraka Sakalakīrti, 141
Bhaṭṭāraka Vādicandra, 85
Bhaṭṭendrasāgara, 70
Bhāvacandra Sūri, 48
Bhuvanatuṅga Sūri, 63
Brahma, 74, 79, 83, 85, 86, 94, 99, 100, 101, 165
Brahma Ajita, 100
Brahma Jinadāsa, 101
Brahma Kāmaraja, 79
Brahma Nemidatta, 74, 83, 85, 86, 94, 99
Brahma Sūri, 165
Brahmacāri Jinadāsa, 78
Brahmacāri Kṛṣṇadāsa, 91
Brahmarāya, 85
Buddhikuśalagāṇi, 247
Buddhivijayagāṇi, 195
Bulakhīdāsa, 159

C

Cakravarti, 172
Cāmuṇḍarāja, 110
Candraprabha Mahattara, 38, 39
Cāratadharma Gaṇi, 24
Cāritraraṅgagāṇi, 163
Cārucandra, 9

D

Dalapata, 30
Dāmodara, 78
Dayāvardhana, 19, 24, 28, 29, 31, 44, 57
Dayāvardhana Gaṇi, 28, 29, 31, 44, 57
Dayāvarohaṇa Gaṇi, 33
Devacanda, 248
Devacandra, 27
Devadatta, 97, 98, 121

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

- Devadatta Dikṣita, 121
Devaprabha Maladhāri Sūri, 175, 176
Devaprabha Sūri, 177
Devavācaka, 185
Devavijaya, 19, 176, 177
Devavijaya Gaṇi, 176
Devendra, 10, 65, 120, 123, 124, 151, 237, 238, 242,
244, 246, 255
Devendra Sūri, 10, 65, 120, 123, 124, 151, 238, 242,
244, 246, 255
Devicanda, 189
Dhamaghoṣa, 152
Dhanañjaya, 187
Dhanapāla, 87
Dhaneśvara, 45, 253
Dhaneśvara Sūri, 45
Dharamāsgaṇi, 249
Dharmadāsamaṇi, 232
Dharmadevapaṇḍita, 6
Dharmadira, 54
Dharmaghoṣa, 126
Dharmakumāra, 49, 50
Dharmamandiraṅgaṇi, 122
Dharmanandana, 26
Dharmasāgara, 106, 147
Dharmasamudra, 66, 251
Dharmasamudra Gaṇi, 66
Dharmaśekhara Sūri, 13
Dharmasena Gaṇi, 34
Dharmasimha, 56
Dharmavardhana, 66
Dheneśvara Sūri, 162
Dīpasāgaragaṇi, 116
- G**
- Gajasāra, 219, 245
- Gaṇadhara, 220
Gaṇasāgara, 65
Gaṅgādāsa, 161
Gautamasvāmin, 26
Giradhara, 191
Gottamasvāmī, 222
Guṇabhadra, 79, 80, 81, 82, 170
Guṇabhadra Sūri, 81, 82
Guṇabhadrācārya, 81, 183
Guṇaratna Sūri, 151
Guṇavijaya, 21, 153
Guṇavijayaṅgaṇi, 122
Gurubhadrācārya, 156
Gurudāsa, 115
- H**
- Harajit, 20
Hari, 43, 58, 109, 123, 133, 138, 152, 161, 232, 244
Haribhadra, 43, 58, 109, 123, 133, 138, 152, 161, 232, 244
Haribhadra Sūri, 58, 109, 123, 133, 138, 152, 244
Hariṣeṇa, 71, 72, 127
Hariṣeṇācārya, 129, 135
Harṣa, 98
Harṣakīrti, 38
Harṣakula, 33, 242
Harṣanandavādi Gaṇi, 43
Harṣavardhana Gaṇi, 57
Hema, 227, 244
Hema Sūri, 244
Hemacandra, 30, 109, 117, 128, 176, 177, 219, 221,
237, 253, 256
Hemacandra Sūri, 30, 176, 177, 237, 253
Hemacandrācārya, 175, 176, 177
Hemacandradhanapāla, 188
Hemarājaśāha, 243

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

Hemavijaya, 11, 14, 252

Hemavijaya Gaṇi, 11, 14

Hirakalaśa, 63

Hirānanda, 40, 41, 105

Hirānanda Sūri, 36

I

Indrācārya, 170

Indrasāra, 103

Indravāmadeva, 114

J

Jagannathācharya, 184

Jaimala, 189

Jambusvāmī, 246

Jasavijaya Upādhyāya, 226

Jayacandra Sūri, 142

Jayakīrti, 54, 55, 250

Jayamalla, 61, 136

Jayānanda Sūri, 68

Jayasāgara Upādhyāya, 197

Jayaśekhara, 149, 150

Jayaśekhara Sūri, 150

Jayavanta Sūri, 10

Jina Sūri, 24

Jinabhakta Sūri, 27

Jinabhaṭṭa Sūri, 184

Jinadāsa, 79, 128, 249

Jinadāsa Mahattara, 128

Jinadatta Sūri, 155

Jinadeva, 88

Jinadharma, 67

Jinaharṣa, 24, 35, 43, 46, 252

Jinaharṣa Gaṇi, 35

Jinakīrti, 9, 20

Jinapati Sūri, 28

Jinaprabha, 42

Jinaprabha Sūri, 42

Jinasena, 100, 101, 130

Jinasena Guṇabhadra, 130

Jinasenācārya, 164, 180, 186

Jinasundara, 243

Jinavallabha Sūri, 129, 253

Jinavimala Sūri, 221

Jinodaya Sūri, 69

Jñānamūrti, 21

Jñānasāgara, 17, 24, 55

Jñānavimala, 236, 238

Jñānavimala Sūri, 236

K

Kalyāṇasāgara, 248

Kalyangant, 236

Kanakakuśala, 25, 253, 254

Kanakasūri Gaṇi, 14

Kauśalamaṇi, 255

Keśava, 76, 158

Keśavasena, 111

Khemji, 136

Kīrata Sūri, 250

Kīrtivardhana, 58

Kṛṣṇadāsa, 86

Kṣamākalyāṇa, 147

Kṣemaṅkara Gaṇi, 57

Kulamaṇḍana Sūri, 222

Kumudacandra, 108, 222

Kumudacandrācārya, 187

Kundakundācārya, 131, 143, 159, 160, 185

Kuśalalābha, 228

L

Labdhavijaya, 251

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

Lābhavardhana, 38

Lakhamicanda Sarāvagi, 191

Lakṣmīcandra, 134

Lakṣmīseṇa, 223

Lakṣmīvallabha, 37

Lakṣmīvijaya, 163

Lālacanda, 228

Lāvāṇyasamaya, 41, 66

Lāvāṇyavijai, 251

M

Mahākavi Puṣpadanta, 80, 81

Mahākṣapaṇaka, 107

Maharṣi Netasīji, 239

Maheśvara Sūri, 245

Mahimāsāgara, 248

Maladeva, 111

Malliṣeṇa, 126, 138, 144, 181

Malliṣeṇa Sūri, 126

Mānatuṅga, 223, 224

Mānatuṅgācārya, 186, 188

Mānatuṅga, 224, 254

Mānatuṅga Sūri, 254

Mānatuṅgācārya, 225

Mānavijaya, 16, 28

Māṇikyadeva, 19

Māṇikyasundara, 22, 52, 194

Māṇikyasundara Sūri, 22

Māṇikyasūri, 195

Mati Ānanda, 103

Matisāra, 49

Melā Saṅghapati, 64, 65

Merunandana Upādhyāya, 227

Meruprabha, 57

Meruvijaya, 188

Mohanavijaya, 190, 252

Muni Kapūracandra, 148

Munideva Sūri, 46, 47

Muniprabhācandra, 241

Muniratna Sūri, 6

Munisundara, 23, 107, 125, 204

Munisundara Sūri, 23, 107, 204

N

Nalarāya, 162

Nandadāsa Svāmin, 122

Nandibhaṭṭāraka, 179

Nandigaṇi, 135

Nara Simha, 178

Naraseṇadeva, 93

Nārāyaṇa, 226

Narendrasena, 153

Nayaraṅga, 7

Nayasundara, 66, 227

Nayavimala, 55

Nemavijaya, 51

Nemicandra, 131, 134, 160, 178, 183, 202

Nemicandrācārya, 215

Nemicandrasiddhānti, 183

Nemikuṅjara, 15

Nyānasāgara, 58

P

Pādalipta Sūri, 44, 45

Padmacandra Sūri, 251

Padmanandi, 116, 147

Padmaprabhadeva, 186

Padmaprabhatraividya Cakravarti, 164

Padmarāja, 26

Padmasāgaragaṇi, 144

Paṇḍita Jinadāsa, 70

Paṇḍita Simhapramoda, 44

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

Paṇḍitācārya, 184

Paramasāgara, 37

Parimala Dharmasadana, 94

Pārśvacandra Sūri, 34

Parvatadharmarthī, 116

Prabhācandra, 130, 142, 180, 231

Pradyumna Sūri, 59

Pūjyapādasvāmī, 171

Puṇyārāja Gaṇi, 70

Puṇyasāgara Upādhyāya, 65

Puṣpadanta, 102

Puṣpadatta, 102

R

Raidhu, 94

Rājahaṁsa, 228

Rājakīrti, 32, 68

Rājaśekhara, 12, 102

Rājaśekhara Sūri, 12

Rājavallabha, 195

Rāmacandra, 17, 121, 163

Rāmacandra Caudharī, 121, 163

Ramacandra Gaṇi, 14

Ramacandra Mumukṣu, 178

Rāmavijaya, 46, 161, 176, 177

Ratanapāla Sūda, 190

Ratna Simha, 253

Ratnacandra, 100, 111, 139

Ratnakīrti, 85

Ratnanandī, 110

Ratnaprabhā Sūri, 103

Ratnaśekhara, 53, 54, 110, 247

Ratnaśekhara Sūri, 54, 110, 247

Ratnasundara, 253

Ratnasūri, 117

Ravisāgara, 23

Rayidhu, 114

Rṣabhadāsa, 56, 150

Rṣcothamala, 252

Rṣi Jayamala, 9

Rṣi Keśava, 7

Rṣikudhara, 224

Rūpacanda, 186

Rūpavijaya, 251

S

Ṣadguruśiṣya, 10

Sādhu Manisara, 64

Sagaragaṇi, 155

Sahajasundara, 67, 156

Sakalabhūṣaṇa, 120

Sakalacandra, 23, 36, 141

Sakalakīrti, 64, 72, 73, 83, 88, 92-94, 98, 99, 115, 120,
127, 130, 135, 146, 159, 179

Sakalakīrti Bhaṭṭāraka, 72, 92, 94, 98

Samaladāsa, 137

Samanta, 178

Samantabhadra, 121, 130, 147, 170, 178

Samaracandra, 229

Samayasundara, 13, 16, 30, 48, 49, 103, 139, 160, 227,
243, 249, 251, 252

Samayasundara Gaṇi, 13, 30

Samayasundaropādhyāya, 231

Samghavijaya, 63

Samvegasundara, 62

Samyasundara, 195

Saṅghadāsa Gaṇi, 34

Śāntātapa, 161

Śānti Sūri, 157, 161, 207, 243

Śānti Varmā, 171

Śānticandragati, 254

Sāraṅga, 30, 177

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

- Sāraṅga Vācaka, 177
Sāyambhava Sūri, 202
Siddha Ṛṣi, 9
Siddhāntagaṇi Sūri, 117
Siddharṣi, 155
Siddhasena, 18, 135
Siddhasena Sūri, 18
Siddhi Sūri, 6
Śilasimha Gaṇi, 53
Silavijayasīya, 251
Simhatilaka Sūri, 209
Śivasundaragaṇi, 124
Somacandra, 193, 207
Somacandrapaṇḍita, 11
Somadeva, 89, 90
Somadeva Sūri, 90
Somakīrti, 96, 97, 146
Somaprabha, 109, 211, 250
Somaprabha Sūri, 109, 250
Somaprabhācārya, 219
Somasena, 122, 231
Somatilaka Sūri, 119, 174
Somavimala Sūri, 57
Someśvaradeva, 174
Śovana Paṇḍita, 189
Śrautasāgara, 70
Śrī Vallabha, 41
Śribhūṣaṇa, 138
Śricandra Sūri, 256
Śridhara, 87, 88
Śrīsubha Bhaṭṭāraka, 124
Śrutasāgara, 71, 72, 76, 77, 84, 86, 89, 90-93, 95, 96,
99, 113
Śrutasāgara Sūri, 91
Śrutavardhana, 32
Śrutavardhana Śubhavadana Gaṇi, 32
Śubhacandra, 77, 95, 119, 132, 133, 155, 164, 210
Śubhacandra Bhaṭṭāraka, 77
Śubhacandradeva, 98
Śubhaśīla, 22
Śubhavadhana Gaṇi, 26
Sūda, 190
Sudharma Svāmī, 196, 210
Sumativardhana, 230
Surendrakīrti, 71
Svayambhava Sūri, 202, 207
Svayambhū Muni, 100
- T**
- Taruṇaprabhā, 160
Tejapāla, 59
Tejasimha, 106
Thiruttakka Thevar, 163
Tiruttakkatevar, 163
Tribhuvāṇa, 256
- U**
- Udayabhānu, 37
Udayadharama, 250
Udayaratna, 7
Umāsvāmi, 221
Umāsvāti, 121, 182, 188
Upādhyāya Devamūrti, 25
- V**
- Vācaka Sahajasundara, 52
Vādicandra, 113, 165
Vādicandra Sūri, 113
Vādirāja, 187
Valhapaṇḍita, 109
Vāmadeva, 115
Vardhamāna Sūri, 35, 36, 160

AUTHOR/COMMENTATOR INDEX

- Vardhānanda Vemkaṭācārya, 212
Vasunandin, 121
Vaṭṭakerācārya, 110
Vaṭṭeraka, 120
Vedavyāsa, 184
Viajayalakṣmī Sūri, 229
Vidyāharsāgani, 175
Vidyānandasvāmī, 171
Vidyānandi, 94
Vidyātilaka, 160
Vijayakīrti Bhaṭṭāraka, 95
Vijayatilaka, 140
Vilhakavi, 26
Vimala Sūri, 175
Vimalakīrti, 99
Vinaya, 22
Vinayacandra, 8, 251, 252
Vinayakuśala, 195
Vinayaprabha Sūri, 252
Vinayavijaya, 55, 56, 247
Vinayavijaya Gaṇi, 55
Vinayavijaya Upādhyāya, 247
Vīradeva Gaṇi, 22
Vīranandana, 132
Viśvabhūṣaṇa Bhaṭṭāraka, 111
Viśvasena, 27, 125
Vṛddhajineśvara Sūri, 157

Y

- Yalughugha Sūri, 19
Yaśadeva Upādhyāya, 122
Yaśaḥkīrti, 84
Yaśakīrti, 115
Yaśovijaya, 254
Yaśovijayaṇi, 125
Yodharāja Godikā, 59

ABOUT EDITORS



प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ आईजीएनसीए, नई दिल्ली में एचएजी वेतनमान (स्तर15) में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (कलानिधि) एवं पूर्व डीन (अकादमिक) के रूप में कार्य कर रहे हैं।

प्रो. गौड़ वर्तमान में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के निदेशक भी हैं, जो संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान है। उन्होंने 15.03.2022 को निदेशक, एनएसडी के अतिरिक्त भार के रूप में अपना पद ग्रहण किया है वे एनएसडी, नई दिल्ली के अतिरिक्त गंगटोक, अगरतला, बेंगलुरु में स्थित इसके केन्द्रों एवं टीआईई विंग श्रीनगर के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी हैं। इसके पूर्व जेएनयू, टीआईएफआर, सीएसआईआर-सीआरआरआई, आईएमटी, एमडीआई और आरआईएस जैसे प्रसिद्ध संगठनों से जुड़े रहे हैं।

फुलब्राइट स्कॉलर(वीटी, यूएसए), प्रो. गौड़ ने 24 देशों जैसे- यूएसए, यूके, ऑस्ट्रेलिया, रूस, जर्मनी, फ्रांस, चीन, जापान, ताइवान, ईरान, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कंबोडिया, बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, हांगकांग, पनामा, दक्षिण कोरिया, भूटान, यूई और नीदरलैंड आदि में डिजिटल पुस्तकालय और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कार :

प्रो. गौड़ को 14 से अधिक प्रमुख अवार्ड एनसीपीईडीपी-एमफैसिस यूनिवर्सल डिजाइन अवार्ड 2017, टर्नटिन ग्लोबल इनोवेशन अवार्ड्स 2017 (यूएसए), रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी) इंडिया, लाइब्रेरियन च्वाइस अवार्ड, डायनेमिक लाइब्रेरियन, इंडिया सीएसआर, इनोवेटिव लाइब्रेरी सर्विसेज (लीडरशिप) के लिए डॉ. वेलागा मेमोरियल अवार्ड वर्ष 2019, ग्लोबल नॉलेज मैनेजमेंट कांग्रेस एंड अवार्ड्स में "मोस्ट फैबुलस ग्लोबल नॉलेज मैनेजमेंट लीडर" अवार्ड 2020, वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस 2020, बेस्ट लाइब्रेरी लीडर अवार्ड आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान एवं पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है।

यूनेस्को में भारत का प्रतिनिधित्व :

प्रो. गौड़ सदस्य-अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति (IAC) यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (MoW) कार्यक्रम (2018-2025) के साथ-साथ सदस्य यूनेस्को ग्लोबल टास्क फोर्स ऑन इंडीजिनस

लैंग्वेज (2020-2032) के सह अध्यक्ष के रूप में नामांकित पहले भारतीय हैं।

अन्य अंतर्राष्ट्रीय समितियाँ :

प्रो. गौड़ ने दक्षिण कोरिया में इंटरनेशनल सेंटर ऑन डॉक्यूमेंट्री हेरिटेज (ICDH) और डिजिटल डुनुहुआंग, चीन पर सलाहकार समिति की स्थापना के लिए विशेषज्ञ परामर्श समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन (आईएफएलए), आईएफएलए कला पुस्तकालयों, अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों और एशिया और ओशिनिया क्षेत्रीय समिति, सदस्य-अंतर्राष्ट्रीय NDLTD निदेशक मंडल, सदस्य डेटाबीब सलाहकार बोर्ड, यूएसए आदि की विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। वे 2021-2024 की अवधि के लिए सांस्कृतिक विरासत पर IFLA सलाहकार समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त पहले भारतीय भी हैं।

राष्ट्रीय समितियाँ :

प्रो. गौड़ ने 100 से अधिक राष्ट्रीय समितियों और बोर्डों में सेवा की है। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण हैं- सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और सूचना संसाधन संस्थान (NISCAIR), नई दिल्ली (पूर्व में आईएनएसडीओसी) के लिए अनुसंधान परिषद (RC) के सदस्य। सदस्य बोर्ड ऑफ स्टडीज माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, सदस्य-शासी निकाय शहीद सुखदेव सिंह कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज (डीयू), कई प्रमुख प्रकाशकों के अकादमिक सलाहकार बोर्ड; एल्सेवियर, स्प्रिंगर, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, EBSCO, PROQUEST, OUP, CUP IOP, आदि, सदस्य- गवर्निंग काउंसिल- INFLIBNET, भारतीय विश्वविद्यालयों में इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और निबंधों को प्रस्तुत करने और एक्सेस करने के लिए यूजीसी राष्ट्रीय समिति के सदस्य, सदस्य- राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड-ई-शोध सिंधु राष्ट्रीय संघ, सदस्य-यूजीसी-एमएचआरडी ड्राफ्ट रेगुलेशन कमेटी फॉर यूजीसी (प्रमोशन ऑफ एकेडमिक इंटीग्रिटी एंड प्रिवेंशन ऑफ प्लेजरिज्म इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस) रेगुलेशन 2018। वे भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों / संस्थानों के पुस्तकालय सलाहकार बोर्ड / समितियों के सदस्य हैं तथा 2020 से भारतीय शिक्षण मंडल के अनुसंधान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय टीम के सदस्य हैं।

प्रो. गौड़ को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा Indian institute of Heritage की स्थापना के लिए विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में नियुक्त किया गया है इसके

ABOUT EDITORS

अतिरिक्त नीति आयोग परियोजना (पीएमओ के निर्देशों के तहत) परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी) के अध्यक्ष के रूप में भी नियुक्त किया गया है - विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के बीच पुस्तकालयों को नेटवर्किंग/एकीकृत करना, ताकि पुस्तकालय एकीकृत तरीके से उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान कर सकें।

वे कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में संपादकीय/सलाहकार बोर्ड/अतिथि संपादक के सदस्य हैं। उन्होंने 31 से अधिक वर्षों के पेशेवर कार्यकाल में पीएच.डी. और एम. फिल् के छात्रों का मार्गदर्शन किया है तथा 12 पुस्तकों का लेखन और संपादन कार्य किया है, 70 से अधिक लेख / पत्र लिखे हैं और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों आदि में 600 से अधिक पत्र / वार्ता प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने 500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / सेमिनारों / वेबिनार / कार्यशाला एवं पुस्तक चर्चा आदि का आयोजन और निर्देशन किया है।



डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में पाण्डुलिपि इकाई के प्रमुख हैं। इन्होंने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से आचार्य (M. A.) की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की है। इनकी विद्यावारिधि

(Ph.D.) संस्कृत विषय में श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ, नई दिल्ली से सम्पन्न हुई। इनके अनेक लेख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। अनेक राष्ट्रीय सम्मेलनों में इनका सहभाग रहा है। इन्होंने कई वेदपाठशालाओं को अपनी सेवाएं प्रदान की हैं और अपने ही प्रयास से एक वेद संस्था का संचालन करते हैं। अपने कार्यक्षेत्र में इन्होंने अनेक पाण्डुलिपियों का पदसूचीकरण, पाठनिवेशन, लिप्यन्तरण, संशोधन, संपादन और प्रकाशन किया है। इन्हें शारदा, ग्रन्थ, नेवारी, मैथिली, नन्दिनागरी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ आदि अनेक लिपियों में भी परिपक्वता है। इ.गाँ,रा.कला केन्द्र में विगत दो वर्षों से पाण्डुलिपि एवं लिपि विज्ञान पाठ्यक्रम भी चला रहे हैं। इन्हें वर्ष 2008 में संस्कृति सम्मान, 2014 में संस्कृति-संस्कृत-संरक्षण-सेवा-सम्मान तथा 2016 में वेद-मार्तण्ड-सम्मान से सम्मानित किया गया है।



डॉ. डी. आर. गुप्ता ने विज्ञान, ग्रन्थालय विज्ञान तथा इतिहास विषय में स्नातक / स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के साथ इतिहास (आधुनिक भारत) विषय में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त रिप्रोग्राफी, अभिलेखों की देखभाल और संरक्षण, रिकॉर्ड मैनेजमेंट, संगणक विज्ञान, ग्रन्थालय विज्ञान, कला और संस्कृति, उर्दू, संस्कृत तथा फ्रेंच भाषा जैसे अनेक विषयों में इन्होंने अनेकों प्रमाणपत्र और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इनकी साहित्य में विशेष रुचि रही है और इनको राष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मेलनों में सम्मानित भी किया जा चुका है।

वर्तमान में डॉ. गुप्ता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में रिप्रोग्राफी विभाग में वरिष्ठ रिप्रोग्राफी अधिकारी के पद कार्यरत है। इससे पूर्व इन्होंने विभिन्न संस्थानों मुख्यतः राष्ट्रीय अभिलेखागार में भी कार्य किया है। डॉ. गुप्ता की विशेषज्ञता दुर्लभ और मूल्यवान पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग और डिजिटाइजेशन प्रणाली द्वारा देखभाल और संरक्षण करना है। वह पुस्तकालय स्वचालन और संस्था में ईगवर्नेन्स परियोजना के कार्यान्वयन में भी तकनीकी प्रधान/ई-ऑफिस एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में सक्रिय रूप से सहभागी रहे हैं।

अपने 35 वर्ष के कार्यकाल में इन्होंने अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक और संशोधन उपक्रमों में सहभाग लिया। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं में सहभागी होकर इन्होंने 15 से अधिक लेख प्रकाशित किये हैं। विविध पुस्तकें, पत्रिका और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादन में इनका शैक्षणिक योगदान रहा है। डॉ. गुप्ता ILA और IASLIC के आजीवन सदस्य हैं।



श्री. बी. एस. राणा ने पुस्तकालय विज्ञान की शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर उपाधि तथा जामिया विश्वविद्यालय से हिन्दी साहित्य में एम्. ए. की उपाधि प्राप्त की। पुस्तकालय विज्ञान की कई पत्रिकाओं में इनके लेख प्रकाशित हुए हैं

तथा बहुत सी ग्रन्थ सूचियों के संपादन तथा प्रकाशन में योगदान दिया है। अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में इनका सहभाग रहा है। वर्तमान में यह इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के ग्रन्थालय विभाग में सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी के पद पर सेवारत हैं। वह ILA के आजीवन सदस्य हैं।